उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

वार्षिक प्रतिवेदन

2010-11
एवं
2011-12

विश्वविद्यालय परिसर
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
शान्तिपुरम् (सेक्टर - एफ), फाफामऊ, इलाहाबाद 211 013

प्रमुख दूरभाष

कुलपति कार्यालय	0532-2447032 फैक्स
	0532-2447028
	0532-2447030
कुलसचिव कार्यालय	0532-2447035
	0532-2447036 फैक्स
	0532-2447071
परीक्षा नियंत्रक कार्यालय	0532-2447123
	0532-2447038
वित्त अधिकारी कार्यालय	0532-2447042
सामान्य जानकारी (क्षेत्रीय कार्यालय)	0532-2447510
प्रवेश अनुभाग	0532-2447170
शिक्षा विद्याशाखा (शैक्षणिक परिसर, फाफामऊ)	0532-2447896
मानविकी विद्याशाखा (शैक्षणिक परिसर, फाफामऊ)	09415608607
समाज विज्ञान विद्याशाखा (शैक्षणिक परिसर, फाफामऊ)	0532-2447001
शोध अनुभाग (शैक्षणिक परिसर, फाफामऊ)	0532-2447897
पुस्तकालय अनुभाग (शैक्षणिक परिसर, फाफामऊ)	0532-2447898
कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा	0532-2447122
पाठ्य सामग्री अनुभाग	0532-2447031

कुलगीत

सद्ज्ञान तीर्थ पावन नगरी यही सुहाती।
सबके लिए सुशिक्षा संकल्प शुभ सुनाती।।

शिक्षा जगत पुरोधा आदर्श राष्ट्र-नायक।
हिन्दी प्रबल समर्थक सद्भावना विधायक।।
यह मुक्त पीठ अनुपम राजर्षि जिसकी थाती।
सबके लिए सुशिक्षा .....।।

संगम मनीषियों की चिन्तन धरा मनोहर।
भगवान राम अपने दीक्षित हुए यहीं पर।।
विज्ञान, धर्म, दर्शन के मंत्र को जगाती।
सबके लिए सुशिक्षा.....।।

गंगा, सरस्वती माँ, यमुना की वाग्धारा।
स्वाध्याय,स्वावलम्बन, मंथन पुनीत नारा।।
मंगलमयी उषा से सबका हृदय खिलाती।
सबके लिए सुशिक्षा.....।।

उत्तर प्रदेश व्यापी अध्ययन केन्द्र न्यारे।
दूरस्थ ज्ञान पद्धति आधार हैं हमारे।।
विद्या प्रसार माध्यम संचार तंत्र पाती।
सबके लिए सुशिक्षा.....।।

सत्कर्म, मुक्त चिंतन,आदर्श पथ चलें हम।
ज्ञानी बनें, गुणी हों, मंजिल पहुँच के लें दम।।
जीवन जगत् सुमज्ज्वल का सूत्र नित सिखाती।
सबके लिए सुशिक्षा संकल्प शुभ सुनाती।।

सम्पादक-मण्डल

डॉ0 ओमजी गुप्ता	निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा
डॉ0 इति तिवारी	सह आचार्य, समाज विज्ञान विद्या शाखा
डॉ0 एच.सी जायसवाल	वरिष्ठ परामर्शदाता
डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी	सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र
डॉ0 स्मिता अग्रवाल	परामर्शदाता, संस्कृत
डॉ0 अतुल कुमार मिश्रा	परामर्शदाता, दर्शनशास्त्र
डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्र	प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क प्रकोष्ठ





माननीय श्री बी. एल. जोशी

श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उत्तर प्रदेश

प्राक्कथन
Foreword

उच्च शिक्षा की बढ़ती मांग और भारत जैसे विकासशील देश के आर्थिक संसाधनों को देखते हुए दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा व्यवस्था को अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने 1999 में उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना इलाहाबाद में की। सर्वाधिक जनसख्या वाले प्रदेश में शिक्षार्थियों के अनुकूल, लागत प्रभावी एवं शिक्षार्थी केन्द्रित गुणवत्ता युक्त शिक्षा व्यवस्था को लागू करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिसके लिए विश्वविद्यालय अपनी स्थापना से ही सतत् प्रयासरत है। विश्वविद्यालय ने मूलभूत सुधारों के माध्यम से उच्च शिक्षा को उत्कृष्ट बनाने का प्रयास किया है। यह विश्वविद्यालय इस वर्ष विकास के तेरह चरणों को पार कर उत्थान के चौदहवें सोपान पर खड़ा है। विश्वविद्यालय पाँच क्षेत्रीय केन्द्रों तथा लगभग 400 अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से 96 कार्यक्रम संचालित कर रहा है। विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र में प्रवेशित छात्रों की संख्या 30 हजार से अधिक है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), दूरस्थ शिक्षा परिषद् (DEC) एवं अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद (AICTE), नई दिल्ली की संयुक्त समिति ने इस विश्वविद्यालय की उपाधि, परास्नातक डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाणपत्र एवं जागरुकता कार्यक्रमों को मान्यता प्रदान की है।

शिक्षा व्यवस्था को सर्वसुलभ तथा लचीली बनाने के लिए **'वर्ष पर्यन्त प्रवेश'** की व्यवस्था लागू की जा रही है और शिक्षार्थी सहायता सेवाओं को बेहतर करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। वर्ष पर्यन्त प्रवेश के साथ ही आगामी सत्र से शैक्षणिक क्रिया-कलापों के समयबद्ध संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने इस वर्ष शैक्षणिक कैलेण्डर का निर्माण किया है। पाठ्य सामग्री शिक्षार्थियों को प्रवेश के एक माह के अन्दर सीधे उनके द्वार तक पंजीकृत डाक के माध्यम से भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। विश्वविद्यालय में परामर्श प्रकोष्ठ एवं अधिन्यास प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। ये प्रकोष्ठ परामर्श एवं अधिन्यास सम्बन्धित कठिनाइयों को दूर करने में सक्रिय भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। सत्र 2010-2011 तथा 2011-2012 की जुलाई एवं जनवरी की परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण शुचिता एवं पारदर्शिता के साथ कराया गया । शिक्षार्थियों के सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए प्रवेश पत्र व परीक्षाफल को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया । विश्वविद्यालय ने एक सत्र में प्रदेश स्तरीय अन्य तीन परीक्षाएँ शान्तिपूर्ण एवं नियमबद्ध ढंग से संचालित की ।

अगामी सत्र से अध्ययन केन्द्र समन्वयकों के अधिकारों में वृद्धि की गई है, जिससे वे अपनी पूर्ण निष्ठा के साथ विश्वविद्यालय के उत्थान के लिए सदैव प्रयत्नशील रहें। क्षेत्रीय केन्द्रों को सशक्त एवं छात्रोन्मुखी बनाने हेतु प्रवेश आवेदन फार्म की कम्प्यूटर फीडिंग का कार्य क्षेत्रीय केन्द्रों पर ही कराने का निर्णय लिया गया है । विश्वविद्यालय के निदेशकों को क्षेत्रीय कार्यालयों पर सम्पन्न हो रही समस्त गतिविधियों के सुचारु संचालन हेतु **'क्षेत्रीय-निदेशक'** के अतिरिक्त प्रभार हेतु अधिकृत किया गया है।

दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से संबंधित भ्रांतियों एवं संदेहों के निवारण तथा विश्वविद्यालय की समस्त गतिविधियों की सम्यक् जानकारी के लिए **'जिज्ञासा'** नामक पुस्तिका हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित की गई । विश्वविद्यालय के

क्रिया-कलापों के संचालन की रूप-रेखा पर आधारित अध्ययन केन्द्र समन्वयकों के लिए एक **'दिशा-निर्देशिका'** का प्रकाशन किया गया। दूरस्थ शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरुकता शिविर लगाया गया । दूरस्थ शिक्षा को गुणवत्ता युक्त बनाने हेतु दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र द्वारा सर्वेक्षण आधारित रिपोर्ट **'शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ'** एवं आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा स्थलीय प्रवेश, अधिन्यास एवं स्वअध्ययन सामग्री पर आधारित पुस्तिकाओं का प्रकाशन किया गया।

विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए सूचना एवं जन संचार तकनीक (आई.सी.टी.) की अहम् भूमिका को स्वीकार करते हुए विश्वविद्यालय ई-रिसोर्स, ई-लर्निंग आदि की व्यवस्था को सुनिश्चित कराने हेतु प्रयासरत है। विश्वविद्यालय की नवीन वेबसाइट (www.uprtou.ac.in) को अधिकाधिक छात्रोन्मुखी, सूचनापरक तथा आकर्षक बनाया गया है। नवीन तकनीकों पर आधारित भौतिक सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए **'वाई-फाई'** सुविधा प्रारम्भ की गई है।

विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए विकलांग विद्यार्थियों के लिए लिफ्ट की व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय के कार्यों के समयबद्ध पालन एवं कार्यक्षमता में वृद्धि के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा बायोमैट्रिक टाइम अटेन्डेन्स मशीन लगाने का निर्णय लिया गया । मुक्त एवं दूरस्थ प्रणाली पर आधारित शिक्षण संस्थान के सुन्दरीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है और पूरे कैम्पस को इको-फ्रैण्डली बनाने में महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। पुस्तकालय भवन का शिलान्यास कर विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों को अत्याधुनिक पुस्तकालय सुविधा से लाभान्वित कराने की वृहद् योजना को रूपाकार कर रहा है।

विश्वविद्यालय ने माननीय राज्यपाल श्री बी.एल.जोशी एवं पद्मश्री प्रो. हर्ष के. गुप्ता के उपस्थिति में **'षष्ठ दीक्षांत समारोह'** का सफलतापूर्वक आयोजन किया। विश्वविद्यालय **'फूड सिक्योरिटी एण्ड सस्टेनेबिलिटी ऑफ एग्रीकल्चर' नेशनल सेमिनार, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन स्मृति व्याख्यानमाला, शिक्षा में राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य परिसंवाद, राजर्षि टण्डन शिक्षा सम्मान समारोह - 2011** जैसे कार्यक्रमों का भी साक्षी बना। विश्वविद्यालय ने बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) एवं पी.जी.पी.डी कार्यक्रम संचालित करने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की ।

विश्वविद्यालय की प्रगति एवं उत्थान के लिए दूरस्थ शिक्षा परिषद् एवं राज्य सरकार द्वारा दिये गये अनुदान के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूँ । विश्वविद्यालय के चतुर्दिक विकास एवं शैक्षणिक जगत में स्थापित हो रहे नये कीर्तिमान के लिए विश्वविद्यालय परिवार प्रशंसनीय है। वार्षिक प्रतिवेदन के सफल प्रकाशन के लिए संपादक मण्डल के सदस्य बधाई के पात्र हैं।

प्रो. ए.के. बख्शी
कुलपति



प्रो. ए. के. बख्शी

कुलपति

(10 अगस्त 2011 से)

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण



प्रो० एस० पी० गुप्ता
निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा



डॉ० बी० एन० सिंह
निदेशक, मानविकी विद्याशाखा



डॉ० एम० एन० सिंह
निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा



डॉ० ओम जी गुप्ता
निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा



डॉ० पी पी दूबे
निदेशक, कृषि विज्ञान, विद्याशाखा



डॉ० ए.के. सिंह
कुलसचिव



श्री तापस बनर्जी
वित्त अधिकारी



डॉ. आर०पी० एस० यादव
परीक्षा नियंत्रक

आमुख
Preface

भारतवर्ष को अपने समृद्ध सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विविधताओं के लिये जाना जाता है। 'अनेकता में एकता' भारतीय संस्कृति की एक विशिष्टता रही है। सामाजिक विषमताओं एवं आर्थिक सीमाओं के बावजूद भी देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रणाली है। भारत में उच्च शिक्षा की विशालता एवम् विविधता का अनुमान इन तथ्यों के आधार पर लगाया जा सकता है कि हमारे यहाँ 634 विश्वविद्यालयों और लगभग 34000 महाविद्यालयों में विभिन्न सामाजिक-आर्थिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 1.7 करोड़ विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही है। (University News, Sept. 24-30,2012 page 2) । इसमें कोई संशय नहीं है कि स्वतंत्र भारत के आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति एवं राजनीतिक प्रजातंत्र में उच्च शिक्षा ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

भारत में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का औपचारिक प्रादुर्भाव सन् 1962 में हुआ जब दिल्ली विश्वविद्यालय ने पत्राचार कार्यक्रम प्रारम्भ किया। लेकिन भारत में पहला मुक्त विश्वविद्यालय सन् 1982 में आन्ध्रप्रदेश के हैदराबाद शहर में स्थापित हुआ। तत्पश्चात् भारत सरकार ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के महत्व को स्वीकारते हुए सन् 1985 में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की। इसकी अपार सफलता को दृष्टिगत रखते हुए देश के विभिन्न राज्यों में भी प्रादेशिक स्तर के मुक्त विश्वविद्यालयों की स्थापना की गयी। वर्तमान में देश में एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय सहित 14 मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले लगभग 24 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस प्रकार देश में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का इतिहास आधी शताब्दी पुराना है । आज जबकि देश ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की स्थापना के 50 वर्ष पूरे कर लिय हैं तो इसकी दशा एवं दिशा पर विचार कर लेना समीचीन होगा।

मुक्त विश्वविद्यालय एक ऐसी संस्था है जो दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा प्रदान करता है। आज दूरस्थ शिक्षा प्रणाली अच्छी तरह से विकसित प्रणाली हो चुकी है। आज के संदर्भ में मुक्त विश्वविद्यालय अपरिहार्य है और यह उच्च शिक्षा के क्रमिक विकास के तीसरे चरण का प्रतिनिधित्व करता है। मानव समाज की विकास प्रक्रिया के तीन चरण रहे हैं- कृषि युग (Agriculatural Era), औद्योगिक युग (Industrial Era) एवं ज्ञान युग (Knowledge Era)। इसमें पहला काल कृषि सभ्यता का था। इसकी अर्थव्यवस्था शिल्प (Crafts) आधारित थी जिसकी तैयारी प्रशिक्षण द्वारा की जाती थी न कि शिक्षा के द्वारा। इस काल में शिक्षा एक आभूषण मात्र थी एवं बुद्धिजीवियों के लिये सामाजिक स्थिति को बढ़ाने का एक माध्यम था। यह एक आर्थिक आवश्यकता नहीं थी। शिक्षा गुरुकुल प्रणाली से दी जाती थी।

औद्योगिक क्रान्ति के पदार्पण के साथ हमने विकास के दूसरे चरण में प्रवेश किया। औद्योगिक समाज में अर्थव्यवस्था प्रौद्योगिकी पर आधारित थी जिसके लिये शिक्षा आवश्यक थी। अभियान्त्रिकी, चिकित्सा या औद्योगिक समाज के किसी अन्य पेशे के लिये शिक्षा गुरुकुल प्रणाली से नहीं प्रदान की जा सकती थी। इसलिये वर्तमान में कक्ष शिक्षा प्रणाली अस्तित्व में आयी। इस प्रणाली ने गुरुकुल प्रणाली को प्रतिस्थापित नहीं किया बल्कि पूरक के रूप में लागू हुई। आज के समय में संगीत जैसी अनेक विधाओं में गुरुकुल प्रणाली ही लागू मानी जा सकती है। किसी निर्देशक के अधीन एम0फिल0 या पी0एच0डी0 करने वाला शोध छात्र भी गुरुकुल प्रणाली का ही उदाहरण है।

जब हमने विकास की तीसरी अवस्था अर्थात ज्ञान युग में प्रवेश किया तो परम्परावादी कक्ष शिक्षा प्रणाली भी अपर्याप्त सिद्ध होने लगी। कृषि काल में भू-सम्पदा एवं जल-सम्पदा संसाधनों की संरचना करते थे। औद्योगिक काल में भू एवं जल में तेल एवं खनिज

संसाधन भी जुड़ गये। ज्ञान का प्रयोग इन संसाधनों को प्राप्त करने एवं इन्हें प्रयुक्त करने की तकनीकों के बारे में जानकारी देने के लिए किया जाता था। किन्तु ज्ञान युग में ज्ञान स्वयं ही एक संसाधन बन गया। परिणामस्वरूप जानकार एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन एक राष्ट्र की वास्तविक सम्पत्ति माने जाने लगे। शिक्षा ऐसे मानव संसाधन को निर्मित करने का एक साधन बन गई और इसलिये सम्पूर्ण मानव समाज के इतिहास में शिक्षा आज के समय में एक मूलभूत आवश्यकता बन गयी। विशेषकर बीसवीं शताब्दी के दूसरे उत्तरार्द्ध में हुये शिक्षा एवं शोध के संवर्द्धन ने ज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किये और यह कहा जाता है कि कुछ विषयों में ज्ञान प्रत्येक पाँच वर्षों में दुगुना हो जाता है। यदि ज्ञान के दुगुना होने की अवधि को दस वर्ष भी मान लिया जाय तो एक व्यक्ति के तीस वर्ष के कार्यकारी जीवन में ज्ञान में 8 गुने की अभिवृद्धि हो जायेगी। परिणामतः व्यक्ति को लगातार सीखते रहना पड़ता है और अपने ज्ञान को समसामयिक या परिमार्जित अथवा विस्तारित करना पड़ता है । आज सीखने की उम्र केवल 6 वर्ष से 22 या 23 वर्ष तक ही सीमित नहीं है बल्कि एक व्यक्ति अपने पूरे कार्यकारी जीवन में अपने कार्यालय, कार्यस्थल या निवास स्थान पर सीखते रहने के लिये अपने को समर्थ मानकर ज्ञानार्जन कर रहा है। अतः ज्ञानार्जन केवल कक्ष शिक्षा या शिक्षा परिसर की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रह गया है।

इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे भी तथ्य हैं जिसके कारण उच्च शिक्षा के द्वार पर दस्तक देने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। आज 'सभी के लिये शिक्षा' की अवधारणा हमारे सामने है। इस कारण से भी उच्च शिक्षा की मांग में व्यापक रूप से अभिवृद्धि हुई है। साथ ही कई लोग जो कि अपने कॅरियर के प्रारम्भिक दौर में ही स्कूल छोड़ चुके हैं, वो भी रोजगार के साथ ही अपनी शिक्षा को जारी रखना चाहते हैं। परम्परावादी शिक्षा अपनी निम्न उत्पादकता के कारण ऐसी मांगों को पूरा कर पाने में सक्षम नहीं है। इन सभी विकास कारकों का आशय यह हे कि हमें उच्च शिक्षा की एक ऐसी प्रणाली की आवश्यकता है जो कि परम्परागत शिक्षा प्रणाली की अपेक्षा ज्यादा लचीली, ज्यादा उत्पादक एवं लागत प्रभावी हो । दूरस्थ शिक्षा प्रणाली इन सभी मानकों पर खरी उतरती है। वास्तव में दूरस्थ शिक्षा का आशय शिक्षा के क्रमिक विकास की एक नई पीढ़ी (Generation) से है। यहाँ पर इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का एक उदाहरण देना समीचीन होगा। वर्ष 2010 में इग्नू में कुल छात्र नामांकन छात्र संख्या 6.2 लाख थी जिसमें जनवरी सेमेस्टर में प्रवेशित 2.4 लाख एवं जुलाई सेमेस्टर में प्रवेशित 3.8 लाख छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लिया था। कुल नामांकन छात्र संख्या लगभग 25 लाख थी। एक परम्परागत विश्वविद्यालय के लिये यह छात्र संख्या अकल्पनीय है। उच्च शिक्षा के क्रमिक विकास में दूरस्थ शिक्षा एक सुग्रन्थित हिस्सा एवं अपरिहार्य कदम है तथा लाखों शिक्षार्थियों के लिये आशा की किरण है। आज जबकि देश के ज्यादातर परम्परागत विश्वविद्यालयों के समक्ष संसाधनों का आभाव व योग्य शिक्षकों की कमी है, ऐसे में आने वाले समय में मुक्त विश्वविद्यालय देश में उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाने में सहयोग देकर समाज व राष्ट्र के समग्र विकास में अपनी अहम् भूमिका एवं उपादेयता को रेखांकित करने में समर्थ हो सकेगें।

उत्तर प्रदेश में मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 2000/सत्रह वि0 1-2 (क) 24-1998 दिनांक 2 नवम्बर 1998 के अनुसार हुई। इस अधिसूचना के द्वारा उ.प्र. सरकार ने दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा व्यवस्था द्वारा समाज के वंचित वर्गों, महिलाओं, सेवारत व्यक्तियों, सभी वर्गों एवं दूर-दराज के क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दृष्टि से एक प्रादेशिक मुक्त विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया। सरकार ने इसका मुख्यालय इलाहाबाद बनाते हुये इसका नाम महान स्वतंत्रता सेनानी, हिन्दी के प्रबल समर्थक एवं मनीषी राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन के नाम पर उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद रखा। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का अनुमोदन प्रदेश की विधान सभा एवं विधान परिषद् के द्वारा फरवरी - मार्च, सत्र 1999 में किया गया। इस विश्वविद्यालय द्वारा संचालित समस्त कार्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C), दूरस्थ शिक्षा परिषद् (D.E.C.), भारतीय विश्वविद्यालय संघ (A.I.U), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (A.I.C.T.E.), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (N.C.T.E.) तथा भारतीय पुनर्वास परिषद् (R.C.I.) आदि निकायों से अनुमति एवं मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, सुनियोजित पाठ्यक्रम तथा विकास की गति को देखते हुये विश्वविद्यालय

अनुदान आयोग (U.G.C.) अखिल तकनीकी शिक्षा परिषद् (A.I.C.T.E.) तथा दूरस्थ शिक्षा परिषद् (D.E.C.) की संयुक्त समिति ने निरीक्षण कर इसके द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों को मान्यता प्रदान कर देश के सभी प्रादेशिक मुक्त विश्वविद्यालयों में 'प्रथम' होने के गौरव प्रदान किया है। एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपेन यूनिवर्सिटीज (A.A.O.U.) तथा एसोसियशन ऑफ कामनवेल्थ युनिवर्सिटीज (A.C.U.) की सदस्यता प्राप्त कर इस विश्वविद्यालय ने अपनी एक नयी पहचान बनायी है। विश्वविद्यालय को 12 (बी) के अन्तर्गत मान्यता प्रदान किये जाने हेतु यू.जी.सी. द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा जून 2012 में विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया जा चुका है।

निःसंदेह दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था सर्वसुलभ तथा मितव्ययी होने के साथ-साथ शिक्षार्थी अनुकूल एवम् लचीली है। प्रदेश की निरन्तर बढ़ती हुई जनसख्या तथा उच्च शिक्षा के सार्वभौमीकरण की आवश्यकता की दृष्टि से उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। परम्परागत विश्वविद्यालयों की तुलना की दृष्टि से इस विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम एवम् इनकी गुणवत्ता तथा अनुदेशन निदर्शन श्रेष्ठ साबित हुये हैं। इस विश्वविद्यालय के चार आधार-प्रवेश, पाठ्यसामग्री, परामर्श तथा परीक्षा हैं, जिनमें सूचना एवम् संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग कर इन्हें प्रभावी बनाने का अनवरत प्रयास किया जा रहा है। अध्ययन केन्द्र तथा जनसंचार साधनों के माध्यम से परामर्श प्रदान कर शिक्षार्थियों की वैयक्तिक समस्यओं का समाधान किया जाता है तथा परीक्षा हेतु निकटस्थ परीक्षा केन्द्र आवंटित कर एवं संचार साधनों का प्रयोग कर द्रुतगति से परीक्षा उपलब्ध करा दिये जाते हैं। विश्वविद्यालय सभी आयु वर्गों, सेवारत व्यक्तियों, दूर-दराज के क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों, उपेक्षित वर्गों विशेषकर महिलाओं के लिये उच्च शिक्षा की उपलब्धता मात्र ही सुनिश्चित नहीं कर रहा बल्कि शिक्षार्थियों के बौद्धिक, चारित्रिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास में सक्रिय भूमिका अदा कर उनमें उच्च मूल्यों की स्थापना के दायित्वों का भी निर्वाह कर रहा है। इसके लिये विश्वविद्यालय ज्ञानवर्द्धक, रोजगारपरक, व्यावहारिक तथा जागरूकता के पाठ्यक्रम प्रदेश के कोने-कोने में फैले अध्ययन केन्द्रों पर प्रभावी ढंग से संचालित कर रहा है। भविष्य में ऑनलाइन प्रवेश, ऑनलाइन पाठ्य सामग्री एवं ऑनलाइन परीक्षा आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु विश्वविद्यालय कटिबद्ध है।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम 1999 की धारा 30(1) के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन को तैयार करने का प्रावधान है। सत्र 2010-11 एवंम् 2011-12 के लिये तैयार किये गये इस वार्षिक प्रतिवेदन के सात अध्यायों तथा दस परिशिष्टों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के द्वारा इस अवधि के किये गये प्रमुख क्रिया-कलापों से सम्बन्धित प्रमुख जानकारियों, महत्वपूर्ण गतिविधियों, विभिन्न निकायों की स्थापना के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में किये गये प्रयासों एवं उपायों को प्रस्तुत किया गया है। आशा है इस वार्षिक प्रतिवेदन के माध्यम से उ0प्र0 सरकार, जनसमुदाय एवं विश्वविद्यालय समुदाय दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा की नूतन प्रणाली के माध्यम से उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किये गये शैक्षणिक प्रयासों से अवगत हो सकेंगे। इसके साथ ही यह भी विश्वास है कि यह प्रतिवेदन विश्वविद्यालयी कर्मियों के लिये प्रेरक का कार्य करते हुए उन्हें भावी विकास विकास के उच्च आयामों की दिशा में सक्रिय रूप से अभिप्रेरित कर सकेगा। वार्षिक प्रतिवेदन को तैयार करने के लिए हम सम्पादक मण्डल के सम्मानित सदस्यों एवं विश्वविद्यालय परिवार के सभी सम्मानित सदस्यों का उनके सक्रिय सहयोग के लिये हार्दिक आभार करते हैं। अन्त में, इस प्रस्तुति में हुई किन्हीं त्रुटियों के लिये हम क्षमा प्रार्थी हैं।

ओमजी गुप्ता
निदेशक
प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा

****

अनुक्रमाणिका
(Index)

	प्राक्कथन	06
	आमुख	10
1.	विश्वविद्यालय : एक सिंहावलोकन (University : At a Glance)	15
2.	अधिसंरचना-संरचना एवं मानव संसाधन क्षमताएँ (Infrastructure and Human Resource Capabilities)	21
3.	शैक्षणिक कार्यक्रम एवं अधिगम संसाधन (Academic Programmes and Learning Resources)	24
4.	शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ (Learner Support Services)	40
5.	शोध, परामर्श एवं प्रसार (Research, Consultancy and Extension)	56
6.	प्रशासन संचालन (Governance)	61
7.	नवाचारी व्यवहार (Innovative Practices)	73
	परिशिष्ट (1-11) (Annexures)	78-140

विश्वविद्यालय की विकास प्रवृत्तियाँ
(Growth Trends of the University)

Session-wise Students Enrolment

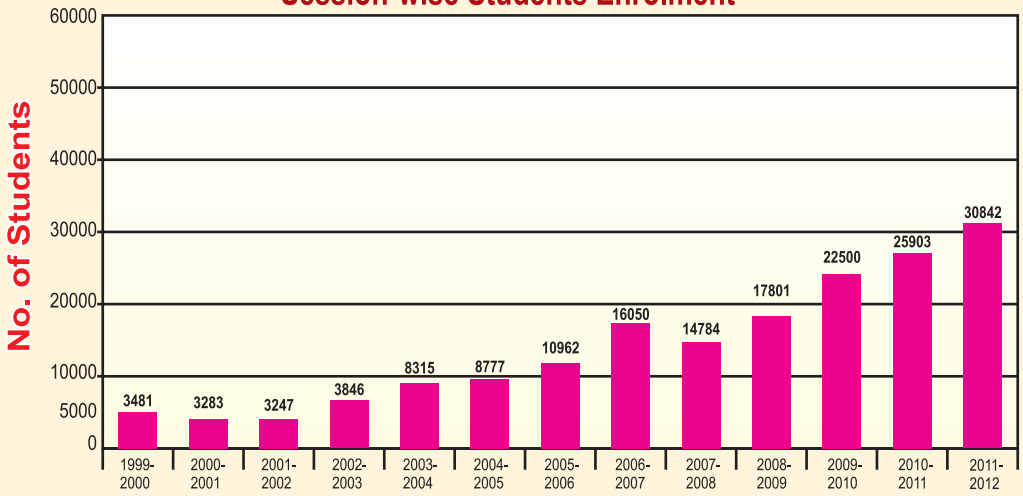

Session-wise Number of Study Centres

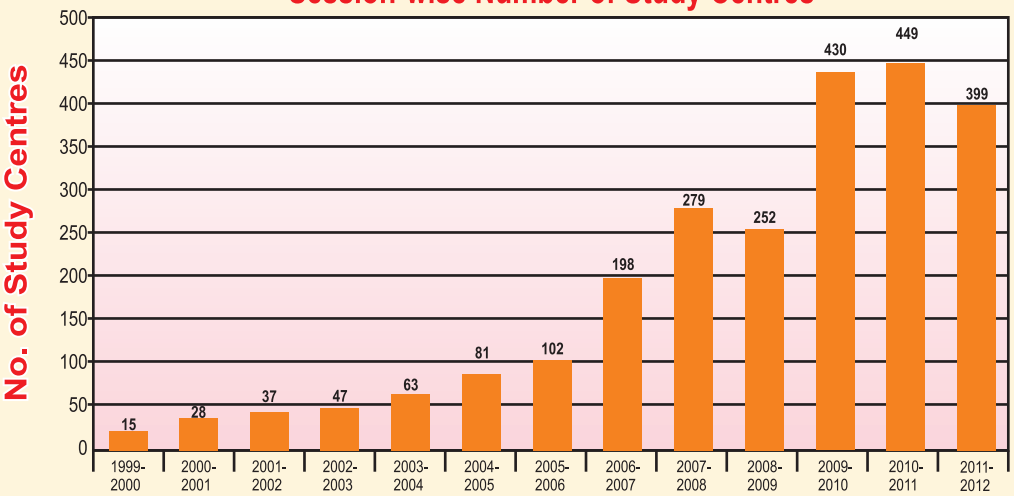

Session-wise Number of Programmes

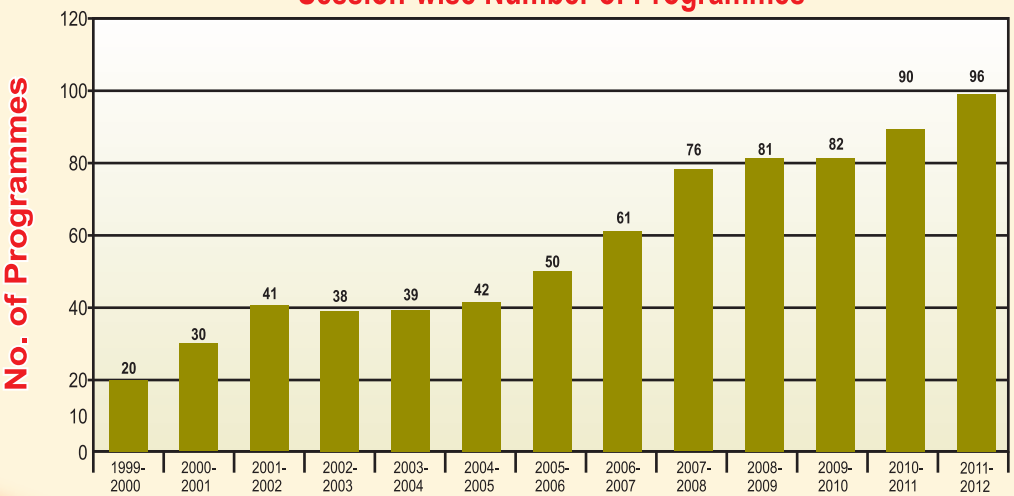

1. सिंहावलोकन (University At a Glance)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1999 में की गई है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराते हुए अधिक से अधिक लोगों को उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। वर्तमान कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय अनवरत रूप से आगे बढ़ रहा है। आगामी जुलाई 2012 सत्र से अब कोई भी शिक्षार्थी कभी भी प्रवेश ले सकेगा । विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों और अध्ययन केन्द्रों को सुदृढ़ बनाने के लिए उन्हें नए सिरे से जिम्मेदारी प्रदान करके स्वावलम्बी बनाया जा रहा है। शिक्षार्थियों एवं अध्ययन केन्द्रों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित किए जाने हेतु नोएडा एवं झाँसी में दो नए क्षेत्रीय केन्द्र संचालित किए जाने का प्रावधान किया गया है। विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. योजना के तहत ई-लर्निंग के क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना तैयार की गयी है । विश्वविद्यालय के क्रियाकलापों को और अधिक शिक्षार्थी केन्द्रित करने हेतु एसाइन्मेंट सेल एवं काउन्सिलिंग सेल का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय ने अपने आंतरिक स्रोतों के आधार पर बी.एड. की प्रवेश परीक्षा कराई। विश्वविद्यालय परिसर में कम्युनिटी रेडियो स्टेशन स्थापित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन एडमिट कार्ड एवं ऑनलाइन अंकपत्र की व्यवस्था प्रारम्भ की गयी है। विश्वविद्यालय में कुछ पाठ्यक्रमों हेतु स्वअध्ययन पाठ्य-सामग्री लेखन का कार्य देश के विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा तैयार कराया जा रहा है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क के अन्तर्गत विश्वविद्यालय मुख्यालय को वाई-फाई एवं इन्टर्नल नेटवर्किंग तथा बी0एस0एन0एल0 की लीज लाईन से जोड़ा गया है।

विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई, 2010 से जून 2012 के मध्य सम्पादित किए गए महत्वपूर्ण कार्य निम्नवत हैं -

- महामहिम कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, श्री बी.एल. जोशी की अध्यक्षता में छठा दीक्षान्त समारोह का आयोजन 29 फरवरी, 2012 को किया गया । दीक्षान्त समारोह में 17 स्वर्ण पदक वितरित किए गए एवं लगभग 9 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। दीक्षान्त भाषण प्रख्यात भूकम्प वैज्ञानिक पद्मश्री प्रो. हर्ष के गुप्ता ने दिया।
- भारतीय पुनर्वास परिषद एवं मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में बी.एड. विशिष्ट शिक्षा एवं पोस्ट ग्रेजुएट प्रोफेशनल डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित करने वाले अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला 28 जून, 2012 को आयोजित की गयी।
- उपाचार्य समाजशास्त्र, डॉ इति तिवारी द्वारा निर्मित सामाजिक सरोकारों पर आधारित शिक्षणप्रद कार्यक्रमों की रिकार्डिंग तथा प्रसारण 20 जनवरी, 2012 से 25 जून, 2012 के मध्य ज्ञानवाणी, इलाहाबाद से किया गया।
- विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा आई.सी.आई.सी.आई. बैंक में प्लेसमेंट हेतु 21 जून, 2012 को साक्षात्कार का आयोजन किया गया ।
- उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्रांत परीक्षायें 16 जून, 2012 से प्रारम्भ हुई। यह परीक्षा प्रदेश के 91 केन्द्रों पर 52 हजार परीक्षार्थियों हेतु आयोजित की गयी ।
- विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बन्धित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला का आयोजन 14 जून, 2012 को विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर में किया गया ।
- विश्वविद्यालय के गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बन्धित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला का आयोजन 13 जून, 2012 को विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर में किया गया।

- विश्वविद्यालय के बरेली क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बन्धित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला का आयोजन 12 जून, 2012 को विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर में किया गया ।
- विश्वविद्यालय के वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बन्धित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला का आयोजन 08 जून, 2012 को विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर में किया गया ।
- विश्वविद्यालय के इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बन्धित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों हेतु कार्यशाला का आयोजन 7 जून 2012 को किया गया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा जिज्ञासुओं के लिए तैयार कराई गई प्रश्नोत्तरी पर आधारित पुस्तिका ''जिज्ञासा' तथा ''दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम संचालन पुस्तिका'' का विमोचन मुख्य अतिथि, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. सिंह ने किया।



जिज्ञासा का विमोचन करते इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० ए.के. सिंह तथा कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) की छह सदस्यीय समिति ने विश्वविद्यालय को 12 बी के अन्तर्गत अनुदान दिए जाने एवं फिटनेस के लिए 4 एवं 5 जून, 2012 को विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया ।
- छत्रपति शाहू जी महाराज मेडिकल यूनीवर्सिटी, लखनऊ द्वारा 3 जून, 2012 को आयोजित सीपीएमटी-2012 परीक्षा का सफल सम्पादन मुक्त विश्वविद्यालय ने नोडल सेंटर के रूप में किया ।
- डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद द्वारा 1 जून, 2012 को आयोजित ''संयुक्त पात्रता परीक्षा पी.एच.डी. - 2012'' का सफल सम्पादन मुक्त विश्वविद्यालय ने नोडल सेंटर के रूप में किया।
- कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी ने इलाहाबाद न्यूज रिपोर्टर्स क्लब की ओर से 30 मई, 2012 को आयोजित पत्रकारिता दिवस समारोह में 'समकालीन पत्रकारिता का सामाजिक बोध' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी ने शैक्षणिक परिसर में निर्मित होने वाले केन्द्रीय पुस्तकालय भवन का शिलान्यास 18 मई 2012 को किया।
- विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकों की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 17 मई , 2012 को मुख्यालय में किया गया।

- कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी ने नव प्रवेशार्थियों को उचित परामर्श देने एवं अध्ययन केन्द्रों की परामर्श सम्बन्धी गतिविधियों पर दृष्टि रखने हेतु विश्वविद्यालय में 5 मई, 2012 को काउन्सिलिंग सेल (परामर्श प्रकोष्ठ) का गठन किया।
- डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद द्वारा 23 अप्रैल, 2012 को आयोजित ''संयुक्त प्रवेश परीक्षा बी.एड.-2012 का सफल सम्पादन मुक्त विश्वविद्यालय ने नोडल सेंटर के रूप में किया ।
- विश्वविद्यालय में 'Food Security and Sustainability of Agriculture' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 9 एवं 10 फरवरी, 2012 को किया गया ।
- उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्रीय परीक्षायें 27 जनवरी, 2012 से प्रारम्भ हुई। यह परीक्षा प्रदेश के 80 केन्द्रों पर 18 हजार परीक्षार्थियों हेतु आयोजित की गयी ।
- विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरुकता प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 21 जनवरी, 2012 को माघ मेला क्षेत्र में 'जादू के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कुलपति, प्रो.ए.के. बख्शी को नई दिल्ली में 5 दिसम्बर, 2011 को शिक्षा के क्षेत्र में असाधराण योगदान के लिए कैपिटल फाउन्डेशन अवार्ड से सम्मानित किया ।



कैपिटल फाउन्डेशन एवार्ड सेरेमनी में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, अरूणाचल प्रदेश के राज्यपाल जनरल जे.जे. सिंह, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अल्तमश कबीर, केन्द्रीय मंत्री श्री कपिल सिब्बल एवं श्री सलमान खुर्शीद के साथ कुलपति प्रोफेसर ए.के. बख्शी (खड़े हुए)

- मुक्त विश्वविद्यालय में 'विश्व एड्स दिवस' के अवसर पर 1 दिसम्बर, 2011 को जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा, डॉ एम.एन. सिंह कृत पुस्तक 'महिला शोषण, एड्स एवं एन.जी.ओ.' का विमोचन कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी ने किया ।
- राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर 11 नवम्बर, 2011 को विश्वविद्यालय में 'शिक्षा में राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर परिसंवाद का आयोजन किया । इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मोतीलाल नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के निदेशक प्रोफेसर पी. चक्रवर्ती उपस्थित रहे ।
- कुलपति, प्रो.ए.के. बख्शी ने 4 नवम्बर, 2011 को महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक में 'थर्मोडायनामिक्स ऑफ केमिकल एण्ड बायोलॉजिकल सिस्टम' पर आधारित छठवें राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में साइन्स कान्क्लेव - 2011 (Interaction of Innovative Young Minds with Eminent Scientists) पर सारगर्भित व्याख्यान दिया।

- विश्वविद्यालय में बायोमैट्रिक टाइम अटेन्डेन्स मशीन का उद्घाटन कुलपति, प्रो. ए.के.बख्शी ने 1 नवम्बर 2011 को किया।
- कुलपति, प्रो.ए.के. बख्शी ने केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इण्डिया के तत्वावधान में 23 सितम्बर, 2011 को आयोजित सेमिनार में केमिकल एजूकेशन पर सारगर्भित व्याख्यान दिया ।
- राजर्षि टण्डन स्मृति व्याख्यानमाला के नवम पुष्प का आयोजन 16 सितम्बर, 2011 को किया गया । व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. राजेन्द्र मिश्र ने 'भारतीय संस्कृति : वैश्विक परिदृश्य' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया ।


नव नियुक्त कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी कार्यभार ग्रहण करते

- शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले राजर्षि टण्डन शिक्षक सम्मान समारोह में 26 सितम्बर, 2011 को कुलपति प्रो.ए.के.बख्शी एवं प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ राकेशधर त्रिपाठी ने बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. जनक पाण्डेय को प्रशस्ति पत्र एवं स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया ।
- कुलपति प्रो.ए.के. बख्शी ने 10 अगस्त 2012 को विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार ग्रहण किया। इसके पूर्व प्रो.बख्शी दिल्ली विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष रहे हैं।
- निवर्तमान कुलपति प्रो. नागेश्वर राव का तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर विश्वविद्यालय परिवार ने 6 अगस्त 2011 को उन्हें भावभीनी विदाई दी।


निवर्तमान कुलपति प्रो. नागेश्वर राव को विदाई देते विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य

- दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र द्वारा विजन - 2020 का आयोजन 12 जुलाई, 2011 को किया गया । विजन - 2020 के निर्धारण हेतु कार्यशाला में कुल 16 प्रश्नों का संकलन किया गया है।
- विश्वविद्यालय में द्विदिवसीय प्रयोजनमूलक पत्रकारिता दक्षता विकास कार्यशाला का आयोजन 18 एवं 19 मई, 2011 को क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद में किया गया । कार्यशाला में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पत्रकारिता एवं नवीन अध्ययन विद्या शाखा के प्रो. सुभाष धूलिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।
- विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं मानविकी विद्याशाखा के संयुक्त तत्वावधान में कृषि शिक्षा में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति की उपादेयता' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 18 एवं 19 जून, 2011 को विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद में किया गया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित 'सूचना प्रौद्योगिकी में आधार पाठ्यक्रम (यू.जी.एफ.आई.टी.) की स्वअध्ययन पाठ्य - सामग्री का विमोचन किया गया ।
- मुक्त विश्वविद्यालय में स्पॉट एडमिशन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 29 मई, 2011 को किया गया । वर्तमान में 25 अध्ययन केन्द्रों पर स्पॉट एडमिशन व्यवस्था लागू है जिसमें तत्काल प्रवेश के समय ही अध्ययन सामग्री उपलब्ध करा दी जाती है।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्रांत परीक्षायें 24 मई से 24 जून, 2011 तक प्रदेश 82 केन्द्रों पर 42 हजार परीक्षार्थियों हेतु आयोजित की गयी ।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के लिए 26 लाख रुपये प्रदान किए।
- विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट **www.uprtou.ac.in** को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के निदेशक, डॉ एम.डी. तिवारी ने 19 मई, 2011 को लांच किया । शिक्षार्थियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए यह वेबसाइट राष्ट्रीय सूचना केन्द्र एवं भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के सहयोग से बनी है।
- मुक्त विश्वविद्यालय में द्वितीय पुरा छात्र सम्मेलन 15 मई, 2011 को आयोजित किया गया । इस अवसर पर पुरा छात्र संगठन - 2011 का गठन किया गया ।
- मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'शिक्षा का अधिकार के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा की भूमिका : मुद्दे एवं चुनौतियाँ' विषय पर 11 से 13 मार्च, 2011 को आयोजित किया गया ।
- विश्वविद्यालय मुख्यालय एवं अध्ययन केन्द्रों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 24 फरवरी, 2011 को लखनऊ में किया गया ।
- मुक्त विश्वविद्यालय तथा प्रयाग मानव कल्याण एवं विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में 'लिगभेद एवं ग्रामीण भारत में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक विकास में भागीदारी' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 19-20 फरवरी, 2011 को क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद में किया गया ।
- विश्वविद्यालय मुख्यालय एंव अध्ययन केन्द्रों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु बरेली एवं वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 18 फरवरी, 2011 को इलाहाबाद स्थित विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिसर में किया गया ।
- विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरुकता प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 10 फरवरी, 2011 को माघ मेला क्षेत्र में 'दूरस्थ शिक्षा जागरुकता एवं जनसंचार माध्यम' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।
- माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, श्री बी.एल. जोशी की अध्यक्षता में पंचम दीक्षान्त समारोह का अयोजन 21 दिसम्बर,2010 को किया गया । दीक्षान्त समारोह में 18 स्वर्ण पदक वितरित किए गए एवं लगभग 9 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई।
- विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का उद्घाटन 21 दिसम्बर, 2010 को महामहिम कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल,उत्तर प्रदेश श्री बी.एल. जोशी ने किया । इस अवसर पर लेडी गवर्नर श्रीमती संतोष जोशी, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री जी.एस. सिंघवी एवं उच्च शिक्षा मंत्री, उ.प्र. शासन, डॉ राकेशधर त्रिपाठी भी उपस्थित थे।
- गोवा के राज्यपाल, डॉ एस.एस. सिद्धू ने इटावा हिन्दी सेवा निधि द्वारा प्रदत्त बी.बी.एल. सक्सेना स्मृति हिन्दी सेवा सम्मान से कुलपति, प्रो. नागेश्वर राव को विभूषित किया ।
- मुक्त विश्वविद्यालय में 'विश्व एड्स दिवस' के अवसर पर 1 दिसम्बर 2010 को संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज, इलाहाबाद के प्राचार्य डॉ. एस.पी. सिंह उपस्थित थे।
- मुक्त विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी विषय पर व्याख्यान का आयोजन 29 नवम्बर, 2010 को किया

गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के कुलपति प्रो. विनय पाठक उपस्थित थे।

- रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में 31 अक्टूबर, 2010 को इलाहाबाद रेलवे स्टेशन पर रेड रिबन एक्सप्रेस का स्वागत किया गया एवं रेलवे स्टेशन परिसर में एड्स जागरुकता अभियान चलाया गया ।
- हनोई मुक्त विश्वविद्यालय, हनोई में 24 से 29 अक्टूबर, 2010 तक आयोजित होने वाले एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपेन यूनीवर्सिटीज के 24वें वार्षिक अधिवेशन में कुलपति, प्रो. नागेश्वर राव ने प्रतिभाग किया । इस अवसर पर उन्होंने 'एक्सेस एण्ड क्वालिटी इन डिस्टेंस एजूकेशन' पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया ।
- कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने महामहिम कुलपाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उ.प्र. श्री बी.एल. जोशी को विश्वविद्यालय द्वारा हिन्दी माध्यम में निर्मित एम.काम की स्वअध्ययन पाठ्य - सामग्री एवं एम.ए. संस्कृत की स्वअध्ययन पाठ्य - सामग्री की पहली प्रति 23 सितम्बर, 2010 को राजभवन, लखनऊ में भेंट की।
- मुक्त विश्वविद्यालय में विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर 'पर्यावरण में ओजोन का प्रभाव' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन 16 सितम्बर 2010 को किया गया ।
- हिन्दी दिवस के अवसर पर 14 सितम्बर, 2010 को विश्वविद्यालय में 'राजर्षि टण्डन और हिन्दी' विषय पर काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया ।
- शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितम्बर, 2010 को आयोजित होने वाले राजर्षि टण्डन शिक्षक सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि डॉ मुरलीधर तिवारी, अध्यक्ष, भारतीय विश्वविद्यालय संघ एवं निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद ने पद्मश्री प्रो. महेन्द्र सिंह सोढ़ा (पूर्व कुलपति, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर ; लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल) एवं प्रो. देवेन्द्र प्रताप सिंह (पूर्व कुलपति, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ; लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद) को अंगवस्त्रम, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं स्वर्णपदक देकर सम्मानित किया ।
- उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 5 सितम्बर, 2010 को प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ राकेशधर त्रिपाठी ने कुलपति प्रो. नागेश्वर राव को वर्ष 2010 के 'सरस्वती सम्मान' से विभूषित किया ।
- राजर्षि टण्डन स्मृति व्याख्यानमाला के अष्टम पुष्प का आयोजन 30 अगस्त, 2010 को किया गया । व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. जी. गोपीनाथन ने 'भूमण्डलीयकरण, उपनिवेशवाद एवं हिन्दी का विकल्प' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया ।

****

2. अधि-संरचना एवं मानव संसाधन क्षमताएं
(Infra-structure and Human Resource Capabilities

(क) भौतिक अधिसंरचना (Physical Infra-Structure) - उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पद्धति के माध्यम से शैक्षिक कार्यक्रम संचालित कर रहा है। यह प्रदेश का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय है जो 20 करोड़ से अधिक आबादी वाले इस देश के सबसे बड़े राज्य में अवस्थित है। सम्पूर्ण प्रदेश में व्याप्त परम्परागत उच्च शिक्षा संस्थानों तथा तकनीकी संस्थाओं की आधारभूत संरचना का यह विश्वविद्यालय जनहित में प्रयोग कर रहा है। मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की विशेषताओं के अनुरूप प्रदेश में उच्च शिक्षा की सर्वसुलभता के प्रयासों को नई दिशा एवं नेतृत्व प्रदान कर रहा है। यह विश्वविद्यालय प्रदेश भर में अपने पांच क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से प्रशासनिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों को निर्देशित एवं संचालित कर रहा है।



प्रशासनिक भवन

विश्वविद्यालय का मुख्यालय फाफामऊ, इलाहाबाद में है। मुख्यालय के अतिरिक्त शैक्षणिक परिसर, विश्वविद्यालय अतिथि गृह, मीडिया सेन्टर, कुलपति आवास, कर्मचारी आवास का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।


अतिथि गृह

i. प्रशासनिक भवन - उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, फाफामऊ में प्रशासनिक भवन में कुलपति, प्रति-कुलपति, कुलसचिव, उप-कुल सचिव, सहायक कुलसचिव, वित्त अधिकारी एवं परीक्षा नियंत्रक आदि के कार्यालय हैं। इसके साथ ही प्रशासनिक भवन में प्रवेश अनुभाग, पाठ्यसामग्री अनुभाग, काउन्सलिंग प्रकोष्ठ, अधिन्यास प्रकोष्ठ आदि कार्य कर रहे हैं। प्रशासनिक भवन में अत्याधुनिक संसाधनों से सुसज्जित एक समिति कक्ष भी है। इसी परिसर में आवासीय व्यवस्था भी की गयी है। जिसमें कुलपति आवास है तथा विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए भी आवासीय व्यवस्था है। इसी परिसर में अतिथि गृह तथा मीडिया सेन्टर भी अवस्थित है।

ii. शैक्षणिक परिसर- विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के समीप ही शैक्षणिक परिसर का निर्माण किया गया है। विश्वविद्यालय के विकास की गति एवं छात्रों की बढ़ती हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए इलाहाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा शांतिपुरम्, फाफामऊ में इस मुक्त विश्वविद्यालय को 15 एकड़ भूमि आवंटित की गयी। इस परिसर में शिक्षाशास्त्र विद्या शाखा, मानविकी विद्या शाखा, समाज विज्ञान विद्या शाखा, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा, व्यावसायिक शिक्षा विद्या शाखा, कृषि विज्ञान विद्या शाखा संचालित की जा रही हैं। इसके साथ ही यहां पर पुस्तकालय एवं


कुलपति आवास

वाचनालय भी है। इस भवन के भूतल, प्रथम तल तथा द्वितीय तल को आधुनिकतम भौतिक संसाधनों से सुसज्जित किया गया है।


कर्मचारी आवास

iii. छात्र कल्याण भवन - विश्वविद्यालय का एक अन्य परिसर छात्र कल्याण भवन के नाम से 12/12 कमला नेहरू रोड, इलाहाबाद में स्थित है। इस परिसर में क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद, विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र, दृश्य-श्रव्य प्रयोगशाला, आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ, जनसम्पर्क प्रकोष्ठ तथा वाचनालय की व्यवस्था है। इस परिसर में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र, अधिन्यास तथा परीक्षाफार्म के जमा होने के साथ-साथ अंकपत्र के वितरण की व्यवस्था है।

(ख) तकनीकी अधिसंरचना (Technological Infra-Structure) - उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय निरन्तर तकनीकी का उपयोग कर रहा है। दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली में तीन मुख्य आधार स्तम्भ स्वाध्याय, स्वावलम्बन तथा स्वमन्थन है। विश्वविद्यालय की शिक्षा प्रणाली शिक्षार्थी केन्द्रित है। इस प्रणाली में शिक्षार्थी अध्ययन के लिए स्वतंत्र है। इस प्रणाली में नामांकित अधिकांश विद्यार्थियों को कुशल एवं प्रभावी परामर्श एवं निर्देशन की आवश्यकता होती है। तकनीक आधारित व्यवस्था में कम्प्यूटर का सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक उपयोग शिक्षार्थियों के लिए लाभप्रद हो रहा है। विश्वविद्यालय अपने तकनीकी संसाधनों के माध्यम से स्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की ओर अग्रसर है। दूर-दराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के काल से ही उच्च तकनीकी शिक्षा देने के लिए कृतसंकल्पित है। इसी क्रम में प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय नई तकनीकी का प्रयोग छात्रहित में कर रहा है।


शैक्षणिक परिसर

विश्वविद्यालय में कम्प्यूटर का सुव्यवस्थित संजाल, टेली कान्फ्रेसिंग, डाउनलिंकिंग सुविधा, ज्ञानवाणी रेडिया शैक्षिक कार्यक्रम, एडूसेट, दृश्य-श्रव्य प्रयोगशाल, मल्टी मीडिया, मोबाइल वैन आदि छात्रों का मार्गदर्शन कर रही है।

ग. मानव अधिसंरचना (Human Resources) - मानव संसाधनों की आवश्यकता जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में होती है। शिक्षा के क्षेत्र में भौतिक संसाधनों के साथ ही मानवीय संसाधनों की आवश्यकता पड़ती है। विश्वविद्यालय अध्येताओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरन्तर प्रयासरत है। शिक्षकों, परामर्शदाताओं के चयन में पारदर्शिता रखी जाती है। अनुभवी एवं कुशल शिक्षकों द्वारा शिक्षा के स्तर एवं गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाता है। मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों का उत्तरदायित्व परम्परागत शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों से कहीं अधिक है। दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पद्धति में शिक्षक को प्रवेश से पूर्व एवं कार्यक्रम की समाप्ति तक शिक्षार्थियों को निर्देशन प्रदान करना रहता है। दूरस्थ अध्ययन


मीडिया सेन्टर

प्रणाली में सुगमता के साथ लचीलापन भी है। पाठ्यक्रम के अनुसार सभी प्रश्नपत्रों की पूर्व निर्धारित काउन्सिलिंग होती है। अधिन्यास कार्य हेतु परामर्श देना तथा अधिन्यासों का मूल्यांकन करना शिक्षा का दायित्व है। अधिन्यास प्रश्नपत्रों के निर्माण से लेकर मूल्यांकन के बेहतर तरीके अपनाने पर विश्वविद्यालय निरन्तर कार्यशालाएं आयोजित करवाता है और अपने मानवीय संसाधनों को प्रशिक्षित करने का कार्य करता है। वर्षपर्यन्त विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन विश्वविद्यालय में किया जाता है।

मुक्त विश्वविद्यालय में शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पदों का सृजन राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। इन पदों पर नियुक्तियां उत्तर प्रदेश सरकार तथा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित सेवा शर्तों के अनुरूप की जाती है। इसके साथ ही दूरस्थ शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त विकासात्मक अनुदान के अन्तर्गत शैक्षणिक परामर्शदाताओं की नियुक्ति की जाती हे। शैक्षिक तथा प्रशासनिक कार्यों की सम्यक् व्यवस्था में सहयोग देने के लिए अनेक तकनीकी तथा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति की गयी है। क्षेत्रीय केन्द्रों तथा अध्ययन केन्द्रों पर मानवीय संसाधनों की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा की जाती है।



विश्वविद्यालय प्रवेश द्वार

****

3. शैक्षणिक कार्यक्रम एवं अधिगम संसाधन
(Academic Programmes and Learning Resources)

विश्वविद्यालय की प्रगति एवं लोकप्रियता में सर्वाधिक महत्व शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा अधिगम संसाधन का ही होता है। विश्वविद्यालय अपने शिक्षार्थियों को वर्तमान वैश्विक युग के उपयुक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए सतत् प्रयत्नशील है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विश्वविद्यालय ने निर्धन ज्ञानपिपासुओं, विकलांगों, महिलाओं, ग्रामीण अंचलों के निवासियों तथा सेवारत व्यक्तियों को शिक्षा के विशेष अवसर उपलब्ध कराए हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय के 400 से भी अधिक अध्ययन केन्द्र सम्पूर्ण प्रदेश में संचालित हैं। सत्र 2010–2011 तथा सत्र 2011–2012 में क्रमशः 90 तथा 96 शैक्षणिक कार्यक्रमों द्वारा परम्परागत, रोजगारपरक तथा व्यवसायिक गुणवत्तायुक्त ज्ञानाधारित उच्च शिक्षा प्रदान कर विश्वविद्यालय राष्ट्रहित में योगदान दे रहा है।

यहाँ शैक्षणिक कार्यक्रमों में उपाधि कार्यक्रमों के साथ डिप्लोमा, प्रमाण–पत्र तथा जागरूकता कार्यक्रम संचालित है। इन सभी कार्यक्रमों की परीक्षा को 'छात्र–हित' में वार्षिक तथा सेमेस्टर पद्धति में विभक्त किया गया है। कार्यक्रमों की प्रकृति के अनुसार इन्हें तीन वर्गों में विभाजित किया गया है:–

(क) कार्यक्रमों की प्रकृति (Nature of Programmes)

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों में रोजगार परक, व्यवसायिक परम्परागत भिन्नता के साथ–साथ इनमें लोकप्रियता, प्रारूपगत, प्रवेशगत एवं अर्हता सम्बन्धी अनेक विशेषताएँ और भिन्नताएँ हैं। ये विशेषताएँ तथा भिन्नताएँ ही कार्यक्रमों की प्रकृति निर्धारित करती हैं।

i. नवीन कार्यक्रमों का विकास : प्रारम्भ से ही विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा उच्च शिक्षा के लिए नवीन शैक्षणिक कार्यक्रमों को आरम्भ करता रहा है। समाजकार्य विषय की लोकप्रियता एवं छात्रों में उसकी बढ़ती हुई माँग को देखते हुए सत्र 2010–11 से समाज कार्य में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। वार्षिक प्रणाली पर आधारित एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रमों के अन्तर्गत 'भारतीय संस्कृति में डिप्लोमा', 'संस्कृत में डिप्लोमा' तथा 'ज्योतिर्विज्ञान में डिप्लोमा' जैसे महत्वपूर्ण विषयों के पाठ्यक्रम संचालित किए गए। इसके साथ ही सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में 'डिप्लोमा इन ई–बिज़नेस' प्रारम्भ किया गया। प्रमाण–पत्र कार्यक्रमों के अन्तर्गत इस सत्र से 'पालि में प्रमाण–पत्र', 'शैक्षिक मापन मे प्रमाण–पत्र', 'शोध विधि में प्रमाण–पत्र', 'ज्योतिर्विज्ञान में प्रमाण–पत्र', 'भारतीय संस्कृति में प्रमाण–पत्र', संस्कृत में प्रमाण–पत्र, ई–बिजनेस में प्रमाण–पत्र', तथा Certificate Course in communication and Information Technology जैसे शिक्षाप्रद आठ प्रमाण–पत्र कार्यक्रम संचालित किए गए।

सत्र 2011–2012 में शिक्षार्थियों की उच्च शिक्षा के प्रति बढ़ती हुई जिज्ञासा को देखते हुए विश्वविद्यालय ने दो वर्षीय स्नातक उपाधिधारकों के लिए 'ब्रिज–कोर्स' को प्रारम्भ कर उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। 'ब्रिज–कोर्स' की अवधि एक वर्ष निर्धारित है। इस कोर्स को स्नातक कला, स्नातक वाणिज्य तथा स्नातक विज्ञान तीनों वर्ग के शिक्षार्थियों के लिए प्रारम्भ किया गया है। इसी सत्र से एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रम के अन्तर्गत 'Diploma in Applied Statistics and Computers', Diploma in Value Added Products from Fruits and Vegetables' 'Diploma in Diary

Technology' जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रारम्भ हुए। इसी श्रृंखला में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम में 'शिक्षा का अधिकार में प्रमाण–पत्र', Certificate in Applied Statistics and Computer तथा Certificate in Organic Farming' जैसे उपयोगी कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए ।

ii. शिक्षार्थी केन्द्रित शैक्षिक कार्यक्रमः– दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली शिक्षार्थी केन्द्रित व्यवस्था है। दूरस्थ शिक्षा पद्धति अपनी विशेषताओं, लचीलेपन तथा बन्धनों की न्यूनता के कारण शिक्षार्थियों के मध्य अत्यन्त लोकप्रिय होती जा रही है। विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित सभी कार्यक्रम शिक्षार्थी हित में सेमेस्टर तथा वार्षिक परीक्षा प्रणाली पर आधारित है। (वार्षिक तथा सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित कार्यक्रमों की सूची **परिशिष्ट–8** में दर्शाई गई है।)

iii. शैक्षिक कार्यक्रमों की अवधिः– शिक्षार्थी हित में दूरस्थ शिक्षा पद्धति में कार्यक्रमों की न्यूनतम तथा अधिकतम अवधि निर्धारित है। इस पद्धति के द्वारा शिक्षार्थियों को कार्यक्रम पूर्ण करने हेतु पर्याप्त अवसर प्राप्त होता है। दूरस्थ तथा मुक्त शिक्षा प्रणाली द्वारा शिक्षार्थियों को बैक परीक्षा का अवसर भी उपलब्ध कराया गया है। शिक्षार्थी अधिकतम अवधि समाप्त हो जाने पर पुनः पंजीकरण द्वारा भी अपने कार्यक्रम को पूर्ण कर सकता है।

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम अवधि वर्षों में	
		न्यूनतम	अधिकतम
1.	स्नातक कार्यक्रम (UG) (कला, वाणिज्य, विज्ञान, पर्यटन)	03	06
2.	कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (BCA)	03	06
3.	व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (BBA)	03	05
4.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (BLIS)	01	03
5.	ब्रिज कोर्स कार्यक्रम (B.C. Course)	01	03
6.	एकल विषय में स्नातक कार्यक्रम (UGSS)	02	04
7.	स्नातकोत्तर कार्यक्रम (MA) (कला, विज्ञान)	02	04
8.	स्नातकोत्तर कार्यक्रम (M.Com) (वाणिज्य)	02	05
9.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (MLIS)	01	03
10.	कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर (MCA)	03	06
11.	एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा	01	03
12.	एक वर्षीय सामान्य डिप्लोमा	01	03

13.	प्रमाण–पत्र कार्यक्रम	1/2	02
14.	नॉन क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम	02 माह	01

iv. कार्यक्रमों के विभिन्न प्रारूपः– शिक्षार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने स्नातक कला तथा स्नातक विज्ञान के पाठ्यक्रमों को तीन अलग–अलग वर्गों में विभक्त कर दिया है। इससे शिक्षार्थियों को अपनी क्षमता एवं अभिरूचि के अनुसार पाठ्यक्रम चयन हेतु विकल्प प्राप्त है। इसके अन्तर्गत बी.ए. तथा बी.एस.सी. पाठ्यक्रमों को सामान्य, मेजर तथा रोजगारपरक कार्यक्रम के आधार पर तीन वर्गों में अलग–अलग विभक्त किया गया है। बी.ए. तथा बी.एस–सी. कार्यक्रमों में मेजर तथा रोजगारपरक कार्यक्रमों में आधार तथा व्यवहारमूलक पाठ्यक्रमों को भी सम्मिलित कर शिक्षार्थियों को रोजगार सम्बन्धित शिक्षा के अधिक उपयुक्त अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। जबकि पर्यावरण सम्बन्धी योग्यता प्रदायी कार्यक्रम तीनों वर्गों – सामान्य, मेजर तथा रोजगारपरक में अनिवार्य रूप से सम्मिलित है।

v. पाठ्यक्रमों में क्रेडिट पद्धतिः– विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों के हित में दूरस्थ शिक्षा परिषद् के मानकों को ध्यान में रखते हुए समस्त कार्यक्रमों के क्रेडिट अन्य विश्वविद्यालयों के कार्यक्रमों के समकक्ष कर दिए गए हैं। कार्यक्रमानुसार क्रेडिट का विवरण निम्नवत हैं :–

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित क्रेडिट
A	**स्नातक कार्यक्रम**	
	1.स्नातक कला (B.A.)	96
	2.स्नातक वाणिज्य (B.Com.)	96
	3. स्नातक पर्यटन (B.A.Toursim)	96
	4. स्नातक विज्ञान (B.Sc.)	96
	5.कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (BCA)	120
	6.व्यवसाय प्रबंधन में स्नातक (BBA)	120
	7.ब्रिज कोर्स में स्नातक कला (BC Arts)	32
	8.ब्रिज कोर्स स्नातक वाणिज्य (BC Commerce)	32
	9.ब्रिज कोर्स स्नातक विज्ञान (BC Science)	32
	10.एकल विषय में स्नातक कला (दो वर्षीय)(UGSS)	48
	11.एकल विषय में स्नातक विज्ञान (दो वर्षीय)(UGSSc.)	48
	12.पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (BLIS)	36
B	**स्नातकोत्तर कार्यक्रम**	
	1. स्नातकोत्तर कला (M.A.)	60 से अधिक

	2. स्नातकोत्तर वाणिज्य (M.Com.)	96
	3. स्नातकोत्तर विज्ञान (M.Sc.)	60 से अधिक
	4. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (M.J.)	80
	5. व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (M.B.A.)	96
	6. कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर (MCA)	131
	7. कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर (MCS)	80
	8. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (MLIS)	48
C	**स्नातकोत्तर डिप्लोमा**	डेक के अनुसार
D	**डिप्लोमा कार्यक्रम**	डेक के अनुसार
E	**प्रमाण–पत्र कार्यक्रम**	डेक के अनुसार
F	**जागरूकता कार्यक्रम**	नॉन क्रेडिट

प्रत्येक पाठ्यक्रम में क्रेडिट का आशय इसमें लगने वाले समय से होता है। इसमें एक क्रेडिट के लिए 30 घंटे का समय परामर्श, स्वाध्याय तथा प्रयोगात्मक कार्यो के लिए निर्धारित होता है। इस अवधि में पाठ्य सामग्री का अध्ययन–चिन्तन, दृश्य–श्रव्य संसाधनों के प्रयोग द्वारा ज्ञानार्जन और परामर्श सत्रों में सहभाग और सत्रीय कार्य को पूर्ण करना होता है।

vi. कार्यक्रमों की मूल्यपरकताः– वैश्वीकरण के वर्तमान युग में नैतिक तथा मानवीय मूल्यों में निरन्तर हो रहे ह्रास के कारण शिक्षा का मूल्यपरक होना अत्यन्त आवश्यक है। इसे दृष्टिगत करते हुए विश्वविद्यालय ने संस्कारों तथा मानव मूल्यों पर आधारित गुणवत्तायुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों को प्रारम्भ किया है। शिक्षार्थियों के विकास के लिए विश्वविद्यालय समय–समय पर व्याख्यानों का आयोजन करता है। प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय 'राजर्षि टण्डन व्याख्यानमाला' का आयोजन करता है।

vii. माड्यूलर प्रारूपः– क्रेडिट संचयन की सुविधा के लिए पाठ्यक्रमों को मॉड्यूलर प्रारूप जैसे PGDCA-MCA, PGDJMC-MJMC आदि पर बनाया जाता है। यह प्रवेश तथा परीक्षा पद्धति को सुगम बनाता है। कई पाठ्यक्रमों में उपाधि तथा डिप्लोमा को मॉड्यूलर प्रारूप के अनुसार बनाया गया है।

viii. कार्यक्रमों की लोकप्रियता व रोजगारपरकताः– दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा की विभिन्न विशेषताओं तथा लचीलेपन के कारण विश्वविद्यालय की लोकप्रियता में स्थापना वर्ष से कई गुना वृद्धि हुई है। इस प्रणाली में उम्र का बंधन न होने के कारण किसी उम्र का व्यक्ति कई वर्षों के व्यवधान के बाद भी पुनः शिक्षा प्राप्त कर सकता है। विश्वविद्यालय के लिए अत्यन्त गौरव का विषय है कि अधिकारियों, सफल व्यवसायिकों तथा निजी क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों ने भी यहां से शिक्षा प्राप्त की है। व्यावसायिक एवं रोजगारपरक कार्यक्रमों की लोकप्रियता एवं उपयोगिता का आंकलन यहां नामांकित शिक्षार्थियों की संख्या से किया जा सकता है।

(ख) कार्यक्रमों की विविधताः– शिक्षा शिक्षार्थी के द्वार तक की परिकल्पना को साकार करते हुए विश्वविद्यालय ने

अपने कार्यक्रमों में विविधता का ध्यान रखा है। इन बहु–आयामी कार्यक्रमों के माध्यम से विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा को जन–जन तक पहुँचाने के लिए कृत संकल्प है। शिक्षार्थियों की अर्हता एवं आवश्यकतानुसार विश्वविद्यालय विभिन्न स्तर के कार्यक्रमों को संचालित करता है। इनमें मुख्य रूप से स्नातक, स्नातकोत्तर, स्नातकोत्तर डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण–पत्र तथा जागरूकता स्तर के कार्यक्रम हैं। इनके साथ आधार पाठ्यक्रम, व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम तथा पर्यावरण सम्बन्धी योग्यता प्रदायी कार्यक्रम भी संचालित हैं।

i. स्नातक स्तर के कार्यक्रमः– विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों में कला, वाणिज्य, विज्ञान, पर्यटन, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, व्यवसाय प्रशासन, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान आदि में स्नातक स्तर के कार्यक्रम संचालित हैं। कला वर्ग में हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र, लोकप्रशासन, समाजशास्त्र, संस्कृत, दर्शन, उर्दू, शिक्षाशास्त्र, गणित, सांख्यिकी, फैशन डिजाइनिंग, टेक्सटाईल्स डिजाइनिंग तथा सत्र 2011–2012 से प्राचीन इतिहास एवं समाज कार्य जैसे महत्वपूर्ण विषय शिक्षार्थियों को विकल्प के लिए उपलब्ध हैं। विज्ञान वर्ग के शिक्षार्थियों के लिए भौतिक विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, जैव रसायन तथा सांख्यिकी जैसे विषयों में संयुक्तियों के चयन की सुविधा है। विश्वविद्यालय ने विज्ञान वर्ग के शिक्षार्थियों के लिए निम्न संयुक्तियों (Combination) की सुविधा दी हैः–

1. भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित।
2. भौतिक विज्ञान, गणित, कम्प्यूटर विज्ञान।
3. वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान।
4. भौतिक विज्ञान, गणित, सांख्यिकी।
5. वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, जैव रसायन।

स्नातक स्तर के कार्यक्रमों के अन्तर्गत कला तथा विज्ञान वर्ग में 'एकल विषय' (दो वर्षीय) स्नातक कार्यक्रम भी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित है। सत्र 2011–2012 से दो वर्षीय उपाधिधारकों के लिए कला, वाणिज्य तथा विज्ञान तीनों वर्गों के शिक्षार्थियों के लिए एक वर्षीय 'ब्रिज कोर्स' कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

ii. स्नातकोत्तर स्तर के कार्यक्रमः– स्नातकोत्तर स्तर के कार्यक्रमों में भी कला, वाणिज्य, विज्ञान वर्ग के परम्परागत कार्यक्रमों के साथ–साथ कम्प्यूटर अनुप्रयोग, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा व्यवसाय प्रशासन में भी स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित हैं। परास्नातक कला वर्ग में हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, सांख्यिकी, दर्शनशास्त्र, संस्कृत, समाजकार्य तथा सत्र 2011–2012 से प्राचीन इतिहास विषय शिक्षार्थियों के चयन हेतु उपलब्ध है। परास्नातक विज्ञान वर्ग में सांख्यिकी तथा जैव रसायन जैसे महत्वपूर्ण विषय संचालित हैं।

iii. स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रमः– विश्वविद्यालय ने स्थापना वर्ष से ही छात्रहित को सर्वोपरि मानते हुए अनेक व्यवसायपरक, तकनीकी ज्ञान पर आधारित, कम्प्यूटर, प्रबन्धन आदि विषयों में दक्षता व कौशल प्रदान करने वाले कार्यक्रमों को संचालित किया है। इसी क्रम में अनेक स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित किए जा रहें हैं। अनुवाद एवं लेखन कार्य में दक्षता तथा भाषा सम्बन्धी ज्ञान के लिए अनुवाद में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PGDT), हिन्दी में रचनात्मक

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विविध कार्यक्रम

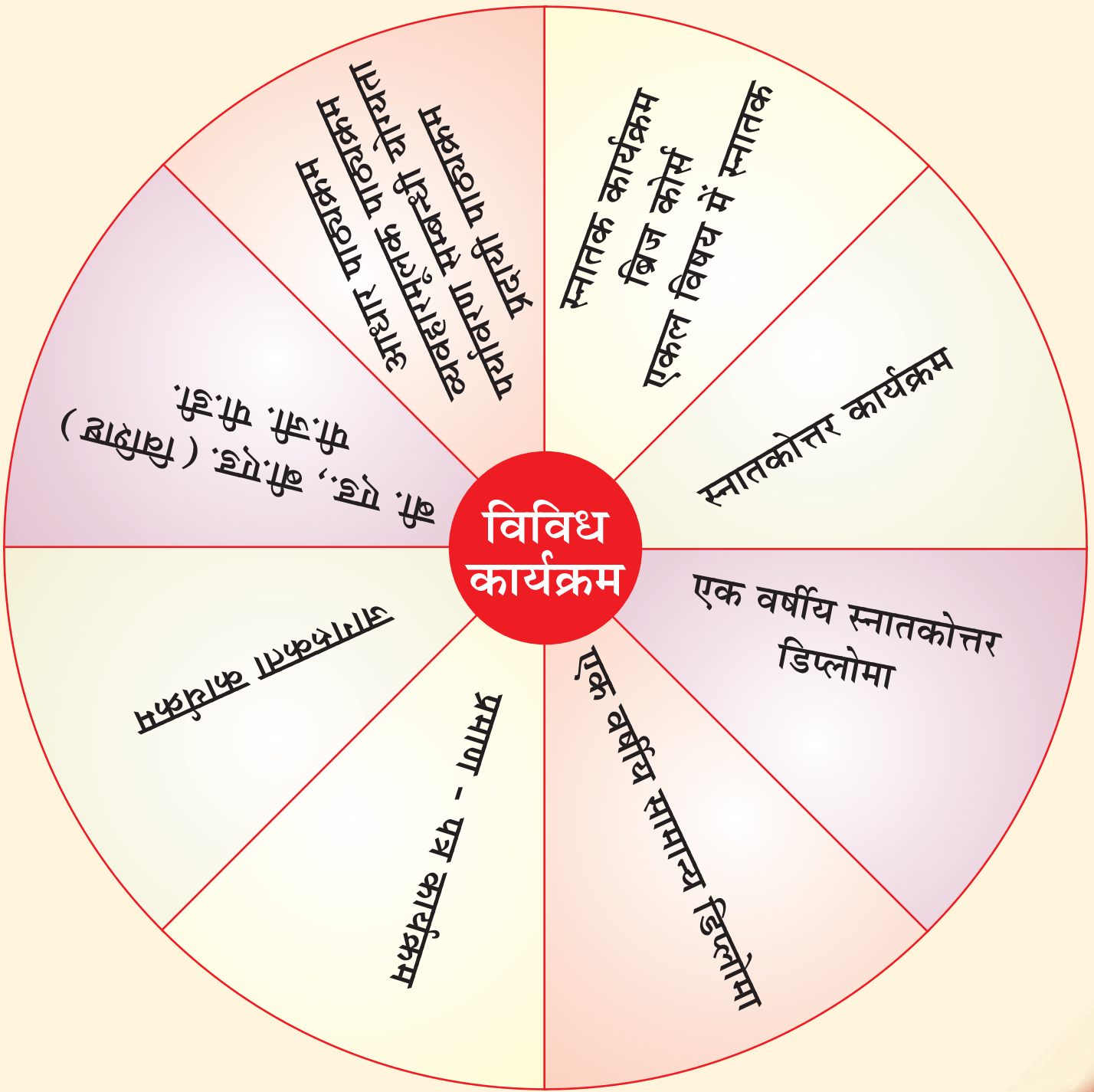

लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCWH), प्रयोजनमूलक हिन्दी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDFH) कार्यक्रम संचालित हैं। वर्तमान समय में बढ़ती हुई मांग एवं लोकप्रियता वाले पत्रकारिता जैसे महत्वपूर्ण विषय से सम्बन्धित कई स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम जैसे इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDEM&FP), ग्रामीण पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDRJMC) तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC) संचालित है। विश्वविद्यालय द्वारा कम्प्यूटर विषय में कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCA) तथा प्रबन्धन में वित्तीय प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDFM), अन्तरराष्ट्रीय मार्केटिंग और ई–बिजनेस में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDIMB), विपणन प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDMM), उत्पादन प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDPH) तथा मानव संसाधन विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDHRD) कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। पर्यावरण जागरूकता जैसे ज्वलंत विषय से सम्बन्धित पर्यावरण एवं संधृत विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGD-ESD) कार्यक्रम संचालित हैं। शैक्षिक तकनीकी तथा दूरस्थ शिक्षा से सम्बन्धित वोकेशनल गाइडेंस एवं कैरियर काउन्सिलिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDVGCC), शिक्षा प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDEA) दूरस्थ शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDDE) कार्यक्रम शिक्षार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। इसी श्रृंखला में सत्र 2010–2011 शिक्षार्थियों की मांग पर समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDSW) कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

iv. डिप्लोमा कार्यक्रमः– सामान्य डिप्लोमा कार्यक्रमों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय ने परम्परागत, व्यावसायिक, संव्यावसायिक विषयों पर आधारित डिप्लोमा संचालित किए हैं। सत्र 2010–2011 में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पोषण में डिप्लोमा (DHEN), पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा (DTS), ग्रामीण विकास में डिप्लोमा (DRD), डायटेटिक्स एवं न्यूट्रीशन में डिप्लोमा (DCDN), प्रारम्भिक बाल्यावस्था परिचर्या एवं शिक्षा में डिप्लोमा (DECE), फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा (DFD), टेक्सटाइल डिजाइनिंग में डिप्लोमा (DTD), डिप्लोमा इन फोटोग्राफी (DIP), तथा डिप्लोमा इन होम आर्ट्स (DHA) संचालित थे। सत्र 2010–2011 में भारतीय संस्कृति में डिप्लोमा (DIIH), संस्कृत में डिप्लोमा (DIS) तथा ज्योतिर्विज्ञान में डिप्लोमा (DIJV) कार्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किए गए। वार्षिक प्रणाली के डिप्लोमा कार्यक्रमों में सत्र 2011–2012 में कम्प्यूटर, सांख्यिकी तथा कृषि–पशुपालन विषयों पर आधारित डिप्लोमा इन एप्लाइड स्टैटिसटिक्स एण्ड कम्प्यूटर्स (DASC), डिप्लोमा इन वेल्यू ऐडेड प्रोडक्टस फ्राम फ्रूट्स एण्ड वेजिटेबलस (DVAPFV) तथा डिप्लोमा इन डेरी टेक्नोलॉजी (DDT) कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए ।

सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित डिप्लोमा कार्यक्रमों में कम्प्यूटर में बेसिक डिप्लोमा (DIC), कार्यालय प्रबन्धन में कम्प्यूटर में डिप्लोमा (DCOM) तथा हार्डवेयर टेक्नालॉजी में डिप्लोमा (DIHT) कार्यक्रम सत्र 2010–2011 तक संचालित थे। सत्र 2010–2011 डिप्लोमा इन ई–बिजनेस (DIEB) प्रारम्भ किया गया।

v. प्रमाण पत्र कार्यक्रम – रोजगारपरक, व्यावसायिक, संव्यावसायिक, तकनीकी कार्यक्रमों के अन्तर्गत छः महीने की न्यूनतम अवधि में पूर्ण किए जाने वाले शार्ट टर्म कोर्स की लोकप्रियता निरन्तर बढ़ती जा रही है। इन कार्यक्रमों की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए विश्वविद्यालय ने अनेक महत्वपूर्ण सम–सामयिक विषयों पर आधारित प्रमाण–पत्र कार्यक्रम शिक्षार्थियों के लिए प्रारम्भ किए हैं। सत्र 2009–2010 तक पोस्ट हार्वेस्ट तकनीकी एवं मूल्य संवर्धन में प्रमाण – पत्र (CPHT&VA), औषधीय एवं सगन्धीय पौधों की खेती में प्रमाण पत्र (CCMAP), पशुधन उत्पादन प्रणाली में प्रमाण–पत्र (CLPS), पर्यटन अध्ययन में प्रमाण पत्र (CTS), शिशु पालन एवं पोषण में प्रमाण–पत्र (CCCN), पोषण एवं आहार में प्रमाण

पत्र (CNF) उपभोक्ता संरक्षण में प्रमाण–पत्र (CCP), मानवाधिकार में प्रमाण–पत्र (CHR), आपदा प्रबन्धन में प्रमाण–पत्र (CDM), एच0आई0वी0 एवं परिवार शिक्षा में प्रमाण–पत्र (CHFE), महिला सशक्तिकरण एवं विकास में प्रमाण पत्र (CWED) योग में प्रमाण–पत्र (CCY), कारपेट एण्ड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में प्रमाण–पत्र (CCTT), कराधान और निर्यात – आयात प्रबन्धन में प्रमाण – पत्र (CTEIM), व्यवाहारिक अपराध शास्त्र में प्रमाण – पत्र (CAC), फैशन डिजाइनिंग में प्रमाण – पत्र (CFD), टेक्सटाइलस डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र (CTD), ग्रामीण पत्रकारिता एवं जनसंचार में प्रमाण–पत्र (CRJMC) तथा कम्प्यूटर में प्रमाण – पत्र (CCC) कार्यक्रम संचालित थे । सत्र 2010–2011 में विश्वविद्यालय ने आठ नए प्रमाण–पत्र कार्यक्रम पालि में प्रमाण–पत्र (CIP), शैक्षिक मापन में प्रमाण–पत्र (CIET), शोध विधि में प्रमाण–पत्र (CIRM), ज्योतिर्विज्ञज्ञन में प्रमाण–पत्र (CIJV) भारतीय संस्कृति में प्रामण–पत्र (CIIH), संस्कृत में प्रमाण–पत्र (CIS), ई–बिजनेस में प्रमाण – पत्र (CIEB), तथा सर्टिफिकेट कोर्स इन कम्यूनिकेशन एण्ड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी (CCCIT), प्रारंभ किए । पुनः सत्र 2011–2012 में शिक्षा का अधिकार पाठ्यक्रम में प्रमाण–पत्र (CCRE), सर्टिफिकेट इन एप्लाइड स्टेटि्सटिक्स एण्ड कम्प्यूटर्स (CASE), तथा सर्टिफिकेट इन ऑरगेनिक फार्मिंग (COF) जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को प्रारम्भ किया गया ।

vi. जागरूकता कार्यक्रम – वर्तमान में विश्वविद्यालय में छह जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। ये सभी कार्यक्रम नॉन क्रेडिट हैं तथा इन्हें पूर्ण करने की न्यूनतम अवधि मात्र दो महीने है। इनमें पंचायतीराज जागरूकता कार्यक्रम (APPR), योग जागरूकता कार्यक्रम (APY), डेयरी जागरूकता कार्यक्रम (APDF), शिशु पालन एवं पोषण में जागरूकता कार्यक्रम (APCCN), पोषण में आहार में जागरूकता कार्यक्रम (APNF), तथा एच0आई0वी0 एवं परिवार शिक्षा में जागरूकता कार्यक्रम (APHFE) जैसे प्रमुख विषय शामिल हैं।

vii. बी0एड0 कार्यक्रम – इन सभी कार्यक्रमों के अतिरिक्त बी0एड0, बी0एड0 (विशिष्ट) तथा पी0जी0पी0डी0 जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा संचालित हैं। इन कार्यक्रमों में शिक्षार्थियों के प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा तथा विशेष अर्हता का प्रावधान किया गया है।

स्व अध्ययन, स्वमंथन, तथा स्वावलम्बन को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए सत्रांत परीक्षा के साथ–साथ अधिन्यास कार्य को भी अनिवार्य किया गया है। प्रमाण–पत्र तथा डिप्लोमा कार्यक्रम में अधिन्यास कार्य का प्रावधान नहीं है। जागरूकता कार्यक्रम में परीक्षा का आधार अधिन्यास कार्य को बनाया जाता है सम्बन्धित अध्ययन केन्द्रों पर आयोजित परामर्शसत्रों में शिक्षार्थी अपने कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञों से परामर्श लेकर सभी शैक्षिक शंकाओं का समाधान कर सकते हैं। अनुभवी तथा कुशल विषय विशेषज्ञों द्वारा परामर्श सत्रों में शिक्षण कार्य किया जाता है ।

सत्र 2010–2011 तथा सत्र 2011–2012 में क्रमशः 88 तथा 96 कार्यक्रम शिक्षार्थियों के लिए संचालित किए गए। इन सभी कार्यक्रमों के द्वारा शिक्षार्थियों नें निरन्तर अपने ज्ञान–कौशल में वृद्धि किया। इससे उन्हें जहाँ रोजगार के अवसर सुलभ हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर उनके व्यक्तित्व का विकास भी हो रहा है। विश्वविद्यालय में संचालित कुछ कार्यक्रम जैसे पत्रकारिता एवं जन संचार, फैशन डिजाइनिंग व टेक्सटाइल डिजाइनिंग, डेयरी एवं पशुपालन उद्योग, स्वास्थ्य एवं पोषण से सम्बन्धित कार्यक्रम, समाज कार्य, BLIS, MLIS, B.Ed.(S), PGPD, MCA, MBA, PGDCA, UGSS आदि कार्यक्रम शिक्षार्थियों में बेहद लोकप्रिय हैं। सभी कार्यक्रमों को संचालित करने में आधार पाठ्यक्रम, व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम तथा पर्यावरण सम्बन्धी योग्यताप्रदायी पाठ्यक्रम – ये तीनों कार्यक्रम स्नातक (कला, वाणिज्य व विज्ञान वर्ग) के शिक्षार्थियों के लिए अनिवार्य हैं। शिक्षार्थी अपनी रूचि एवं अपने पाठ्यक्रम के अनुसार वैकल्पिक प्रश्नपत्रों का चयन

कर सकते हैं। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए इन प्रश्नपत्रों के क्रेडिट को पूरा करना आवश्यक होता है। पर्यावरण सम्बन्धी योग्यता प्रदायी पाठ्यक्रम नॉन क्रेडिट कार्यक्रम हैं। कार्यक्रम अवधि में इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

विश्वविद्यालय द्वारा छात्र हित का विशेष ध्यान रखा जाता है। कार्यक्रमों को शिक्षार्थी की अर्हता, आवश्यकता, ज्ञान–कौशल तथा अभिरूचि को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्तर पर संचालित किया गया है। इससे उच्च शिक्षा का प्रचार–प्रसार ग्रामीण एवं आंचलिक क्षेत्रों में भी तीव्र गति से हो रहा है। शिक्षा शिक्षार्थी के द्वार तक की परिकल्पना को साकार करता हुआ विश्वविद्यालय कक्षा आठ की अर्हता रखने वाले शिक्षार्थियों को भी उच्च शिक्षा के अवसर सुलभ करा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कार्यक्रमों की लोकप्रियता के कारण शिक्षार्थियों की संख्या में निरन्तर प्रगति हो रही है। विकास के क्रम में आगामी सत्र से योग–शिक्षा में डिप्लोमा तथा फोरेन्सिक साइंस जैसे महत्वपूर्ण विषय में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम प्रारंभ किए जाने की योजना को मूर्त रूप देने का प्रयास जारी है।

(ग) पाठ्यक्रम एवं स्व–अध्ययन सामग्री – दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का आधार उसके पाठ्यक्रम तथा स्व–अध्ययन सामग्री है । दूरस्थ शिखा प्रणाली पर आधारित राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने पिछले डेढ़ दशक में आशातीत प्रगति की है। विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे विकास का न केवल साक्षी है वरन् सहयोगी भी है। इस प्रणाली में शिक्षकों का महनीय योगदान होता है। दूरस्थ शिक्षा में शिक्षक तथा शिक्षार्थी आमने – सामने (Face to Face) बैठकर अध्ययन नहीं करते वरन् उनके मध्य भौगोलिक दूरी होती है। सीमित परामर्श सत्रों के माध्यम से शिक्षार्थी के मन में उठने वाली जिज्ञासाओं, शंकाओं का समाधान कुशल तथा अनुभवी विषय–विशेषज्ञों के माध्यम से किया जाता है। शिक्षार्थियों को अध्ययन के लिए शिक्षक के विकल्प के रूप में स्व–अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। जिससे वह घर पर ही बैठकर ज्ञानार्जन कर सके। इस सामग्री के निर्माण में इस बात का पूरा ध्यान रखा जाता है कि वह शिक्षार्थियों का शिक्षक के विकल्प के रूप में मार्गदर्शन करे और शिक्षार्थी अपनी क्षमता एवं रूचि के अनुसार उसका अध्ययन कर सकें। शिक्षक–शिक्षार्थी के मध्य दूरी के कारण पाठ्य सामग्री ही सीखने के लिए रूचि तथा जिज्ञासा उत्पन्न करती है । पाठ्य सामग्री लेखन से पूर्व पाठ्यक्रम का निर्धारण कार्यक्रम के स्तर तथा शिक्षार्थी की क्षमता का आंकलन कर किया जाता है। फिर उसी के अनुरूप सरल भाषा में छोटे–छोटे भागों में बांटकर उसे शीर्षकों तथा उपशीर्षकों में विभक्त किया जाता हे। इसे अधिक स्पष्ट एवं बोधगम्य बनाने हेतु सारणी, रेखाचित्र, आंकड़े आदि अधिगम स्रोतों का भी प्रयोग किया जाता है। प्रत्येक पाठ के अन्त में शिक्षार्थियों के स्वमूल्यांकन के लिए प्रश्नावली दी जाती है।

स्व–अध्ययन सामग्री छात्र केन्द्रित व्यवस्था है। शिक्षार्थी अपनी स्वेच्छानुसार कहीं भी इससे ज्ञानार्जन कर सकता है। पाठ्य–सामग्री अधिगम प्रक्रिया का एक मुख्य घटक है। दूरस्थ एवं मुक्त विश्वविद्यालय के रूप में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने पाठ्य सामग्री मुद्रण की दिशा में निरन्तर सार्थक प्रयत्न किया है। प्रत्येक वर्ष विभिन्न विषयों की स्व–अध्ययन सामग्री का निर्माण एवं मुद्रण होता है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने 'पाठ्य सामग्री लेखन प्रकोष्ठ' गठित किया है। यह प्रकोष्ठ पाठ्यक्रम निर्धारण तथा पाठ्य सामग्री की रूप रेखा निर्धारित कर, पाठ्य सामग्री लेखन का कार्य करवाता है। पाठ्य सामग्री लेखन के लिए विषय–विशेषज्ञों की समिति बनाकर समय–समय पर 'पाठ्य सामग्री लेखन–विधि कार्यशाला द्वारा उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है।

स्व–अध्ययन सामग्री लेखन व मुद्रण में इग्नू के स्ट्राइड (स्टाफ ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट ऑफ डिस्टेन्स एजुकेशन) का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय निकट भविष्य में पाठ्य सामग्री ऑन लाइन करने की दिशा में प्रयासरत है। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2010–2011 में MAST (एम0ए0 संस्कृत) 01 से

04 तक के प्रश्नपत्र, UGTD (टेक्सटाइल डिजाइनिंग में स्नातक) 03 से 06 तक, UGFD (फैशन डिजाइनिंग में स्नातक) 03 से 06 तक, तथा M.Com (वाणिज्य में स्नातकोत्तर कार्यक्रम) के सभी दस प्रश्नपत्रों की हिन्दी में पाठ्य सामग्री मुद्रित कराई गई। इसके साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी में आधार पाठ्यक्रम (UGFIT) की अध्ययन सामग्री हिन्दी माध्यम के शिक्षार्थियों के लिए हिन्दी में निर्मित कराई गई ।

सत्र 2011–2012 में विश्वविद्यालय द्वारा MAPS-10 (राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर), आधार पाठ्यक्रमों मे सूचना प्रौद्योगिकी में आधार पाठ्यक्रम UGFIT (अंग्रेजी में), शिक्षाशास्त्र में MAED-03, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर MLIS की पाठ्य सामग्री (हिन्दी माध्यम में) तथा ग्रामीण पत्रकारिता में PGDRJMC की सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री (हिन्दी माध्यम में) निर्मित व मुद्रित कराई गई है। फोरेन्सिक सांइस में प्रमाण पत्र कार्यक्रम हेतु अंग्रेजी माध्यम से पाठ्य सामग्री का लेखन कार्य पूर्ण हो चुका है तथा एम0ए0 अर्थशास्त्र की पाठ्य सामग्री निमार्णाधीन है।

समय–समय पर पाठ्य–सामग्री की उपयोगिता एवं गुणवत्ता बनाएं रखने के लिए विश्वविद्यालय पाठ्य सामग्री का पुनर्निरीक्षण तथा संशोधन भी करवाता है। मुद्रण से पूर्व लिखित सामग्री को व्यवस्थित करने तथा प्रूफ रीडिंग करने हेतु समिति गठित की जाती है। उसके पश्चात् ही मुद्रण कराया जाता है।

विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी स्थापना वर्ष से की कटिबद्ध है। छात्र हित में विश्वविद्यालय ICT के प्रयोग पर निरन्तर बल देता है। इसी क्रम में स्व–अध्ययन सामग्री को CD के रूप में शिक्षार्थियों को उपलब्ध कराने तथा उसे ऑन लाइन करने की दिशा में विश्वविद्यालय प्रयासरत है। अधिन्यास, प्रवेश प्रक्रिया तथा प्रवेश–पत्र को भी ऑन लाइन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है।

(घ) अमुद्रित अनुदेशनात्मक माध्यम – मुद्रित अध्ययन सामग्रियों की कुछ सीमाएं हैं। इसके माध्यम से शिक्षक–शिक्षार्थी तथा शिक्षार्थी–शिक्षार्थी के मध्य त्वरित अन्तःक्रियाओं की संभावनाएं सीमित हो जाती है। अध्ययन सामग्री के अध्ययन के लिए शिक्षार्थी में पूर्व से ही उस स्तर की अध्ययन क्षमता कौशल विकासित होना चाहिए। अन्यथा स्व–अध्ययन सामग्री अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सकती है। परम्परागत शिक्षण से भिन्न अधिगम संसाधनों का प्रयोग दूरस्थ शिक्षा में आवश्यक है। अतः विश्वविद्यालय भी आकाशवाणी, ऑडियो–वीडियो कैसेट्स तथा एडूसेट उपग्रह चैनल द्वारा शिक्षार्थियों से सम्पर्क स्थापित कर उनके ज्ञान में अभिवृद्धि करता है। ज्ञानवाणी द्वारा शिक्षार्थियों के लिए उपयोगी व्याख्यान प्रस्तुत किए जाते हैं। कई केन्द्रों पर विशेषज्ञों के व्याख्यानों को शिक्षार्थियों के मांग पर पुनः प्रसाारित किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा इलाहाबाद एवं लखनऊ आकाशवाणी केन्द्रों से प्रातः 2 घंटे को अवधि में ज्ञाणवाणी कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों पर व्याख्यान प्रसारित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के पांच अध्ययन केन्द्रों – बलिया, जौनपुर, इलाहाबाद (शैक्षिक परिसर), लखनऊ एवं मुरादाबाद पर दूरस्थ शिक्षा परिषद् के सौजन्य से डाउन लिंक की सुविधा उपलब्ध है। जिसके माध्यम से शिक्षार्थी इग्नू द्वारा मनोलीत प्राध्यापक एवं अन्य विशिष्ट विद्वानों द्वारा दिए गए व्याख्यानों को अपने केन्द्रों में टी.वी. पर देखकर लाभान्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय में एडुसेट की भी सुविधा उपलब्ध है।

(च) शैक्षणिक पुनरावलोकन एवं योजनाएं – दूरस्थ शिक्षण प्रणाली में शैक्षणिक पुनरावलोकन का महत्व बहुत अधिक बढ़ जाता है। विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा अधिगम संसाधनों की गुणवत्ता बढ़ाए रखने तथा

उसका नवीनीकरण करने के लिए सतत् प्रयत्नशील है। शिक्षार्थी अधिन्यास तथा परीक्षाफल से स्वमूल्यांकन करता है और विश्वविद्यालय अपने कार्यक्रमों द्वारा अपना मूल्यांकन करता है। उसके लिए समय–समय पर शैक्षणिक पुनरावलोकन आवश्यक है। विभिन्न अधिगमों के साथ साथ विश्वविद्यालय शैक्षिक प्रगति के मूल्यांकन तथा विस्तार के लिए कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन करता है। सत्र 2010–2011 तथा सत्र 2011–12 में कई महत्वपूर्ण विषयों पर संगोष्ठियाँ तथा व्याख्यानमालाएं आयोजित की गई।

30 अगस्त 2010 को विश्वविद्यालय ने ज्ञान में अभिवृद्धि के लिए ''विश्वभाषा के रूप में हिन्दी के विकास की अनंत संभावनाएँ'' विषय पर ''राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन स्मृति व्याख्यानमाला'' के अष्टम् पुष्प का अयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो0 जी0 गोपीनाथन ने ''भूमण्डलीकरण, उपनिवेशवाद एवं हिन्दी का विकल्प'' विषय पर व्याख्यान दिया तथा हिन्दी की विश्वभाषा के रूप में विकास की अनन्त सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला ।

अगस्त 2010 में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित शैक्षिक कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली तथा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली की संयुक्त समिति के निरीक्षण के बाद लिखित रूप से मान्यता प्रदान कर दी। राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ही ऐसा मुक्त विश्वविद्यालय है जिसने संयुक्त समिति के समक्ष कार्यक्रमों की ग्रेडिंग का प्रस्ताव रखा है। इस श्रृंखला में M.B.A. जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम को भी मान्यता मिल गई है।

15 नवम्बर 2010 को 'भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय समस्याएँ' विषय पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता श्री द्वारिकाधीश संस्कृत एकेडमी, द्वारिका, गुजरात के निदेशक प्रो0 जयनारायण द्विवेदी ने शिक्षा को संस्कृति का आधार बताया और वर्तमान में चारित्रिक समस्या को सबसे बड़ी समस्या के रूप में स्वीकार किया।

29 नवम्बर 2010 को आयोजित 'दूरस्थ शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी' विषयक व्याख्यान में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक ने दूरस्थ शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग को छात्र सहायता के लिए उपयुक्त बताते हुए इसके प्रयोग की अनिवार्यता पर बल दिया। प्रो0 नागेश्वर राव ने विश्वविद्यालय द्वारा इस दिशा में किए गए सार्थक प्रयासों पर प्रकाश डाला ।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए विश्वविद्यालय कई कार्यक्रमों को संचालित कर रहा है। इसी क्रम 16 सितम्बर 2010 को 'पर्यावरण में ओजोन का प्रभाव' विषयक संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया। इस संगोष्ठी में जागरूकता लाने तथा पर्यावरण बचाने के लक्ष्य पर मन्थन किया गया ।

एड्स जैसी लाइलाज बीमारी के कारण एवं निवारण पर प्रकाश डालने के लिए विश्वविद्यालय में विश्व एड्स दिवस पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज, इलाहाबाद के प्राचार्य डा0 एस0पी0 सिंह ने एड्स के प्रति जागरूकता को ही बचाव का सर्वोत्तम उपाय बताया ।

राजर्षि टण्डन जी का हिन्दी के प्रति लगाव को सम्मान प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय में हिन्दी दिवस (14 सितम्बर, 2010) पर 'राजर्षि टण्डन और हिन्दी' विषय पर काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया । काव्यरचना से सृजनात्मक में वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय का प्रयास सराहनीय रहा ।

विश्वविद्यालय में 'कृषि शिक्षा में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति की उपादेयता' विषय पर 18–19 जून, 2011 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रो0 कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने दूरस्थ शिक्षा के माध्यम को कृषि शिक्षा के लिए सर्वाधिक उपयुक्त बताया। डा0 बल्लभ मिश्र ने कृषि की नीतियों पर तथा खाद्य–सुरक्षा पर बल देते हुए कृषि को ग्रामीण जीवन की शिक्षा कहा ।


पत्रकारिता प्रशिक्षण कार्यशाला में पत्रकारिता के गुर सिखाते इग्नू के प्रो0 सुभाष धूलिया

शिक्षार्थियों में पत्रकारिता शिल्प को विकसित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा 18–19 मई 2011 को 'प्रयोजन मूलक पत्रकारिता दक्षता एवं विकास' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रोफेसर सुभाष धूलिया ने पत्रकारिता के लिए भाषा शिल्प तथा तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान को भी आवश्यक बताया। भाषाविद् डा0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय ने युवा पीढ़ी को पत्रकारिता के लिए अध्ययन – मनन के महत्व से अवगत कराया। कार्यशाला में शिक्षार्थियों ने चार्ट पेपर पर प्रस्तुतीकरण के द्वारा सक्रिय प्रतिभागिता की।

'दूरस्थ शिक्षा जागरूकता एवं जनसंचार माध्यम' विषय पर 10 फरवरी 2010 को आयोजित संगोष्ठी में जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री रतन कुमार दीक्षित ने दूरस्थ शिक्षा की ज्ञानार्जन में महती भूमिका को स्वीकार किया। श्री अनिल भास्कर तथा प्रो0 राममोहन पाठक ने भी दूरस्थ शिक्षा के विकास की अनन्त संभावनाओं पर प्रकाश डाला ।



नालन्दा मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 जितेन्द्र सिंह विचार व्यक्त करते

11 से 13 मार्च 2011 तक आयोजित 'शिक्षा का अधिकार के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा की भूमिकाः मुद्दे एवं चुनौतियॉं' शीर्षक पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में नालन्दा मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 जितेन्द्र सिंह ने शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने तथा 2020 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कही। प्रो0 निधिबाला ने शिक्षा के अधिकार के अनुपालन पर बल दिया।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय तथा प्रयाग मानव कल्याण एवं विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में 'लिंगभेद एवं ग्रामीण भारत में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक विकास में भागीदारी' विषय पर दो दिवसीय सेमिनार 19–20 फरवरी, 2011 को विश्वविद्यालय मे आयोजित किया गया । इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो0 अलका अग्रवाल ने शिक्षा को व्यक्ति के विकास से जुड़े कार्यक्रमों को करने की दिशा में प्रेरित किया। दर्शन विभाग की अध्यक्ष प्रो0 गौरी चट्टोपाध्याय, प्रो0 सुमिता परमार, प्रो0 ऊषा ने ग्रामीण महिलाओं की स्थिति तथा घरेलू हिंसा पर प्रकाश डाला । समाज सेविका सुचेता गोइन्दी ने महिलाओं को उनका आचरण उन्नत करने के लिए प्रेरित किया। इस सेमिनार में बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे तथा शोधपत्र प्रस्तुत किया।

14 मार्च, 2011 को 'दूरस्थ शिक्षा, सामाजिक सरोकार एवं मीडिया' विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया । माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रोफेसर बी. के. कुठियाला ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा शिक्षार्थियों को सामाजिक सरोकारों को विवेकपूर्ण ढंग से समझने में मद्द करती है। प्रोफेसर शम्भूनाथ ने दूरस्थ शिक्षा को नवचार के रूप में परम्परागत शिक्षा का पूरक माना। प्रोफेसर राम मोहन पाठक ने भारतीय संचार परम्परा को समृद्धशाली तथा वैज्ञानिक माना । इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (CIQA) की पुस्तिका तथा असिस्टेंट प्रोफेसर डा0 राम प्रवेश राय की पुस्तक 'मीडिया मैनेजमेंट' का विमोचन हुआ ।

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन की जयन्ती के अवसर पर 1 अगस्त 2011 को प्रो0 अमर सिंह ने राजर्षि टण्डन जी के जीवन मूल्यों तथा हिन्दी के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर 'दूरस्थ शिक्षा सामाजिक सरोकार एवं मीडिया' तथा आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ की पत्रिका 'स्व अध्ययन सामग्री' का विमोचन हुआ । इसके साथ ही राजर्षि वाणी तथा राजर्षि टण्डन जी के चित्र का भी लोकार्पण किया गया । इस अवसर



पर शिक्षा विद्याशाखा के असिस्टेंट प्रोफेसर डा जी0के0 द्विवेदी की 'मेन्टल हेल्थ ऑफ नार्मल एण्ड डिफरेण्टली एबल्ड स्टूडेन्ट्स' नामक पुस्तक का भी विमोचन हुआ ।



मुख्य वक्ता सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर राजेन्द्र मिश्र व्याख्यान देते।

विश्वविद्यालय मे 16 सितम्बर, 2011 को राजर्षि टण्डन स्मृति व्याख्यान माला के नवम् पुष्प का आयोजन किया गया । सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर राजेन्द्र मिश्र ने मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय संस्कृति : वैश्विक परिदृश्य' विषय पर व्याख्यान देते हुए भारतीय संस्कृति की प्राचीनता पर प्रकाश डाला । इलाहाबाद मण्डल के आयुक्त श्री मुकेश मेश्राम ने जीवन में धर्म तथा संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। गोविन्द वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के पूर्व निदेशक प्रोफेसर आर0सी0 त्रिपाठी ने भाषा की रक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि भाषा से संस्कृति की रक्षा होती है। अतः भाषा की रक्षा करना सांस्कृतिक विकास के लिए आवश्यक है।

11 नवम्बर 2011 को प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयन्ती पर विश्वविद्यालय परिसर में 'शिक्षा में राष्ट्रीय परिपेक्ष्य' विषय पर एक परिसंवाद का अयोजन किया गया । मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के निदेशक प्रोफेसर पी0 चक्रवर्ती ने शिक्षकों को अपने कार्यों और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कुलपति प्रोफेसर बख्शी ने वर्तमान में व्यावसायिक शिक्षा की महत्ता पर बल देते हुए, हुनर और कौशल पर आधारित शिक्षा को वर्तमान की मांग कहा। प्रोफेसर राम शकल पाण्डेय ने शिक्षा पद्धति को बदलने की तथा शिक्षा के राष्ट्रीय महत्व को ध्यान में रखने की बात कही। प्रोफेसर एस0 ए0 अंसारी ने शिक्षा में बदलाव को स्वीकार करने की बात कही तथा शिक्षा का ध्येय विकास को बताया। प्रोफेसर हरिशंकर उपाध्याय ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की बात की तथा डा0 सुधा प्रकाश ने शिक्षकों को छात्रों के व्यक्तित्व के विकास मे सहायक होने वाली शिक्षा के महत्व से अवगत कराया ।



परिसंवाद में विचार व्यक्त करते मुख्य अतिथि एम.एन.आई.टी. इलाहाबाद के निदेशक प्रोफेसर पी. चक्रवर्ती, मंचासीन प्रोफेसर एस.ए.अंसारी तथा कुलपति प्रोफेसर ए.के.बख्शी

विश्वविद्यालय के शैक्षिक पुनरावलोकन के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की छह सदस्यीय समिति ने 4–5 जून, 2012 को विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया तथा अहम जानकारियां प्राप्त कीं । समिति के सभी सदस्यों ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से अवगत होकर एक स्वर से विश्वविद्यालय की सराहना की ।

जून 2012 में पांचों क्षेत्रीय केन्द्रों से सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र समन्वयकों के लिए आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं में विद्वान शिक्षाविदों ने दूरस्थ शिक्षा को वर्तमान समय के लिए उपयुक्त बताते हुए, इसकी अन्नत सम्भावनाओं पर चर्चा की। इसी क्रम में 28 जून, 2012 को बी.एड. (स्पेशल एजूकेशन) एवं पी0जी0पी0डी0 कार्यक्रम

संचालित करने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली के सदस्य सचिव डा0 जे0पी0 सिंह ने विशिष्ट शिक्षा की बढ़ती हुई लोकप्रियता तथा शिक्षकों को बढ़ती हुई मांग की बात कही। उन्होंने इस क्षेत्र में नौकरी की संभावनाएं भी व्यक्त की । कुलपति प्रोफेसर बख्शी ने दूरस्थ शिक्षा के द्वारा उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने पर बल दिया।



आर.सी.आई. नई दिल्ली के सदस्य-सचिव डॉ. जे.पी. सिंह विचार व्यक्त करते

विश्वविद्यालय में वर्ष पर्यन्त कार्यशालाओं, व्याख्यानों तथा सेमिनारों के आयोजन से शैक्षिक गतिविधियाँ निरन्तर चलती रहती हैं। इनसे शिक्षार्थी के साथ–साथ शिक्षक भी लाभान्वित होते हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के निर्देशन एवं संचालन के लिए शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 एस0पी0 गुप्ता के निर्देशन में एक शैक्षणिक प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। सत्र 2009 – 2010 में गठित 'आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' डा0 एस0एन0 मिश्रा तथा डा0 के0के0 शुक्ला के निर्देशन में कार्य करता हुआ विश्वविद्यालय के क्रियाकलापों में गुणवत्ता वृद्धि हेतु प्रयत्नशील है।


इ.वि.वि. के कुलपति प्रो. ए.के. सिंह विचार व्यक्त करते

'फूड सिक्योरिटी एण्ड सस्टनेबिलिटी ऑफ एग्रीकल्चर' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 9–10 फरवरी, 2012 को विश्वविद्यालय परिसर में किया गया । इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ए0के0 सिंह ने खाद्य सुरक्षा तथा कृषि संपोषणीयता पर बल देते हुए, शोधों को वैज्ञानिक चुनौतियों पर केन्द्रित होने की बात कही। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर0एस0 दुबे ने खाद्य सुरक्षा के लिए जैविक खादों के प्रयोग पर बल दिया। कुलपति प्रोफेसर बख्शी ने वितरण पद्धति को व्यवस्थित करने की आवश्यकता पर बल दिया। नेहरू ग्राम भारतीय विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रोफेसर के0पी0 मिश्रा ने खाद्य सुरक्षा पर गंभीर चिंता व्यक्त की तथा इसे विश्वव्यापी मुद्दा माना। इस सेमिनार में देश भर के कृषि वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया । लगभग 80 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सुधार के लिए 2010–2011 से बी0एड0 कार्यक्रम की अर्हता में कुछ परिवर्तन किए हैं। विश्वविद्यालय से बी0एड0 करने के लिए एन0सी0टी0ई0 ने शैक्षिक अर्हता में बदलाव कर दो साल के शिक्षण अनुभव के साथ स्नातक /स्नातकोत्तर स्तर पर 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य कर दिए हैं। एन0सी0टी0ई0 ने यह स्पष्ट किया है कि 26 जुलाई 2010 से पहले तैनात शिक्षकों पर यह अर्हता लागू नहीं होगी।

विश्वविद्यालय द्वारा छात्रोन्मुखी वेबसाइट www.uprtou.ac.in को लांच किया गया । इस वेबसाइट के द्वारा शिक्षार्थियों की समस्याओं का निस्तारण सरलता एवं तीव्रता से हो जाएगा। इस वेबसाइट से छात्र विश्वविद्यालय से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं, अधिन्यास, रिजल्ट तथा विषयों के पाठ्यक्रम आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय ने ICT के प्रयोग पर बल देते हुए अधिन्यास, रिजल्ट (मार्कशीट) तथा प्रवेश–पत्र को ऑन–लाइन कर दिया है। इसी कड़ी में आइ0सी0टी0 योजना के तहत ई–लर्निंग के क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

इसके द्वारा प्रवेश, परीक्षा तथा पाठ्य–सामग्री की आन लाइन व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रस्ताव है। इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय मुख्य परिसर को वाई–फाई एवं इन्टरनल नेटवर्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बी0एस0एन0एल0 की लीज लाइन की कनेक्टिविटी भी प्राप्त हो चुकी है।

एम0बी0ए0 कार्यक्रम में प्रवेश सम्बन्धी ब्रोशर तथा आवेदन फार्म को ऑनलाइन कर दिया गया है। इस प्रक्रिया का लाभ दूर दराज के शिक्षार्थियों को प्राप्त हुआ। अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र भर कर पंजीकृत डाक से प्रेषित करने में सफलता मिली।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू0जी0सी0) ने दूरस्थ शिक्षा से शोध (पी0एच0डी0) कार्यक्रम शुरू करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। अब मुक्त विश्वविद्यालय शीघ्र ही शोध कार्यक्रम पुनः प्रारंभ करेगा। इस नई व्यवस्था से शोध की दिशा में शिक्षार्थियों को नवीन अवसर प्राप्त होंगे ।

विश्वविद्यालय समाज में बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए उपयोगी 'फोरेन्सिक साइन्स' जेसे महत्वूपर्ण विषय में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम प्रारंभ करने की योजना को अंतिम रूप प्रदान कर रहा है। यह कार्यक्रम पुलिस विभाग, इन्टेलिजेन्स विभाग आदि के विशेषज्ञों के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा। 'येाग शिक्षा में डिप्लोमा' कार्यक्रम को प्रारंभ करने की भी योजना अंतिम चरण में है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शीघ्र ही कम्युनिटी रेडियो स्टेशन से प्रसारण प्रारंभ किया जाएगा। इस सम्बन्ध में सूचना प्रसारण मन्त्रालय, भारत सरकार से कम्युनिटी रेडियो स्टेशन की स्थापना हेतु लेटर ऑफ इन्टेन्ट विश्वविद्यालय को प्राप्त हो गया है । इस हेतु लाइसेन्स की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है।

विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय भौतिक संसाधनों से युक्त है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में यह पहला विश्वविद्यालय है, जहां पुस्तकों का आदान– प्रदान शिक्षार्थियों के साथ किया जाता है। पुस्तकालय में इण्टरनेट सर्फिंग, इलेक्ट्रानिक डाक्यूमेन्ट्स एक्सेस, रिप्रोग्राफिक सेवा तथा सन्दर्भ सेवा इत्यादि की सुविधा उपलब्ध है। ई–लाईब्रेरी की सुविधा भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध है। वर्तमान में लगभग 4200 पुस्तकें, 92 रिसर्च जर्नल, तथा विभिन्न समाचार पत्र–पत्रिकाएं पुस्तकालय द्वारा शिक्षार्थियों के अध्ययन के उपलब्ध कराई जाती हैं। विश्वविद्यालय द्वारा पांचों क्षेत्रीय कार्यालयों पर भी पुस्तकालय की व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय के नए पुस्तकालय भवन का निर्माण कार्य द्रुत गति से प्रगति पर है।



पुस्तकालय भवन का शिलान्यास करते कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी

****

4. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ (Learner Support Services)

परम्परागत शिक्षा प्रणाली के समान ही दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की व्यवस्था को एवं व्यवस्थित रूप प्रदान करने एवं उसके सुचारू संचालन के लिए इसके कुछ महत्वपूर्ण घटक होते हैं। ये महत्वपूर्ण घटक क्रमशः प्रवेश, पाठ्य सामग्री, अधिन्यास, परामर्श, परीक्षा, पुस्तकालय एवं प्लेसमेंट इत्यादि हैं। ये महत्वपूर्ण घटक दूरस्थ शिक्षा को शिक्षार्थी केन्द्रित बनाने में सहायक होते हैं। शिक्षार्थी सहायता सेवाओं के बिना यह प्रणाली प्रभावी नहीं हो सकती है। दूरस्थ शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षार्थी को स्वंय पर अत्यधिक स्वावलम्बी होना होता है। ऐसी परिस्थिति में शिक्षार्थी–सहायता सेवाओं के अधिकाधिक प्रयोग के माध्यम से छात्र अपनी शिक्षण प्रक्रिया को गति देकर ज्ञानार्जन के साथ–साथ लक्ष्य प्राप्ति की ओर उन्मुख होकर अपना सर्वांगीण विकास करता है।

शिक्षार्थी–सहायता सेवाएँ दूरस्थ पद्धति में शिक्षार्थी की सुव्यवस्थित रूप से अनेक प्रकार से सहायता करती है। इस विधा में शिक्षार्थियों को शिक्षार्थी–सहायता सेवाओं की सहायता से शिक्षकों के साथ सीधे सम्पर्क न होने की अनुभूति नहीं हो पाती और वह इसकी सहायता से अपने पठन–पाठन को रूचिपूर्ण ढंग से पूर्ण करने की ओर अभिप्रेरित होता है। छात्र सहायता सेवा के अन्तर्गत दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में बहुमाध्यम व्यवस्था का उपयोग करके शिक्षार्थी एवं अनुदेशक के बीच द्विमार्गी अन्तः क्रिया कराई जाती है जो अधिगम के रूप में फलीभूत होती है। इस दृष्टि से दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में अधिगम को शिक्षा प्रक्रिया के सबसे सशक्त एवं महत्वपूर्ण अंग के रूप में स्वीकार किया जाता है।



दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति श्री बी.एल.जोशी मेधावी छात्रा को स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए।

शिक्षार्थी–सहायता सेवा के महत्वपूर्ण घटक
(Important Components of Learner Support Services)

1.प्रवेश
2.पाठ्य सामग्री
3.अधिन्यास
4.परामर्श
5.पुस्तकालय
6.परीक्षा
7.प्लेसमेंट
8.पुराछात्र

सत्र 2010–2011 एवं 2011–2012 में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षार्थी सहायता सेवा के विस्तारीकरण के पश्चात जो सार्थक परिणाम परिलक्षित हुए, इसका महत्वपूर्ण विवेचन निम्नानुसार प्रस्तुत है

(क) प्रवेश प्रक्रिया (Admission Process)

दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत प्रवेश से सम्बन्धित प्रक्रियाओं जैसे–प्रवेश विज्ञापन, प्रवेश में लचीलापन, आरक्षण, प्रवेश फार्म की उपलब्धता, अध्ययन केन्द्र, कार्यक्रम, परीक्षा, विषय परिवर्तन, स्थलीय प्रवेश एवं पुनः पंजीकरण आदि का विस्तृत विवरण दिया गया है।

(i) प्रवेश सम्बन्धी सूचना का माध्यम (Medium of Admission Information)

प्रवेश से सम्बन्धित समस्त सूचनाओं के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2010–2011 एवं 2011–2012 के लिए प्रवेश परीक्षा पर आधारित कार्यक्रमों एवं सामान्य कार्यक्रमों के लिए पृथक–पृथक सूचना विवरणिका का मुद्रण कराया गया। इस सूचना विवरणिका में प्रवेश से सम्बन्धित समस्त जानकारियाँ शिक्षार्थियों एवं सामान्य जनमानस हेतु मुद्रित कराई गईं। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित समस्त कार्यक्रमों में प्रवेश लेने की पात्रता, कार्यक्रमों के शुल्क, कार्यक्रमों की न्यूनतम एवं अधिकतम अवधि, कार्यक्रमों का माध्यम, विश्वविद्यालय द्वारा सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में स्थापित अध्ययन केन्द्रों का विवरण व केन्द्रों को अनुमन्य कार्यक्रमों सहित उसकी सूची, शैक्षणिक कैलेण्डर एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी को सूचना विवरणिका में मुद्रित किया जाता है। इसके साथ ही प्रवेश से सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचना को जन–जन तक पहुँचाने के लिए प्रवेश सूचना विवरणिका को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड कराया गया है। प्रवेश तिथि एवं अन्य सूचनाओं को दैनिक समाचार–पत्रों, मेला कैम्प, कार्यशालाओं के माध्यम से भी प्रचारित एवं प्रसारित किया जाता है। सत्र 2010–2011 की सूचना विवरणिका का विमोचन तत्कालीन कुलपति के द्वारा किया गया और सत्र 2011–12 के सामान्य कार्यक्रमों एवं प्रवेश परीक्षा पर आधारित कार्यक्रमों बी.एड., बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) एवं पी.जी.पी.डी. की सूचना विवरणिका का विमोचन मा. कुलपति प्रो. ए.के.बख्शी जी द्वारा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर में सम्पन्न किया गया।

(ii) प्रवेश की पद्धति (Method of Admission)

सामान्य कार्यक्रमों एवं प्रवेश परीक्षा पर आधारित कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को सूचना विवरणिका में मुद्रित अनुदेशों एवं नियमों के आधार पर ही आवेदन करना होता है। सत्र 2010–2011 में विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के लिए सूचना विवरणिका में संलग्न दो प्रकार के फार्मों (सामान्य एवं कम्प्यूटर प्रविष्टि हेतु ICR फार्म) पर अंकित सभी सूचनाओं को पूरित करते हुए आवेदन करना होता है। सत्र 2011–2012 में प्रवेश आवेदन–फार्म में शिक्षार्थी की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए केवल ICR फार्म को ही मुद्रित कराया गया। शिक्षार्थी को प्रवेश आवेदन फार्म के साथ सभी योग्यता प्रदायी प्रमाण–पत्रों/अंकपत्रों के साथ निर्धारित कार्यक्रम शुल्क का डिमाण्ड ड्राफ्ट/चालान 'वित्त अधिकारी, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद' के नाम से देय हो, संलग्न करना अनिवार्य है। शिक्षार्थी को सभी संलग्नकों को सम्बद्ध कर पूरित प्रवेश आवेदन फार्म को, अध्ययन के लिए चयनित अध्ययन केन्द्र पर जमा करना होता है। शिक्षार्थी को फार्म जमा करने के पश्चात् फार्म जमा करने की रसीद प्राप्त कर उसे कार्यक्रम की न्यूनतम/अधिकतम अवधि तक संरक्षित करना आवश्यक होता है। विश्वविद्यालय में प्रवेश से संबंधित या अन्य किसी भी शुल्क को नकद जमा करने का कोई प्रावधान नहीं है और न ही विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र द्वारा निर्गत किसी भी रसीद को मान्यता प्रदान करता है। प्रवेश सूचना विवरणिका में वर्णित नियमों को ही विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त है और उसके अर्न्तगत आवेदित फार्मों पर ही विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश दिया जाता है। शिक्षार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा नामांकन संख्या प्राप्त हो जाने के पश्चात् अपनी शैक्षिक गतिविधियों के संचालन हेतु पाठ्य सामग्री, अधिन्यास, परामर्श सत्र की समय–सारणी एवं अन्य सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए अपने अध्ययन केन्द्र समन्वयक से सम्पर्क स्थापित करना होता है। इसके साथ ही शिक्षार्थी को यह भी आश्वस्त होना होता है कि वह जिस कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाहता है उस कार्यक्रम की मान्यता विश्वविद्यालय द्वारा चयनित अध्ययन केन्द्र को प्रदान की गई है अथवा नहीं। यदि चयनित कार्यक्रम की मान्यता उस केन्द्र को नहीं है तो ऐसे केन्द्र से शिक्षार्थी को आवेदन नहीं करना चाहिए। जिन कार्यक्रमों में प्रवेश, परीक्षा के आधार पर होता है उनमें आरक्षण का अनुपालन शासन द्वारा निर्धारित नियमों के अर्न्तगत करते हुए प्रवेश दिया जाता है। शिक्षार्थी को प्रवेश आवेदन फार्म में वाँछित सूचनाओं को निर्दिष्ट स्थान पर सही–सही लिखना होता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित ऐसे कार्यक्रमों जिनमें सीधे प्रवेश देने की व्यवस्था है, वहां सभी वर्ग के शिक्षार्थियों को अर्हता पूर्ण करने पर प्रवेश देने का प्रावधान है। सत्र 2010–2011 एवं 2011–2012 में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में नामांकित शिक्षार्थियों के आँकड़े **परिशिष्ट–5** में उपलब्ध हैं।


परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते हुए कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी

सत्र 2010–2011 एवं 2011–2012 में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के आधार पर बी.एड., बी.एड.(विशिष्ट शिक्षा), पी.जी.पी.डी. तथा एम.बी.ए. कार्यक्रमों में प्रवेश दिया गया। सत्र 2010–2011 में काउन्सिलिंग का निरीक्षण तत्कालीन कुलपति प्रो. नागेश्वर राव द्वारा किया गया जबकि सत्र 2011–2012 में काउन्सिलिंग का निरीक्षण कुलपति प्रो. ए.के.बख्शी तथा विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा किया गया।

शिक्षार्थी को प्रवेश के लिए जमा प्रवेश आवेदन फार्म में संलग्न सूचनाओं के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। यदि शिक्षार्थी के प्रवेश के उपरांत यदि विश्वविद्यालय के संज्ञान में आता है कि प्रवेशित शिक्षार्थी ने गलत सूचनाओं के आधार पर या गलत शैक्षिक प्रमाण–पत्रों के आधार पर प्रवेश प्राप्त किया है तो उसकी पुष्टि होने पर बिना किसी पूर्व सूचना के उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जाता है। विश्वविद्यालय में गलत सूचना के आधार पर प्रवेश प्राप्त करने की परिस्थिति में शिक्षार्थी द्वारा जमा शुल्क को वापस करने का कोई प्रावधान नहीं है। शिक्षार्थी के विरूद्ध संवैधानिक कार्यवाही भी की जाती है।

(ख) प्रवेश प्रक्रिया की विशेषताएँ (Characteristics of Admission Process)

(i) प्रवेश में लचीलापन (Flexibility in Admission)

दूरस्थ शिक्षा पद्धति पूर्णतया शिक्षार्थी केन्द्रित है। किसी भी कार्यक्रम में प्रवेशित शिक्षार्थी को प्रवेश के समय ही पठन–पाठन से सम्बन्धित सामग्री जैसे स्व–अध्ययन सामग्री, अधिन्यास एवं परामर्श सत्र की समय–सारणी उपलब्ध कराई जाती है। किसी भी कार्यक्रम के अन्तर्गत पाठ्यक्रमों के चयन में एक लचीलापन अन्तर्निहित है। मुक्त विश्वविद्यालय के किसी भी कार्यक्रम के शिक्षार्थी अन्य किसी भी विश्वविद्यालय में अध्ययन कर सकते हैं परन्तु ऐसे छात्रों को अन्य संस्था में अध्ययनरत रहने की सम्पूर्ण सूचना विश्वविद्यालय को देनी अनिवार्य है। सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्था में सेवारत रहते हुए छात्र इस विश्वविद्यालय में पठन–पाठन कर सकते हैं परन्तु उन्हें उस संस्था में सेवारत रहने की सम्पूर्ण सूचना विश्वविद्यालय को देनी आवश्यक है। इस प्रणाली में निर्धारित पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के लिए न्यूनतम अवधि तथा अधिकतम अवधि का प्रावधान है। इसी अवधि में उन्हें पाठ्यक्रम पूर्ण करना होता है किन्तु शेष सभी क्रेडिट को एक वर्ष में ही पूर्ण करना होता है। इसके लिए पुनः पंजीकरण की व्यवस्था भी उपलब्ध है।

इस विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी स्नातक अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के साथ पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश नहीं ले सकते। ऐसा करने पर उनका प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा। शिक्षार्थी को एक शैक्षिक सत्र में संचालित कार्यक्रमों में प्रवेश लेने हेतु निम्नानुसार सुविधाएँ ही अनुमन्य हैं:–

स्नातक	एक डिप्लोमा या एक प्रमाण पत्र कार्यक्रम
परास्नातक	एक डिप्लोमा या एक प्रमाण पत्र कार्यक्रम
डिप्लोमा	एक प्रमाण पत्र कार्यक्रम

(ii) प्रवेश प्रक्रिया का सरलीकरण (Simplification of Admission Process)

दूरस्थ शिक्षार्थी प्रवेश आवेदन फार्म को आसानी से समझ कर भर सकें और उन्हें अनावश्यक तनाव का सामना न करना पड़े इसके लिए सत्र 2010–2011 से सूचना विवरणिका से सामान्य प्रवेश फार्म को हटा दिया गया और उसके स्थान पर केवल ICR फार्म को संलग्न किया गया। जिससे शिक्षार्थी सरलता के साथ प्रवेश ICR फार्म को भर कर आवेदन कर सकें। सत्र 2010–2011 में शुल्क जमा करने के लिए किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक के डिमाण्ड ड्राफ्ट के साथ यूनियन बैंक आफ इण्डिया और बैंक आफ इण्डिया से चालान के माध्यम से शुल्क जमा करने की सुविधा छात्र हित में दी गई। इसको अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए सत्र 2011–2012 से 'इलाहाबाद बैंक' द्वारा भी चालान बनवाने की सुविधा विश्वविद्यालय द्वारा दी गई। चालान के माध्यम से शुल्क जमा करने पर शिक्षार्थी को अतिरिक्त आर्थिक बोझ एवं व्यर्थ की भागदौड़ भी नहीं करनी पड़ती है।

(iii) प्रवेश फार्म और सूचनाओं की ऑन लाइन उपलब्धता (Online Availability of Admission Forms and Informations)

सत्र 2010–2011 सूचना विवरणिका का विमोचन तत्कालीन कुलपति जी के द्वारा 31 जुलाई 2011 को किया गया । जबकि सत्र 2011–2012 की प्रवेश सूचना विवरणिका का विमोचन मा0 कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी जी द्वारा किया गया। शिक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सत्र 2010–2011 के प्रवेश आवेदन फार्म एवं उससे सम्बन्धित सूचना को इण्टरनेट पर अपलोड कराया गया। शिक्षार्थी अपनी सुविधा से विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in एवं www.uprtou.org.in के माध्यम से प्रवेश आवेदन फार्म को डाउनलोड कर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षार्थी को डाउनलोडेड फार्म पर किसी भी प्रकार का शुल्क देय नहीं है। शिक्षार्थी डाउनलोडेड फार्म पर आवेदन कर अपने द्वारा चयनित अध्ययन केन्द्र पर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

(iv) मध्य सत्र (जनवरी) में भी प्रवेश (Admission in Mid Session [January] also)

पूर्व के शैक्षणिक सत्रों में कुछ निश्चित कार्यक्रमों एवं कुछ चुनिंदा अध्ययन केन्द्रों पर ही मध्यसत्र में प्रवेश को प्रारम्भ किया गया था। परन्तु विश्वविद्यालय के प्रति शिक्षार्थियों के रूझान को देखते हुए सत्र 2010–2011 एवं 2011–2012 से सभी कार्यक्रमों एवं सभी अध्ययन केन्द्रों पर मध्य सत्र में भी प्रवेश की व्यवस्था की गई जिसके सार्थक परिणाम बढ़ती छात्र संख्या के रूप में सामने आ रहे हैं। जनवरी सत्र में प्रवेशित शिक्षार्थियों की सेमेस्टर की परीक्षा का आयोजन जून एवं दिसम्बर में तथा वार्षिक कार्यक्रमों में प्रवेशित शिक्षार्थियों की सत्रान्त परीक्षा दिसम्बर में आयोजित कराई जाती है। प्रवेश परीक्षा पर आधारित कार्यक्रमों बी.एड., बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा), पी.जी.पी.डी. कार्यक्रमों में जनवरी सत्र में प्रवेश लेने की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

(v) स्थलीय प्रवेश (Spot Admission)

शिक्षार्थियों को शारीरिक, आर्थिक एवं मानसिक समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए प्रवेश व्यवस्था के अन्तर्गत 'स्थलीय प्रवेश' की प्रक्रिया को विश्वविद्यालय द्वारा लागू किया गया है। 'स्थलीय प्रवेश' की तरफ शिक्षार्थियों के आकर्षित होने के कारण इसे ओर प्रभावी बनाने की दिश में विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। 'स्थलीय प्रवेश' की सफलता को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय मुख्य परिसर, इलाहाबाद के अतिरिक्त अन्य अध्ययन केन्द्रों और क्षेत्रीय कार्यालयों पर यह व्यवस्था सत्र 2010–2011 एवं 2011–2012 में लागू की गई। सत्र 2010–2011 में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित विश्वविद्यालय के 11 अध्ययन केन्द्रों, विश्वविद्यालय मुख्य परिसर के सभी विद्या शाखाओं एवं इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र एवं सत्र 2011–2012 में 25 अध्ययन केन्द्रों, विश्वविद्यालय मुख्य परिसर के सभी विद्या शाखाओं एवं इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र को स्थलीय प्रवेश के लिए चयनित किया गया। 'स्थलीय प्रवेश' प्रक्रिया में छात्रों को प्रवेश के उपरान्त, पाठ्य सामग्री एवं अधिन्यास इत्यादि प्राप्त करने के लिए कई बार विश्वविद्यालय या अध्ययन केन्द्रों पर नहीं जाना पड़ता था, क्योंकि स्थलीय प्रवेश के समय ही छात्रों को पाठ्य सामग्री, अधिन्यास एवं पठन–पाठन से संबंधित अन्य सूचनाएँ तुरन्त सुलभ करा दी जाती हैं। इसके अतिरिक्त 'स्थलीय प्रवेश' की प्रासंगिकता इस बात से सिद्ध होती है कि जो छात्र इस प्रणाली से पूर्णतया अनभिज्ञ है उसे 'स्थलीय प्रवेश' के समय ही इस दूरस्थ शिक्षा पद्धति के विषय में जानकारी प्रदान की जाती है एवं छात्रों के मन में उत्पन्न हो रही जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान प्रवेश स्थल पर ही करने का प्रयास किया जाता है। स्थलीय प्रवेश देने का मुख्य प्रयोजन शिक्षार्थी ⇔

समन्वयक ⇔ संस्था के बीच एक अच्छा सामन्जस्य बनाना है जिससे छात्र एवं समन्वयक के बीच अन्तःक्रिया स्थापित हो सके।

(vi) पुनः पंजीकरण (Re-Admission)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए न्यूनतम तथा अधिकतम अवधि निर्धारित की गई है। अधिकतम अवधि में यदि शिक्षार्थी कार्यक्रम को पूरा नहीं कर पाता है किन्तु वह उस कार्यक्रम को पूरा करना चाहता है तो उसे पुनः पंजीकरण कराना पड़ता है। सत्र 2009–2010 तक सभी कार्यक्रमों में पुनः पंजीकरण के लिए अलग–अलग शुल्क जमा करने का प्रावधान था। शिक्षार्थी को उसे समझने में अत्यन्त कठिनाई का सामना करना पड़ता था। शिक्षार्थियों की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए सत्र 2010–2011 से पुनः प्रवेश हेतु कार्यक्रम शुल्क का 20 प्रतिशत जमा कर पुनः पंजीकरण का प्रावधान किया गया है। अधिकतम अवधि समाप्त हो जाने के उपरान्त शिक्षार्थी द्वारा उत्तीर्ण क्रेडिटों को सुरक्षित रखा जाता है और उसे शेष क्रेडिट के लिए निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुसार परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होता है। पुनः पंजीकरण की अवधि 01 वर्ष निर्धारित है। परिवर्तित पाठ्यक्रमों में यदि क्रेडिट पूर्ण करने अवशेष होते हैं तो शिक्षार्थी को परिवर्तित पाठ्यक्रम के अनुसार परीक्षा देनी होती है। परिवर्तित पाठ्यक्रम की सामग्री उसे विश्वविद्यालय द्वारा निःशुल्क दी जाती है। यदि पाठ्यक्रम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है तो उसे दुबारा पाठ्य सामग्री नहीं दी जाती है।

(ग) पाठ्य सामग्री (Learning Material)

पाठ्य सामग्री दूरस्थ शिक्षा का मूल आधार है। इसका प्रमुख उद्देश्य उन शिक्षार्थियों की सहायता करना होता है जो अपनी परिस्थितियों में स्वतन्त्र रूप से सीखते एवं अध्ययन करते हैं। प्रभावशाली अधिगम सामग्री शिक्षार्थियों में अधिगम के प्रति रूचि उत्पन्न करती है। दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी दूर से ही सीखते हैं। दूरस्थ प्रणाली के शिक्षार्थी अपने निवास स्थान अथवा कार्यस्थल से निरंतर संस्था के सम्पर्क में नहीं रह सकते जिसके कारण अध्यापक तथा सहपाठियों से निरन्तर आपस में अन्तःक्रिया नहीं कर पाते हैं। अतः दूरस्थ शिक्षा में पाठ्य सामग्री अध्यापक के विकल्प के रूप में शिक्षार्थी को उपलब्ध कराई जाती है। स्व–अध्ययन सामग्री मुख्यतः शिक्षार्थी केन्द्रित होती है जो दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का मुख्य आधार होती है। शिक्षार्थी स्वेच्छानुसार इस पाठ्य सामग्री को किसी भी समय और स्थान पर स्वयं पढ़ एवं सीख सकते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षार्थी सहायता सेवाओं के अन्तर्गत आने वाले महत्वपूर्ण घटक में से पाठ्य सामग्री का अपना महत्वपूर्ण एवं विशिष्ट स्थान है। इसकी महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय में पाठ्य सामग्री लेखन प्रकोष्ठ एवं पाठ्य सामग्री वितरण प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। इस विधा के अन्तर्गत प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थी को अध्ययन हेतु स्व–अध्ययन सामग्री अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है। प्रवेशित शिक्षार्थियों की सूची के आधार पर विभिन्न कार्यक्रमों के लिए तैयार पाठ्य सामग्री के पैकेट्स विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों द्वारा निजी वाहन के माध्यम से उत्तर प्रदेश में अवस्थित सभी अध्ययन केन्द्रों पर उपलब्ध कराता है। शिक्षार्थी चयनित अध्ययन केन्द्र के समन्वयक से सम्पर्क स्थापित कर पाठ्य सामग्री व



पाठ्य सामग्री का विमोचन करते विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलपति प्रो0 टी.आर.थापक

स्व अधिगम सामग्री के उद्देश्य

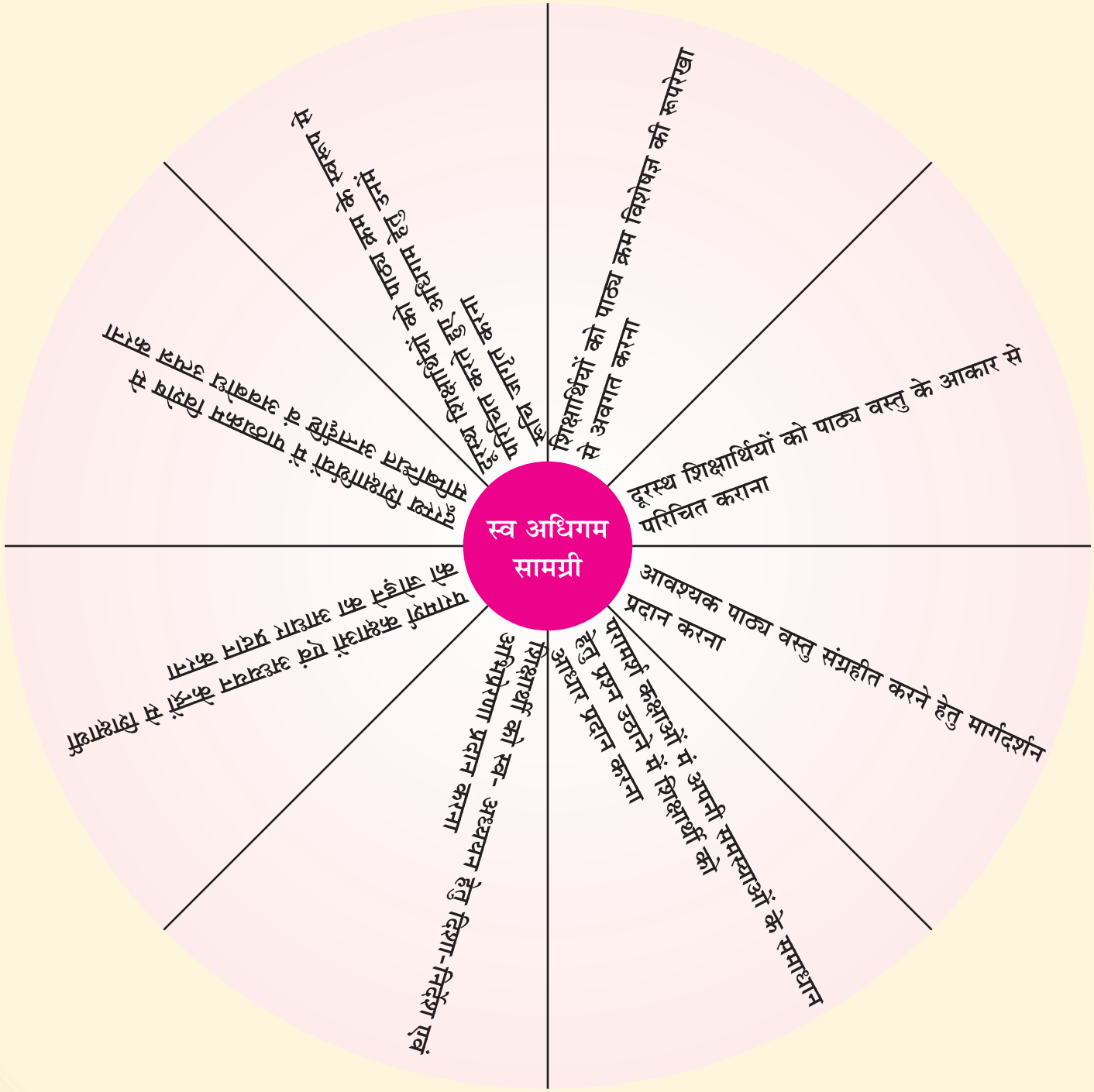

अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की सूचना व्यक्तिगत तौर पर प्राप्त करता है। पाठ्य सामग्री वितरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो तथा शिक्षार्थी को पाठ्य सामग्री समय से प्राप्त हो सके इसके लिए प्रभारी, पाठ्य–सामग्री, क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक एवं अध्ययन केन्द्र समन्वयक दूरभाष एवं अन्य माध्यमों से लगातार सम्पर्क स्थापित करते हैं। पाठ्य सामग्री प्राप्त होने पर शिक्षार्थी अध्ययन–मनन को गति प्रदान कर सत्रान्त परीक्षा में सम्मिलित होता है।

(घ) अधिन्यास (Assignment)

अधिन्यास मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग तथा शिक्षार्थी के ज्ञान में अभिवृद्धि का सशक्त माध्यम है। शिक्षार्थी अधिन्यास के प्रश्न पत्रों को स्व–अध्ययन सामग्री के माध्यम से स्व अध्ययन करके हल करता है। परामर्श–सत्रों के माध्यम से छात्र ने क्या सीखा, इसका मापन करने के लिए अधिन्यास का उपयोग किया जाता है।

अधिन्यास कार्य को करने से शिक्षार्थी को पाठ्य सामग्री को समझने में सहायता मिलती है और विषय की अवधारणा स्पष्ट होती है। परामर्शी द्वारा प्रतिपुष्टि के लिए अधिन्यास पुस्तिका पर की गयी टिप्पणी से शिक्षार्थी को अध्ययन हेतु मार्गदर्शन एवं पुनर्बलन प्राप्त होता है।

विश्वविद्यालय द्वारा अधिन्यास प्रश्नपत्रों का निर्माण दक्ष विषय–विशेषज्ञों के माध्यम से कराया जाता है। इस प्रश्न पत्र के निर्माण में इस बात का ध्यान रखा जाता है कि सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री का प्रतिनिधित्व इस प्रश्न–पत्र में हो। विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक कार्यक्रम के सभी प्रश्न–पत्रों का निर्माण कर उसका मुद्रण कराया जाता है। इन अधिन्यास प्रश्न पत्रों को पाठ्य सामग्री के साथ प्रत्येक अध्ययन केन्द्र पर प्रेषित कराया जाता है। अध्ययन केन्द्र समन्वयक से सम्पर्क कर शिक्षार्थी अधिन्यास प्रश्न पत्रों को प्राप्त कर निर्धारित निश्चित तिथि तक उसे पूर्ण कर मूल्यांकन हेतु अध्ययन केन्द्र पर जमा करते हैं। अधिन्यास एक तरह से सत्रान्त परीक्षा का पूर्वाभ्यास है। अधिन्यास में प्राप्त अंकों के आधार पर अपने अध्ययन के स्तर की जानकारी प्राप्त कर शिक्षार्थी उसमें और अधिक सुधार हेतु अभिप्रेरित होते हैं।

(च) परामर्श (Counselling)

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में शैक्षिक परामर्श का एक महत्वपूर्ण स्थान है। दूरस्थ शिक्षार्थियों के सामने अध्ययन के दौरान अनेक प्रकार की समस्याएँ आती हैं। शिक्षार्थियों की समस्याओं को जानने और समझने के लिए, उनका निराकरण करने के लिए तथा शिक्षार्थियों को अध्ययन हेतु प्रेरित करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत स्तर पर परामर्श और अनुदेशन प्रदान करना होता है। परामर्श सत्र दूरस्थ शिक्षा में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के अध्ययन–मनन में आने वाली समस्याओं एवं कठिनाई के निवारण के लिए आयोजित की जाती है। परामर्श एक द्विमार्गी प्रक्रिया है यह व्यक्तिगत भी हो सकती है और सामूहिक भी। व्यक्तिगत परामर्श से तात्पर्य सिर्फ एक शिक्षार्थी को परामर्श देने से है जबकि सामूहिक परामर्श से तात्पर्य पूरे समूह की सामान्य समस्याओं के लिए सुझाव देने से है। इस विधा के अन्तर्गत परम्परागत विद्यालयों/विश्वविद्यालयों के समान नियमित कक्षाओं का संचालन नहीं होता अपितु शिक्षार्थी की समस्याओं के निराकरण के लिए क्रेडिट संरचना पर आधारित पाठ्यक्रम के सापेक्ष कुछ परामर्श सत्रों की व्यवस्था की जाती है। शिक्षार्थी इन परामर्श सत्रों में प्रतिभाग कर स्व–अध्ययन के दौरान आई हुई समस्याओं का समाधान प्राप्त कर शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को जारी रखते हैं। दूरस्थ शिक्षार्थी व्यवसायरत, सेवारत एवं दूर–दराज के ग्रामीण अंचलों में रहने के कारण नियमित परामर्श

अधिन्यास के उद्देश्य



सत्रों में नहीं आ सकते। अतः उनकी सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए अधिकांश परामर्श सत्र अवकाश के दिनों में संचालित किए जाते हैं। शिक्षार्थियों को परामर्श सत्र की जानकारी केन्द्र समन्वयक से दूरभाष पर वार्ता कर, सूचना पटल पर चस्पा समय–सारणी को देखकर अथवा विश्वविद्यालय की वेबसाइट से होती है।

विश्वविद्यालय के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट पद्धति अपनाई गई है। दूरस्थ शिक्षा पद्धति के अन्तर्गत प्रत्येक प्रश्न पत्र के क्रेडिट के अनुसार ही परामर्श सत्रों की संख्या निर्धारित की गई है। क्रेडिट के अनुसार अनुमन्य परामर्श सत्रों की न्यूनतम व अधिकतम संख्या निम्नवत वर्णित है :–

क्रेडिट	न्यूनतम परामर्श सत्र	अधिकतम परामर्श सत्र	10 से कम शिक्षार्थी नामांकित होने की स्थिति में
08	**09**	**12**	**06**
06	**06**	**09**	**05**
04	**04**	**05**	**03**
02	**02**	**03**	**02**

सत्र 2011–2012 से विश्वविद्यालय ने BLIS-(3P), BLIS (4P) तथा MLIS-07 एवं MLIS-08 प्रश्नपत्रों के परामर्श सत्रों के सम्बन्ध में निर्णय लिया कि पूर्व में अनुमन्य परामर्श सत्रों के द्वारा इन कार्यक्रमों के प्रयोगात्मक पक्ष की सम्यक् जानकारी शिक्षार्थी को नहीं दी जा सकती। अतः पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग से सम्बन्धित प्रयोगात्मक कार्यो के परामर्श सत्रों की संख्या निम्नवत् होंगीः–

BLIS-(3P), BLIS (4P) तथा MLIS-07 एवं MLIS-08 प्रश्नपत्रों के लिए अनुमन्य परामर्श सत्र

क्रेडिट	अनुमन्य परामर्श सत्रों की संख्या
04	05 के स्थान पर 07 सैद्धान्तिक परामर्श सत्रों सहित
06	09 के स्थान पर 12 सैद्धान्तिक परामर्श सत्रों सहित
08	12 के स्थान पर 15 सैद्धान्तिक परामर्श सत्रों सहित

व्यक्तिगत सहायता एवं परामर्श (Personal Support and Counselling)

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षर्थियों के लिए व्यक्तिगत सहायता एवं उनके अनुरूप परामर्श प्रदान करने के लिए निम्नानुसार व्यवस्था अपनाई गई हैः–

1. प्रवेश पूर्व परामर्श (Pre-Admission Counselling)

इस विधा से अनभिज्ञ होने के कारण शिक्षार्थी के मन में इस विश्वविद्यालय के कार्य प्रणाली के सम्बन्ध में अनेक प्रकार के संशय मन में उत्पन्न होते हैं। शिक्षार्थियों को प्रवेश एवं शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी कुशल प्राध्यापकों एवं परामर्शदाताओं के माध्यम से सुलभ कराई जाती है।

2. प्रवेश के समय परामर्श (Counselling during Admission)

प्रवेश से पूर्व परामर्श प्राप्त कर जब विद्यार्थी प्रवेश हेतु मानसिक रूप से तैयार हो जाता है तब प्रवेश से सम्बन्धित जैसे–

प्रवेश आवेदन–फार्म को भरना, शुल्क, कार्यक्रम एवं अवधि इत्यादि से सम्बन्धित जो समस्याएँ आती हैं उसे परामर्शदाताओं के माध्यम से दूरभाष, ई–मेल एवं प्रत्यक्ष परामर्श देकर उसकी समस्या का निराकण किया जाता है।

3. प्रवेश के पश्चात परामर्श (Post Admission Counselling)

प्रवेश के पश्चात शिक्षार्थी को पाठ्य सामग्री, अधिन्यास, परीक्षा एवं परामर्श इत्यादि के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय में स्थापित शिक्षार्थी सहायता प्रकोष्ठ एवं पाठ्य सामग्री प्रकोष्ठ में कार्यरत प्रभारियों एवं परामर्शदाताओं के माध्यम से कुशल मार्गदर्शन दिया जाता है।

(छ) परीक्षा एवं मूल्यांकन (Examination and Evaluation)

शिक्षार्थी को दृष्टिगत रखते हुए इस विश्वविद्यालय की परीक्षा एवं मूल्यांकन की व्यवस्था तीन चरणों में सम्पन्न होती है। इससे सम्बन्धित विशेषताओं को निम्नवत् वर्णित किया जा रहा है:–

(i) परीक्षा संबंधी सूचनाओं का स्रोत (Source of Infoarmation about Examination)

दूरस्थ शिक्षा में संस्था से सम्पर्क न्यून होने के कारण परीक्षा सम्बन्धी गतिविधियों की जानकारी हेतु सूचना तन्त्र का सशक्त होना आवश्यक है। शिक्षार्थी को परीक्षा की जानकारी सुलभ हो सके इसके लिए परीक्षा सम्बन्धी विभिन्न प्रकार की सूचनाएँ, अधिन्यास प्राप्त करने और जमा करने की तिथि, परीक्षा फार्म, परीक्षा समय–सारणी, संवीक्षा शुल्क, बैक फार्म, बैक प्रश्न पत्र शुल्क आदि का सम्पूर्ण विवरण प्रवेश सूचना विवरणिका में मुद्रित कराया जाता है। परीक्षा से सम्बन्धित जानकारी को विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं समाचार–पत्रों के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है। प्रयोगात्मक परीक्षा एवं परियोजना कार्य से सम्बन्धित सूचनाओं को भी शिक्षार्थी अध्ययन केन्द्रों, क्षेत्रीय केन्द्रों, विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं सूचना पटल के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

(ii) परीक्षा आवेदन फार्म भरने से सम्बन्धित सूचना (Information Related with Filling of Examination Form)

शिक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सत्र 2010–2011 से प्रवेश फार्म के साथ ही परीक्षा फार्म भी भरवा लिए जाते हैं। प्रवेश शुल्क में ही परीक्षा शुल्क सम्मिलित होता है। शिक्षार्थियों के शारीरिक, मानसिक और आर्थिक पक्ष को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है। एक सत्र में प्रवेशित शिक्षार्थी का शुल्क उसी सत्र की परीक्षा के लिए अनुमन्य होता है। इसका समायोजन आगामी सत्र की परीक्षा हेतु मान्य नहीं होता है।

(iii) परीक्षा प्रणाली में लचीलापन (Flexibility in Examination System)

दूरस्थ पद्धति पर आधारित परीक्षा व्यवस्था परम्परागत प्रणाली से पूर्णतया भिन्न है। परीक्षा व्यवस्था क्रेडिट पद्धति पर आधारित हैं यदि कोई शिक्षार्थी किसी सत्र की परीक्षा के कुछ प्रश्न–पत्रों में अनुत्तीर्ण हो जाता है अथवा उसकी परीक्षा छूट जाती है तो उसे अगली कक्षा में प्रवेश हेतु प्रोन्नति मिल जाती है परन्तु अनुत्तीर्ण प्रश्न पत्रों के लिए उसे आगामी सत्र की परीक्षा के साथ बैक शिक्षार्थी के रूप में उस प्रश्न पत्र की परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है। शिक्षार्थियों द्वारा लिए गए कार्यक्रम हेतु विश्वविद्यालय द्वारा जो क्रेडिट निर्धारित है, उसे पूरा करने पर ही उसे पूर्ण अंकतालिका एवं उपाधि निर्गत की जाती है। किसी भी कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए न्यूनतम अवधि के साथ उसकी अधिकतम अवधि निर्धारित है। शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार अनुमन्य अवधि में निर्धारित क्रेडिट पूर्ण कर अपना पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकता है। अधिकतम अवधि समाप्त हो जाने के उपरान्त भी कार्यक्रम पूर्ण करने हेतु 01 वर्ष के लिए पुनः पंजीकरण का प्रावधान है। इस अवधि में भी कार्यक्रम पूर्ण न करने की दशा में उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाता है। शिक्षार्थी की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षा व्यवस्था को वार्षिक के साथ–साथ सेमेस्टर पद्धति पर भी आधारित

किया गया है। एक सत्र में दो बार परीक्षाएँ दिसम्बर एवं जून माह में आयोजित कराई जाती हैं। शिक्षार्थी नियमानुसार परीक्षा में सम्मिलित होकर अपना कार्यक्रम पूर्ण कर सकते हैं। डिग्री और पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रम को छोड़कर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित अन्य कार्यक्रमों में परीक्षा को सरल बनाने की दृष्टि से अधिन्यास कार्य की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया है। जागरूकता कार्यक्रमों में प्रमाण पत्र निर्गत करने के लिए अधिन्यास कार्य को परीक्षा का आधार बनाया गया है।

परीक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु अनुभवी विषय विशेषज्ञों के माध्यम से अधिन्यास एवं सत्रान्त परीक्षा के प्रश्न–पत्रों का निर्माण कराया जाता है। शिक्षार्थियों के शैक्षिक सत्र नियमित रहे इसके लिए समय से परीक्षा का आयोजन कर परीक्षा परिणाम घोषित किए जाते हैं। प्रयोगात्मक परीक्षा एवं परियोजना कार्य में भी पूर्णतया गोपनीयता एवं पारदर्शिता अपनाई जाती है। शिक्षार्थियों की सुविधा का ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जिलों में परीक्षा केन्द्र बनाए जाते हैं ।

(iv) मूल्यांकन पद्धति (Evaluation Process)

दूरस्थ शिक्षा पद्धति पर आधारित इस विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए सामान्यतः त्रिस्तरीय मूल्यांकन विधि अपनाई गई है। त्रिस्तरीय मूल्यांकन विधि की विवेचना निम्नवत् हैः–

(1) स्व–मूल्यांकन (Self Evaluation)

दूरस्थ एवं मुक्त पद्धति में आमने–सामने बैठकर शिक्षण व्यवस्था न होने के कारण शिक्षार्थी को स्व–अधिगम पर अधिक आश्रित होना पड़ता है। शिक्षार्थी ने स्व–अधिगम से कितना सीखा इसका स्व–मूल्यांकन करने के लिए उसे जो स्व–अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है, उसके प्रत्येक ईकाई में अभ्यास के प्रश्न निहित होते हैं, शिक्षार्थी उसे हल कर अपनी योग्यता का स्वयं मूल्यांकन करते हैं। इस प्रकार के मूल्यांकन का कोई अधिभार परीक्षा के परिणाम में नहीं जोड़ा जाता है।

(2) सत्रीय मूल्यांकन (Sessional Evaluation)

विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के आन्तरिक मूल्यांकन के लिए अधिन्यास कार्य, परियोजना कार्य एवं प्रयोगात्मक कार्य को आधार बनाया गया है। शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम की शैक्षिक अवधि में इसे पूर्ण करना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रमाण–पत्र एवं डिप्लोमा कार्यक्रम को छोड़कर शेष सभी कार्यक्रमों में अधिन्यास कार्य अनिवार्य है। शिक्षार्थी को अधिन्यास प्रश्न पत्र को हल कर निर्धारित समय पर अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा करना होता है। सत्रीय कार्य पूर्ण किए बिना शिक्षार्थी को सत्रान्त परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाती है।

शिक्षार्थी को अपने चयनित अध्ययन केन्द्र पर अपने शिक्षक के निर्देशन में प्रयोगात्मक कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है। शिक्षार्थी को अपना परियोजना कार्य कुशल निर्देशक की सहमति और निर्देशन में पूर्ण करना होता है। प्रत्येक शिक्षार्थी के परियोजना कार्य का विषय भिन्न–भिन्न होना चाहिए। परियोजना कार्य का विषय वास्तविक जीवन की समस्याओं से सम्बन्धित होना चाहिए। परियोजना कार्य हेतु निर्देशक का चयन विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार केन्द्र समन्वयक की सहमति से किया जाता है। शिक्षार्थी द्वारा चयनित परियोजना कार्य का विषय तथा निर्देशक का नाम व पता सत्र प्रारम्भ होने के एक माह के भीतर विश्वविद्यालय को सूचित किया जाना अपेक्षित है। यदि कोई शिक्षार्थी समय से परियोजना कार्य का अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा नहीं करता है तो शिक्षार्थी आगामी मौखिक परीक्षा

हेतु अर्ह नहीं माना जाएगा और उसे अगामी परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए निर्धारित शुल्क के साथ बैंक परीक्षा फार्म भरना अनिवार्य होगा। परियोजना कार्य का मूल्यांकन आन्तरिक व बाह्य दोनो प्रकार से होता है। आन्तरिक मूल्यांकन परियोजना निर्देशक द्वारा 30 अंकों में किया जाता है जबकि बाह्य मूल्यांकन विश्वविद्यालय स्तर से 70 अंकों मे कराया जाता है।

(3) सत्रान्त परीक्षाएँ (Terminal Examinations)

विश्वविद्यालय द्वारा एक शैक्षिक सत्र में दो बार (दिसम्बर व जून) परीक्षा का आयोजन कराया जाता है। शिक्षार्थी को पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक प्रश्न–पत्र को अलग–अलग उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र को उत्तीर्ण करने के पश्चात् ही शिक्षार्थी को उपाधि प्राप्त करने हेतु अर्ह माना जाता है।

सत्र 2010–2011 में दिसम्बर की परीक्षाएँ 03 जनवरी 2011 से प्रारम्भ होकर 31 जनवरी 2011 को समाप्त हुई। इसके लिए 75 परीक्षा केन्द्र बनाए गए तथा लगभग 18367 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। जब कि जून 2010–2011 की परीक्षाएँ दिनांक 24 मई 2011 से प्रारम्भ होकर 24जून 2011 को समाप्त हुई। इसके लिए 83 परीक्षा केन्द्र बनाए गए तथा लगभग 45462 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए।

सत्र 2011–2012 की दिसम्बर की परीक्षाएँ दिनांक 27 जनवरी 2012 से प्रारम्भ होकर 26 मार्च 2012 को समाप्त हुई। इसके लिए प्रदेश में 78 परीक्षा केन्द्र बनाए गए तथा लगभग 17557 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। जबकि जून 2011–2012 की परीक्षाएँ दिनांक 16.06.2012 से प्रारम्भ होकर 27 जुलाई 2012 को समाप्त हुई। इसके लिए 92 परीक्षा केन्द्र बनाए गए तथा लगभग 52952 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए।

परीक्षा की शुचिता, गोपनीयता एवं पारदर्शिता को बनाए रखने के लिए मानकानुसार परीक्षा केन्द्र बनाए गए एवं उसके लिए उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षकों की टीमों का गठन विश्वविद्यालय स्तर से किया गया, जो जिनके द्वारा समय–समय पर परीक्षा केन्द्रों पर छापे डालकर परीक्षा की गोपनीयता को बनाए रखने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

(v) श्रेणी विभाजन (Division)

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों में शिक्षार्थी को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाती है:–

श्रेणी	प्रतिशत
प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत और उससे अधिक
द्वितीय श्रेणी	48 प्रतिशत और उससे अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम
तृतीय श्रेणी	36 प्रतिशत और उससे अधिक परन्तु 48 प्रतिशत से कम
अनुत्तीर्ण	36 प्रतिशत से कम

घोषित परीक्षाफल एवं निर्गत अंकतालिका में भिन्नता होने की दशा में उपलब्ध परीक्षा अभिलेख के आधार पर विनिश्चय ही मान्य होता है। सत्र 2010–2011 एवं 2011–12 की परीक्षाओं में उत्तीर्ण जिन छात्रों कां पंचम एक षष्ठ दीक्षान्त समारोह में उपाधि, डिप्लोमा व प्रमाण – पत्र प्रदान किए गए, उनकी कार्यक्रमवार संख्या से सम्बन्धित विवरण **परिशिष्ट – 6** में उपलब्ध।

(vi) बैक पेपर परीक्षा (Back Paper Examination)

यदि कोई शिक्षार्थी प्रवेश लेने के पश्चात अपने नियत सत्र की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता या अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसे आगामी सत्र के दिसम्बर या जून सत्र की परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए पुनः बैक परीक्षा फार्म भरने होता है । शिक्षार्थी को बैक परीक्षा फार्म के साथ ही नियमानुसार सत्रीय कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है।

(vii) संवीक्षा का प्रावधान (Provision of Scrutiny)

विश्वविद्यालय में परीक्षार्थी की लिखित उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन का कोई प्रावधान नहीं है परन्तु सत्रान्त परीक्षा के उत्तर पुस्तिकाओं की संवीक्षा (Scrutiny) की जा सकती है। इसके लिए परीक्षार्थी को रू.100.00 प्रतिप्रश्न पत्र की दर से संवीक्षा शुल्क के साथ परीक्षाफल घोषित होने की तिथि से 01 माह के अन्दर संवीक्षा हेतु प्रार्थना–पत्र परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय में प्रस्तुत करना होता है। संवीक्षा शुल्क चालान/बैंक ड्राफ्ट जो वित्त अधिकारी, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के पक्ष में देय हो, के माध्यम से जमा किया जाता है।

(viii) अधिन्यास और अंक–पत्र की उपलब्धता (Availability of Assignments & Marksheets)

विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2009 से अधिन्यास और अंक–पत्रों की ऑन–लाइन उपलब्धता की व्यवस्था की गई है। सत्रान्त परीक्षा के परिणाम घोषित हो जाने के पश्चात शिक्षार्थियों की सुविधा के लिए उनके अंक–पत्रों को इण्टरनेट पर उपलब्ध करा दिया जाता है। शिक्षार्थी अपने अंक–पत्रों को परीक्षा परिणाम घोषित हो जाने के एक सप्ताह पश्चात अपने द्वारा चयनित अध्ययन केन्द्र के समन्वयक से व्यक्तिगत सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते हैं।

(ज) दीक्षांत समारोह (Convocation)

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी छठवां दीक्षान्त समारोह बुधवार 29 फरवरी, 2012 को फाफामऊ स्थित विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह स्थल पर पूरी भव्यता के साथ मनाया। दीक्षान्त समारोह के आयोजन से शिक्षार्थियों को उपाधि प्राप्ति के साथ ही उपस्थित विद्वतजनों के भाषणों तथा दीक्षांत भाषण के माध्यम से भावी जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्राप्त होती है। शिक्षार्थी विद्वतजनों के विचारों से अभिप्रेरित होकर भावी जीवन के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हैं। शिक्षार्थियों को दीक्षान्त समारोह में माननीय राज्यपाल कुलाधिपति द्वारा परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात उपाधि प्रदान की जाती है।


दीक्षान्त समारोह में मेधावी छात्र को स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए कुलाधिपति श्री बी.एल. जोशी

विश्वविद्यालय द्वारा अब तक छह दीक्षान्त समारोहों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता करते हुए महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री बी. एल. जोशी ने कहा कि उच्च शिक्षा एवं तकनीकी ज्ञान से ही समाज व राष्ट्र का विकास संभव है। श्री जोशी ने कहा कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए बौद्धिक विकास के साथ–साथ नैतिक व चारित्रिक विकास का होना भी जरूरी है। छठे

दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री हर्ष के. गुप्ता, सदस्य राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, भारत सरकार रहे। कुलपति प्रो. ए.के.बख्शी ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले सत्रह मेधावी शिक्षार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। छठे दीक्षान्त समारोह में दिसम्बर 2010 तथा जून 2011 की परीक्षा में उत्तीर्ण 9088 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई है। दीक्षान्त समारोह के पश्चात उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को उपाधियों का वितरण किया गया। ऐसे कतिपय शिक्षार्थी जो किन्हीं कारणवश दीक्षान्त समारोह में प्रतिभाग नहीं कर सके, उनकी उपाधि घर के पते पर निःशुल्क भेजने की व्यवस्था की गई।

(झ) पुस्तकालय (Library)

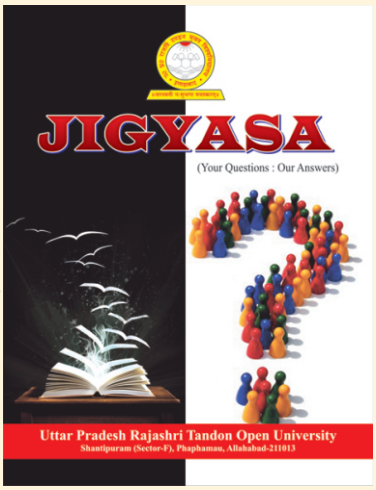

किसी भी विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रगति में पुस्तकालय का योगदान अतिविशिष्ट होता है। इस विश्वविद्यालय के पुस्तकालय की स्थापना सन् 2000 में हुई और उस समय मात्र 279 पुस्तकें ही पुस्तकालय में विद्यमान थीं। वर्तमान सत्र में इस पुस्तकालय में लगभग 42000 पुस्तकें सुसज्जित हैं। पुस्तकालय में 92 रिसर्च जर्नल्स तथा 10 समाचार पत्र–पत्रिकाएँ शिक्षार्थियों एवं अध्यापकों के ज्ञान में अभिवृद्धि के लिए नियमित रूप से मँगाई जाती हैं। विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर, फाफामऊ में स्थित है। पूर्ण रूप से स्वतंत्र पुस्तकालय भवन का शिलान्यास विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर, में किया जा चुका है। बहुत शीघ्र ही इस भवन में पुस्तकालय को स्थानान्तरित किया जाएगा।

इस विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय सभी भौतिक संसाधनों से युक्त है जो वर्तमान दौर के शिक्षार्थियों एवं शोधार्थियों को पुस्तकालयी सेवाओं को प्रदान करने में पूर्णतः सक्षम है। इस विश्वविद्यालय का पुस्तकालय देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों में एकलौता ऐसा पुस्तकालय है जो दूरस्थ शिक्षा के शिक्षार्थियों को भी पुस्तकालय आदान–प्रदान सेवा प्रदान करता है। पुस्तकालय में इण्टरनेट सर्फिंग, इलेक्ट्रानिक डाक्यूमेंट एक्सेस, रिप्रोग्राफिक सेवा तथा संदर्भ सेवा इत्यादि प्रदान की जाती है।

पुस्तकालय में इलेक्ट्रानिक लाईब्रेरी की भी स्थापना की गई है जिसके अन्तर्गत डेलनेट एवं यू.जी.सी. के इन्फोनेट के माध्यम से ऑफ–लाइन जर्नल्स एवं डाटाबेस सेवाएँ प्रदान की जाती है। पुस्तकालय की अन्य गतिविधियों को पूर्णतया स्वचालित करने हेतु पुस्तकालय एवं सूचना नेटवर्क (INFLIBNET) अहमदाबाद द्वारा विकसित SOUL 2.0 का प्रयोग किया जा रहा है। पुस्तकालयी सेवाओं को दूरस्थ शिक्षा के शिक्षार्थियों तक पहुँचाने हेतु इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट से भी जोड़े जाने की योजना है। प्रतिवर्ष दूरस्थ शिक्षा परिषद (DEC) द्वारा पुस्तकालय के संवर्धन हेतु जो राशि अनुदान के रूप में स्वीकृत की जाती है, उससे ज्ञानवर्द्धक एवं उच्च कोटि की समसामयिक पुस्तकों का क्रय कर पुस्तकों की संख्या में निरन्तर वृद्धि की जा रही है।

(ट) पुरा छात्र (Alumni)

पुरा छात्रों को विश्वविद्यालय से जोड़ने, उनकी सहायता, अनुभव एवं सुझाव से विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों को नया आयाम देने के लिए शैक्षणिक परिसर, फाफामऊ में दिनांक 15 मई, 2011 को द्वितीय पुरा छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवकाश प्राप्त मा. न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय जी थे।



पुरा छात्र सम्मेल को सम्बोधित करते न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय

पुरा छात्रों ने इस विश्वविद्यालय की गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं विश्वविद्यालय से प्राप्त सुविधाओं के सम्बन्ध में अपने अनुभवों को अध्ययनरत छात्रों को बताया। उन्होंने शिक्षार्थियों को पठन–पाठन हेतु अभिप्रेरित किया। इसके अतिरिक्त पुरा छात्रों ने विश्वविद्यालय की बेहतर कार्य प्रणाली के लिए सुझाव दिए। उ.प्र. राजर्षि टण्डन देश का पहला ऐसा मुक्त विश्वविद्यालय है, जिसे पुरा छात्र सम्मेलन आयोजन करने का गौरव प्राप्त हुआ है। तत्कालीन कुलपति प्रो. राव ने अपने अभिभाषण में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए ज्ञानवर्द्धक बाते बताई एवं पुरा छात्रों को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुरा छात्र संगठन की कार्यकारिणी का चुनाव किया गया एवं तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

(ठ) प्लेसमेंट (Placement)

विश्वविद्यालय का सेवा स्थापना प्रकोष्ठ आज विश्वविद्यालय के एक अहम प्रकोष्ठ के रूप में स्थापित है। प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव के सार्थक प्रयास के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विगत वर्ष 26 लाख रूपए निर्गत किए गए जिसका उद्देश्य प्लेसमेंट सेल को अत्याधुनिक यन्त्रों एवं सुविधाओं से सुसज्जित करना है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राप्त अनुदान के द्वारा विश्वविद्यालय ने प्लेसमेंट सेल से सम्बन्धित सूचनाओं के लिए एक अलग से वेबसाइट का निर्माण करवाया। इस वेबसाइट के द्वारा विश्वविद्यालय प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों के छात्रों को विश्वविद्यालय से जोड़ने एवं उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के प्रति दृढ़ संकल्प है।


प्लेसमेंट सेल में कम्प्यूटर ज्ञान परीक्षा देते अभ्यर्थी

इस वर्ष भी प्लेसमेंट सेल द्वारा अनेक साक्षात्कारों का आयोजन किया गया। इनमें सम्मिलित होकर छात्रों ने स्वर्णिम भविष्य की आधारशिला रखी। इस वर्ष परिसर में साक्षात्कार के लिए आने वाली संस्थाओं में आई.सी.आई.सी.आई., वेबजेनर एवं यूनाइटेड भारत आदि प्रमुख रही। इसके माध्यम से अनेक छात्रों का चयन हुआ। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से छात्रों को कैरियर सम्बन्धित अनेक प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराई जाती हैं तथा उन्हें उद्यमी एवं स्वावलम्बी बनने के लिए अभिप्रेरित किया जाता है। इस प्रकार राष्ट्र के निर्माण एवं विकास में यह प्रकोष्ठ तत्पर एवं अग्रणी भूमिका का निवर्हन कर रहा है। प्लेसमेंट के माध्यम से छात्रों को रोजगार के बेहतर अवसर का लाभ मिल रहा है जिसके कारण विश्वविद्यालय द्वारा संचालित लोकप्रिय कार्यक्रमों MCA, PGDCA, MJ, PGDJMC, BLIS, MLIS एवं अनेक प्रमाण–पत्र कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

****

5. शोध, परामर्श एवं प्रसार
(Research, Consultancy and Extension)



पत्रकारिता शोध कार्यशाला का दीप प्रज्जवलन कर उद्घाटन करते माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारित विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रो. बी.के. कुठियाला

उच्च शिक्षा में शोध राष्ट्रीय विकास का सुदृढ़ आधार है। वर्तमान समय की आवश्यकतानुसार प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में गुणवत्तायुक्त शिक्षा की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शोध कार्य हेतु व्यापक सुविधाओं का प्रबन्ध किया गया हे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों में मान्य पुस्तकों की मात्रा में वृद्धि के साथ ही इंटरनेट, ई-पुस्तकालय की व्यवस्था भी की गई है। ई-पुस्तकालय पर विभिन्न विषय-सम्बन्धी सूचनाएँ, महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रन्थों की प्रतिलिपि प्राप्त की जा सकती है। इसके साथ ही विषय - विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में विद्यार्थी, नवीन विषयों में सुजनात्मक कार्यों का सम्पादन कर रहें हैं।

(क) शोध (Research)

शोधार्थी का नाम, शोध- विषय एवं समसत शोध कार्यों का एक स्पष्ट डाटाबेस तैयार कने हेतु शोध प्रकोष्ठ तन्मयता से इस कार्य का सम्पादन कर रहा है। गुणवत्ता उन्नयन को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने सत्र 2010-2011, 2011-12 में शोध के क्षेत्र में तीव्र गति से विकास करते हुए शोध सम्बन्धी नियमों एवं मानकों का परिमार्जन किया है। शोध सम्बन्धी गतिविधियों के नीतिनिर्माण एवं नियमन के क्षेत्र में शोध उपाधि समिति एवं विभागीय शोध उपाधि समिति के सहयोग विभिन्न विषयों में पी0एच0डी0 कार्यक्रम हेतु कोर्स वर्क तैयार किया है, जिससे प्रत्येक शोधार्थी को पूर्ण करना अनिवार्य होगा।

शोध उपाधि समिति का संगठन

कुलपति	अध्यक्ष
कुलपति जी द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ	सदस्य
सम्बन्धित विद्या शाखा का निदेशक	सदस्य

कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड तथा विद्यापरिषद का एक-एक सदस्य	सदस्य
शोध विकास तथा समन्वय का प्रभारी	सदस्य सचिव

शोध उपाधि समिति के कार्य

विभिन्न विद्याशाखाओं में प्रासंगिक विषयों पर शोध कार्य हेतु मानकों का निर्माण करना।

शोध कार्यक्रमों में शिक्षार्थियों के पंजीकरण, निर्देशन एवं अनुश्रवण आदि के लिए शोध नीतियों का निर्माण करना।

शोध प्राथमिकताओं पर सुझाव देना।

शोध के मूल्यांकन हेतु सूचकांकों का निर्माण करना।

विश्वविद्यालय के शोध सम्बन्धी प्रयासों का आलेख तैयार करवाना।

शोध विकास एवं समन्वय सम्बन्धी अन्य कार्य करना।

शोध प्रकोष्ठ

शोध प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो0 एस0पी0 गुप्ता, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा हैं जिनके लोकतांत्रिक सृजनात्मक मार्गदर्शन में प्रकोष्ठ प्रभावशाली ढंग से कार्य कर रहा है। सत्र 2010-11, 2011-12 में दिसम्बर-2012 तक विभिन्न विषयों में कार्यक्रम पूर्ण करने वाले 89 शोधार्थियों को पी-एच.डी. शोध उपाधि एवं 36 अभ्यर्थियों को ए0फिल0 की उपाधि में प्रदान की गई है जिसका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	शोध कार्यक्रम का विषय	शोधार्थी	एम0फिल0
1.	पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान	06	12
2.	शिक्षाशास्त्र	12	14
3.	समाजशास्त्र	09	02
4.	प्राचीन इतिहास	15	-
5.	इतिहास	05	-
6.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	05	-
7.	अंग्रेजी	04	-
8.	प्रबन्धन	04	-
9.	राजनीति विज्ञान	04	-
10.	अर्थशास्त्र	01	-
11.	हिन्दी	10	-
12.	संस्कृत	03	-
13.	सांख्यिकी	-	-
14.	वाणिज्य	07	01
	योग	89	35

(ख) प्राध्यापकों का संव्यावसायिक विकास
(Professional Development of Teachers)

विश्वविद्यालय अपने यहां कार्यरत प्राध्यापकों के संव्यावसायिक विकास हेतु निम्न अवसर एवं सक्रिय सहयोग प्रदान करता है-

- शोध कार्य
- लधु एवं दीर्ध अवधि शोध परियोजना का संचालन
- शोध निर्देशन
- शोध प्रकाशन
- अध्ययन सामग्री का निर्माण
- शोध कार्यों का प्रकाशन
- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार/संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं में प्रतिभाग
- ओरियन्टेशन एवं रिफ्रेशरं कार्यक्रमों में प्रतिभाग
- अन्य शैक्षिक संस्थाओं एवं विश्वविद्यालयों में व्याख्यान एवं परामर्श आदि क्रिया कलाप।

इस अवधि में विश्वविद्यालय के अध्यापकों तथा शोधछात्रों के द्वारा अनेक शोधलेखों एवं पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। सत्र 2010-11, 2011-12 में दूरस्थ शिक्षा परिषद् द्वारा डा. श्रुति एवं डा. संतोषा कुमार को शोध ग्रन्थों के प्रकाशन हेतु रू010,000/- प्रत्येक सहयोग धनराशि प्रदान की गयी है।

संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं शैक्षिक सम्मेलनों में अध्यापकों की भागीदारी बढ़ाने, उन्हें पंजीकरण शुल्क आदि को विश्वविद्यालय द्वारा वहन किये जाने की योजना विचाराधीन है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों में स्वस्थ शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने एवं उनके अकादमिक उत्कर्ष को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक वर्ष योग्यता व कार्य निष्पादन के आधार पर चयनित किये गये शिक्षकों को सम्मानित करने की कार्ययोजना है।

विश्वविद्यालय में जिन विषयों में कोई भी अध्यापक कार्यरत नहीं है, उन सभी विषयों में शैक्षणिक परामर्शदाताओं की नियुक्ति कार्य प्रगति पर है। क्षेत्रीय केन्द्रों पर भी पूर्णकालिक क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों की नियुक्ति विचाराधीन है।

(ग) प्रकाशन (Publications)

विश्वविद्यालय के प्रकाशनों का विवरण निम्नानुसार है -

(i) **शोध पत्रिका -** 'यू0पी0आर0टी0ओ0यू0 जर्नल आफ रिसर्च एण्ड ओ0डी0एल0स्टडीज' नाम की शोध पत्रिका का प्रकाशन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। शोध पत्रिका की ISBN संख्या 0975-8662 है। इस पत्रिका में दूरस्थ शिक्षा से सम्बन्धित उच्च कोटि के शोधपत्रों में विशिष्ट विद्वानों के आलेखों को समाहित किया जाता है। इस पत्रिका का सम्पादक मण्डल निम्नानुसार है -

मुख्य सम्पादक	प्रो0एस0पी0गुप्ता
सम्पादक	डॉ0 बी0एन0 सिंह

डॉ0 एम0एन0 सिंह

डॉ0 टी0एन0 दुबे

डॉ0 इति तिवारी

प्रबन्ध सम्पादक डॉ0 रंजना श्रीवास्तव

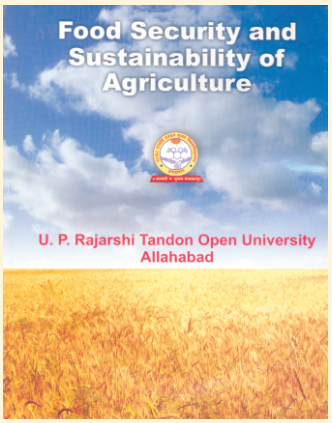

(ii) शोध प्रोसीडिंग्स/सेमीनार प्रोसीडिंग्स

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों में आयोजित सेमीनार में प्रस्तुत शोध पत्रों एवं आलेखों को सेमीनार प्रोसीडिंग्स के रूप में प्रकाशित किया जाता है। सत्र 20010-11, 11-12 में आयोजित सेमिनार की प्रोसीडिंग्स का प्रकाशन किया गया है।

(iii) विश्वविद्यालय सूचना पत्रिका



विश्वविद्यालय द्वारा अर्धवार्षिक सूचना पत्रिका का प्रकाशन यू0पी0आर0टी0ओ0यू0 सूचना पत्रिका नाम से नियमित रूप से किया जाता है। इसमें विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की सूचना एवं विवरण प्रकाशित किया जाता है। सूचना पत्रिका का सम्पादन डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र, प्रभारी सूचना एवं जनसम्पर्क प्रकोष्ठ के द्वारा किया जाता है।

(घ) संवर्द्धन (Promotion)

इस दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा समसामयिक विषयों पर जन-जागरूकता उत्पन्न करने एवं दूरस्थ शिक्षा के दर्शन व कार्यप्रणाली का प्रसार करने के लिए विभिन्न अवसरों पर समारोहों का आयोजन एवं विचार विमर्श सत्रों का आयोजन किया जाता है। सत्र 2010-11, 2011-12 में निम्न अवसरों पर विचार विमर्श सत्रों का आयोजन किया गया -

राजर्षि पुरूषोत्तम टण्डन स्मृति व्याख्यानमाला के नवम् पुष्प का वृहत् आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में सफलतापूर्वक किया गया। इस व्याख्यानमाला में प्रो. राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ; इलाहाबाद मण्डल के आयुक्त श्री मुकेश मेश्राम तथा जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के पूर्व निदेशक प्रोफेसर आर.सी. त्रिपाठी जैसे विद्वज्जनों के विचारों से विश्वविद्यालय परिवार तथा इसमें अध्ययनरत शिक्षार्थियों के ज्ञान में निश्चित ही अभिवृद्धि हुई है।

विश्वविद्यालय द्वारा 11 नवम्बर 2011 को भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयन्ती पर 'शिक्षा में राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' (National perspective in Education) जैसे समसामयिक विषय पर एक परिसंवाद का सफल आयोजन किया गया। इसमें मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के निदेशक प्रोफेसर पी. चक्रवर्ती, प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रो0 रामशकल पाण्डेय, प्रो0 एस0ए0 अन्सारी,प्रो0 हरिशंकर उपाध्याय तथा डा0 सुधा प्रकाश आदि ख्यातिलब्ध विद्वानों ने अपने विचारों द्वारा विश्वविद्यालय को लाभान्वित किया।

एक दिसम्बर 2011 को विश्वविद्यालय द्वारा एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम में जन सामान्य को जागरूक बनाने हेतु एक डाक्यूमेन्ट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया । इस अवससर पर एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा के प्रो0 नवल गुप्ता ने एड्स जैसी ज्वलंत समस्या से बचने के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधा कृष्णन का स्मरण किया गया।

इस अवसर पर गुरु-शिष्य संबंधों को अधिक मजबूत बनाने की दिशा में शिक्षार्थियों को गुरु की महिमा से परिचित कराया गया। विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित राजर्षि टण्डन शिक्षक सम्मान - 2011 के भव्य समारोह में प्रोफेसर जनक पाण्डेय, कुलपति बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजर्षि टण्डन स्वर्ण पदक से सम्मानित कर विश्वविद्यालय ने राजर्षि जी के प्रति श्रद्धा - सुमन अर्पित किया और प्रो. पाण्डेय के सम्मान से विश्वविद्यालय गौरवान्वित हुआ ।

गाँधी जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा एक वैचारिक गोष्ठी आयोजित की गई। कुलपति प्रोफेसर बख्शी ने गाँधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपने उद्‌गार व्यक्त किए। इन क्रिया - कलापों के माध्यम से विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों को अपने कर्त्तव्यों के प्रति





हिन्दी दिवस पर हिन्दी सेवी प्रो. गोपेश्वर सिंह को सम्मानित करते एवं विचार व्यक्त करते कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी

सचेष्ट बनाने एवं नैतिकतापूर्ण आचरण करने की प्रेरणा देने का प्रयास किया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के उपरान्त कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय परिवार को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय को शीर्ष तक पहुँचाने तथा इसे एक मानक विश्वविद्यालय बनाने हेतु अपना योगदान देने के लिए सभी का आह्वान किया तथा उन्हें अपने-अपने कर्त्तव्यों का स्मरण कराया।

पर्यावरण के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने के संदर्भ में विश्वविद्यालय के सुन्दरीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है कैम्पस को इको - फ्रैण्डली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निवर्हन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के मुख्यालय में पेड़- पौधे लगवाकर शैक्षिक परिवेश को अध्ययनमय और आकर्षक बनाने की दिशा में सक्रिय प्रयास किया गया है।

(च) प्रसार सेवायें (Extension Services)

विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा अन्य विश्वविद्यालयों, संगठनों तथा शैक्षिक संस्थाओं को परामर्श का कार्य करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। इस दिशा में महिला सशक्तीकरण तथा महिला उत्थान हेतु गैरसरकारी संगठनों को परामर्श, विकलांगों की शिक्षा तथा सहयोग में कार्यरत संस्थाओं को शैक्षिक सहयोग एवं समाज में एच.आई.वी./एड्स से बचाव एवं रोकथाम के लिए जागरूकता लाने का महत्वपूर्ण प्रयास करके योगदान किया जाता है।

****

6. प्रशासन संचालन (Governance)



कुलपति प्रोफेसर ए.के. बख्शी को सम्मानित करते पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, साथ में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अल्तमश कबीर।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा-प्रणाली की समस्त विशेषताओं की उपलब्धता है। इसकी सर्वप्रमुख विशेषता यह है कि सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में इसके कुल 399 अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की गई है, जहाँ ऐसे व्यक्ति, जो पारम्परिक रुप से शिक्षा ग्रहण करने में असमर्थ हों अथवा किसी अन्य समस्या के कारण शिक्षा न प्राप्त कर पा रहे हो तो, वे अपने आवास स्थलों के निकट ही उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के केन्द्रों में अपना पंजीकरण करवा कर उच्च शिक्षा एवं तकनीकी तथा व्यावसायिक कौशलों की शिक्षा प्राप्त कर समाज में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं। ग्रामीणन्चलों, दूरस्थ क्षेत्रों, समाज के पिछड़े वर्गो, रोजगार में संलग्न व्यक्तियों एवं गृहस्थ जीवन यापन करती महिलाओं आदि सभी को शिक्षा के मूलाधिकार की प्राप्ति को सुनिश्चित कराने के अपने उद्देश्य को विश्वविद्यालय कई वर्षो से पूरा करता आ रहा है। विश्वविद्यालय में गुणवत्ता युक्त उच्च शिक्षा के साथ-साथ निरन्तर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित किया है।

महामहिम राज्यपाल विश्वविद्यालय के प्रदेश कुलाधिपति हैं। कुलपति की नियुक्ति कुलाधिपति द्वारा अधिनियम व परिनियमों में दिये गए प्रावधानों के अनुरूप की जाती है। कुलपति विश्वविद्यालय का प्रधान कार्यपालक तथा शैक्षणिक अधिकारी होता है। कुलपति अपनी सूक्ष्म दृष्टि एवं निर्देशन कौशल के द्वारा विश्वविद्यालय के प्रत्येक क्रियाकलाप, शैक्षणिक स्तर आदि का पर्ववेक्षण तथा उन पर नियंत्रण रखता है। कुलपति का अधीनस्थ अधिकारी प्रतिकुलपति होता है। कुलपति, प्रतिकुलपति की नियुक्ति करता है। विद्याशाखाओं के निदेशकों की नियुक्ति विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के द्वारा की जाती है।

(क) त्रिस्तरीय विकेन्द्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था

(Three Level Decentralized Administrative System)

विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था को तीन स्तरों में बांटा गया है जिसके अन्तर्गत क्रमशः मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्दों की व्यवस्था सम्मिलित है।

विश्वविद्यालय के द्वारा 399 अध्ययन केन्द्र तथा पांच क्षेत्रीय केन्द्र संचालित किए जा रहे हैं। बी0एड0 के 10 केन्द्र तथा बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा) के 12 केन्द्र सुचारू रूप से अपना कार्य कर रहे हैं। विश्वविद्यालय छात्रों की निरन्तर बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए प्रतिवर्ष नए अध्ययन केन्द्रों की स्थापना के लिए प्रयासरत है। ये नए अध्ययन केन्द्र विश्वविद्यालय की उत्तरोत्तर उन्नति के साक्ष्य हैं। विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों का विवरण परिशिष्ट-9 में देखा जा सकता है।

प्रथम शैक्षणिक सत्र 1999-2000 में अध्ययन केन्द्रों की संख्या मात्र 15 थी, जो सत्र 2010-11 में बढ़कर 449 हो गयी है। उपलब्ध आंकड़े विश्वविद्यालय की लगभग 30 गुना उन्नति को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। प्रदेश के अन्य कई जनपदों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भी अध्ययन एवं सम्पर्क केन्द्र आगामी सत्र में खोले जाने का प्रस्ताव विचाराधीन है, जिसके विज्ञापन के माध्यम से अध्ययन केन्द्र खोलने के लिए सूचना दी जाती है।

अध्ययन केन्द्रों की विकास दर

सत्र	कार्यक्रम	अध्ययन केन्द्र	नामांकन संख्या	संचयी योग
1999–2000	20	15	3481	3481
2000–2001	30	28	3283	6764
2001–2002	41	37	3247	10011
2002–2003	38	47	3846	13857
2003–2004	39	63	8315	22172
2004–2005	42	81	8777	30949
2005–2006	50	102	10962	41911
2006–2007	61	198	16050	57961
2007–2008	76	279	14784	72745
2008–2009	81	252	17801	90546
2009–2010	82	430	22500	113046
2010–2011	90	449	25903	138949
2011–2012	96	399*	30842	169791

* कम छात्रों की संख्या वाले अध्ययन केन्द्रों को बन्द किये जाने के कारण

मुख्यालय तथा क्षेत्रीय केन्द्र

विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का संचालन, नीति-निर्माण, नियमन, नीतियों का लागू करना आदि सभी की मूल शक्ति मुख्यालय के प्राधिकारियों, प्रशासनिक निकायों एवं विद्याशाखाओं के अधिकारियों में निहित है। वर्तमान में विश्वविद्यालय का मुख्यालय इलाहाबाद शहर में स्थित है। इसके अतिरिक्त पूरे उत्तरप्रदेश में फैले हुए 399 अध्ययन केन्द्रों में प्रवेश, पाठ्य सामग्री वितरण एवं छात्र सहायता सेवाओं, परीक्षा आदि की गुणवत्ता के सुनिश्चितीकरण हेतु पांच क्षेत्रीय केन्द्रों की व्यवस्था की गई है, जो इस प्रकार है -

1- क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद, 12/12 कमला नेहरू रोड, इलाहाबाद।

2- क्षेत्रीय केन्द्र गोरखरपुर, माया भवन, कैनाल रोड, दाउदपुर, गोरखपुर।

3- क्षेत्रीय केन्द्र बरेली, 35-ए-14/बी, रामपुर बाग, बरेली।

4- क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ, स्वातिका सिटी, अहियामऊ, सुल्तानपुर रोड, लखनऊ।

5- क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी, 15 आदर्शनगर, शिवाजी नगर कालोनी के पास, महमूरगंज, वाराणसी।

क्षेत्रीय केन्द्र अपने-अपने मण्डल के अध्ययन केन्द्रों की व्यवस्था के सुचारू संचालन में मुख्यालय की सहायता करते हैं। ये क्षेत्रीय केन्द्र अपने-अपने भौगोलिक क्षेत्र में मुख्यालय के प्रतिनिधि कार्यालय के रूप में कार्य करते हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों पर एक समन्वयक, सहायक समन्वयक, डाटा एन्ट्री आपरेटर व परिचर आदि विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किए गए हैं। विश्वविद्यालय मुख्यालय तथा अध्ययन केन्द्रों के मध्य सम्पर्क बनाए रखने में क्षेत्रीय केन्द्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

क्षेत्रीय केन्द्र को ओर सशक्त एवं छात्र उपयोगी बनाने हेतु इस सत्र से प्रवेश आवेदन फार्म की कम्प्यूटर फीडिंग को क्षेत्रीय केन्द्रों पर कराने का निर्णय लिया गया है, जिससे अध्ययन केन्द्रों पर जमा हुए प्रवेश आवदेन-पत्रों की जाँच पुनः क्षेत्रीय केन्द्रों पर फीडिंग करते समय की जा सके। इस प्रकार की व्यवस्था के द्वारा विसंगतियों की संभावनाएँ कम से कम रहेगी।

गम्भीर चिन्तन एवं पूर्व वर्षों के अनुभवों के परिणामस्वरूप सत्र 2011-2012 से विश्वविद्यालय की शैक्षिक व्यवस्थाओं में कई परिवर्तन किए गए हैं। प्रवेश एवं अधिन्यास व्यवस्था का विकेन्द्रीकरण करते हुए प्रवेश आवेदन-फार्मों की प्रविष्ट एवं अधिन्यास मूल्यांकन का कार्य क्षेत्रीय केन्द्रों पर कराने का निर्णय लिया गया है।

क्षेत्रीय केन्द्रों, अध्ययन केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित हो, इसके लिए क्षेत्रीय समन्वयों की कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई ताकि समस्त शैक्षणिक व्यवस्थ में पर्याप्त सुधार लाया जा सके और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को अधिक सुदृढ़ तथा छात्रोपयोगी बनाया जा सके।

क्षेत्रीय कार्यालय, एक प्रकार से दूरस्थ शिक्षा की गतिविधियों के संचालन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। शिक्षार्थी सहायता सेवाओं के विविध अंग (प्रवेश, पाठ्य सामग्री, परामर्श सत्र, जन सूचना, परीक्षा, मूल्यांकन, पुस्तकालय व अन्य उपयोगी सुविधाएं) प्रायः इन्ही से जुड़े हुए हैं। क्षेत्रीय केन्द्रों का विश्वविद्यालय मुख्यालय से लगातार सम्पर्क बना रहता है।

अध्ययन केन्द्र

मुक्त विश्वविद्यालय अपने प्रत्येक अध्ययन केन्द्र पर समन्वयक, सह समन्वयक एवं सहायक शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की सहायता से कार्य करता है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रायः परम्परागत शिक्षा संस्थानों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों को ही अध्ययन केन्द्र बनाकर उनमें निहित मानव-संसाधन और अन्य भौतिक उपलब्धि के माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था की जाती हैं उन संस्थाओं के

प्राचार्य एवं समन्वयक क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से या सीधे ही मुख्यालय के सम्पर्क में रहकर सम्पूर्ण व्यवस्था का संचालन करते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय को अपनी अंशकालिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्राचार्य, अध्ययन केन्द्र समन्वयक एवं कर्मचारियों को विश्वविद्यालय द्वारा निश्चित मानदेय का भुगतान मासिक आधार पर किया जाता है।

प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की चाह रखने वाले शिक्षार्थियों के द्वार तक शिक्षा पहुंचाने के लिए अध्ययन केन्द्रों की संख्या में वृद्धि की गई है। शिक्षार्थी, प्रवेश, पाठ्य सामग्री, अधिन्यास, परीक्षा प्रवेश-पत्र व अन्य सूचनाएं आदि सभी अध्ययन केन्द्र से प्राप्त करते हैं। वे वहीं पर या उसके निकट के मुक्त विश्वविद्यालय परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा देते हैं। उनके अंकपत्र भी अध्ययन केन्द्रों पर भेज दिए जाते हैं, जहां से शिक्षार्थी उन्हें प्राप्त कर लेते हैं। क्षेत्रीय केन्द्रों की व्यवस्था से उनके क्षेत्र के अध्ययन केन्द्रों की सहायता सेवाओं की उत्कृष्टता में वृद्धि हुई है।

विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश भर के शासकीय-अशासकीय कालेजों में विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र खोलने की अनुमति प्रदान की गई है। अध्ययन केन्द्रों की संख्या अभी तक 399 हो चुकी है। अध्ययन केन्द्रों का उल्लेख **परिशिष्ट-9** में उपलब्ध है।



छन्दू, नई दिल्ली में मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपति सम्मेलन में कुलपति प्रो. एच.के. बख्शी

समय-समय पर आयोजित कार्यशालाओं के माध्यम से अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों तथा शिक्षकों को शिक्षार्थी सहायता सेवाओं के समन्वय संचालन हेतु जानकारी व मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। सत्र 2010-11, 2011-12 में इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ एवं बरेली क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बन्धित अध्ययन केन्द्रों के लिए समन्वयक कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। इन कार्यशालाओं में कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रकोष्ठ के प्रभारी, प्रवेश प्रभारी, वित्त अधिकारी, विविध विद्याशाखाओं के निदेशकों तथा क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकों ने अपने-अपने क्षेत्र से सम्बन्धित छात्र सहायता सेवाओं के विषय में महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।प्रतिभागियों ने अध्ययन केन्द्रों को और बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए उपयोगी सुझाव भी दिए। यह सभी कार्यशालाएं विश्वविद्यालय के फाफामऊ स्थित शैक्षिक परिसर में आयोजित की गयीं।

उत्कृष्टता केन्द्र

भारतीय दर्शन एवं सांस्कृतिक धरोहर से जनमानस को अवगत कराने के लिए उत्कृष्टता केन्द्र वाराणसी में संचालित किया जा रहा था जिसे कतिपय व्यावहारिकताओं के कारण अब इलाहाबाद स्थानान्तरित कर दिया गया है। डॉ. इति तिवारी इस केन्द्र की प्रभारी हैं।

(ख) प्रशासनिक निकाय (Governing Bodies)

(i) कार्य परिषद (Executive Council)

परिनियमावली के अनुसार कार्य परिषद् विश्वविद्यालय का प्रधान कार्यपालक निकाय है।

(ii) विद्या परिषद (Academic Council)

विद्या परिषद विश्वविद्यालय की प्रधान शैक्षणिक निकाय होती है और यह परिषद अधिनियम, परिनियम और अध्यादेशों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए विश्वविद्यालय के भीतर विद्या, शिक्षा, शिक्षण, मूल्यांकन और परीक्षण के स्तरमानों का नियंत्रण करती है और इसे बनाये रखने के लिए उत्तरदायी होती है।



विद्या परिषद की बैठक में कुलपति प्रो. एके. बख्शी एवं अन्य गणमान्य सदस्य

(iii) योजना बोर्ड (Planning Board)

यह विश्वविद्यालय का प्रधान योजना निकाय है। यह विश्वविद्यालय के उद्देश्यों में उपदर्शित आधारों पर विश्वविद्यालय के विकास को नियोजित एवं मानीटर करता है।

(iv) मान्यता बोर्ड (Board of Recognition)

विश्वविद्यालय की प्रथम नियमावली 2002 के अध्याय पांच खण्ड 5.15 के अधीन मान्यता बोर्ड का गठन किया गया। इसका कार्य संस्थाओं को मान्यता प्रदान करने हेतु मानक निर्धारित करना तथा नये केन्द्र खोलने के लिए संस्था को मान्यता प्रदान करना है।



मान्यता बोर्ड की बैठक में कुलपति प्रो. एके. बख्शी एवं अन्य गणमान्य सदस्य

(v) अध्ययन विद्या शखा (School of Studies)

इसके अन्तर्गत अध्ययन की विभिन्न इकाइयां आती हैं जैसे मानविकी, विज्ञान, शिक्षा, प्रबन्धन, कम्प्यूटर आदि।

(vi) वित्त समिति (Finance Committee)

वित्त समिति कार्य परिषद को विश्वविद्यालय की सम्पत्ति तथा निधियों के प्रशासन से सम्बद्ध विषयों पर सलाह देती है। यह विश्वविद्यालय के आय के साधनों को ध्यान में रखते हुए आवर्ती तथा अनावर्ती व्यय की सीमा नियत करती है।

(vii) परीक्षा समिति (Board of Recognition)

परीक्षा समिति सभी परीक्षाओं का, जिसके अन्तर्गत अनुसीमन एवं सारणीकरण भी है, पर्यवेक्षण करती है। इस समिति के सदस्यों का कार्यकाल एक वर्ष होता है। सत्र 2010-11, 2011-12 में विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रशासनिक निकायों के सदस्यों की सूची परिशिष्ट-1 में दी गयी है।

(ग) वित्त (Finance)

उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की आय के तीन प्रमुख स्रोत निम्नवत हैं-

1- विश्वविद्यालय के अपने स्रोतों से अर्जित आय

2- राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान (आयोजनागत)

3- दूरस्थ शिक्षा परिषद से प्राप्त अनुदान (डेक अनुदान तथा अनेसाइन्ड अनुदान)

वित्तीय वर्ष 2007-08, 2008-09, 2009-10, 2011-12 में विश्वविद्यालय की आर्थिक स्थिति निम्नवत रही है-

क्र0 सं0 वित्तीय स्रोत	आय (रु. लाख में)				
	2007–2008	2008–2009	2009–2010	2010–11	2011–12
1. विश्वविद्यालय से अपने स्रोतों से अर्जित आय	1125.15	1726.04	2002.43	23,97,38,000	28,56,95,000
2. (I) राज्य सरकार से प्राप्त पूंजीगत अनुदान	.....	219.10	.....	.....	.....
(II) अनुदान – आयोजनागत / राजस्व अनुदान	68.55	71.89	97.83	1,80,04,500	11,5,65,000
3. (I) दूरस्थ शिक्षा से प्राप्त अनुदान	340.00	275.00	400.00	3,50,00,000	4,20,00,000
(II) दूरस्थ शिक्षा से प्राप्त अनएसाइंड अनुदान	4.00	.....	6.00	3,00,000	NIL
योग	1537.70	2292.03	2506.26	29,30,42,5000	33,92,60,000

क्र0 सं0 वित्तीय स्रोत	आय (रु. लाख में)				
	2007–2008	2008–2009	2009–2010	2010–11	2011–12
1. विश्वविद्यालय से अपने स्रोतों से अर्जित आय	640.02	872.44	671.77	9,96,38,000	10,46,02,000
2. (I) राज्य सरकार से प्राप्त पूंजीगत अनुदान	.....	219.10	.....	.....	.....
(II) अनुदान – आयोजनागत / राजस्व अनुदान	68.55	71.89	97.83	.....	.....
3. (I) दूरस्थ शिक्षा से प्राप्त अनुदान	288.78	246.35	360.11	1,80,04,500	115,65,000
(II) दूरस्थ शिक्षा से प्राप्त अनएसाइंड अनुदान	2.35		0.50	3,00,40,555	2,46,09,142
योग	999.70	1409.78	1130.21	14,79,65,464	14,07,76,142

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1999-2000 से विश्वविद्यालय राज्य के अनुदान से अंशतः पोषित है जिसमें वेतन, भत्ते, आकस्मिक व्यय, भवनों के किराये, विद्युत एवं टेलीफोन व्यवस्था आदि पर व्यय किया जाता है। भवन निर्माण के लिए शासन से पूंजीगत अनुदान प्राप्त होता है, जिसमें निर्माण कार्यों के प्रति व्यय किया जाता है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अपने स्रोतों की बचतों से बनी एफ.डी.आर. पर अर्जित व्याज हेतु एक ब्याज खाता भी संचालित है जिसे कार्पस फण्ड के रूप में पूंजीगत व्यय के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

(घ) अनुश्रवण व निरीक्षण (Monitoring and Follow-up)

मुक्त विश्वविद्यालय समय-समय पर मुख्यालय से अपने पदाधिकारियों को अध्ययन केन्द्रों, क्षेत्रीय कार्यालयों व उत्कृष्टता केन्द्रों पर भेजकर शैक्षणिक व्यवस्था संबंधी गतिविधियों का संचालन, नियमन, संवाद स्थापन एवं कठिनाई निवारण आदि के अपने दायित्व का निर्वाह करता है।

आपसी विचार-विमर्श और संवाद द्वारा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में समन्वयकों की कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इन कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय प्रशासन से अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों का सीधा सम्पर्क होता है। गतिविधियों में परिवर्तन एवं नवीन विधानों की सूचना देना, कार्यविधि को और अधिक सरल बनाने के लिए आपसी विचार-विमर्श करना, व्यावहारिक समस्याओं के निराकरण सम्बन्धी चर्चा आदि अनेक पहलू इन कार्यशालाओं को उपयोगी बनाते हैं। विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक तथा प्रशासकीय गतिविधियों के संचालन हेतु प्राधिकारीगण, विविध प्रशासनिक निकायों एवं अनेक विद्याशाखाओं की व्यवस्था की गई है।

(च) जन संपर्क (Public Relations)

विश्वविद्यालय की जन-सम्पर्क इकाई (सूचना प्रकोष्ठ) मुख्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय में स्थापित किया गया है। इसके प्रभारी डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र हैं। इस इकाई से सम्पर्क करके शिक्षार्थी प्रवेश, सामग्री-वितरण, परीक्षा तिथि आदि अनेक सूचनाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं। विश्वविद्यालय की वर्ष भर की दैनन्दिन गतिविधियों का विवरण रखना व महत्वपूर्ण आयोजनों पर समाचार पत्रों तथा टेलीविजन चैनल्स की कवरेज की व्यवस्था करना भी इसी इकाई का दायित्व है, जिसका निर्वाह सम्यक रूप से किया जाता है। विश्वविद्यालय की विविध गतिविधियों के ब्योरेवार और क्रमबद्ध प्रस्तुतीकरण हेतु अर्द्धवार्षिक सूचना पत्रिका का प्रकाशन इस इकाई द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है। इस सूचना पत्रिका के माध्यम से विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, कार्यशालाओं, बैठकों आदि की जानकारी प्राप्त हो जाती हैं यह सूचना पत्रिका विश्वविद्यालय की उन्नति एवं उपलब्धि को सचित्र रूप में प्रकट करने का सशक्त माध्यम है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रायः सभी विद्याशाखाओं के शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारियों से युक्त एक ब्रोशर भी प्रकाशित किया जाता है, जिसे जिज्ञासुओं को निःशुल्क प्रदान किया जाता है। इससे विश्वविद्यालय संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण अवसरों व कार्यक्रमों की रिपोर्ट अगल से भी पत्रिका रूप मेंप्रकाशित करने का कार्य इस जनसंपर्क इकाई द्वारा किया जाता है।

आगामी सत्र में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद के सहयोग से एक नेटवर्किंग प्रोजेक्ट प्रारम्भ किए जाने की योजना है, जिससे विश्वविद्यालय में जन सम्पर्क और सूचना सेवा को और अधिक तकनीकी सुदृढ़ता प्राप्त हो सकेगी। इसके साथ ही समुदाय से और बेहतर तरीके से जुड़कर दूरस्थ व मुक्त शिक्षा के प्रसार में और अधिक गुणवत्ता लाने हेतु एक कम्यूनिटी रेडियो स्टेशन की स्थापना का भी प्रस्ताव है।

(छ) शिकायत निवारण प्रक्रिया (Grievance Redressal Process)

विश्वविद्यालय में शिकायत निवारण प्रक्रिया का भी संचालन किया जा रहा है। शिकायत निवारण सम्बन्धी गतिविधिों को जनसम्पर्क अनुभाग से सम्बद्ध किया गया है जिससे शिक्षार्थियों को अपनी समस्याओं के निराकरण में अधिक परेशानी और विलम्ब का सामना नहीं करना पड़ता हैं ऐसी योजना बनाई गई है कि यह अनुभाग शिक्षार्थी की किसी शिकायत पर सम्बन्धित अनुभाग का सहयोग लेकर शिक्षार्थी की समस्या अपने काउण्टर से ही हल कर देने में समर्थ हो सके।

अध्ययन केन्द्रों पर इस प्रकार की शिकायतों के निवारण की समस्या अभी प्रभावी ढंग से सम्पन्न नहीं हो पा रही है, फिर भी विचार चल रहा है और इस हेतु क्षेत्रीय केन्द्रों पर शिकायत निवारण प्रकोष्ठ बनाने की योजना रखी गई है ताकि अध्ययन केन्द्रों के छात्र अपने निकट के क्षेत्रीय केन्द्र पर जाकर अपनी समस्या कह सकें और मुख्यालय से सम्पर्क करके उसका निवारण किया जा सके।

मुख्यालय में विविध शिकायतों के निवारण के लिए अलग-अलग प्राध्यापकों को विविध अंचलों के केन्द्रों के प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है और उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है कि वे अपने अन्तर्गत आने वाली समस्याओं का निस्तारण विश्वविद्यालय के संबद्ध अनुभागों की सहायता द्वारा अपने स्तर पर करेंगे। संचार तकनीकों के माध्यम से इसे और प्रभावी बनाया गया है।

(ज) नेतृत्व एवं टीम (Leadership and Team)

किसी संस्था के उद्देश्यों के अनुसार कार्य करने के लिए मूल्यों व मानकों के निर्धारण द्वारा एक सम्यक कार्य संस्कृति की स्थापना, नीति निर्माण में सम्बन्धित व्यक्तियों की भागीदारी, निर्णयों में पारदर्शिता आदि बातें उस संस्था के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक है। इससे संस्था को अपने आदर्शों एवं दृष्टिकोण के आधार पर चलते हुए अपने उद्दश्यों एवं लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलती है। किसी संस्था में उत्कृष्ट नेतृत्व के बिना उपर्युक्त तालमेल तथा लक्ष्य प्राप्ति संभव नहीं है।

विविध निकायों की बैठकों, विश्वविद्यालय के प्रकोष्ठों की गतिविधियों के संचालन, सत्र की शैक्षणिक गतिविधियों, केन्द्रों से सम्बद्ध कार्य आदि विभिन्न क्षेत्र में कुलपति महोदय ने विचार-विमर्श, समस्या निराकरण और निर्णय प्रक्रिया के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को ध्यान में रखा। शैक्षिक कैलेण्डर का सख्ती से पालन, नवीन योजनाओं का निर्माण व क्रियान्वयन, केन्द्रों के विकास एवं उत्कृष्ट संचालन सम्बन्धी कार्यवाही, क्षेत्रीय केन्द्रों व उत्कृष्टता केन्द्रों की गतिविधियों के अनुश्रवण आदि सभी में कुलपति महोदय ने अपन उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया।

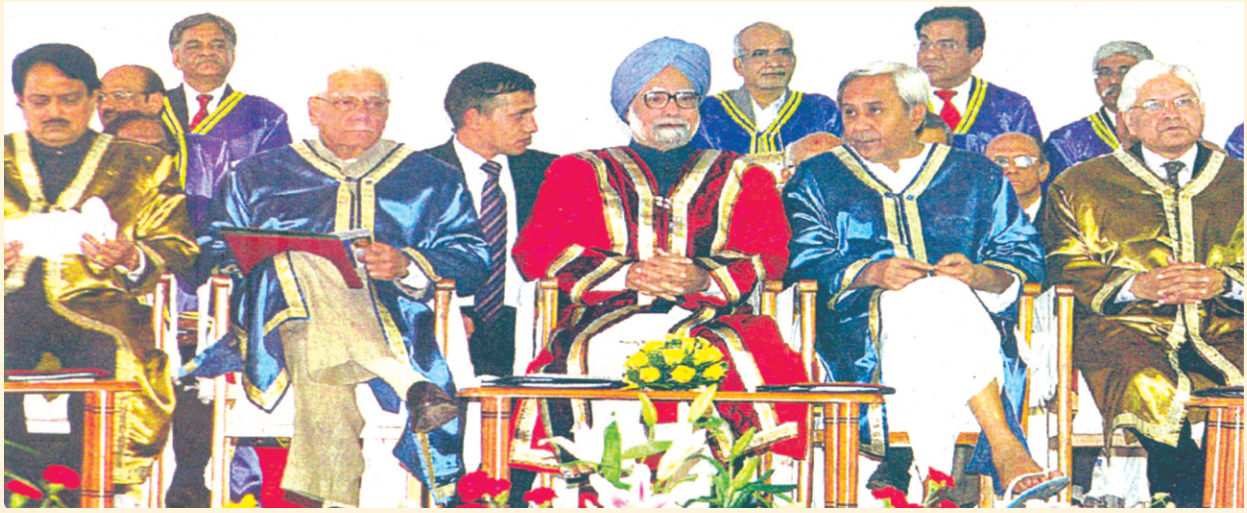

भुवनेश्वर में आयोजित 99वें इण्डियन साइंस काँग्रेस में प्रतिभाग करते कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी

विश्वविद्यालय गतिविधियों के अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षा प्रणाली सम्बन्धी शोध और आलोचना गतिविधियों, जनसाधारण में दूरस्थ शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने, समकालीन सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय मुद्दों से जुड़े शैक्षिक व शोध कार्यक्रमों में प्रतिभागिता करते हुए कुलपति महोदय ने इस मुक्त विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। ऐसे सभी प्रसंग उनकी प्रभावशाली नेतृत्वकारिता का परिचय देते हैं।

विश्वविद्यालय ने समाज में भी दूरस्थ व मुक्त शिक्षा के नेतृत्व कार्य को बढ़ावा देने वाली अनेकानेक गतिविधियों को प्रारम्भ किया है। उदाहरणार्थ हिन्दी दिवस पर कवि सम्मेलन का आयोजन करवाया गया जिसमें जिन्दी भजनों का पाठ किया गया। देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अब्दुल कलाम आजाद की जयंती पर लेख प्रतियोगिता में चयनित शिक्षार्थियों को सम्मानित किया गया। स्पाट प्रवेश व्यवस्था के द्वारा विश्वविद्यालय कीप्रवेश प्रक्रिया एवं शुल्क जमा करने की प्रक्रिया को सरलीकृत किया गया है, जिसने जन-साधारण में दूरस्थ व मुक्त शिक्षा प्रणाली की एक उत्कृष्ट छवि अंकित की है। इससे आगे आने वाले सत्र में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की लोकप्रियता में आशातीत वृद्धि के फलस्वरूप नामांकन में वृद्धि होने की संभावनाएं हैं।



विदेशी छात्रों के प्रतिनिधि मण्डल से वार्ता करते कुलपति प्रो. ए.के. बख्शी

विश्वविद्यालय मुख्यालय तथा क्षेत्रीय केन्द्रों में आयोजित विभिन्न समारोहों एवं कार्यक्रमों में अनेक विशिष्ट अतिथियों का आगमन हुआ, जिसका विवरण **परिशिष्ट-10** में दिया गया है।

(झ) विशिष्ट प्रकोष्ठ (Special Cells)

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक स्टाफ, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं शिक्षार्थियों की विशेष आवश्यकताओं व समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कुछ विशेष प्रकोष्ठों की स्थापना की गई हैं ये प्रकोष्ठ व इनकी गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

(i) पाठ्य सामग्री लेखन प्रकोष्ठ (Study Material Writing Cell)

यह प्रकोष्ठ पाठ्यक्रम निर्धारण, पाठ्य क्रम रूपरेखा एवं पाठ्य सामग्री लेखन आदि कार्य करता है। इस प्रकोष्ठ द्वारा विषय में संबंधित विद्वानों को स्व-अध्ययन पाठ्य सामग्री लेखन विधि से कार्यशालाओं एवं बैठकों के द्वारा प्रशिक्षित भी किया जाता है। इसके प्रभारी वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ0 हरीशचन्द्र जायसवाल हैं।

(ii) पाठ्य सामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रकोष्ठ (Study Material Production & Distribution Cell)

यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय में संचालित विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों हेतु दूरस्थ प्रणाली की अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने का कार्य करता है। इस प्रकोष्ठ के दो कार्य हैं- प्रथम, जो कार्यक्रम विश्वविद्यालय में पहले से चल रहे हैं और जिनकी सामग्री विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की जा रही है तो प्रत्येक सत्र में प्रविष्ट होने वाले शिक्षार्थियों की संख्या के अनुमान से उसकी प्रतियां मुद्रित करवाना। द्वितीय,

नए प्रारम्भ होने वाले कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्य सामग्री की व्यवस्थ करना। स्पाट एडमिशन केन्द्रों पर भी पाठ्य सामग्री भिजवाने का कार्य यह प्रकोष्ठ करता है। डा0 सन्तोषा कुमार, उपाचार्य इस प्रकोष्ठ के प्रभारी हैं।



पाठ्य सामग्री अनुभाग में पैकिंग करते कर्मचारी एवं पाठ्य सामग्री का वितरण

(iii) प्रवेश प्रकोष्ठ (Admission Cell)

यह प्रकोष्ठ इस मुक्त विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण भवन में स्थापित किया गया है। मुक्त विश्वविद्यालय के सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में स्थित 399 अध्ययन केन्द्रों पर संचालित 36 कार्यक्रमों में शिक्षार्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया का विधिवत् संचालन यहां व्यवस्थित ढंग से होता है। यह प्रकोष्ठ प्रवेश-विवरणिका का निर्माण करता है। प्रत्येक सेमेस्टर में यहीं से प्रवेश फार्म और परीक्षा फार्म अध्ययन केन्द्रों पर भेजे जाते हैं। अध्ययन केन्द्रों पर शिक्षार्थी जो प्रवेश आवेदन पत्र भर कर जमा करते हैं केन्द्र समन्वयकों द्वारा वहे इस प्रकोष्ठ को भेज दिए जाते हैं। यह प्रकोष्ठ प्रविष्ट छात्रों को नामांकन संख्या प्रदान करता है, तत्पश्चात छात्रों के परिचय-पत्र उनके अध्ययन केन्द्रों पर भेजे जाते हैं। साथ ही अध्ययन सामग्री उत्पादन एवं वितरण अनुभाग को प्रवेश सम्बन्धी जरूरी आंकड़े इस प्रकोष्ठ द्वारा भेज दिये जाते हैं ताकि अध्ययन सामग्री निर्माण और वितरण का कार्य समय पर तथ व्यवस्थित रूप से संचालित हो सके प्रवेश प्रकोष्ठ छात्रों के प्रवेश फार्म में लगे हुए शुल्क ड्राफ्टों को आवश्यक सूचनाओं के साथ लेखा अनुभाग को अग्रिम कार्यवाही हेतु अग्रसारित कर देता है। इस प्रकोष्ठ में प्रत्येक अध्ययन केन्द्र, उसके अन्तर्गत संचालित कार्यक्रम एवं उन कार्यक्रमों में प्रविष्ट शिक्षार्थियों के विवरण की विस्तृत सूची विद्यमान रहती है। यह प्रकोष्ठ प्रवेश विवरणिकाओं एवं प्रवेश आवेदन फार्म के विक्रय का लेखा जोखा रखता है, प्रवेश आवेदन पत्रों के विक्रय से प्राप्त राशि के बैंक ड्राफ्ट अध्ययन केन्द्र समन्वयकों द्वारा इसी प्रकोष्ठ में भेजे जाते हैं, आगे यह प्रकोष्ठ उन्हें लेखा विभाग में अग्रसारित करता है। पुनः पंजीकरण आवेदन पत्र भी प्रवेश प्रकोष्ठ से ही प्राप्त किए जाते हैं और पूरित कर यहीं पर पहुंचाए जाते हैं। वर्तमान में डॉ0 जी0के0 द्विवेदी असिस्टेंट प्रोफेसर इस प्रकोष्ठ के प्रभारी हैं।

(iv) अध्ययन केन्द्र स्थापना प्रकोष्ठ (Study Centre Establishment Cell)

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के नवीन अध्ययन केन्द्रों को खोलने सम्बन्धी विविध संस्थानों और महाविद्यालयों के आवेदन पत्र इसी प्रकोष्ठ में भेजे जाते हैं। यह प्रकोष्ठ इन संस्थानों में भौतिक संसाधनों की उपलब्धता के निरीक्षण हेतु विशेषज्ञ नियुक्त करता है एवं एतत्संबन्धी आख्या प्राप्त करता है। इसके पश्चात केन्द्र स्थापना सम्बन्धी ये आवेदन मान्यता बोर्ड, विद्या परिषद, कार्य परिषद को अनुमोदन हेतु भेज दिये जाते हैं। अनुमोदन के बाद विश्वविद्यालय तथा उन संस्थानों के मध्य अनुबन्ध का एक प्रपत्र विशेष हस्ताक्षरित किया जाता है और संस्था के प्रमुख द्वारा भेजे गए तीन नामों में से एक व्यक्ति को केन्द्र का समन्वयक नियुक्त कर लिया जाता है। इस प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. टी.एन.दूबे हैं।

(v) सूचना प्रकोष्ठ (Information Cell)

संसद में पारित सूचना अधिकार के अनुपालन में इस विश्वविद्यालय में सूचना प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस विश्वविद्यालय में तद्नुसार सूचना उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिसूचना संख्या ओ.यू./सूचना/809/2007

दिनांक 24-09-2007 के क्रम में निम्नलिखित को जन सूचना अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है जो अपने विभाग/अनुभाग से सम्बन्धित सूचना उपलब्ध कराएंगे तथा उसके लिए उत्तरदायी होंगे-

क्र0सं0	नाम	सम्बन्धित विभाग/अनुभाग
1.	निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा	शिक्षा विद्याशाखा एवं व्यवसायिक अध्ययन
2.	निदेशक, मानविकी विद्याशाखा	मानविकी विद्याशाखा एवं कृषि विज्ञान
3.	निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा	समाज विज्ञान विद्याशाखा
4.	निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा	प्रबन्धन अध्ययन तथा कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा
5.	निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा	कृषि विज्ञान, विज्ञान एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा
6.	प्रभारी, प्रवेश अनुभाग	प्रवेश, अध्ययन केन्द्रों, क्षेत्रीय केन्द्रों एवं सेन्टर फार एक्सीलेंस से सम्बन्धित
7.	प्रभारी, पाठ्य सामग्री	पाठ्य सामग्री अनुभाग से सम्बन्धित
8.	वित्त अधिकारी	वित्त विभाग से सम्बन्धित
9.	परीक्षा नियंत्रक	परीक्षा से सम्बन्धित
10.	कुलसचिव	प्रशासन से सम्बन्धित
11.	उप कुलसचिव	सहायक जन सूचना अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

(vi) दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र (Distance Education Research Centre)



दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र की स्थापना की गयी है जिसके प्रभारी डॉ. पी.पी. दुबे निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं परामर्शदाता डॉ. अतुल कुमार मिश्र एवं अवधेन्द्र प्रताप सिंह है।

(vii) सेवायोजन प्रकोष्ठ (Placement Cell)

शिक्षार्थियों को कैरियर सम्बन्धी मार्गदर्शन देने, उन्हें रोजगार दिलाने अथवा उनके सेवायोजन हेतु उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में पृथक प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी है, प्लेसमेंट के माध्यम से विभिन्न विद्या शाखाओं द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों के लिए कैम्पस साक्षात्कार का आयोजन करवाया जाता है। इस प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।

(viii)दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ (Distance Education Awareness Cell)

विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों से जनमानस को अवगत कराने के लिए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। यह प्रकोष्ठ ग्रामीण क्षेत्रों, मेला क्षेत्रों, ऐतिहासिक स्थानों पर शिविर लगाकर विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार करता है। इस प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया, शोध सहायक हैं।

(ix) महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ (Women Harresment Relief Cell)

कामकाजी महिलाओं के यौन उत्पीड़न प्रतिषेधार्थ शासनादेश के अनुपालन में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन

मुक्त विश्वविद्यालय में 'महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ' की भी स्थापना की गई है। इस प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डा0 इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

(x) शिकायत निवारण प्रकोष्ठ (Complaint Removal Cell)

विश्वविद्यालय में छात्रों की समस्याओं के निवारण हेतु शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। अंकपत्र में अधिन्यास के अंक चढ़वाने, अंकपत्र में नाम शुद्धिकरण एवं परीक्षा फार्म भरने में होने वाली परेशानियों से निजात दिलाने के लिए क्षेत्रीय कार्यालय, इलाहाबाद में यह प्रकोष्ठ कार्य कर रहा है। कैप्टन बलवन्ता यादव इस प्रकोष्ठ का कार्य देख रहे हैं।

(xi) आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ (Centre Internal Quality Assurance)

समाज के सभी वर्गो तक गुणवत्तापूर्ण ज्ञान के प्रकाश को पहुंचाने के उद्देश्य से दूरस्थ शिक्षा परिषद, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चय प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी। इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों को दी जाने वाली सेवाओं में सतत् सुधार सुनिश्चित करना, गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को सुधारात्मक सुझाव देना, दूरस्थ शिक्षा परिषद के दिशा निर्देशों के क्रियान्वयन को नियमित देखरेख द्वारा सुनिश्चित करना, गुणात्मक सुधार की प्रक्रिया में अभिभावकों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा नियोक्ताओं आदि संबंधित पक्षों की सहभागिता को सुनिश्चित करना है। इस प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ0 एस.एन. मिश्र परामर्शदाता तथा डॉ0 के.के. शुक्ल सदस्य के रूप में कार्य देख रहे हैं।

(xii) अधिन्यास प्रकोष्ठ (Assignment Cell)

दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में अधिन्यास महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसमें गुणात्मक सुधार के लिए अधिन्यास प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रबन्धन विद्याशाखा हैं।

(xiii) परामर्श प्रकोष्ठ (Counseling Cell)

परामर्श कक्षाओं के बेहतर संचालन के लिए परामर्श प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। इसके द्वारा विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों पर आयोजित परामर्श कक्षाओं के कुशल संचालन में आने वाली समस्याओं का भी समाधान किया जाता है। इस प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ0 अच्छे लाल, असिस्टेंट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा हैं।

(ix) विधि प्रकोष्ठ (Legal Cell)

विश्वविद्यालय में कानूनी विवादों से सम्बद्ध समस्याओं के निस्तारण तथा विधि सम्बन्धी विचार-विमर्श के लिए विधि प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय की हर गतिविधि को विधि की दृष्टि से निरापद सुनिश्चित करने में या गतिविधि के स्वरूप-परिवर्तन सम्बन्धी सलाह देने के क्षेत्र में अपना कार्य करता है। विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए इस प्रकोष्ठ का अपना महत्व है। विश्वविद्यालय की ओर से मा. उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में पैरवी करने के लिए श्री अजीत कुमार सिंह, एडवोकेट चैम्बर नं. 53 उच्च न्यायालय, निवास ए-14/18, एल्गिन रोड, (पत्रिका मार्ग), सिविल लाइन्स, इलाहाबाद को विश्वविद्यालय अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया है जबकि प्रशासन स्तर पर श्री प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव, कार्यालय सहायक द्वारा विश्वविद्यालय के समस्त वादों से सम्बन्धित कार्यों को सम्पादित किया जाता है।

****

7. नवाचारी व्यवहार
(Innovative Practices)



विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में राजर्षि टण्डन शिक्षक सम्मान से बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति प्रोफेसर जनक पाण्डेय को विभूषित करते कुलपति प्रोफेसर ए.के. बख्शी तथा उच्च शिक्षा मंत्री, उ. प्र.

विश्वविद्यालय हित में जिन अभिनव प्रयोगों द्वारा गुणवत्ता उन्नयन, शैक्षिक सुधार, संगठनात्मक संवर्द्धन किए जाने का प्रयास किया जाता है, उन्हें नवाचारी व्यवहार कहते हैं। इनमें से कुछ का समाज से सीधा सम्बन्ध या सरोकार होता है। विश्वविद्यालय द्वारा कुछ ऐसे कार्यक्रम संचालित लिए गए हैं तथा कुछ ऐसी गतिविधियाँ हैं, जिनका सीधा सरोकार समाज से है। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2010-11 तथा सत्र 2011-12 में किए गए नवाचारी व्यवहारों का ब्योरा निम्न है -

(क) सामाजिक सरोकार से सम्बन्धित-

विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार - प्रसार के द्वारा निरन्तर समाज से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने की दिशा में विश्वविद्यालय जन-जागरुकता तथा छात्र - हित के लिए पंचायती राज, योग, डेयरी उद्योग, शिशु पालन एवं पोषण, पोषण एवं आहार तथा एच.आई.वी. एवं परिवार शिक्षा में जागरुकता कार्यक्रम संचालित कर रहा है। सत्र 2011 - 2012 से समाज के लिए उपयोगी एवं महत्वपूर्ण शिक्षा का अधिकार तथा ऑरगेनिक फार्मिंग जसे विषय में प्रमाण पत्र कार्यक्रमों को प्रारम्भ किया गया है।

विश्वविद्यालय में गठित रेड रिबन क्लब उत्तर प्रदेश एड्स कन्ट्रोल सोसाइटी के सहयोग से समाज में 'एड्स' के प्रति जागरुकता लाने का कार्य कर रहा है। 31 अक्टूबर, 2010 को इलाहाबाद रेलवे स्टेशन पर रेड रिबन एक्सप्रेस में लगी प्रदर्शनी के द्वारा मुक्त विश्वविद्यालय के रेड रिबन क्लब ने जागरुकता अभियान चलाया । विश्वविद्यालय द्वारा एड्स के बचाव के लिए एक रैली निकाली गई। इस दौरान राहगीरों को एच.आई.वी. के प्रति जागरुक बनाने के लिए रेड रिबन बैज तथा कैप बाँटे गए। इस अभियान में जागरुकता लाने लिए '12वी' शताब्दी में एड्स और समाज' नामक पुस्तक का वितरण रेलवे स्टेशन पर किया गया । एड्स दिवस पर 1 दिसम्बर 2010 को एड्स के कारण और निवारण पर प्रकाश डाला गया । मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज, इलाहाबाद के प्राचार्य डॉ. एस.पी. सिंह ने एड्स जैसे लाइलाज बीमारी से बचने के लिए जागरुकता को ही सर्वोत्तम उपाय बताया । अध्ययन केन्द्रों पर भी रेड रिबन क्लब की स्थापना करने की आवश्यकता पर बल दिया गया । सत्र 2011-2012 में एड्स दिवस पर एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा किया गया । एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा के प्रो. नवल गुप्ता ने एड्स को फैलने से रोकने के लिए सार्थक प्रयासों पर बल दिया । कुलपति प्रो. ए. के. बख्शी ने समाज में एड्स के प्रति फैली भ्रामक धारणाओं को दूर करने क लिए जागरुकता लाने पर विशेष बल दिया ।



विश्व एड्स दिवस पर अयोजित समारोह में विचार व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो.ए.के. बख्शी तथा मंचासीन अतिथि।

(ख) राजर्षि टण्डन शिक्षक सम्मान - विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''राजर्षि टण्डन शिक्षक सम्मान समारोह - 2010' का भव्य आयोजन शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितम्बर, 2010 को किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ए.आई.यू) के अध्यक्ष तथा भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के निदेशक डा. मुरलीधर तिवारी ने उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्यों तथा अप्रतिम शिक्षण - कौशल के लिए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर, लखनऊ विश्वविद्यालय तथा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रोफेसर महेन्द्र सिंह सोढ़ा एवं अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवाँ, लखनऊ विश्वविद्यालय तथा उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर देवेन्द्र प्रताप सिंह को अंगवस्त्रम्, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं स्वर्णपदक देकर राजर्षि टण्डन शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया ।



समारोह में सम्बोधन करते बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति प्रोफेसर जनक पाण्डेय तथा उपस्थित अतिथिगण।

इसी श्रृंखला में 2011 में आयोजित राजर्षि टण्डन शिक्षक सम्मेलन समारोह में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री, उ.प्र. डॉ. राकेश धर त्रिपाठी ने तथा प्रो. बख्शी ने बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति प्रोफेसर जनक पाण्डेय को शिक्षक सम्मान से विभूषित किया । इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के कुलपति प्रोफेसर फुरकान कमर को भी सम्मानित किया गया । प्रोफेसर फुरकान समारोह में उपस्थित नहीं थे।

(ग) स्थलीय प्रवेश - स्पॉट एडमिशन दूरस्थ शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण और नवाचारी संकल्पना है। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय देश का पहला मुक्त विश्वविद्यालय है जहाँ स्पाट एडमिशन व्यवस्था सत्र 2010-2011 में 12 केन्द्रों पर लागू की । इसमें विश्वविद्यालय मुख्य परिसर तथा क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद में सभी कार्यक्रमों में स्थलीय प्रवेश की सुविधा उपलब्ध थी । इस व्यवस्था के द्वारा केन्द्र इलाहाबाद में सभी कार्यक्रमों में स्थलीय प्रवेश की सुविधा उपलब्ध थी। इस व्यवस्था के द्वारा छात्रों को प्रवेश, पाठ्यसामग्री एवं अधिन्यास इत्यादि के लिए विश्वविद्यालय या अध्ययन केन्द्रों पर बार-बार जाने से मुक्ति मिल गई । स्थलीय प्रवेश के समय ही शिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जाता है। इस व्यवस्था की सफलता को देखते हुए सत्र 2011-12 में स्थलीय प्रवेश हेतु अध्ययन केन्द्रों की संख्या 12 से बढ़ा कर 25 कर दी गई । यह व्यवस्था पूर्णतया छात्रोन्मुखी है। इस व्यवस्था के द्वारा एक विशेष वर्ग को उच्च शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया गया है। जो प्रवेश में होने वाली परेशानियों तथा बार-बार केन्द्र पर आने से बचने के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

(घ) आई.सी.टी. केन्द्र की स्थापना - विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. योजना के तहत ई-लर्निंग के क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना बनाई गई है। मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में आई.सी.टी. के महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए प्रवेश, परीक्षा तथा टीचिंग-लर्निंग प्रक्रिया में इसके प्रयोग पर बल दिया गया है। इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं के अनुरूप छात्र प्रबन्धन व्यवस्था से सम्बन्धित एक सॉफ्टवेयर से एकीकृत किया जा सके । ऑन लाइन परीक्षा के लिए भी एक सॉफ्टवेयर का निर्माण कराने की योजना बनाई गयी। आई.सी.टी. के सफल क्रियान्वयन हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों को भी प्रशिक्षित किए जाने की योजना बनाई जा रही है। ई-लर्निंग के अल्प अवधि के कार्यक्रमों को तैयार करवाया जाएगा तथा ई-कन्टेन्ट तैयार होने पर ई-लाइब्रेरी की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

वर्तमान में स्व-अध्ययन सामग्री को साफ्ट कॉपी (CD) के रूप में बनाए जाने पर तीव्र गति से प्रयास किया जा रहा है। तदुपरान्त इसे अपलोड करने की योजना है। विश्वविद्यालय ने छात्र-हित में परीक्षाफल, अंकपत्र, प्रवेश-पत्र तथा अधिन्यास को डाउनलोड करने के लिए वेबसाइट पर उपलब्ध कराया है।

(च) अधिन्यास तथा परामर्श - पहली बार राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र 2011-12 में अधिन्यास तथा परामर्श प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। यह एक नवाचारी व्यवस्था है। इसके द्वारा शिक्षार्थियों को लाभ मिलेगा। अधिन्यास प्रकोष्ठ अधिन्यास निर्माण पर विशेष ध्यान देगा। भविष्य में अधिन्यास के लिए एक Question Bank का निर्माण किया जाएगा। शिक्षार्थियों को अपनी रूचि के अनुसार पाँच प्रश्न का चयन करने की सुविधा होगी। परामर्श प्रकोष्ठ छात्र-हित में प्रत्येक केन्द्र पर परामर्श सत्रों के सम्यक संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

(छ) पुस्तकालय - विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय शान्तिपुरम् स्थित विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर में अवस्थित है। यह पुस्तकालय सभी भौतिक संसाधनों से युक्त है तथा छात्रों एवं शोधार्थियों को अध्ययन के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान करने में पूर्णतः सक्षम है। दूरस्थ शिक्षा के शिक्षार्थियों को पुस्तकालय आदान-प्रदान सेवा प्रदान करने वाला इकलौता पुस्तकालय है। पुस्तकालय में इण्टरनेट सर्फिंग, इलेक्ट्रानिक डाक्यूमेन्ट्स एक्सेस, रिप्रोग्राफिक सेवा तथा सन्दर्भ सेवा इत्यादि की भी सुविधा है। वर्तमान में पुस्तकालय में 42000 पुस्तकें 92 रिसर्च जर्नल तथा 10 समाचार पत्र-पत्रिकाएँ अध्ययन हेतु उपलब्ध है।

पुस्तकालय में इलेक्ट्रानिक - लाइब्रेरी (e-Library) की भी स्थापना की गई है जिसके अन्तर्गत डेलनेट एवं यूजीसी इन्फोनेट के माध्यम से आन-लाइन जर्नल्स एवं डाटाबेज सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। पुस्तकालय की अन्य गतिविधियों को पूर्णतया स्वचलित करने हेतु पुस्तकालय एवं सूचना नेटवर्क, INFLIBNET अहमदाबाद द्वारा विकसित SOUL 2.0 का प्रयोग किया जा रहा है। इसे विश्वविद्यालय के वेबसाइट से भी जोड़े जाने की योजना है।

मुख्य परिसर के अतिरिक्त पाँचों क्षेत्रीय केन्द्रों (बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ तथा इलाहाबाद) पर भी पुस्तकालय की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

(ज) ग्रेड-प्रणाली - उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने नवाचारी व्यवहार के अन्तर्गत नान-क्रेडिट जागरुकता कार्यक्रमों में ग्रेड प्रणाली प्रारम्भ करने का निर्णय लिया है। इन कार्यक्रमों में परीक्षा का आधार अधिन्यास - कार्य को बनाया जाता है। इस अधिन्यास कार्य में श्रेणी के स्थान पर ग्रेड देने की व्यवस्था अपनाई गई है।

(झ) पुराछात्र संगठन - मुक्त एवं दूरस्थ विश्वविद्यालय के इतिहास में प्रथम बार उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में पुराछात्र संगठन का निर्माण हुआ । 2010-11 में 5 मई को द्वितीय पुरा छात्र सम्मेलन का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में

किया गया। मुक्त विश्वविद्यालय में पुरा छात्रों को जोड़ना एक अनोखा कदम है। पुरा छात्र विश्वविद्यालय के आधार स्तम्भ हैं। पुरा छात्र सम्मेलन द्वारा विश्वविद्यालय तथा पुरा छात्र के मध्य सम्पर्क स्थापित होने से प्लेसमेन्ट के नए द्वार खुलेंगे। इस अवसर पर 1999 से 2010 तक के छात्रों ने अपने संस्मरण प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य पुराछात्र संगठन - 2011 का गठन भी किया गया।

(ठ) बायोमैट्रिक टाइम अटैण्डेन्स मशीन - नवाचारी व्यवस्था के अन्तर्गत उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में नवम्बर 2011 में विश्वविद्यालय के तीनों परिसर में बायोमैट्रिक टाइम अटैण्डेन्स मशीन लगाई गयी है। इस व्यवस्था के द्वारा विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली में आशातीत परिवर्तन हुआ है। सभी कार्य निर्धारित समय से पूर्ण होन लगे हैं। सभी कर्मचारियों, अधिकारियों तथा शिक्षकों की कार्यक्षमता में तथा उत्तरदायित्व की भावना में वृद्धि हुई है।

(ड) विश्वविद्यालय के विजन का निर्धारण - 12 जुलाई 2011 को दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विजन - 20 का निर्धारण किया गया । कार्यशाला के पूर्व प्रश्नावली के प्रारूप में से 16 प्रश्नों को डाटा संकलन के लिए चुना गया और विभिन्न वर्गों के 600 लोगों के बीच सर्वेक्षण कार्य किया गया। पूरित प्रश्नावलियों के सम्यक विवेचन तथा विश्लेषण कर, सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़ों को आधार बनाकर निष्कर्षों को परिभाषित किया गया और विश्वविद्यालय के विजन का निर्धारण किया।



शिक्षार्थी सहायता सेवायें पुस्तिका का विमोचन करते चित्रकूट ग्रामोदय वि.वि. के कुलपति प्रो. के.बी. पाण्डेय

(ढ) दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र (DERC) - मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के अन्तर्गत सतत् अनुसंधान एवं मूल्यों को अत्यंत महत्वपूर्ण घटक के रूप में जाना जाता है। दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से उच्च शिक्षा के छात्रकुल तक परिपूर्ण रूप से पहुंचाने हेतु अनुसंधान एवं विकास अब अपरिहार्य है इसी को ध्यान में रखते हुए उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने दूरस्थ शिक्षा के सर्वांगीण विकास हेतु दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र (DERC) की स्थापना की। मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की प्रमुख भूमिका होती है, जिसे देखते हुए दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र ने विश्वविद्यालय के केन्द्र समन्वयकों से

प्रश्नावली पद्धति एवं वार्ता द्वारा समस्या एवं समाधान पर विस्तृत आंकड़े एकत्र कर रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के चार महत्वपूर्ण बिन्दुओं प्रवेश, पाठ्य सामग्री, परामर्श, परीक्षा को आधार बनाया गया है। इसका प्रकाशन विश्वविद्यालय द्वारा पुस्तक के रूप में 'शिक्षार्थी सहायता सेवाएं' शीर्षक से किया गया । विजन 2020 का निर्माण की रचना हेतु दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र द्वारा एक प्रश्नावली का प्रारूप, विभिन्न बिन्दुओं के समाविष्ट करते हुए तैयार किया गया । केन्द्र द्वारा प्रस्तुत 'विजन 2020' रिपोर्ट का अनुमोदन कार्यपरिषद् द्वारा किया जा चुका है। दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र द्वारा परीक्षा से सम्बन्धित सभी गतिविधियों को अध्ययन हेतु चुना गया । यह रिपोर्ट प्रकाशन की प्रक्रिया में है।

(ट) प्लेसमेन्ट - मुक्त विश्वविद्यालय में उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय पहला विश्वविद्यालय है जहाँ प्लेसमेन्ट की सुविधा उपलब्ध है। इसके लिए प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया है। यह प्रकोष्ठ रोजगारपरक कार्यक्रमों के शिक्षार्थियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का कार्य करता है। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पहली बार 26 लाख रुपये की धनराशि प्लेसमेन्ट सेल के लिए प्रदान की गई है। जिसका उद्देश्य प्लेसमेंट सेल को अत्याधुनिक यंत्रों एवं सुविधाओं से सुसज्जित करना है। विश्वविद्यालय द्वारा प्लेसमेंट वेबसाइट का भी निर्माण किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा विडियो कान्फ्रेंन्सिंग सुविधा का विकास करने की प्रक्रिया प्रारम्भ है। इस प्रकोष्ठ द्वारा छात्रों को रोजगार हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। छात्रों के विकास एवं रोजगार उपलबध कराने में प्लेसमेंट सेल अग्रणी एवं महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

जून 2012 में प्लेसमेंट सेल के सार्थक प्रयास द्वारा पांच शिक्षार्थियों का अंतिम रूप से आई.सी.आई.सी.आई बैंक में चयन हुआ है। विश्वविद्यालय परिसर में आई.सी.आई.सी.आई, वेबजेनर एवं युनाइटेड भारत आदि प्रमुख संस्थान साक्षात्कार के लिए आए।



झंडारोहण के पश्चात सम्बोधन करते कुलपति प्रोफेसर ए.के. बख्शी

****

परिशिष्ट
(Annexure)

कार्य परिषद
(Executive Council)

1. प्रो0 ए0के बख्शी कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
2. माननीय न्यायमूर्ति श्री कृष्ण मुरारी, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (1-एफ. आकलैण्ड रोड, इलाहाबाद)
3. प्रो. एम.सी. चट्टोपाध्याय, रसायन शास्त्र विभाग इलाहाबद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ।
4. डॉ. लता पिल्लै, सम कुलपति, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-100068
5. श्री अजय पिरामल, पिरामल टावर, गनपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुम्बई - 400013
6. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद ।
7. डॉ. प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद ।
8. डॉ. (श्रीमती) इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
9. डॉ. अच्छे लाल असिस्टेण्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ।

विद्या परिषद
(Academic Council)

1. प्रो. ए.के. बख्शी कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त , विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
2. प्रो. एम.डी. तिवारी, निदेशक, आई.आई.आई.टी., झलवा इलाहाबाद।
3. प्रो. एच.पी तिवारी, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 389, मम्फोर्डगज, इलाहाबाद।
4. प्रो. एच.सी. पोखरियाल, अधिशाषी निदेशक, स्कूल ऑफ ओपेन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली - 110009
5. डॉ. एस.पी. सिंह, प्राचार्य, नेशनल पी.जी. कालेज, लखनऊ।
6. प्रो. डी.के. वैद्य, आचार्य एवं डीन समन्वयन, NCERT श्री अरविन्दो मार्ग, नई दिल्ली -110016
7. डॉ. एस.पी. गुप्ता, निदेशक, शिक्षा विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
8. डॉ. बी.एन. सिंह, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
9. डॉ. एम.एन. सिंह, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

10. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याा शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
11. डॉ. प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
12. डॉ. टी.एन. दुबे, पुस्तकालयाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
13. डॉ. संतोषा कुमार, उपाचार्य, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
14. डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
15. डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी असिस्टेण्ट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
16. डॉ. ए.के. सिंह, कुलसचिव उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

योजना बोर्ड
(Planning Board)

1. प्रो0 ए0के बख्शी कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
2. प्रो. राम सकल पाण्डेय, सेवानिवृत्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, 172, किदवई नगर, अल्लापुर, इलाहाबाद।
3. प्रो. योगेश्वर तिवारी, इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
4. प्रो. एस.ए. अंसारी, वाणिज्य विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
5. श्री संजय शर्मा, बैद्यनाथ प्रा. लि. नैनी, इलाहाबाद।
6. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्यय विद्याा शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
7. डॉ. संतोषा कुमार, उपाचार्य, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
8. श्रीमती मीरा पाल, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याा शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
9. डॉ. अच्छे लाल, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

मान्यता बोर्ड
(Board of Recognition)

1. प्रो. ए.के. बख्शी, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
2. प्रो. एस.पी. गुप्ता, निदेशक, शिक्षा विद्याा शाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
3. डॉ. बी.एन. सिंह, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
4. डॉ. एम.एन. सिंह, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
5. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
6. डॉ. पी.पी दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
7. डॉ. टी.एन. दुबे, पुस्तकालयाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
8. डॉ. संतोषा कुमार, उपाचार्य, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
9. डॉ. अच्छे लाल, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्या शाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
10. डॉ. (श्रीमती) इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याा शाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
11. डॉ. ए.के. सिंह, कुलसचिव, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।

वित्त समिति
(Finance Committee)

1. प्रो. ए.के. बख्शी कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
2. राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग का सचिव या उसका नाम निर्देशिती, जो विशेष सचिव से निम्न पंक्ति का न हो।
3. राज्य सरकार के वित्त विभाग का सचिव या उसका सदस्य नाम निर्देशिती, जो विशेष सचिव से निम्न पंक्ति का न हो।
4. श्री डी.बी. सिंह, सेवा निवृत्त निदेशक, स्थानीय निधि लेखा, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद
5. डॉ. ए.के. सिंह, कुलसचिव, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
6. डॉ. आर.पी.एस. यादव, परीक्षा नियंत्रक, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
7. श्री तापस बनर्जी, वित्त अधिकारी, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।

परीक्षा समिति
(Examination Committee)

1. प्रो. ए.के. बख्शी, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
2. प्रो. एस.पी. गुप्ता, निदेशक, शिक्षा विद्या शाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
3. डॉ. बी.एन. सिंह, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
4. डॉ. एम.एन. सिंह, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
5. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
6. डॉ. पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
7. डॉ. टी.एन. दुबे, पुस्तकालयाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
8. डॉ. इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद
9. डॉ. श्रुति, असिस्टेंट प्रोफेसर, विज्ञान विद्या शाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद
10. डॉ. आर.पी. एस. यादव, परीक्षा नियंत्रक उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

विद्या शाखा बोर्ड
(School Boards)

मानविकी विद्या शाखा (School of Humanities)

1.	डी. बी.एन. सिंह, निदेशक	अध्यक्ष
2.	डॉ. आर.पी. एस. यादव, एसोसिएट प्रोफेसर	सदस्य
3.	डॉ. (श्रीमती) रूचि बाजपेई, असिस्टेंट प्राफेसर	सदस्य
4.	डॉ. अच्छे लाल, असिस्टेंट प्रोफेसर	सदस्य

समाज विज्ञान विद्या शाखा
(School of Social Sciences)

1.	डॉ. एम.एन. सिंह, निदेशक	अध्यक्ष
2.	डॉ. (श्रीमती) इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर	सदस्य
3.	डॉ. सन्तोषा कुमार, उपाचार्य	सदस्य

विज्ञान विद्या शाखा
(School of Science)

1.	डॉ. पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा	अध्यक्ष
2.	डॉ. (श्रीमती) श्रुति, असिस्टेंट प्रोफेसर, विज्ञान विद्या शाखा	सदस्य
3.	श्रीमती मीरा पाल, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा	सदस्य

शिक्षा विद्या शाखा
(School of Education)

1.	प्रो. एस.पी. गुप्ता, निदेशक, शिक्षा विद्या शाखा	अध्यक्ष
2.	डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी, असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विद्या शाखा	सदस्य
3.	श्री दिनेश सिंह, सहायक निदेशक/असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विद्या शाखा	सदस्य

प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा
(School of Management Studies)

1.	डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक	अध्यक्ष
2.	डॉ. नागेन्द्र यादव, एसोसिएट प्रोफेसर	सदस्य
3.	डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर	सदस्य
4.	डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर	सदस्य

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा
(School of Health Science)

1.	डॉ. पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा	अध्यक्ष
2.	डॉ. श्रुति, असिस्टेंट प्रोफेसर, विज्ञान विद्या शाखा	सदस्य
3.	श्रीमती मीरा पाल, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा	सदस्य

कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा
(Computer and Information Science)

1.	डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा	अध्यक्ष
2.	डॉ. नागेन्द्र यादव, एसोसिएट प्रोफेसर	सदस्य
3.	डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर	सदस्य
4.	डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर	सदस्य

कृषि विज्ञान विद्या शाखा
(School of Agricultural Science)

1.	डॉ. पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा	अध्यक्ष
2.	डॉ. श्रुति, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, विज्ञान विद्या शाखा	सदस्य
3.	श्रीमती मीरा पाल, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा	सदस्य

****

परिशिष्ट- 2

विद्याशाखाओं की इकाईयाँ
(Units of Schools of Studies)

विद्याशाखायें (Schools)	अध्ययन इकाईयाँ (Study Units)
मानविकी (Humanities)	संस्कृत और प्राकृत भाषा, हिन्दी और आधुनिक भारतीय भाषाएँ, अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, भाषा विज्ञान, ओरियन्टल अध्ययन, पत्रकारिता एवं जनसंचार, उर्दू, पुस्तकालय ओर सूचना विज्ञान।
समाज विज्ञान (Social Sciences)	राजनीति शास्त्र, मानव विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विज्ञान, मध्ययुगीन और आधुनिक इतिहास, समाज विज्ञान, समाज कार्य, लोक प्रशासन।
विज्ञान (Sciences)	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित, कम्प्युटर विज्ञान, माइक्रो बायोलॉजी, सांख्यिकी, बायोकेमिस्ट्री, फूड-टेक्नालॉजी।
शिक्षा (Education)	शिक्षा, प्रौढ़ एवं सतत् शिक्षा।
प्रबन्धन अध्ययन (Management Studies)	वाणिज्य, विशुद्ध एवं अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र, व्यवसाय प्रशासन और व्यवसाय प्रबन्धन, वित्तीय विश्लेषण एवं लेखा।
स्वस्थ्य विज्ञान (Health Science)	स्वास्थ्य शिक्षा, न्यूट्रिशन, फूड एवं डाइट्रेटिक्स, परिचर्या एवं पैरा चिकित्सीय सेवाएँ।
कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान (Computer & Information Science)	कम्प्यूटर एप्लिकेशन एवं कम्प्यूटर अभियन्त्रण, सूचना प्रौद्योगिकी
व्यावसायिक अध्ययन (Vocational Studies)	फैशन डिजाइनिंग, टैक्सटाइल डिजाइनिंग, इन्टीरियर डिजाइनिंग, इन्टीरियर डेकोरेशन, वाणिज्यिक कला, फोटोग्राफी
कृषि विज्ञान (Agricultural Science)	कृषि उत्पादन प्रणाली एवं प्रबन्धन/पशुधन उत्पादन प्रणाली/पोस्ट संसाधन प्रबन्धन, प्रसासर एवं सामुदायिक विकास।

****

परिशिष्ट
(Annexure)

विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, परामर्शदाता एवं प्रभारीगण
Consultants and Incharges of the University



Prof. S.P. Gupta
M.A. (Economics), M.Sc. (Maths), M.Ed., M.Phil, Ph.D.
Director, School of Education



Dr. B.N. Singh
M.A., (Economics), Ph.D.
Director, School of Humanities



Dr. M.N. Singh
M.A., (Sociology), Ph.D.
Director, School of Social Sciences



Dr. OmJi Gupta
M.Com., D. Phil.
Director, School of Management Studies



Dr. P.P. Dubey
M.Sc., (Ag.), Ph.D.
Director, School of Agricultural Sciences



Dr. Nagendra Yadav
B.Sc., (Ag.& A.H.), M.BA. LL.B, Ph.D.
Associate Professor, School Management Studies



Dr. R.P.S. Yadav
M.A. (Economics), B.Ed., Ph.D.
Associate Professor (Economics), School Humanities



Dr. Iti Tiwari
M.A. (Sociology) D. Phil
Associate Professor (Sociology), School of Social Sciences



Dr. P.K. Pandey
M.A. (Sociology), M.Ed, LL.B,D.Phil
Deputy Director/Reader, School of Education



Dr. Santosha Kumar
M.A. (Med. His.), LL.B., Ph.D.
Reader (History), School of Social Sciences



Dr. Ruchi Bajpai
M.A. (Hindi), B.Ed., Ph.D.
Assistant Professor (Hindi), School of Humanities



Dr. Shruti
M.Sc. (Statistics), M.Phil, Ph.D.
Assistant Professor (Statistics), School of Sciences



Dr. Achchhe Lal
M.A. (Sanskrit), B.Ed., D.Phil
Assistant Professor (Sanskrit), School of Humanities



Mrs. Meera Pal
M.Sc. (Food and Nutrition)
Assistant Professor (Food and Nutrition)School of Health Science



Dr. Gyan Prakash Yadav
M.A. (Sanskrit), M.Com., M.B.A., D.Phil
Assistant Professor School of Management Studies



Dr. Devesh Ranjan Tripathi
MMS, PGDJMC, D.Phil
Assistant Professor, School of Management Studies



Dr. Ram Pravesh Rai (on leave)
M.A. (Hindi), M.J., Net (Mass Communication), Ph.D. (Journalism)
Assistant Professor (Journalism & Mass Communication), School of Humanities



Dr. Girish Kumar Dwivedi
M.Sc. (Botany) P.G.Diploma Env. Sc., M.Ed. Ph.D
Assistant Professor, School of Education



Sri Dinesh Singh
M.A. (Hindi, Ancient History), M.E.d. NET (Education)
Assistant Director/Assistant Professor, School of Education



Dr. Mukesh Kumar
M.Sc. (Chemistry) M.Ed., Ph.D.
Assistant Professor, School of Education

संविदा पर कार्यरत शिक्षक एवं परामर्शदाता



Dr. Ranjana Srivastava
M.A. (History), M.Ed. Ph.d.
Lecturer (Education), School of Education



Dr. Upendra Nath Tiwari
M.A. (Anciant History & Geography), M.Ed., Ph.D.
Lecturer, School of Education



Sri Rajesh Kumar Gautam
M.A. (Ancient History), M.L.I. Sc., NET (Library & Information Science)
Lecturer (Library & Information Sciences), School of Humanities



Sri Rajdev Yadav
M.A. (Hindi), M.Ed. (Special Education)
Lecturer, (Special Education), School of Education



Sri Chandrakant Kumar Singh
M.Sc. (Physics), M.Sc. (Computer Science) M.Tech
Lecturer, School of Computer & Information Science



Sri Shailesh Kumar Yadav
M.A. (Economics), M.Ed.
Lecturer, (Education) School of Education



Sri Kunwar Surendra Bahadur
M.A. (Psychology) B.J., M.J. NET
Lecturer, (Journalism & Mass Communication) School of Humanities



Dr. Awadhesh Kumar Sonkar
M.A. (Psychology), M.Ed., Ph.D.
Lecturer, (Education) School of Education



Sri Rajit Ram Yadav
MCA, M.Tech
Lecturer, School of Computer & Information Science



Dr. H.C.Jaiswal
M.A. (Philosophy), M.A. Hindi, (Gold Medalist), D. Phil.
Senior Consultant (Hindi) School of Humanities



Dr. S.N. Mishra
M.Com, Ph.D.
Senior Consultant (CIQA)



Dr. K.K. Shukla
M.A. (Ancient History Culture and Archaeology), Ph.D.
Consultant (CIQA)



Prof. A.N. Maurya
M.Sc. (Ag.), Ph.D.
Senior Consultant (Agriculture)



Dr. Hari Shankar Dwivedi
M.A. (Ancient History), Ph.D.
Consultatn (Ancient History) School of Social Science



Dr. Smita Agarwal
M.A. (Sanskrit) Ph.D.
Consultant (Sanskrit) School of Humanities



Dr. Satish Chandra Kalaujia
M.A. (Anc. History), Ph.D., NET (History)
Consultant (Ancient History), School of Social Science



Dr. Deepshikha Srivastava
M.A. (Pol. Science), Ph.D.
Consultant (Political Science), School of Social Science



Dr. Atul Kumar Mishra
M.A. (Philosophy) JRF, PDF, DPhil (Philosophy)
Consultant, Distance Education Centre



Sri A.P. Singh
M.A (Pol. Sc.), NET (Political Science)
Consultant, Distance Education Centre



Sri R.C. Yadav
M.A. (Sociology), NET (Sociology)
Consultant, (Sociology), School of Social Science

प्रभारीगण एवं अन्य



Dr. T.N. Dubey
M.A. (Ancient His). Ph.D. (Ancient History), M.Lib. I.Sc. Ph.D. (Lib. Sc.)
University Librarian



Mrs. Seema Singh
M.Sc. (Physics), PGDCA, MCA (IGNOU), M.Phil (Physics)
Computer Programmer



Sri Ram Janam Maurya
M.L.I.Sc. (Gold Medalist), M.Phil
Assistant Librarian



Dr. Anil Kumar Singh Bhadauriya
M.A., (Philosophy & Sociology), D.Phil
Research Assistant, Incharge, Distance Education Awareness Cell



Captain Balwanta Yadav
B.A.
Consultant



Sri S.B. Pandey
B.A. (Honours)
Consultant - Finance



Smt. Bimla Vashistha
M.A. (Sociology), B.Ed.
Consultant



Sri S.P. Srivastava
Graduate
Admission Cell



Sri Swetank Mishra
B.E. (Mech).
Consultant (Technical)



Dr. Prabhat Chandra Mishra
M.A. (Philosophy) M.J., Ph.D. (Journalism & Mass Communication) PGJMC, LL.B.
In-Charge, Public Information Cell

****

परिशिष्ट-4

शासन द्वारा स्वीकृत, रिक्त एवं भरे गये पदों का विवरण

(Post Sanctioned, Vacant and Filled by the State Government)

शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पद (Teaching and Administrative Posts)

क्रं.सं.	स्वीकृत पद का नाम	स्वीकृत पदों की संख्या	कार्यरत अधिकारियों/ प्राध्यापकों	रिक्तियाँ
1.	कुलपति	01	01	-
2.	कुलसचिव	01	-	01
3.	वित्त अधिकारी	01	01	-
4.	उप कुलसचिव	02	01	01
5.	सहायक कुलसचिव	01	-	01
6.	परीक्षा नियंत्रक	01	-	01
7.	पुस्तकालयाध्यक्ष	01	01	-
8.	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	02	01	01
9.	निदेशक	07	05	02
10.	उपनिदेशक/उपाचार्य	02	01	01
11.	सहायक निदेशक/प्रवक्ता	02	01	01
12.	आचार्य	05	-	05
13.	उपाचार्य	06	04	02
14.	प्रवक्ता	13	08+01(अवकाश पर)	04
	योग	45	25	20

शिक्षणेत्तर एवं तकनीकी पद
(Non-Teaching and Techinical Posts)

क्रं.सं.	स्वीकृत पद का नाम	स्वीकृत पदों की संख्या	कार्यरत शिक्षेणेत्तर एवं तकनीकी कर्मचारियों की संख्या	रिक्तियाँ
1.	प्रोग्रामर	01	01	-
2.	निजी सचिव	01	-	01 (अवकाश के कारण)
3.	कार्यालय अधीक्षक	03	01	02
4.	लेखाकर	01	-	01
5.	कम्प्यूटर आपरेटर	01	01	-
6.	शोध सहायक	01	01	-
7.	वरिष्ठ आशुलिपिक	02	02	-
8.	वरिष्ठ सहायक	02	-	02
9.	डाट इंन्ट्री आपरेटर	03	03	-
10.	कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड - 1	15	12	03
11.	कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड - ए	01	01	-
12.	कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड - बी	03	03	-
13.	सहायक लेखाकार	03	02	01
14.	कनिष्ठ लिपिक	13	11	02
15.	कनिष्ठ लिपिक	20	-	20
16.	कैशियर/कनिष्ठ लेखा लिपिक	01	01	-
17.	पुस्तकालय लिपिक	01	01	-
18.	पुस्तकालय सहायक/कैटलागर	02	02	-
19.	ड्राइवर	03	03	-
20.	अनुचर/अर्दली	04	04	-
		81	49	32

विगत वर्षो के पंजीकरण संबंधी आँकड़े
(Data Regarding Registriation in the last Years)

ID	Prog.	99-00	00-01	01-02	02-03	03-04	04-05	05-06	06-07	07-08	08-09	09-10	10-11	11-12	Total
1.	APDF								12	9	12	01	09	137	180
2.	APPR					71	54	09	46	34	21	25	52	14	326
3.	APVAP									02					02
4.	APY							01	03		21	04	12	19	60
5.	B.Com	233	82	102	81	73	84	87	259	327	489	684	605	854	3960
6.	B.Sc		64	72	46	88	112	102	270	169	153	296	628	810	2810
7.	BA	1701	471	525	377	468	539	598	2509	2754	3371	5348	6612	9227	34500
8.	BBA										06	101	51	59	217
9.	BCA		23	25	41	146	309	79	729	1448	1805	1183	563	481	6832
10.	BED					500	500	500	500	500	500	500	482	455	4423
11.	BEDSE								400	400	400	480	468	477	2639
12.	BLIS	375	407	307	540	704	861	927	1075	1000	1139	1699	1874	1589	12497
13.	BTS	160	69	37	27	39	28	23	38	48	35	17	24	14	559
14.	CAC										01	11	05	05	22
15.	CCC	30	75	42	40	50	50	39	84	131	99	115	58	37	850
16.	CCCN	85	70	38	37	53	67	52	79	39	54	67	22	21	684
17.	CCDTP	7	8												15
18.	CCMAP								11	24	42	26	31	01	135
19.	CCP				08	08	09	25	25	07	13	13	07	04	119
20.	CCTT									69	32	01	01	02	105
21.	CCY							78	120	153	74	114	127	108	774
22.	CDM				04	07	21	61	38	102	45	26	18	12	334
23.	CES				21	21	75	44	131	84	25				401
24.	CHFE						81	90	85	100	76	31	20	22	505
25.	CHR				47	70	158	139	140	222	112	129	55	40	1112
26.	CIB									02	02				04
27.	CIC									02					02
28.	CILT									02					02
29.	CLD				13	12	22	11	06	08	05				77

30.	CLPS								07	03	15	07	02	02	36
31.	CNF	16	16	11	14	23	34	25	30	38	27	48	22	37	341
32.	CNGOM									22	22				44
33.	CPHE								02		02				04
34.	CPHT&VA								01	01		01	01		04
35.	CTEIM								07	05	10	03	05	05	35
36.	CTS	26	21	02	13	19	11	12	19	10	09		02		144
37.	CWED						03	05	08	05	10	04	03	07	45
38.	DAC	40	26	04											70
39.	DCA		02												02
40.	DCDN		18	19	31	40	80	66	49	74	49	32	31	61	550
41.	DCILU		01												01
42.	DCMT		138	214	398										750
43.	DCOM	87	67	16	22	31	26	29	48	33	30	44	14	08	455
44.	DCWE	04	07	01	04	05	02	08							31
45.	DCWH	23	19	02	02	07	07	08							68
46.	DDTP	10	06												16
47.	DECE						05	09	16	10	13	25	20	20	118
48.	DFD		11	07	06		05	10	13	19	15	22	16	30	154
49.	DHA									01	04	01	02		08
50.	DHEN	197	245	65	103	117	169	169	171	225	152	159	88	96	1956
51.	DIC		20	22	13	08	12	07	13	16	11	11	49	48	230
52.	DID		04												04
53.	DIHT									03	01	01	03	07	15
54.	DIP									02	24	23	27	32	108
55.	DIWDM	32	83	03		01		01	04	02					126
56.	DRD		51	30	36	41	34	40	80	68	46	59	40	194	719
57.	DTD		16	17	09		03	05	11	21	07	16	13	20	128
58.	DTS	96	45	11	31	48	31	18	34	30	21	08	30	09	412
59.	DVGCC										04				04
60.	M.Com							16	32	39	42	58	165	303	655
61.	M.Sc.(Com.Sc)										05		01	05	11
62.	MA		284	470	415	539	403	634	1026	1660	3172	4241	5587	7196	25627
63.	MBA					119	104	197	316	218	356	202	101	83	1696

64.	MCA					62	79	105	185	202	237	191	125	134	1320
65.	MJMC/MJ								146	277	217	310	491	344	1785
66.	MLIS				108	254	270	313	317	362	476	488	790	748	4126
67.	MPHIL									7	277				284
68.	PGBCH/MSC										74	128	303	442	895
69.	PGDCA		11	26	20	16	56	57	194	300	311	431	622	433	2477
70.	PGDCWE								4	2	5				11
71.	PGDCWH								04	04	06	06	03	03	26
72.	PGDEA										16	21	46	31	114
73.	PGDEM		6	11	4	19	16	111	15	13					195
74.	PGDEM&FP								11	18	30	21	24	17	121
75.	PGD-ESD							21	11	08	07	10	03	04	64
76.	PGDFH										01	05	02		08
77.	PGDFM	25	92	49	64	83	71	119	115	173	108	77	44	29	1049
78.	PGDHRD								62	91	83	35	40	21	332
79.	PGDIMB		81	27	20	30	33	37	40	22	15	17	05	04	331
80.	PGDIPCH									02	01				03
81.	PGDJMC	149	380	256	437	686	884	1000	1080	1205	1110	1003	654	444	9288
82.	PGDMM								39	45	47	26	13	05	175
83.	PGDPM								17	08	06	08	02	03	44
84.	PGDRP								26	14	02				42
85.	PGDT	47	64	22	26	25	23	23	30	19	13	20	24	18	354
86.	PGDVGCC										39	39	54	67	199
87.	PHD					01	02		54	36					93
88.	UGSS		224	630	1186	3831	3444	5052	5253	1835	2130	3780	4489	4866	36720
89.	UGSS-Sc.										11	24	35	34	104
90.	PGDRJMC											11	11	17	39
91.	PGDDE											01	02	02	05
92.	APCN											01	02	04	07
93.	APHFE											01	08	01	10
94.	APNF											02	11	03	16
95.	CRJMC											07	09	63	79
96.	CTD											01			01
97.	CCC IT												04	02	06

98.	CFD												01	17	18
99.	CIJV												02	05	07
100.	CIP												03	02	05
101.	CIRM												09	12	21
102.	DIIH												01	03	04
103.	DIJV												13	46	59
104.	PGDSW												22	30	52
105.	BC ART													42	42
106.	BC COMMERCE													03	03
107.	BCSCIENCE													18	18
108.	BSW													03	03
109.	CCRE													01	01
110.	CIEB													03	03
111.	CIET													05	05
112.	CIS													02	02
113.	COF													01	01
114.	DASC													05	05
115.	DDT													19	19
116.	DIEB													04	04
117.	DAVPFV													15	15
118.	PGPD												101	314	415
119.	**Total**	**3481**	**3283**	**3247**	**3846**	**8315**	**8777**	**10962**	**16050**	**14784**	**17801**	**22500**	**25903**	**30842**	**169678**

परिशिष्ट-6

सत्र 2010-11 में उपाधि प्राप्त शिक्षार्थी
LIST OF DEGREE / P.G. DIPLOMA RECIPIENTS

DECEMBER 2010 AND JUNE 2011		
S.NO.	PROGRAM	TOTAL
1	BA	1034
2	BBA	1
3	BCA	1192
4	BCOM	103
5	BED	426
6	BEDSP	413
7	BLIS	1520
8	BSC	67
9	BTS	8
10	M.Sc.	55
11	MA	2020
12	MBA	103
13	MCA	146
14	MCOM	22
15	MJMC	203
16	MLIS	793
17	MPHILED	13
18	MPHILHI	7
19	MPHILSY	2
20	MPHLILIS	9
21	PGD-ESD	4
22	PGDCA	391
23	PGDCWH	1
24	PGDDE	5
25	PGDEA	4
26	PGDEM&FP	8
27	PGDFM	20
28	PGDHRD	22
29	PGDIMB	1
30	PGDJMC	379
31	PGDMM	7
32	PGDRJMC	4
33	PGDSW	10
34	PGDT	6
35	PGDVGCC	37
36	PGPD	5
37	Ph.D	47
	GRAND TOTAL	**9041**

DECEMBER 2010 AND JUNE 2011		
S.NO.	PROGRAM	TOTAL
1	CAC	5
2	CCC	44
3	CCIT	1
4	CCN	13
5	CMAP	20
6	CCP	1
7	CCY	52
8	CDM	10
9	CHFE	16
10	CHR	35
11	CIJV	1
12	CIP	1
13	CIRM	6
14	CLPS	1
15	CNF	15
16	CRJMC	13
17	CTD	1
18	CTEIM	4
19	DCDN	21
20	DCOM	15
21	DECE	8
22	DFD	8
23	DHEN	51
24	DIC	21
25	DIHT	2
26	DIIH	1
27	DIJV	3
28	DIP	21
29	DRD	20
30	DTD	12
31	DTS	14
32	UGSS	2013
	GRAND TOTAL	**2450**

सत्र 2011-12 में उपाधि प्राप्त शिक्षार्थी
LIST OF DEGREE / P.G. DIPLOMA RECIPIENTS

DECEMBER 2011 AND JUNE 2012		
S.NO.	PROGRAM	TOTAL
1	BA	382
2	BA (GEN)	741
3	BA (MAJOR)	4
4	BA (PROF)	10
5	BBA	7
6	BCA	657
7	BCOM	132
8	BED	63
9	BEDSP	51
10	BLIS	942
11	BSC	25
12	BTS	5
13	M.Sc.	116
14	MA	2,082
15	MBA	62
16	MCA	91
17	MCOM	63
18	MJ	97
19	MJMC	2
20	MLIS	457
21	MPHIL	5
22	PGD-ESD	3
23	PGDCA	262
24	PGDDE	1
25	PGDEA	8
26	PGDEM&FP	13
27	PGDFM	5
28	PGDHRD	1
29	PGDJMC	223
30	PGDMM	2
31	PGDPM	1
32	PGDSW	11
33	PGDT	8
34	PGDVGCC	24
35	PGPD	76
36	Ph.D.	42
	TOTAL	6674

DECEMBER 2011 AND JUNE 2012		
S.NO.	PROGRAM	TOTAL
1	CAC	4
2	CCC	38
3	CCCIT	1
4	CCCN	21
5	CCMAP	4
6	CCP	2
7	CCRE	1
8	CCY	69
9	CDM	2
10	CFD	12
11	CHFE	17
12	CHR	36
13	CIEB	1
14	CIET	2
15	CIJV	4
16	CIP	1
17	CIRM	3
18	CLPS	2
19	CNF	26
20	COF	1
21	CRJMC	10
22	CTEIM	3
23	CWED	3
24	DCDM	27
25	DCOM	4
26	DDT	6
27	DECE	10
28	DFD	18
29	DHEM	43
30	DIC	30
31	DIEB	1
32	DIHT	7
33	DIJV	11
34	DIP	31
35	DIS	1
36	DRD	84
	DTD	14
	DTS	7
	DVAPFY	7
		564

परिशिष्ट- 7

K U SIDDIQUI & COMPANY

CHARTERED ACCOUNTANTS

AUDIT REPORT

We have compiled the attached Balance Sheet as at 31st March 2011 of M/S "**UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY**", Sector-F, Shanti Puram Awas Yojna, Gohari Road, Phaphamau, Allahabad UP, and Receipts and Payments Account and Income and expenditure Account of the university attached herewith for the year ended on that date.

The maintenance of these financial statements are basically the responsibility of the management of the organization, our responsibility is to express an opinion on these financial statements as found in audit.

We report that the figures in these statements are found true and correct to the best of our knowledge and belief and according to the information and explanation provided to us.

FOR, K.U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

Place: Allahabad.
Date: 05-12-2011.

K.U.SIDDIQUI & Co. * ALLAHABAD * CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR

3-A, MUIR ROAD, MANMOHAN PARK, KATRA, ALLAHABAD-211002
CONTACT: 09794255500, 09335150956

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

BALANCE SHEET AS ON 31st MARCH 2011

LIABILITIES	Amount (Rs.)		ASSETS	Amount (Rs.)	
GENERAL FUND			**FIXED ASSETS:**		
Opening Balance	410,804,853		**Land & Building**		
Add: Excess of Income over			Opening Balance	85,544,547	
Expenditure during the year	140,099,491	550,904,344	Add: Purchase During The Year	6,185,000	91,729,547
CAPITAL RESERVE A/c			**Furniture & Fixture**		
Opening Balance	55,841,931		Opening Balance	808,838	
Add: During the Year			Add: Purchase During The Year		
	55,841,931			808,838	
Less: Depreciation For the Year	238,376	55,603,555	Less: Depreciation @ 10%	80,884	727,954
GOLD MEDAL RESERVE			**Equipment,Fan,Cooler Etc.**		
Gold Medal Distribution		75,000	Opening Balance	1,198,270	
			Add: Purchase During The Year		
EARNEST MONEY				1,198,270	
Earnest Money	791,000		Less: Depreciation @ 10%	119,827	1,078,443
Less: Paid	5,000	786,000			
			Motor Vehicle		
SECURITY MONEY			Opening Balance	250,094	
New Centre Security Money	1,441,000		Add: Purchase During The Year		
Add: During the Year	381,000	1,822,000		250,094	
			Less: Depreciation @ 15%	37,514	212,580
CURRENT LIABILITIES					
Tax deducted At Source	29,425		**Computer**		
DEC Fund	4,151,476		Opening Balance	251	
B.Ed. Fund	523,121		Add: Purchase During The Year		
CUG - Dec Fund A/c	127,241			251	
Teachers Welfare fund	7,603		Less: Depreciation @ 60%	151	100
Fee collection A/c	5,000,000	9,838,866			
			Books		
			Opening Balance		531,362
			INVESTMENT		
			FDR at General Fund	286,890,000	
			FDR at Development Fund	66,680,158	
			FDR at B.ed A/c	105,847,062	459,417,220
			LOAN,ADVANCES,OTHER CURRENT ASSETS		
			Current Assets in General Fund	23,755,404	
			Current Assets in Development A/c	2,000	
			Current Assets in B.ed A/c	848,568	
			Cash at Bank in General Fund	28,247,193	
			Cash at Bank in Development A/c	7,660	
			Cash at Bank in B.ed A/c	12,471,734	65,332,559
TOTAL		619,029,765	TOTAL		619,029,765

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI
TANDON OPEN UNIVERSITY

PLACE: ALLAHABAD
DATE: 05-12-2011.

FINANCE OFFICER

As per our Report of even date
FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

K.U.SIDDIQUI & Co. * ALLAHABAD * CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M.No. 401616

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2011.

EXPENDITURES	AMOUNT	INCOMES	AMOUNT
To General Fund A/c		**By General Fund A/c**	
To Salary To Officer & Staffs		By Grant in Aid From State Govt.	18,004,500
To Pay	13,311,989	By Course Fees	178,924,268
To Dearness Allowances	4,139,828	By Examination Fees	11,498,885
To Other Allowances	1,133,475	By Sale of Form	3,280
		By New Study Centre Proc. Fees	124,000
To Salary To contractual Staffs	5,690,679	By Other Income	314,413
		By Sale of Admission Booklet	409,542
To Salary to Teachers Staffs		By Interest On Auto Sweep	2,406,957
To Pay	5,525,598	By Interest On FDR	132,703
To Dearness Allowances	1,905,915		
To Other Allowances	522,865	**By Development Fund A/c**	
		By Interest on Bank A/c	254
To Travelling Expenses		By Interest on FDR A/c	9,607,710
To Employees	119,899		
To Statutory Committee	6,442	**By B.Ed. A/c**	
To Other Committee	158,747	By Course Fees Receipts	28,581,771
		By Sale of Admission Form	6,547,845
To Telephone	460,018	By Interest on FDR	1,186,194
To Maintenance & Petrol Of Vehicle	841,024		
To Building Rent	1,235,500		
To Electricity Expenses	545,700		
To Stationery	365,117		
To Postage	324,121		
To Tools & Machinery	223,514		
To Misc. Expenses / Office Expenses	2,167,077		
To Dispatch of Study Material	380,294		
To Legal & Other Services	437,148		
To Guest Expenses	19,060		
To Printing & Publication Expenses	1,827,386		
To Advertisement Expenses	2,796,332		
To Printing of Study Materials	19,022,081		
To Purchase of Study Materials	397,945		
By Subscription to AIU & Others	50,000		
To Study Centre Expenses			
To Counseling Expenses	7,615,348		
To Administrative Exp. on Study Centers	15,022,312		
To Contingencies For Study Centers	117,030		
To Maintenance of Computer Lab	518,054		
Total C/F	86,880,498	Total C/F	257,742,322

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI
TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

K.U.SIDDIQUI & Co. ALLAHABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2011.

EXPENDITURES	AMOUNT	INCOMES	AMOUNT
Total B/F	86,880,498	Total B/F	257,742,322
To Examination Expenses			
To Office Expenses	317,602		
To Examination Centre Expenses	3,277,878		
To Exam material For Centers	1,063,714		
To Exam Paper Preparation	3,192,783		
To Confidential Printing	2,561,820		
To Printing of Answer Book	1,954,300		
To Travelling Expenses	190,688		
To Printing of Envelope Etc (Exams)	758,168		
To Office Equipment & furniture	100,000		
To Convocation Expenses	1,766,123		
To Refund Of Fees	317,300		
To Bank Charges	79,947		
To Conference & Seminar	5,300		
To Medical Expense	8,974		
To Training Program Expense	26,639		
To N.M.O.E.T.I & C.T.Y. (BSNL)	4,963,500		
To B.Ed. A/c			
To Examination Expenses			
To Admission Test Expenses	3,622,193		
To Printing of Confidential Documents	793,013		
To Bank Charges	7,330		
To B.Ed.,MBA,MCA A/c			
To Honorarium (Staff)	110,488		
To T.A. Head Office	154,810		
To Admission Test Expenses	1,055,002		
To Contingencies	5,090		
To Printing of Study Materials	694,752		
To Study Centre Expenses			
To Counseling Expenses	2,028,930		
To Administrative Exp. on Study Centers	459,020		
To Contingencies Expenses	1,892		
To Printing of Study Materials	1,148,077		
To Fee Refund	97,000		
To Excess on Income Over Expenditure (Transferred to Fund Account)	140,099,491		
Total	257,742,322	Total	257,742,322

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

As per our Report of even date
FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M.No. 401616

PLACE: ALLAHABAD
DATE: 05-12-2011.

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2011.

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
To Opening Balance	127,748,089		
To General Fund A/c		**By General Fund A/c**	
To Grant in Aid From State Govt.	18,004,500	**By Salary To Officer & Staffs**	
To Course Fees	178,924,268	By Pay	13,311,989
To Examination Fees	11,498,885	By Dearness Allowances	4,139,828
To Sale of Form	3,280	By Other Allowances	1,133,475
To New Study Centre Proc. Fees	124,000		
To Other Income	314,413	**By Salary To Contractual Staffs**	5,690,679
To Sale of Admission Booklet	409,542		
To New Center Security Money	381,000	**By Salary to Teachers Staffs**	
To Interest On Auto Sweep	2,175,759	By Pay	5,525,598
To Interest on FDR	132,703	By Dearness Allowances	1,905,915
To CUG-Dec Fund A/c	127,241	By Other Allowances	522,865
To FDR Matured	78,740,958		
		By Travelling Expenses	
To Development Fund A/c		By Employees	119,899
To Interest Received on Bank A/c	254	By Statutory Committee	6,442
To Interest Received on FDR	9,607,710	By Other Committee	158,747
To FDR Matured	1,373,000	By Telephone	460,018
To FDR Matured-Allahabad Bk	6,376,102	By Maintenance & Petrol Of Vehicle	841,024
		By Building Rent	1,235,500
To B.Ed. A/c		By Electricity Expenses	545,700
To Course Fee Receipt	28,581,771	By Stationery	365,117
To Sale of Admission Form	6,547,845	By Postage	324,121
To Interest on FDR	1,186,194	By Tools & Machinery	223,514
To FDR Matured	38,252,938	By Misc. Expenses/Office Expenses	2,167,077
To Auto Sweep Matured	3,602,000	By Dispatch of Study Material	380,294
		By Legal & Other Services	437,148
		By Guest Expenses	19,060
		By Printing & Publication Expenses	1,827,386
		By Advertisement Expenses	2,796,332
		By Printing of Study Materials	19,022,081
		By Purchase of Study Materials	397,945
		By Subscription to AIU & Others	50,000
		By Study Centre Expenses	
		By Counseling Expenses	7,615,348
		By Administrative Exp. On Study Centre	15,022,312
		By Contingencies For Study Centers	117,030
		By Maintenance of Computer Lab	518,054
Total C/F	514,112,452	Total C/F	86,880,498

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI
TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

K.U.SIDDIQUI & Co. ALLAHABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2011.

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
Total B/F	514,112,452	Total B/F	86,880,498
		By Examination Expenses	
		By Office Expenses	317,602
		By Examination Centre Expenses	3,277,878
		By Exam material For Centers	1,063,714
		By Exam Paper Preparation	3,192,783
		By Confidential Printing	2,561,820
		By Printing of Answer Book	1,954,300
		By Travelling Expenses	190,688
		By Printing of Envelope Etc	758,168
		By Office Equipment & furniture	100,000
		By Convocation Expenses	1,766,123
		By Refund Of Fees	317,300
		By Bank Charges	79,947
		By Conference & Seminar	5,300
		By Medical Expense	8,974
		By Training Program Expense	26,639
		By N.M.O.E.T.I & C.T.Y. (BSNL)	4,963,500
		By FDR (Current Year)	241,162,703
		By Earnest Money Expenses	5,000
		By Building Construction	6,185,000
		By DEC Fund A/c	20,900
		By Group Insurance	175
		By Advance Given To Staff	1,554,103
		By Development Fund A/c	
		By FDR At Andhra Bank	50,000,000
		By Auto Sweep FDR At Andhra Bank	368,000
		By B.Ed. A/c	
		By Examination Expenses	
		By Admission Test Expenses	3,622,193
		By Printing of Confidential Documents	793,013
		By Bank Charges	7,330
		By B.Ed.,MBA,MCA A/c	
		By Honorarium (Staff)	110,488
		By T.A. Head Office	154,810
		By Admission Test Expenses	1,055,002
		By Contingencies	5,090
		By Printing of Study Materials	694,752
Total C/F	514,112,452	Total C/F	413,203,793

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI
TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

K.U. SIDDIQUI & Co. ALLAHABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2011.

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
Total B/F	514,112,452	Total B/F	413,203,793
		By Study Centre Expenses	
		By Counseling Expenses	2,028,930
		By Administrative Exp. On Study Centre	459,020
		By Contingencies Expenses	1,892
		By Printing of Study Materials	1,148,077
		By Fee Refund	97,000
		By TDS Paid	24,153
		By Auto Sweep	11,300,000
		By FDR - BOB 835856	25,000,000
		By FDR - UCO 139424	10,000,000
		By FDR - UCO 139428	10,000,000
		By Advance Given For Expenses	123,000
		By Closing Balance	
		Cash At Bank	40,726,587
Total	514,112,452	Total	514,112,452

As per our Report of even date

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M.No. 401676

PLACE: ALLAHABAD
DATE: 05-12-2011.

K U SIDDIQUI & COMPANY

CHARTERED ACCOUNTANTS

AUDIT REPORT

We have compiled the attached Balance Sheet as at 31st March 2012 of M/S "**UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY**", Sector-F, Shanti Puram Awas Yojna, Gohari Road, Phaphamau, Allahabad UP, and Receipts and Payments Account and Income and expenditure Account of the university attached herewith for the year ended on that date.

The maintenance of these financial statements are basically the responsibility of the management of the organization, our responsibility is to express an opinion on these financial statements as found in audit.

We report that the figures in these statements are found true and correct to the best of our knowledge and belief and according to the information and explanation provided to us.

FOR, K.U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

Place: Allahabad.
Date: 20-12-2012.

K.U.SIDDIQUI & Co. * ALLAHABAD * CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR

3-A, MUIR ROAD, MANMOHAN PARK, KATRA, ALLAHABAD-211002
CONTACT: 09794255500, 09335150956

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

BALANCE SHEET AS ON 31st MARCH 2012.

LIABILITIES	Amount (Rs.)		ASSETS	Amount (Rs.)	
GENERAL FUND			**FIXED ASSETS:**		
Opening Balance	550,904,344		**Land & Building**		
Add: Excess of Income over			Opening Balance	91,729,547	
Expenditure during the year	181,093,730	731,998,074	Add: Purchase During The Year	4,025,000	95,754,547
CAPITAL RESERVE A/c			**Furniture & Fixture**		
Opening Balance	55,603,555		Opening Balance	727,954	
Add: During the Year			Less: Depreciation @ 10%	72,795	655,159
	55,603,555				
Less: Depreciation For the Year	218,566	55,384,989	**Equipment,Fan,Cooler Etc.**		
			Opening Balance	1,078,443	
GOLD MEDAL RESERVE			Add: Purchase During The Year	59,801	
Gold Medal Distribution		75,000		1,138,244	
			Less: Depreciation @ 10%	113,824	1,024,420
EARNEST MONEY					
Earnest Money B/F	786,000		**Motor Vehicle**		
Add:Received	10,000				
	796,000		Opening Balance	212,580	
Less: Paid	22,560	773,440	Less: Depreciation @ 15%	31,887	180,693
SECURITY MONEY			**Computer**		
New Centre Security Money		1,822,000	Opening Balance	100	
			Less: Depreciation @ 60%	60	40
CURRENT LIABILITIES					
Tax deducted At Source	29,425		**Books**		
Teachers Welfare fund	7,603		Opening Balance B/f	531,362	
Fee collection A/c	5,000,000		Add: Purchase During The Year	1,260	532,622
B.Ed. Fund	523,121				
CUG - Dec Fund A/c	127,241		**INVESTMENT**		
DEC Fund	6,068,971		FDR at General Fund	430,251,000	
NSC	198,200		FDR at Development Fund	86,720,158	
CUG	20,040	11,974,601	FDR at B.ed A/c	111,347,062	628,318,220
			LOAN,ADVANCES,OTHER CURRENT ASSESTS		
			Current Assets in General Fund	24,832,908	
			Current Assets in Development A/c	2,000	
			Current Assets in B.ed A/c	1,450,903	
			Cash at Bank in General Fund	30,328,420	
			Cash at Bank in Development A/c	12,073	
			Cash at Bank in B.ed A/c	18,936,100	75,562,403
TOTAL		802,028,104	TOTAL		802,028,104

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI
TANDON OPEN UNIVERSITY

PLACE: ALLAHABAD
DATE: 20-12-2012.

FINANCE OFFICER

As per our Report of even date
FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M.No. 401616

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2012.

EXPENDITURES	AMOUNT	INCOMES	AMOUNT
To General Fund A/c		**By General Fund A/c**	
To Salary To Officer & Staffs		By Grant in Aid From State Govt.	11,565,000
To Pay	11,745,687	By Course Fees	220,158,112
To Dearness Allowances	7,066,083	By Examination Fees	5,308,395
To Other Allowances	1,635,014	By New Study Centre Proc. Fees	380,400
To Travelling Allowances	272,921	By Other Income	755,941
		By Sale of Admission Booklet	1,152,419
To Salary To contractual Staffs	6,329,207	By Interest On Auto Sweep	665,497
		By Interest on Bank	77,552
To Salary to Teachers Staffs		By Interest on FDR	9,009,426
To Pay	4,631,664		
To Dearness Allowances	2,864,413	**By Development Fund A/c**	
To Other Allowances	723,809	By Interest on Bank A/c	248
		By Interest on FDR A/c	27,044,165
To Travelling Expenses			
To Statutory Committee	12,549	**By B.Ed. A/c**	
To Other Committee	33,674	By Course Fee Receipt	14,300,832
To Telephone	451,746	By Entrance Fees Receipt	5,749,993
To Maintenance & Petrol Of Vehicle	741,802	By Addmission Fees Receipt	221,600
To Vechile Rent	1,547,982	By Interest on Bank	23,374
To Building Rent	540,202	By Interest on Auto Sweep FDR	847,487
To Electricity Expenses	829,178		
To Stationery	242,359		
To Postage	405,750		
To Misc. Expenses/Office Expenses	2,440,575		
To Dispatch of Study Material	961,415		
To Legal & Other Services	437,488		
To Guest Expenses	1,432		
To Printing & Publication Expenses	2,405,896		
To Advertisement Expenses	2,477,868		
To Printing of Study Materials	15,802,611		
To Purchase of Study Materials	4,939,027		
To Subscription to AIU & Others	419,100		
To Study Centre Expenses			
To Counseling Expenses	7,329,385		
To Administrative Exp. on Study Centers	13,573,450		
To Contingencies For Study Centers	264,435		
To Maintenance of Computer Lab	249,474		
Total C/F	91,376,196	Total C/F	297,260,441

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI
TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

K.U. SIDDIQUI & Co. ALLAHABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2012.

EXPENDITURES	AMOUNT	INCOMES	AMOUNT
Total B/F	91,376,196	Total B/F	297,260,441
To Examination Expenses			
To Examination Centre Expenses	4,291,205		
To Exam Material For Centers	232,016		
To Confidential Printing	3,021,249		
To Travelling Expenses	435,265		
To Postage Expenses	265,000		
To Other Expenses	163,413		
To Printing of Envelope Etc (Exam)	759,599		
To Rem. Of Paper Setting & Others	5,408,011		
To Maintenance of furniture	27,000		
To Convocation Expenses	15,215		
To Bank Charges	194,551		
To Medical Expense	24,483		
To Audit Expenses	542,030		
To Teachers Welfare Fund	54,604		
To Establised of Placement Cell	317,666		
To B.Ed. A/c			
To Examination Expenses			
To Printing of Confidential Documents	517,540		
To Bank Charges	15,688		
To B.Ed.,MBA,MCA A/c			
To Honorarium (Staff)	124,800		
To T.A. Head Office	21,373		
To Admission Test Expenses	493,752		
To Printing of Study Materials	4,970,190		
To Study Centre Expenses			
To Counseling Expenses	1,020,285		
To Administrative Exp. On Study Centre	1,005,124		
To Fee Refund	52,900		
To Office Expenses	17,555		
To Other Expenditure (Ignou /RCI Fees	800,000		
To Excess on Income Over Expenditure (Transferred to Fund Account)	181,093,730		
Total	297,260,441	Total	297,260,441

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

As per our Report of even date
FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M.No. 401616

PLACE: ALLAHABAD
DATE: 20-12-2012.

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2012.

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
To Opening Balance	40,726,587		
To General Fund A/c		**By General Fund A/c**	
To Grant in Aid From State Govt.	11,565,000	**By Salary To Officer & Staffs**	
To Course Fees	220,150,112	By Pay	11,745,687
To Examination Fees	5,308,395	By Dearness Allowances	7,066,083
To New Study Centre Proc. Fees	380,400	By Other Allowances	1,635,014
To Other Income	747,068	By Travelling Allowances	272,921
To Sale of Admission Booklet	1,148,119		
To Interest On Auto Sweep	665,497	**By Salary To Contractual Staffs**	6,329,207
To Interest on Bank	77,552		
To Interest on FDR	9,009,426	**By Salary to Teachers Staffs**	
To FDR Matured	99,400,000	By Pay	4,631,664
To NSC	198,200	By Dearness Allowances	2,864,413
To Auto FDR	69,939,000	By Other Allowances	723,809
To Devlopment Fund	7,000,000		
To CUG-Dec Fund A/c	20,040	**By Travelling Expenses**	
To DEC Fund	1,917,495	By Statutory Committee	12,549
To Earnest Money Expenses	10,000	By Other Committee	33,674
		By Telephone	451,746
To Development Fund A/c		By Maintenance & Petrol Of Vehicle	666,300
To Interest Received on Bank A/c	248	By Vechile Rent	1,547,982
To Interest Received on FDR	27,044,165	By Building Rent	540,202
To FDR Matured	2,700,000	By Electricity Expenses	829,178
To Auto Sweep At Andhra Bank	32,070,000	By Stationery	242,359
		By Postage	405,750
To B.Ed. A/c		By Tools & Machinery	38,671
To Course Fee Receipt	14,297,669	By Misc. Expenses/Office Expenses	2,432,894
To Entrance Fees Receipt	5,749,993	By Dispatch of Study Material	961,415
To Addmission Fees Receipt	221,600	By Legal & Other Services	437,488
To Interest on Bank	23,374	By Guest Expenses	1,432
To Interest on Auto Sweep FDR	847,487	By Printing & Publication Expenses	2,405,896
To FDR Matured	28,500,000	By Advertisement Expenses	2,477,868
To Auto Sweep Matured	43,800,000	By Printing of Study Materials	15,802,611
To General Fund A/c	504,000	By Purchase of Study Materials	4,939,027
		By Subscription to AIU & Others	419,100
		By Study Centre Expenses	
		By Counseling Expenses	7,329,385
		By Administrative Exp. on Study Centers	13,573,450
		By Contingencies For Study Centers	264,435
		By Maintenance of Computer Lab	249,474
Total C/F	624,021,427	Total C/F	91,331,684

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI
TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

K.U.SIDDIQUI & Co. * ALLAHABAD * CHARTERED ACCOUNTANTS

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2012.

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
Total B/F	624,021,427	Total B/F	91,331,684
		By Examination Expenses	
		By Examination Centre Expenses	4,291,205
		By Exam Material For Centers	232,016
		By Confidential Printing	3,021,249
		By Travelling Expenses	435,265
		By Postage Expenses	265,000
		By Other Expenses	163,413
		By Printing of Envelope Etc (Exam)	759,599
		By Rem. Of Paper Setting & Others	5,390,512
		By Maintenance of furniture	27,000
		By Office Equipment & furniture	21,130
		By Convocation Expenses	15,215
		By Bank Charges	194,551
		By Medical Expense	24,483
		By Books & Preodicals	1,260
		By Audit Expenses	542,030
		By Teachers Welfare Fund	54,604
		By B.ed Fund (Adj)	462,622
		By DEC Fund (Adj)	81,445
		By Auto FDR	58,300,000
		By FDR-Current Year	254,400,000
		By Earnest Money Expenses	22,560
		By Establised of Placement Cell	317,666
		By Building Construction	4,025,000
		By Advance Given To Staff	1,075,568
		By Development Fund A/c	
		By FDR Made	29,925,000
		By Auto Sweep FDR At Andhra Bank	24,885,000
		By General Fund A/c	7,000,000
		By B.Ed. A/c	
		By Examination Expenses	
		By Printing of Confidential Documents	517,540
		By Bank Charges	15,688
		By B.Ed.,MBA,MCA A/c	
		By Honorarium (Staff)	124,800
		By T.A. Head Office	21,373
		By Admission Test Expenses	491,752
		By Printing of Study Materials	4,970,190
Total C/F	624,021,427	Total C/F	493,406,420

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI
TANDON OPEN UNIVERSITY
FINANCE OFFICER

K.U.SIDDIQUI & CO. * ALLAHABAD * CHARTERED ACCOUNTANTS

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2012.

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
Total B/F	624,021,427	Total B/F	493,406,420
		By Study Centre Expenses	
		By Counseling Expenses	1,020,285
		By Administrative Exp. On Study Centre	1,005,124
		By Fee Refund	52,900
		By Office Expenses	17,555
		By Auto Sweep	24,300,000
		By FDR Made	53,500,000
		By Advance Given For Expenses	642,550
		By Other Expenditure (Ignou /RCI Fees	800,000
		By Closing Balance	
		Cash At Bank	49,276,593
Total	624,021,427	Total	624,021,427

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI
TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

PLACE: ALLAHABAD
DATE: 20-12-2012.

As per our Report of even date
FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

K. U. SIDDIQUI & CO. ALLAHABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M.No. 401616

परिशिष्ट-8

शैक्षिक कार्यक्रमों का विवरण
(Academic Programmes)

1. स्नातक कार्यक्रम

(i) स्नातक कला (B.A.)

(ii) स्नातक वाणिज्य (B.Com.)

(iii) बी.ए. (पर्यटन) B.A. (Tourism)

(iv) स्नातक विज्ञान (B.Sc.)

(v) कम्प्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक (B.C.A.)

(vi) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (BLIS)

(vii) एकल विषय में स्नातक कला (UGSS)

(viii) एकल विषय में स्नातक विज्ञान (UGSS-Sc)

(ix) व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (BBA)

(x) ब्रिज कोर्स कार्यक्रम

(i) स्नातक कला (BC Arts), (ii) स्नातक वाणिज्य (BC Commerce) (iii) स्नातक विज्ञान (BC Science)

2. स्नातकोत्तर कार्यक्रम

(i) स्नातकोत्त कला (एम.ए) हिन्दी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र, राजनीतिशास्त्र, दर्शन शास्त्र, समाज कार्य, संस्कृत, शिक्षाशास्त्र, सांख्यिकी, प्राचीन इतिहास

(ii) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (MLIS)

(iii) परास्नातक वाणिज्य (M.Com)

(iv) पत्रकारिता एवं जनसंचार में परास्नातक (MJ)

(v) परास्नातक (कम्प्यूटर साइंस) M.Sc. (Computer Science)

(vi) एम.एस-सी. (जैव रसायन, सांख्यिकी) M.Sc. (Bio Chemistry, Statistics)

3. स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

(i) वित्तीय प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDFM)

(ii) अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDT)

(iii) अंतरांष्ट्रीय मार्केटिंग और ई. बिजनेस में स्नातोत्तर डिप्लोमा (PGDIMB)

(iv) हिन्दी में रचनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCWH)

(v) शैक्षणिक प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDEA)

(vi) पर्यावरण एवं सतत् विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGD-ESD)

(vii) इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रबन्धन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDEM & FP)

(viii) पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC)

(ix) विपणन प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDMM)

(x) उत्पादन प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDPM)

(xi) मानव संसाधन विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDHRD)

(xii) जनसंचार एवं ग्रामीण पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDRJMC)

(xiii) समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDSW)

(xiv) दूरस्थ शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDFH)

4. डिप्लोमा कार्यक्रम

(i) स्वास्थ्य शिक्षा एवं पोषण में डिप्लोमा (DHEN)

(ii) पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा (DTS)

(iii) ग्रामीण विकास में डिप्लोमा (DRD)

(iv) डायटेटिक्स एवं न्यूट्रीशन में डिप्लोमा (DCDN)

(v) प्रारम्भिक बाल्यावस्था परिचर्या एवं शिक्षा में डिप्लोमा (DECE)

(vi) आपदा प्रबन्धन में डिप्लोमा (DDM)

(vii) डिप्लोमा इन ई-बिजनेस (DIEB)

(viii) भारतीय संस्कृत में डिप्लोमा (DIIH)

(ix) संस्कृत में डिप्लोमा (DIS)

(x) ज्यातिर्विज्ञान में डिप्लोमा (DIJV)

(xi) डिप्लोमा इन एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स (DASC)

(xii) डिप्लोमा इन वैल्यू ऐडेड प्रोडक्ट्स फ्राम फ्रूट्स एण्ड वेजिटेबल्स् (DVAPFV)

(xiii) डिप्लोमा इन डेरी टैक्नॉलाजी (DDT)

5. प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(i) पोस्ट हार्वेस्ट तकनीकी एवं मूल्य संवर्धन में प्रमाण-पत्र (CPHT & VA)

(ii) औषधीय एवं सगन्धीय पौधों की खेती में प्रमाण-पत्र (CCMAP)

(iii) पशुधन उत्पादन प्रणाली में प्रमाण-पत्र (CLPS)

(iv) पर्यटन अध्ययन में प्रमाण-पत्र (CTS)

(v) शिशु पालन एवं पोषण में प्रमाण-पत्र (CCCN)

(vi) पोषण एवं आहार में प्रमाण-पत्र (CNF)

(vii) उपभोक्ता संरक्षण में प्रमाण-पत्र (CCP)

(viii) मानवाधिकार में प्रमाण-पत्र (CHR)

(ix) एच.आई.वी एवं परिवार शिक्षा में प्रमाण-पत्र (CHFE)

(x) महिला सशक्तिकरण एवं विकास में प्रमाण-पत्र (CWED)

(xi) योग में प्रमाण-पत्र (CCY)

(xii) कारपेट एण्ड टेक्सटाइल्स टेक्नॉलाजी में प्रमाण - पत्र (CCTT)

(xiii) कराधान और निर्यात-आयात प्रबन्धन में प्रमाण-पत्र (CTEIM)

(xiv) अपराध शास्त्र में प्रमाण-पत्र (CAC)

(xv) ग्रामीण पत्रकारिता एवं जनसंचार में प्रमाण-पत्र (CRJMC)

(xvi) आपदा प्रबन्धन में प्रमाण-पत्र (CDM)

(xvii) पाली में प्रमाण-पत्र (CIP)

(xviii) शैक्षिक मापन में प्रमाण-पत्र (CIET)

(xix) शोध विधि में प्रमाण - पत्र (CIRM)

(xx) ज्योतिर्विज्ञान में प्रमाण - पत्र (CIJV)

(xxi) भारतीय संस्कृति में प्रमाण - पत्र (CIIH)

(xxii) संस्कृत में प्रमाण पत्र (CIS)

(xxiii) ई-बिजनेस में प्रमाण-पत्र (CIEB)

(xxiv) सर्टिफिकेट कोर्स इन कम्यूनिकेशन एण्ड इन्फारमेशन टेक्नालाजी (CCCIT)

(xxv) शिक्षा का अधिकार पाठ्यक्रम में प्रमाण-पत्र (CCRE)

(xxvi) सर्टिफिकेट इन एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स एण्ड कम्प्यूटर्स (CASC)

(xxvii) सर्टिफिकेट इन आरगेनिक कार्मिंग (COF)

6. कम्प्यूटर सम्बन्धी कार्यक्रम

(i) कम्प्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCA)

(ii) कम्प्यूटर में बेसिक डिप्लोमा (DIC)

(iii) कार्यलय प्रबन्धन में कम्प्यूटर में डिप्लोमा (DCOM)

(iv) हार्डवेयर टेक्नालाजी में डिप्लोमा (DIHT)

(v) कम्प्यूटर में प्रमाण-पत्र (CCC)

7. व्यावसायिक कार्यक्रम

(i) फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा (DFD)

(ii) टेक्सटाइल डिजाइनिंग में डिप्लोमा (DTD)

(iii) फोटोग्राफी में डिप्लोमा (DIP)

(iv) होम आर्ट्स में डिप्लोमा (DHA)

(v) व्यावसायिक निर्देशन एवं कैरियर परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDVGCC)

(vi) फैशन डिजाइनिंग में प्रमाण-पत्र (CFD)

(vii) टेक्सटाइल डिजाइनिंग में प्रमाण-पत्र (CTD)

8. संव्यावसायिक कार्यक्रम

(i) बी.एड (B.Ed.)

(ii) बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) (BEd. SE)

(iii) व्यावसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA)

(iv) कम्प्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर (MCA)

(v) पोस्ट ग्रेजुएट प्रोफेसनल डिपलोमा (PGPD)

9. जागरूकता कार्यक्रम

(i) पंचायती राज जागरूकता कार्यक्रम (APPR)

(ii) योग जागरुकता कार्यक्रम (APY)

(iii) डेरी उद्योग जागरुकता कार्यक्रम (APDF)

(iv) शिशु पालन एवं पोषण में जागरुकता कार्यक्रम (APCCN)

(v) पोषण एवं आहार में जागरुकता कार्यक्रम (APNF)

(vi) एच. आई.वी. एवं परिवार शिक्षा में जागरूकता कार्यक्रम (APHFE)

वार्षिक आधार पर संचालित कार्यक्रम

स्नातक कार्यक्रम	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम	डिप्लोमा कार्यक्रम
B.A.	M.A.	PGDT	DHEN
B.Com	(Hindi, English)	PGDCWH	DTS
	History, Sociology)	PGDEA	DRD
B.A. (Tourism)	Pol. Science,	PGD-ESD	DCDN
B.Sc.	Economics,	PGDEM & FP	DECE
UGSS	Education	PGDFH	DFD
UGSSc.	Statistics,	PGDVGCC	DTD
Bridge Course	Philosophy,	PGDRJMC	DIP
	Sanskrit	PGDSW	DHA
B.A.	Social Work	PGDDE	DIIH
B.Sc.	Ancient History		DIS
B.Com	M.Com		DIJV
	M.Sc.		DASC
	(Bio-Chemistry,		DVAPFV
	Statistics)		DDT

सेमेस्टर प्रणाली पर संचालित कार्यक्रम

स्नातक कार्यक्रम	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम	डिप्लोमा कार्यक्रम	प्रमाण पत्र - कार्यक्रम	नॉन क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम
BCA	MLIS	PGDJMC	DDM	CPHT & VA	AAPR
BBA	MJ	PGDFM	DIC	CCMAP	APY
BLIS	MBA	PGDIMB	DCOM	CLPS	APDF
BEd. (2 Years)	MCA	PGDMM	DIHT	CTS	APCCN
B.Ed. (SE)	MCS	PGDPM	DIEB	CCCN	APNF
(2 Years)		PGDHRD		CNF	APHFE
		PGDCA		CCP	
		PGPD		CHR	
				CDM	
				CHFE	
				CWED	
				CCY	
				CCTT	
				CTEIM	
				CAC	
				CFD	
				CTD	
				CRJMC	
				CCC	
				CIP	
				CIET	
				CIRM	
				CIJV	
				CIIH	
				CIS	
				CIEB	
				CCCIT	
				CCRE	
				CASE	
				COF	

****

परिशिष्ट-9

विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र
(University Study Centres)

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
1	S001	धर्म समाज कालेज, अलीगढ़
2	S002	आर.बी.एस. कालेज, आगरा
3	S004	श्री मुरली मनोहर टाउन पी.जी. कालेज, बलिया
4	S005	विश्वविद्यालय मुख्य परिसर, इलाहाबाद
5	S006	इविंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद
6	S009	प्रताप बहादुर कालेज, प्रतापगढ़
7	S010	क्राइस्ट चर्च कालेज, कानपुर
8	S011	विक्रमाजीत सिंह सनातन धर्म कालेज, कानपुर
9	S012	भारतीय महाविद्यालय, फर्रुखाबाद
10	S013	बुद्ध पी.जी. कालेज, कुशीनगर
11	S016	दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
12	S017	बी.आर.डी. कालेज, देवरिया
13	S018	जवाहर लाल नेहरु स्मारक पी.जी. कालेज, महाराजगंज
14	S019	इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ
15	S020	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेक्टर-39, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर
16	S021	आई.पी. कालेज, बुलन्दशहर
17	S022	के.एस. साकेत महाविद्यालय, फैजाबाद
18	S023	राणा प्रताप पी.जी. कालेज, सुल्तानपुर
19	S024	बरेली कालेज, बरेली
20	S025	शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज, बस्ती
21	S027	रतनसेन डिग्री कालेज, बाँसी, सिद्धार्थ नगर
22	S028	जी.डी. बिन्नानी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मिर्जापुर
23	S030	हिन्दू कालेज, मुरादाबाद
24	S031	युवराजदत्त महाविद्यालय, लखीमपुर खीरी
25	S032	इंदिरा गाँधी राजकीय महिला महाविद्यालय, राय बरेली
26	S033	नेशनल पी.जी. कालेज, लखनऊ
27	S034	पी.जी. कालेज, गाजीपुर
28	S035	एस.के.बी.एम. कालेज, दिलदार नगर, गाजीपुर
29	S036	टी.डी. कालेज, जौनपुर
30	S037	हरिश्चन्द्र पी.जी. कालेज, वाराणसी
31	S038	श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी
32	S039	जे.बी. जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सहारनपुर

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
33	S040	जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय, बाँदा
34	S041	विपिन बिहारी पी.जी. कालेज, झाँसी
35	S043	लाल बहादुर शास्त्री पी.जी. कालेज, गोण्डा
36	S044	महारानी लाल कुँवरि पी.जी. कालेज, बलरामपुर
37	S048	सरस्वती पी.जी. कालेज, हाथरस
38	S049	शिबली नेशनल पी.जी. कालेज, आजमगढ़
39	S051	ईश्वर शरण डिग्री कालेज, इलाहाबाद
40	S052	राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर
41	S053	मुल्तानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर, गाजियाबाद
42	S054	डी.सी.एस.के. पी.जी. कालेज, मऊ
43	S055	आर.आर. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी
44	S056	यूपीटेक, कम्प्यूटर कन्सल्टेन्सी लिमिटेड, तृतीय तल, संगम प्लेस (नजदीक काफी हाउस) सिविल लाइन्स, इलाहाबाद
45	S061	राजा हरपाल सिंह पी.जी. कालेज, सिगरामऊ, जौनपुर
46	S062	सकलडीहा पी.जी. कालेज, सकलडीहा, चन्दौली
47	S063	दिगम्बर जैन कालेज, बड़ौत, बागपत
48	S064	आर.एम.पी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीतापुर
49	S065	दयानन्द सुभाष नेशनल कालेज, उन्नाव
50	S066	स्वामी शुकदेवानन्द कालेज, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर
51	S067	इलेक्ट्रानिक सिस्टम, प्रथम तल करपात्री इस्टेट, दुर्गाकुण्ड, वाराणसी
52	S072	अतर्रा डिग्री कालेज, बाँदा
53	S074	जनता कालेज, बकेवर, इटावा
54	S075	दीनानाथ पाण्डेय राजकीय महिला पी.जी. कालेज, देवरिया
55	S078	भवन्स मेहता महाविद्यालय, भरवारी, कौशाम्बी
56	S079	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर
57	S081	महात्मा गाँधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, फतेहपुर
58	S083	सी.एम.पी. डिग्री कालेज, इलाहाबाद
59	S084	उपाधि (पी0जी0) महाविद्यालय, पीलीभीत, लखनऊ
60	S085	कालीचरण डिग्री कालेज, हरदोई रोड, लखनऊ
61	S086	उपरदहा डिग्री कालेज, उपरदहा (बरौत), इलाहाबाद
62	S087	कुलभास्कर आश्रम डिग्री कालेज, इलाहाबाद
63	S088	राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर
64	S090	वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा
65	S092	कुँवर सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया
66	S093	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी चित्रकूट
67	S094	बी.बी.एस. पब्लिक डिग्री कालेज, बरना लाल गोपालगंज, कुण्डा, प्रतापगढ़

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
68	S097	एस.एस. खन्ना महिला महाविद्यालय, इलाहाबाद
69	S098	राजा कान्हा पी.जी. कालेज (जगदीशपुर जागेसरगंज जायस मार्ग) सुल्तानपुर - Pin 227809
70	S099	डॉ0 सत्य प्रकाश सिंह महाविद्यालय, जमुनियाँ, जौनपुर
71	S102	आइस प्लस 11/149, निकट मिनी स्टेडियम, विकास नगर, लखनऊ
72	S103	फैस-कास अकादमी, 127/1/57, डब्लू-1, साकेत नगर, कानपुर
73	S104	काशी इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, सिगरा, वाराणसी
74	S105	गाँधी शान्ति निकेतन डिग्री कालेज, गोहनिया (जसरा) इलाहाबाद
75	S106	मोती लाल नेहरू डिग्री कालेज, कौधियार, इलाहाबाद
76	S107	राहुल महाविद्यालय, शेरवा, जौनपुर
77	S108	खेदू सिंह आदर्श कालेज, भीमापार, गाजीपुर
78	S110	लार्ड बुद्ध पी.जी. कालेज, साकेत नगर, रूपईडीहा(बहराइच)-27188
79	S111	चौधरी तुलसी राम यादव महाविद्यालय, धोसड़ा तुलसी नगर, इलाहाबाद
80	S112	महात्मा गाँधी मेमोरियल कालेज, सम्भल, मुरादाबाद
81	S113	हंडिया पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, हंडिया, इलाहाबाद
82	S114	कृष्ण सुदामा महाविद्यालय, मुरादपुर सादात, गाजीपुर
83	S117	डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय, भदोही, संत रविदास नगर
84	S119	स्प्रिंगडेल कालेज आफ मैनेजमेन्ट स्टडीज, पीलीभीत
85	S120	डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय, फाफामऊ, इलाहाबाद
86	S121	डी.ए.वी. कालेज, सिविल लाइन्स, कानपुर
87	S128	आदर्श भारती महाविद्यालय, खेतासराय, जौनपुर
88	S129	कृषक पी.जी. कालेज, कोइरियापार, मऊ
89	S130	लक्ष्मी देवी आर्य कन्या डिग्री कालेज, मवाना, मेरठ
90	S132	कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर
91	S138	श्री गौरी शंकर संस्कृत महाविद्यालय, सुजानगंज, जौनपुर
92	S140	श्याम लाल सरस्वती महाविद्यालय, शिकारपुर, बुलन्दशहर
93	S143	वाराणसी गर्ल्स डिग्री कालेज, भीमनगर, सिकरौल, वाराणसी
94	S145	ग्रामोदय महाविद्यालय, रामपुर सर्धा, फैजाबाद
95	S147	इन्द्रदेव इन्स्टीट्यूट आफ एजुकेशन एण्ड टैक्नोलॉजी, मुराद नगर रोड, बागपत
96	S149	डॉ0 आर0एल0 इन्स्टीटयूट ऑफ हायर एजूकेशन पालिटेक्निक चौराहा, इलाहाबाद मार्ग, जौनपुर
97	S151	क्यूरेट-ए कम्प्यूटर ग्रुप विवेकखण्ड गोमती नगर, लखनऊ
98	S156	राष्ट्रीय शिक्षण शोध संस्थान 'बी' ब्लाक ए.डी.ए. कालोनी, नैनी, इलाहाबाद-211008
99	S157	कलपेश्वरी बिस्ट इन्स्टीटयूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी 82/सी, सी0वाई0 चिन्तामणि रोड, जार्ज टाउन, इलाहाबाद
100	S158	इन्स्टीटयूट ऑफ कम्प्यूटर साइंसेज एण्ड मैनेजमेंट, चितईपुर कन्दवाँ, वाराणसी
101	S160	श्री राम जानकी महाविद्यालय, रामगंज, पट्टी, प्रतापगढ़
102	S168	चायल कम्प्यूटर एकेडमी, 221ए/1, प्रीतम नगर, कबीर मन्दिर के सामने, सुलेमसराय, इलाहाबाद

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
103	S169	टाइगर कम्प्यूटर सिस्टम, 15, साहित्य बिहार, बिजनौर
104	S170	रूचीज इन्स्टीट्यूट आफ क्रियेटिव आर्ट्स 19/3 दयानन्द मार्ग, इलाहाबाद
015	S171	इन्स्टीट्यूट आफ कम्प्यूटर सेल्स टैक्स आफिस के सामने, कटरा चुंगी, बस्ती
106	S172	आई.आई.सी.एस. स्टडी सेन्टर, 14-15, लाउदर रोड, भोला हास्पिटल के बगल में, इलाहाबाद
107	S183	के.बी. इन्स्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेन्ट अवधपुरी, फैजाबाद रोड, फैजाबाद
108	S187	राम लगन महाविद्यालय, जमालपुर, मिर्जापुर, घोसी, मऊ
109	S189	गौतम बुद्ध महाविद्यालय, फूलपुर, इलाहाबाद
110	S193	इन्स्टीटयूट फार कम्प्यूटर साइन्स, फस्ट फ्लोर, फेस-11 शाही मार्केट, सीनेमा रोड, गोरखपुर
111	S194	इन्डियन इन्स्टीटयूट आफ इन्जीनियरिंग एण्ड इन्फारमेशन टेक्नोलाजी, हरिओम नगर, सिविल लाइन्स, गोरखपुर
112	S195	कम्प्यूटर कैरियर इंस्टीटयूट बी34/130-12-1, ब्रह्मानन्द नगर कालोनी, दुर्गाकुण्ड वाराणसी
113	S196	बनवासी महिला महाविद्यालय, डाला, सोनभद्र
114	S197	स्वामी करपात्री जी महाराज राजकीय महाविद्यालय, पूरे गोसाई, रानीगंज, प्रतापग.
115	S198	झामबाबा महाविद्यालय सूरजपुर, जलालपुर, अम्बेडकर नगर उ.प्र.
116	S200	श्री बाबा साघव राम महाविद्यालय, कोइनहां बरसरा खालसा, आजमगढ़
117	S203	हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जमानियाँ, गाजीपुर
118	S204	पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय एफ ब्लाक राजाजीपुरम, लखनऊ
119	S205	रामाबाई अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय, गजरौला, जे.पी. नगर
120	S208	स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पट्टी, प्रतापगढ़
121	S209	पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय बालिका महाविद्यालय, सेवापुरी, वाराणसी
122	S211	शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय ग्राम व पोस्ट भठही खुर्द वाया-फाजिलनगर, कुशीनगर
123	S212	राज किशोर सिंह महाविद्यालय, बरूइन, जमानियाँ गाजीपुर
124	S213	जय बजरंग महिला महाविद्यालय, मुंगरा बादशाहपुर, जौनपुर
125	S214	राम नगीना किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुडियारी जखनियाँ, गाजीपुर
126	S216	डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कालेज ई-ब्लाक राजाजीपुरम, लखनऊ-226017
127	S217	डी0ए0वी0 कालेज, खरखौदा, मेरठ
128	S219	महात्मा बुद्ध महाविद्यालय, अझुवा, कौशाम्बी
129	S213	राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर देहात 209111
130	S224	चन्द्रमा सिंह महाविद्यालय, हरहुआ, वाराणसी
131	S225	छत्रपति शाहूजी महाराज महाविद्यालय, ग्राम व पोस्ट नरैना(अगरहुंडा) तहसील-कर्वी,चित्रकूट
132	S227	गदाधर श्लोक महाविद्यालय, ग्राम व पोस्ट रेवतीपुर, गाजीपुर 232328
133	S228	फैज-ए-आम माडर्न डिग्री कालेज, 72, गोल्फ रोड, सिविल लाइन्स, मथुरा
134	S229	ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीरसिंहपुर, सया अम्बेडकर नगर
135	S230	छत्रधारी महाविद्यालय, दयालपुर-सदलपुरा, चन्दौली 232120
136	S233	आईसेक्ट कम्प्यूटर सेन्टर सकलडीहा, चन्दौली 232109
137	S234	लखनऊ जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान, संवादनगर, जियामऊ, लखनऊ 226001
138	S235	द इंस्टीटयूट आफ एडवान्स टेक्नोलाजी एण्ड मैनेजमेन्ट 19/3, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद
139	S236	कुमार इंस्टीटयूट आफ मैनेजमेंट एण्ड इनफारमेशन टेक्नोलाजी 110/201आर.के. नगर, जी.टी. रोड, कानपुर

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
140	S237	पं. कैलाशनाथ इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलाजी एण्ड मैनेजमेंट हाइडल चौक, सिधारी, आजमगढ़-276001
141	S238	डॉ0 (श्रीमती) महादेवी वर्मा एजूकेशनल वेलफेयर एवं शोध संस्थान, नेशनल हाईवे-2, कोसी कला, मथुरा
142	S239	सर्वोदय कालेज आफ टेक्नोलाजी एण्ड मैनेजमेन्ट, सर्वोदय कैम्पस, उमा नगर सी. सी. रोड, देवरिया
143	S240	शम्सी इंस्टीटयूट आफ इन्फारमेशन टेक्नोलाजी, 206 कटरा सेवा कली, बजरिया, इटावा 206001
144	S242	डॉ0 गणेशी प्रसाद सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, निकट गडवार रोड, मिड्ढा, बलिया 277505
145	S243	दिया कम्प्यूटर इंस्टीटयूट, बदौली चौराहा, राबर्टसगंज, सोनभद्र- 231216
146	S244	ऋषि शिक्षा प्रसार संस्थान, अस्पताल रोड (जनता मंदिर) छिबरामऊ, कन्नौज
147	S245	साफ्टेक कम्प्यूटर्स बी-651, गुरू तेग बहादुर नगर, करेली स्कीम, इलाहाबाद 211016
148	S247	संतलाल इंस्टीटयूट आफ मैनेजमेन्ट एण्ड इनफार्मेशन टेक्नोलाजी शान्ति टावर 7/285, सेनपुरा, चेतगंज, वाराणसी 221001
149	S249	जी.जी. इंस्टीटयूट आफ कम्प्यूटर टेक्नोलाजी, लोकनायक शिक्षा संस्थान परिसर विवेकानन्दपुरी, दाउदपुर, गोरखपुर
150	S252	अपडेट कम्प्यूटर एकेडमी 195ई/1ए, राजरूपपुर, इलाहाबाद
151	S253	इलाहाबाद शिक्षण शोध संस्थान, सी-41, यू.पी.एस.आई.डी.सी., नैनी, इलाहाबाद
152	S257	शह शान्ति शिक्षण संस्थान सी-52, सेक्टर एम, अलीगंज, लखनऊ
153	S260	आल इण्डिया भूतपूर्व सैनिक इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्प्यूटर इंस्टीटयूट, लोहा मण्डी, मलदहिया, वाराणसी 221001
154	S263	श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय, सूर्यनगर राजाजीपुरम, लखनऊ
155	S265	जी.एस.आर.एम. मेमोरियल डिग्री कालेज, डी-6 इण्डस्ट्रियल एरिया, सरोजनी नगर, कानपुर रोड, लखनऊ-226008
156	S266	सीटेक टेक्निकल कालेज, (शिक्षा शान्ति निकेतन समिति) सीटेक बिल्डिंग कालेज रोड, ए-बी नगर, उन्नाव- 209801
157	S267	सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय लारपुर रोड, पो0- लारपुर, अम्बेडकर नगर
158	S272	राम दुलारी बच्चू लाल जायसवाल महाविद्यालय, नवाबगंज, इलाहाबाद
159	S273	इन्द्रकली महाविद्यालय, गोसौरा खुर्द, उरूवा मेजा, इलाहाबाद 212303
160	S274	आईसी कम्प्यूटर्स प्रथम तल मैक टावर 52, एस.पी. मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद
161	S275	हर्ष इंस्टीटयूट ऑफ प्रोफेशनल, कैरियर, डॉ0 अम्बेडकर इण्टर कालेज परिसर, तेजगढ़ी रोड, मेरठ
162	S276	ए. आई. आई. टी.(AIIT) मैनेजमेन्ट कालेज 728, गणेश मार्केट,(RSY) कैम्पस हवेलिया, झूंसी, इलाहाबाद-221506
163	S278	शहीद स्मारक राजकीय महाविद्यालय, युसुफपुर मुहम्मदाबाद, गाजीपुर- 233227
164	S279	एपेक्स कम्प्यूटर एजुकेशन 38/3ए चक रघुनाथ, नैनी, इलाहाबाद
165	S281	रामपाल मौर्या महाविद्यालय, सुल्तानपुर घोष, खागा, जनपद, फतेहपुर
166	S282	स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर- 233001
167	S285	श्री रामकरन महाविद्यालय, ईशीपुर, रामपुर, गाजीपुर-233223
168	S287	धनराजी देवी बालिका महाविद्यालय, उतरेथू, अम्बेडकर नगर
169	S288	अब्दुल अजीज अन्सारी डिग्री कालेज, शाहगंज, जौनपुर-223101
170	S291	प्रभु नारायण सिंह महाविद्यालय, बघेल वंशीय गड़ही आश्रम, कासिमाबाद, गाजीपुर
171	S293	श्री महेश प्रसाद डिग्री कालेज, मोहनलालगंज, लखनऊ
172	S295	सेक्रेड हार्ट इंस्टीटयूट आफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलाजी, नैयपालपुर, सीतापुर
173	S296	मृत्युंजय पाण्डेय संस्कृत महाविद्यालय सं भं वि बरहुआ, सैदपुर, चन्दौली
174	S297	राम सेवक यादव महाविद्यालय, ग्रा0 चन्दौली पो. सोमैयानगर, तह. नवाबगंज, बाराबंकी
175	S298	सृजन महाविद्यालय, ग्रा. व पो. भटेवरा, जौनपुर- 212401

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
176	S299	श्री रामेश्वरदास अग्रवाल कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नवीपुर रोड, हाथरस
177	S300	मातृ गंगाजली महाविद्यालय, गाजीपुर
178	S302	जोखनपुर महाविद्यालय, ग्रा. इकरा, पो. गौरा, गाजीपुर
179	S303	नायब अब्बासी गर्ल्स डिग्री कालेज, किला रोड अमरोहा, जे0पी0 नगर
180	S305	ग्राम समाज महाविद्यालय, जयस्थली, बाबू की खजुरी, आजमगढ़-276204
181	S308	चौ. एस.एस. पी.जी. कालेज, ग्राम व डाक- माछरा, मेरठ-250106
182	S309	जगतपुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगतपुर, वाराणसी- 221301
183	S310	रामधन दामोदर महाविद्यालय, ग्रा. कसारा, पो. कसारा, मऊ
184	S311	महादेव महाविद्यालय, नेरूवाडीह गहना, मऊ
185	S312	श्रीराम सूर्यमणि महाविद्यालय, महुआ, खुर्द पो. रमवापुर, राऊत, भनवापुर, ब्लाक, सिंगारजोत, रोड डुमरियागंज, सिद्धार्थ नगर
186	S315	स्व. रामप्रसाद यादव महाविद्यालय, ग्रा. व पो. सिंधाव, ब्लाक असोधर, फतेहपुर
187	S316	सैनिक गिरजाशंकर महाविद्यालय, केराकत, जौनपुर
188	S317	कमलेश यादव डिग्री कालेज, रहिमापुर, झूँसी, इलाहाबाद
189	S319	हाइपर लिंक एजूकेशन सेन्टर, सराय अकिल, कौशाम्बी- 212216
190	S321	नेशनल कम्प्यूटर लिटेरेसी मिशन, 546 के.एल. (बैंक आफ बड़ौदा बिल्डिंग) कीडगंज, इलाहाबाद-03
191	S323	सूर्यमणि इन्फारमेशन टेक्नोलाजी संस्थान, पुराना यूनियन बैंक, पट्टी नरेन्द्रपुर, जौनपुर
192	S324	संसाधन प्रबन्धन संस्था, बी-2/225 सी, भदैनी, वाराणसी
193	S325	ग्लोबल इंस्टीटयूट आफ मैनेजमेन्ट एण्ड इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी, शुखुल्लाह बिन्नानी रोड, मिर्जापुर-2321001
194	S326	निकनेट कम्प्यूटर संस्थान पक्का तालाब चौराहा, पुरनिया टोला रोड, इटावा- 206001
195	S327	स्वामी विवेकानन्द कालेज आफ एडवान्स स्टडीज, चाणक्य-एड. स्टेशन रोड, मैनपुरी-205001
196	S330	इन्सपिरेशन कम्प्यूटर शिक्षा समिति, 86 द्वितीय तल, निर्यात भवन, स्टेशन रोड, भदोही(संत रविदास नगर)
197	S331	डाटानेट कम्प्यूटर एजूकेशन, 846/993 युनिवर्सिटी रोड, पुराना कटरा, इलाहाबाद
198	S332	डाटा टेक इंस्टीट्यूट आफ साइंस एण्ड टेक्नोलाजी 21, गुरू कृपा मार्केट रानी महल, झांसी
199	S334	सिफिल्ड बिजनेस स्कूल, सेक्टर 21 इन्दिरा नगर, लखनऊ- 226016
200	S337	कर्नल एकेडमी आफ कम्प्यूटर साइंस, 125/6 मालवीय रोड, जार्ज टाउन, इलाहाबाद-211003
201	S339	रफी अहमद किदवई मेमोरियल ट्रस्ट (गर्ल्स इण्टर कालेज) मसौलि, ग्रा. व पो. मसौलि, बाराबंकी
202	S341	नेट विजन कम्प्यूटर इन्स्टीटयूट, जय इलाहाबाद रोड, फारेस्ट बेरियल, कर्वी, चित्रकूट-210205
203	S343	एकलव्य महाविद्यालय, दरेडी रोड, बांदा- 290297
204	S345	बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, स्टेशन रोड, चारबाग, लखनऊ-226001
205	S348	ऋषि राम नरेश कृषक महाविद्यालय, दुबारी, मऊ
206	S355	अहिल्याबाई कालेज आफ मैनेजमेन्ट एण्ड इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी, 2290/47 ब, ओम नगर (निकट- गोपाल गर्ल्स पब्लिक स्कूल) सुल्तानपुर- 228001
207	S358	राजा कमलाकर डिग्री कालेज, शंकरगढ़, इलाहाबाद- 212108
208	S362	इन्फोटेक इंस्टीटयूट आफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलाजी, नजदीक तहसील नगर पंचायत कार्यालय, मड़ियाहूँ, जौनपुर
209	S364	नेशनल कम्प्यूटर एकेडमी 213इ/1ए, लूकरगंज, तारा कुटीर रोड, इलाहाबाद
210	S365	नेशनल इंस्टीट्यूट फार एजुकेशनल रिसर्च, ए.डी.ए. नैनी, इलाहाबाद- 211008
211	S369	माइक्रावेव इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेन्ट टेक्नोलाजी, बिल्थरा रोड, बलिया

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
212	S373	पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सैदाबाद, इलाहाबाद
213	S374	श्री शिवा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, तेरही, कप्तानगंज, आजमगढ़
214	S375	मेरठ कालेज ऑफ एडवांस टेक्नोलाजी (एककैट) एजूकेशन, सेक्टर-2, पकेट-ए, शताब्दी नगर, दिल्ली रोड, मेरठ
215	S376	भगवन्त सिंह महाविद्यालय, कुआं खेड़ा, खालसा, ठाकुरद्वारा (मुरादाबाद)-244601
216	S378	हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नैनी, इलाहाबाद
217	S379	राम नगर पी.जी. कालेज, राम नगर बाराबंकी
218	S380	श्री बलदेव पी.जी. कालेज, लाजपत नगर, मुरादाबाद- 244001
219	S381	बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर, जौनपुर
220	S382	एम0ए0 पी0जी0 कालेज, लाजपत नगर, मुरादाबाद-244001
221	S383	लालता सिंह राजकीय महिला पी0जी0 कालेज, अदलहाट, मिर्जापुर-261001
222	S385	आचार्य नरेन्द्रदेव टीचर्स ट्रेनिंग कालेज, बिजवार, लखनऊ रोड, सीतापुर-261001
223	S386	महामति प्राणनाथ महाविद्यालय, ग्रा0-मऊ पो0- मऊ, छिबो, चित्रकूट-210209
224	S387	बाला प्रसाद कुशवाहा महाविद्यालय, बलरामपुर, बरेठी, इलाहाबाद
225	S388	हाशमी गर्ल्स डिग्री कालेज, हाजी बशीर नगर, निकट किसान पेट्रोलियम बिनौर रोड, अमरोहा (जे0पी0 नगर)
226	S391	श्री शिव बाबा महाविद्यालय, दादनपुर, अल्लेंपुर, पिडसई, मऊ
227	S392	एन0डी0 डिग्री कालेज, शमसाबाद, आगरा
228	S395	कौशिल्या महाविद्यालय, दिलावरपुर, मड़ियाहूँ, जौनपुर
229	S396	चन्द्रभान देवी- सेवक महाविद्यालय, प्रतापपुर, कमैचा (चोंदा) सुल्तानपुर
230	S397	प्रयाग महाविद्यालय, शिवमंगल नगर, हेतापट्टी, इलाहाबाद
231	S398	बद्री प्रसाद महाविद्यालय, आरिफपुर, मण्डनपुर, आजमगढ़-276124
232	S400	भगवान दीन यादव महाविद्यालय, बहोरिकपुर, फाफामऊ-इलाहाबाद
233	S401	राम रहीम महाविद्यालय, गहमर, गाजीपुर
234	S403	श्रीमती मूलावती देवी राम दास महाविद्यालय, बद्दु का पूरा, ब्यूर, हण्डिया, इलाहाबाद
235	S404	डॉ0 राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय, मालीबारी- बरियारपुर, पो-बड़हरा, देवरिया- 274001
236	S406	बिहारी लाल स्मारक किसान महाविद्यालय, आभा, दरदेशपुर, अम्बेडकर नगर
237	S407	देवी श्याम रथी महिला महाविद्यालय, ग्रा. व पो. बरसरा खालसा, आजमगढ़-276141
238	S408	नन्दन महाविद्यालय, चतुरगढ़ बिसहिया, प्रतापगढ़
239	S410	एक्सेलनेट कम्प्यूटर सेन्टर, 460, पन्नालाल पार्क कमला भवन, उन्नाव- 209801
240	S412	शिवम् इंस्टीट्यूट आफ इन्फारमेशन टेक्नोलाजी (SIIT) निकट ओ.बी.सी. बैंक, मेन रोड, खलीलाबाद, सन्त कबीर नगर
241	S413	क्वान्टम इंस्टीट्यूट आफ एजूकेशन, एन.एन.-146, हनुमान मन्दिर बेतिया हाता, गोरखपुर
242	S414	दिशा इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलाजी, पुरानी पोस्ट आफिस बिल्डिंग, गोला रोड, बड़हलगंज, गोरखपुर- 273402
243	S416	साफ्टवेयर क्वालिटी एजुकेशनल सेन्टर, चतुर्वेदी काम्पलेक्स, फर्स्ट फ्लोर, सुमेर सागर रोड, नियर इलाहाबाद बैंक, गोरखपुर, उ0प्र0
244	S421	ओम हाईटेक कम्प्यूटर्स शिक्षण संस्थान, ए-1/65 डी-शशिनगर, कालोनी, नगवाँ लंका, वाराणसी
245	S422	टाइम्स कम्प्यूटर एजूकेशन, रायबरेली
246	S423	सुभावती ग्रामोद्योग सेवा संस्थान, 40ए- न्याय नगर, झूँसी, इलाहाबाद- 211019
247	S424	आलटेक इन्स्टीट्यूट आफ प्रोफेशनल स्टडीज, 31-सी, मोती लाल नेहरू(बंद) रोड, (इला0 वि0 वि0 लाइब्रेरी के सामने) इलाहाबाद

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
248	S425	कम्प्यूटेक, द्वितीय तल रमाकुंज, अन्नपूर्णा नगर, वाराणसी
249	S426	डा0 भीमराव अम्बेडकर इन्स्टीट्यूट आफ कम्प्यूटर टेक्नोलाजी, नेहरू नगर, नगर पंचायत, वार्ड नं-3 जी0टी0 रोड, चन्दौली
250	S427	आई.टी.एम.एस. कालेज, 3 गुलाटी मार्ग, म्योहाल चौराहा, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद
251	S429	इलाहाबाद इन्स्टीट्यूट आफ इन्फारमेशन टेक्नोलाजी, 35डी/9ए, सक्सेना मार्केट, प्रीतमनगर, धूमनगंज, इलाहाबाद- 211001
252	S434	गार्डेनिया इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, ग्राम सरवनपुर, पो0 कोरौत, वाराणसी
253	S436	बी0सी0आई0एस0 इन्फोटेक सी-26/1ए, गणेश बाग, कबीर रोड, वाराणसी
254	S437	साइबर स्कूल 506-बी, ममफोर्डगंज, (त्रिपाठी चौराहा) इलाहाबाद
255	S441	पत्रकारिता प्रशिक्षण संस्थान 4, पालिका बंगला, सिविल लाइन्स, फैजाबाद- 224001
256	S442	फिरोज गाँधी कालेज, रायबरेली
257	S446	श्री घनश्याम दूबे महाविद्यालय, सुरियावां, सन्त रविदास नगर (भदोही)
258	S451	श्री रामतीर्थ मिश्र स्मारक महाविद्यालय, इटियाथोक, गोण्डा
259	S453	गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुल्तानपुर
260	S458	डॉ0 राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय, ऑवला, बरेली
261	S459	केन ग्रेअर्स नेहरू पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, गोलागोकर्णनाथ, खीरी-262802
262	S465	महाविद्यालय भटवली बाजार, उनवल, गोरखपुर
263	S466	डी.ए.वी. कालेज, शिकारपुर बाई पास रोड, बुलन्दशहर- 203001
264	S468	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, फतेहाबाद, आगरा- 283111
265	S469	रामानुज प्रताप महाविद्यालय, ड्रमण्डगंज, मीरजापुर- 231211
266	S470	इस्लामिया डिग्री कालेज, देवबन्द, निकट इन्द्र पार्क देवबन्द, सहारपुर- 247554
267	S478	भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखीमपुर खीरी- 262701
268	S479	राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन राजकीय महाविद्यालय, तालबेहट, ललितपुर- 284126
269	S489	खरडीहा महाविद्यालय खरडीहा, गाजीपुर
270	S490	अक्षयवर सिंह कालेज आफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलाजी, 3 सी-34/147 ए-के, कौशलेशन नगर कालोनी, डी.एल.डब्लू रोड सुन्दरपुर, वाराणसी
271	S492	श्री गणेश राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोभी, जौनपुर- 222149
272	S495	नरसिंह बहादुर सिंह शान्तीदेवी संस्कृत महाविद्यालय, ग्रा. छीटपुर, पो. प्रमधर पट्टी(दिलीपुर) वि.ख. बावावेल, खरनाथ धाम, तहसील- रानीगंज, प्रतापगढ़
273	S498	श्री राम औतार सिंह महाविद्यालय, शेषपुर, उनवा, फतेहपुर
274	S499	अमर शहीद ठा0 दरियाव सिंह महाविद्यालय, हरदों, खागा, फतेहपुर
275	S500	जगन्नाथ प्रसाद स्मारक महाविद्यालय, बुदांव, जसरा, गौहनियां, इलाहाबाद
276	S505	अमर सिंह कालेज, लखावटी- 245407- बुलन्दशहर
277	S506	हीरा लाल यादव बालिका डिग्री कालेज, सरोजनी नगर, कानपुर रोड, लखनऊ- 226008
278	S508	आई.सी.एल.ए. कम्प्यूटर एजूकेशन सेन्टर, म्युनिसपल मार्केट, प्रेम नगर, सीतापुर- 261001
279	S513	जुहारी देवी गर्ल्स पी.जी. कालेज, कैनाल रोड, कानपुर
280	S514	बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर लॉ कालेज, हरकंसगढ़ी, रायबरेली रोड, लखनऊ
281	S517	श्री कृष्ण अम्बेडकर महाविद्यालय, मधुबन (सिद्धा अहिलासपुर) मऊ
282	S519	पूर्वांचल पी. जी. कालेज, पो- रानी की सराय, आजमगढ़

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
283	S520	दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर
284	S528	महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेक्टर-एम आशियाना, लखनऊ
285	S530	सर्वोदय महाविद्यालय, मिहीपुरवा, बहराइच
286	S532	अमीरूद्रदौला इस्लामिया डिग्री कालेज, लालबाग, लखनऊ- 226001
287	S538	नेहरू महाविद्यालय, सागर रोड, लालितपुर
288	S539	सावित्री बाई फुले राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चकिया, चन्दौली
289	S545	रूद्रा इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, बी-1, शास्त्री नगर (तेजगढ़ चौपला) मेरठ
290	S550	फ0अ0अ0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महमूदाबाद, सीतापुर
291	S551	किसान मजदूर महाविद्यालय, भीटी, मऊ
292	S555	अमरावती देवी महाविद्यालय, टेकी पट्टी बिहार कुण्डा, प्रतापगढ़
293	S556	नन्द किशोर सिंह डिग्री कालेज, धनुहा, चाका, प्रतापगढ़
294	S558	सिद्धनारायण रामहर्ष डिग्री कालेज सांगीपुर (विद्यानगर), होलागढ़, इलाहाबाद
295	S559	त्रिवेदी गर्ल्स डिग्री कालेज, महरहा, बिन्दकी, फतेहपुर
296	S560	सीतादेवी महाविद्यालय, भटनी, देवरिया
297	S562	गोरखपुर आई.टी. सेन्टर हरिहर प्रसाद दूबे मार्ग, बेतिया हाता, गोरखपुर
298	S563	रवीन्द्र किशोरशाही राजकीय महाविद्यालय, घुड़ीकुण्ड, खुद्र पथरदेवा, देवरिया
299	S565	श्री बजरंग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दादर आश्रम, सिकन्दरपुर, बलिया
300	S566	सर्वोदय किसान डिग्री कालेज, कौंड़ीराम, गोरखपुर
301	S567	एम0के0 राय दीप आदर्श बालिका महाविद्यालय, भगवानपुर, ठेकमा, आजमगढ़
302	S572	बासुदेव मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कालेज, 51, विमलनगर, (हरिहर नगर) पो0- चिनहट, इन्दिरा नगर, लखनऊ
303	S578	मोहन लाल वर्मा एजूकेशनल इंस्टीट्यूट, पल्हरी, बाराबंकी
304	S580	माँ शुकली देवी डिग्री कालेज, ग्रा.- सहजौर, विमुनपुरा, पो. मलकौली, तह.- सलेमपुर, देवरिया
305	S582	नगर निगम डिग्री कालेज, अमीनाबाद, लखनऊ- 226018
306	S583	शहीद सिंहरण महाविद्यालय, पिरौना, जालौन
307	S585	साईनाथ कम्प्यूटर एण्ड मास कम्यूनिकेशन जनमोर्चा आफिस, 56-57, सरदार पटेल मार्ग, सिविल लाइन्स, एचडीएफसी बैंक के पीछे, इलाहाबाद
308	S588	शोएब इन्स्टीट्यूट फार एजूकेशनल एण्ड सोशल डेवलपमेन्ट, 36 ए.एन.झा मार्ग, जे0टी0 गर्ल्स डिग्री कालेज के पास, जार्ज टाउन, इलाहाबाद
309	S590	एन.आर.ई.सी. कालेज, खुर्जा- 203131, जिला- बुलन्दशहर
310	S592	इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, (आई.पी.एस.) एच. ओ.- 115, न्यू मोहन पुरी, मेरठ
311	S603	ब्रह्मानन्द संस्कृत महाविद्यालय राठ-216 हमीरपुर
312	S611	डॉ0 आर0पी0 रिछारिया स्नातकोत्तर, सनौरा, बरूआसागर, जिला- झाँसी
313	S614	महादेव महाविद्यालय, बरियासनपुर चिरईगाँव, वाराणसी
314	S615	लोक कल्याणन्यास निवेदिता शिक्षा सदन इण्टर कालेज परिसर तुलसीपुर मोतीझील के पास, महमूरगंज, वाराणसी- 22110
315	S616	राजनारायण पाण्डेय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरूई, गारापुर, इलाहाबाद
316	S617	माँ सरस्वती महाविद्यालय, दामोदरा, जौनपुर
317	S618	बी0बी0एस0 इन्स्टीट्यूट जमानिया, गाजीपुर

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
318	S625	श्री बाबू सिंह डिग्री कालेज, संयारा, कौशाम्बी
319	S627	श्री दुर्गा संस्कृत महाविद्यालय, छत्रपुरा सैयदराजा, चन्दौली- 232110
320	S631	श्री महन्त रामश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुडकुडा- गाजीपुर
321	S634	गायत्री परिवार ट्रस्ट, गायत्री शक्ति पीठ, कुर्सी रोड, लखनऊ
322	S637	डॉ0 वीरेन्द्र स्वरूप इन्स्टीट्यूट आफ कम्प्यूटर स्टडीज, 810 डब्लू-1 ब्लाक, जूही, साकेत नगर, कानपुर-208014
323	S643	आई. सी. एस. डी. एजुकेशनल सेन्टर, 52ए/28, चिन्तामणि रोड, (निकट पोस्ट आफिस), जार्ज टाउन, इलाहाबाद
324	S645	विश्व कल्याण एवं ज्योतिष शोध संस्थान, मनुपुर, मनैया, करछना, इलाहाबाद
325	S646	जे0एस0 हिन्दू पी.जी. कालेज, अमरोहा आजाद रोड, अमरोहा, जे.पी. नगर
326	S647	श्री कालेज ऑफ मैनेजमेंट, लाउली, गोमती नगर एक्सटेंशन, निकट मल्हौर रेलवे स्टेशन, लखनऊ- 226010
327	S648	राम सुन्दर पाण्डेय महाविद्यालय, गजियापुर, मऊ- 221601
328	S649	मॉ फूला देवी कन्या महाविद्यालय, तिलौली, बघुड़ी, बलिया
329	S650	शबरी बालिका महाविद्यालय, ग्रा0 व पो0- सिखड़ी, गाजीपुर
330	S651	श्री सरस्वती संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अकोढ़ा, रोही-ऊँज, ज्ञानपुर, संत रविदास नगर, भदोही- 221308
331	S652	श्री श्री इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी एण्ड मैनेजमेंट, सैलई रोड, गाँव फतेहपुर, कासगंज, कांशीराम नगर
332	S653	भारतीय कपिलमुनि महाविद्यालय, करपिया, बेवर, मैनपुरी- 206301
333	S654	महिला महाविद्यालय, होतिमपुर, जमानिया, गाजीपुर- 232329
334	S655	कुँवर शकूर खाँ डिग्री कालेज, सकरा, पो.- मकसूदपुर, एटा
335	S656	सुकदेव सिंह लवकुश महाविद्यालय, ग्राम व पोस्ट- बबेरु, बांदा- 210121
336	S657	हौसिला प्रसाद जन कल्याण एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान, ग्राम- मिर्जापुर, पो.- भिखारीपुर, तहसील- अकबरपुर, जिला- अम्बेडकर नगर
337	S658	गांधी स्मारक महाविद्यालय, सुरजनगर, जयनगर, मुरादाबाद
338	S659	कबूतरी देवी राजेश्वर त्रिपाठी स्मारक पी0जी0 कालेज, बाले-दुपरी, डुमरी खास, गोरखपुर- 273202
339	S660	राम नाथ महाविद्यालय, ग्रा0- नेवादा, पो0- बसन्ध, तह0- प्रतापपुर, इलाहाबाद
340	S661	शान्ति महाविद्यालय, ग्रा0-बगई कला, पो0- बगई खुर्द, तह0 फूलपुर, इलाहाबाद
341	S662	फ्यूचरनेट एजूकेशनल सोसायटी, 68, जगन्नाथ गंज, निकट रेलवे स्टेशन, सेवायोजन कार्यालय के सामने, उन्नाव
342	S663	राजीव गाँधी महाविद्यालय, जगदीशपुर, सुल्तानपुर
343	S665	जगतधात्री इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलाजी (JIMT), 14/1, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद
344	S666	श्री ओमर वैश्य विद्यापीठ, लाल पुरुषोत्तम दास ज्वैलर्स महाविद्यालय, डी0 113, श्याम नगर, कानपुर
345	S667	रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कलाँ, जौनपुर
346	S668	श्री रामकरन पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, ग्रा. व पो.- भमपुरा नं.-1, बलिया- 221716
347	S669	नेट कम्प्यूटर, एन.-10/79, भिखारीपुर, डी.एल.डब्ल्यू, बी.एच.यू. रोड, वाराणसी
348	S670	उदित नारायण ऋषभ महाविद्यालय, पिण्डरी, पत्रालय-अगरौली, बलिया- 277001
349	S671	लाला महादेव प्रसाद वर्मा बालिका महाविद्यालय, गोसाईंगंज, लखनऊ- 227125
350	S672	महाराणा प्रताप शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान, नगहरा, अम्बेडकर नगर- 224141
351	S673	वी.के. जैन कालेज ऑफ एजूकेशन, सौरों रोड, कासगंज- 207123, कांशीराम नगर
352	S674	वी.के. जैन इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, कासगंज-बरेली रोड, कासगंज-207123, कांशीराम नगर

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
353	S675	अमित महाविद्यालय, अमित नगर, सपहां रोड, कसया- कुशीनगर- 274402
354	S676	ज्योतिष, कर्मकाण्ड एवं अध्यात्म शोध संस्थान, 455, वासुकी खुर्द, दारागंज, इलाहाबाद- 211006
355	S677	सन्त द्वारिका प्रसाद महाविद्यालय, कोटवा, मोहम्मदपुर, अकबरपुर, अम्बेडकर नगर
356	S678	आगरा वनस्थली महाविद्यालय, गाटा संख्या-627, जलेसर, आगरा-फिरोजाबाद रोड, झरना नाला, आगरा- 282006
357	S679	अन्नपूर्णा इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फारमेशन टेक्नोलाजी, बी0 6/1, शिलाखाना रोड, तेलियरगंज, इलाहाबाद- 211004
358	S680	शिव महेश शैक्षिक संस्थान, गौरीगंज, सुल्तानपुर
359	S681	बांके बिहारी कन्या महाविद्यालय, ग्राम- खिवाली, पोस्ट- उझानी, बदायूँ- 243639
360	S682	बिन्देश्वरी कन्या महाविद्यालय, दोस्तपुर रोड, अकबरपुर (बरघा भिउररा), अम्बेडकर नगर- 224112
361	S683	बसंत महाविद्यालय, तेन्दुई, सरायइनायत, इलाहाबाद- 221505
362	S684	राजदीप महिला महाविद्यालय, ग्राम- कैलहट, पोस्ट- पचेवरा, मिर्जापुर- 231305
363	S685	बदली महाविद्यालय, अमरेथू, डंडिया, कादीपुर, सुल्तानपुर- 228145
364	S686	माँ वैष्णवी महाविद्यालय, जगदीशपुर, पूरे चन्दा, थरवई, इलाहाबाद
365	S687	आई.पी.सी.सी. (IPCC), ग्राउण्ड फ्लोर, स्काईलार्क बिल्डिंग, नियर लीला सिनेमा, हजरतगंज, लखनऊ- 226001
366	S688	महाविद्यालय बाँसडीह, बलिया
367	S690	सद्गुरु सदाफल देव विहंगम योग संस्थान, झूंसी, इलाहाबाद
368	S691	श्रीमती शिव दुलारी सिंह महिला डिग्री कालेज, ग्राम-गुंगवाछ, पो0- करौंदी, तह0- अमेठी, जनपद सी.एस.एम. नगर (अमेठी)
369	S692	आचार्य बलदेव कालेज, कोपा, पतरही, जौनपुर
370	S693	माँ दुर्गा टेक्निकल एण्ड मैनेजमेंट कालेज, पनीहर- डोभी, जौनपुर
371	S694	एसोसिएशन फार कम्पोजिट एण्ड माडर्न एजूकेशन, 133, एन ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर- 208011
372	S695	संचित विकास संस्थान, हसनापुर, पोस्ट- बरगदवा, तह0- मानपुर, बस्ती
373	S696	विमला यादव महाविद्यालय, ग्राम- एकावसपट्टी, पो.- भितरी, तह. सैदपुर, गाजीपुर- 233304
374	S697	सत्यनारायन महाविद्यालय, भरौली, बरडीहादल, देवरिया
375	S698	श्री जगदम्बा महिला महाविद्यालय, ग्रा.- मऊदेव, पो.- सुल्तानगढ़, फतेहपुर
376	S699	न्यायमूर्ति राजा चन्द्रशेखर प्रसाद सिंह डिग्री कालेज, विक्रमगढ़, साजी, कोराँव, इलाहाबाद- 212306
377	S700	पार्वती महिला पी0जी0 कालेज, दोहरीघाट, मऊ
378	S701	श्री सुदामा यादव महाविद्यालय, लक्ष्मीपुर, धनौती खुर्द, देवरिया
379	S702	माँ फूलपति देवि महाविद्यालय, डुमरी, रामपुर कारखाना, देवरिया
380	S703	डिफेन्स कालेज आफ कामर्स एण्ड टेक्निकल मैनेजमेंट, 25/253, न्यू कालोनी, देवरिया- 274701
381	S704	लाल जी राय डिग्री कालेज, खोरीबारी, रामपुर, देवरिया- 274701
382	S705	पं0 रामेश्वर बाजपेयी स्मृति महाविद्यालय, सुल्तानपुर आइमा, मुन्शीगंज,रायबरेली-229405
383	S706	विशाल कन्या डिग्री कालेज, फरीदपुर चौधरी, इज्जतनगर, बरेली- 243122
384	S707	युवा सम्राट राजीव गाँधी डिग्री कालेज, गौहरपुर, सरायममरेज, इलाहाबाद- 212403
385	S708	एन. ए. एस. पी.जी. कालेज, मेरठ
386	S709	डा0 भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय, अनौगी, कन्नौज
387	S710	बी.सी.आई.एस. इन्फोटेक, नियर बस स्टेशन मेन रोड, सलेमपुर, देवरिया
388	S951	विकलांग केन्द्र, इलाहाबाद (मानसिक मंदता)

क्र.सं.	केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
389	S952	इसराजी देवी शिक्षण संस्थान, इलाहाबाद (दृष्टि बाधिता)
390	S953	उ0प्र0 इंस्टीटयूट फार द हेयरिंग हैण्डीकेप, इलाहाबाद (श्रवण विकलांगता)
391	S954	शिक्षित युवा सेवा समिति, पाण्डेय बाजार, बस्ती (दृष्टि विकलांगता)
392	S955	शिक्षित युवा सेवा समिति, पाण्डेय बाजार, बस्ती (श्रवण विकलांगता)
393	S956	चेतना, लखनऊ (मानसिक विकलांगता)
394	S957	इंटीग्रेटिंग इन्स्टीटयूट फार द डिसेबल्ड, वाराणसी (मानसिक विकलांगता)
395	S958	नववाणी स्कूल फॉर द हियरिंग इम्पेयर्ड, कोईराज, हरहुआ, वाराणसी
396	S959	टी.डी. कालेज (विकलांग पुनर्वास केन्द्र) जौनपुर, (मानसिक विकलांगता)
397	S960	इन्स्टीट्यूट ऑफ टीचर ट्रेनिंग फार डेफ, ऐशबाग लखनऊ (श्रवण विकलांगता)
398	S961	पूर्वांचल खादी ग्रामोद्योग विकास समिति, झूँसी, इलाहाबाद (श्रवण विकलांगता)
399	S962	जीवन ज्योति इन्स्टीटयूट फार डिसेबल्ड, सारनाथ वाराणसी (दृष्टि विकलांगता)

****

परिशिष्ट-10

विशिष्ट आगन्तुक
(Prominent Visitors)

1.	न्यायमूर्ति जी.एस. सिंघवी	न्यायमूर्ति सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली
2.	पद्मश्री प्रो. हर्ष के गुप्ता	सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, भारत सरकार
3.	प्रो. देवेन्द्र प्रताप सिंह	पूर्व कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
4.	पद्मश्री प्रो. महेन्द्र सिंह सोढ़ा	पूर्व कुलपति, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल
5.	न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय	इलाहाबाद
6.	प्रो. ए.के. सिंह	कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद
7.	डॉ. मुरलीधर तिवारी	अध्यक्ष, ए.आई.यू. नई दिल्ली, एवं निदेशक आई.आई.आई.टी. इलाहाबाद
8.	डॉ. राकेशधर त्रिपाठी	उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश
9.	प्रो. जनक पाण्डेय	कुलपति, बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पटना
10.	प्रो. के.बी. पाण्डेय	कुलपति, महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय
11.	प्रो. बी.के. कुठियाला	कुलपति, माखल लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल
12.	प्रो. विनय पाठक	कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
13.	प्रो. पी.के चतुर्वर्ती	निदेशक, मोती लाल नेहरु राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद
14.	प्रो. महेश चन्द्र चट्टोपध्याय	पूर्व अध्यक्ष, रसायन शास्त्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय
15.	श्री मुकेश मेश्राम	आयुक्त, इलाहाबाद मंडल इलाहाबाद
16.	प्रो. आर.पी. मिश्रा	पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
17.	प्रो.जी. गोपीनाथ	पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा
18.	प्रो. शम्भूनाथ सिंह	निदेशक, पत्रकारिता एवं जनसंचार, इग्नू नई दिल्ली
19.	प्रो. राजेन्द्र मिश्र,	पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
20.	प्रो. सुभाष धुलिया	निदेशक, पत्रकारिता एवं नवीन अध्ययन विद्याशाखा, इग्नू
21.	प्रो. लता पिल्लइ	प्रति कुलपति, इग्नू, नई दिल्ली
22.	प्रो. राम शकल पाण्डेय	पूर्व अध्यक्ष, शिक्षा विभाग एवं अधिष्ठाता, कलासंकाय इ.वि.वि.
23.	प्रो. एच.पी. तिवारी	पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
24.	प्रो. राम मोहन पाठक	महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
25.	प्रो. आर.सी. त्रिपाठी	पूर्व निदेशक, जी.वी. पंत समाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद
26.	प्रो. जगदीश प्रकाश	पूर्व निदेशक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
27.	प्रो. के.पी. मिश्र	कुलपति, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
28.	प्रो. भीम सिंह दहिया	कुरुक्षेत्र
29.	प्रो. पी. दुरईसामी	मद्रास विश्वविद्यालय
30.	श्रीमती शकुन्तला कश्यप	उप-सचिव, यू.जी.सी. नई दिल्ली
31.	डॉ. अनिल शुक्ल	ऊप-सचिव, राष्ट्रीय शिक्षा अध्यापक परिषद्
32.	डॉ. एम.के. हाडा	सदस्य-सचिव, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली
33.	डॉ. सीमा जैन	प्राचार्य, रघुनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज, मेरठ

34. डॉ. जे.पी. सिंह	सदस्य सचिव, भारतीय पूर्नवास परिषद् नई दिल्ली
35. प्रो. सुधाकर सिंह	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी
36. श्री रविशंकर	सहायक केन्द्र निदेशक, आकाशवाणी
37. श्री विनोद मिश्र	वरिष्ठ पत्रकार, पूर्व संपादक दैनिक भाष्कर, जागरण
38. प्रो. अलका अग्रवाल	अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
39. प्रो. गौरी चट्टोपाध्याय	अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
40. प्रो. सुमिता परमार	निदेशक, महिला अध्ययन केन्द्र, इलाहाबाद
41. प्रो. उषा किरण राय	काशी हिन्दू, विश्वविद्यालय, वाराणसी
42. श्री अनिल भाष्कर	सम्पाकद, दैनिक हिन्दुस्तान, इलाहाबाद
43. श्री आनंदवर्द्धन शुक्ल	निदेशक, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहाबाद
44. प्रो.हरिशंकर उपाध्याय	परीक्षा नियंत्रक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
45. प्रो.एस.ए. अंसारी	इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
46. प्रो. योगानंद सिन्हा	मनोविज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय
47. प्रो. आर.एस. दुबे	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
48. डॉ. गिरीश पाण्डेय	नरेन्द्र देव कृर्षि विश्वविद्यालय
49. डॉ. वी.के. मिश्र	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
50. डॉ. डर्क बी. हेज	टेक्सास विश्वविद्यालय यूएसए
51. डॉ. पृथ्वी नाथ पाण्डेय	भाषाविद्, इलाहाबाद
52. श्री अभिलाष नारायण	वरिष्ठ पत्रकार, इलाहाबाद
53. डॉ. चन्द्र विजय चतुर्वेदी	शिक्षाविद्, इलाहाबाद
54. डॉ. सुधा प्रकाश	शिक्षाविद्, इलाहाबाद
55. प्रो. जय प्रकाश नारायण द्विवेदी	निदेशक, श्री द्वारिका संस्कृत एकेडमी, गुजरात

****

परिशिष्ट-11

समाचार पत्रों के आइने में

Pg 8 | i next Allahabad, 16 November, 2011 — taka jhanki

Nothing is impossible

चैलेंजेज कितने भी हों, मुश्किलें हजार हों, आपकी विल पॉवर मजबूत है तो फिर कुछ भी इम्पॉसिबल नहीं. बड़े से बड़ा टारगेट अचीव किया जा सकता है, सिर्फ आप उसे पाने के अपने डिसीजन पर हमेशा डटे रहें और उसके लिए एफर्ट्स करते रहें. फिर देखिए एक न एक दिन सक्सेस आपके कदम जरूर चूमेगी. उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपेन यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. एके बख्शी का मानना कुछ ऐसा ही है. ये उनकी विल पॉवर ही थी कि म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के स्कूल से निकलकर उन्होंने डिस्टेंस एजूकेशन प्रोवाइड कराने वाली फेमस यूनिवर्सिटी के वीसी तक का सफर तय किया.

Profile

Pro. Ashok Kumar Bakshi
Vice Chancellor of UPRTOU.

Known for
His hard decisions & strict personality

Things he can't live without
Mobile phone
Laptop
News paper
Books



निभा चुके हैं ये जिम्मेदारियां

- Faculty member of Delhi University.
- Director, Institute of Lifelong Learning.
- Director, Centre for Professional Development in higher education
- Chairman of Content Advisory Committee for Chemistry of MHRD.
- Chairman of Working Group for Chemistry for National Science Digital Library.
- Chairman of the Expert Committee for Revision of the Physical Chemistry of IGNOU.
- Member Expert of the various UGC Committee.

Award & academic honour

- Fellowship of the IUPAC
- Chemical Research Society of India Medal.
- JSPS Fellowship of Japan.
- INSA Research Fellowship.
- Best paper Award in the field of Chemical Sciences from DAAD.
- Visiting Associateships of the UGC & CSIR.
- Science Exhibition Award of Delhi University.
- Pro. RP Mitra Gold Medal.
- Distinguished Teacher Award.
- Fellowship of the National Academy of Science.
- DAAD Fellowship of Germany.
- UGC Career Award.
- Punjab State Council for Science & Technology Award.
- Young Chemist Award.
- Visiting Fellowship of DAAD.
- Dr. Krishan Rao Gold Medal.



प्रो. एके बख्शी

ये जुनून ही था जिसने...

निडिल क्लास फैमिली से बिलांग करने वाले प्रो. बख्शी की मानें तो ये उनके हार्ड वर्क का ही नतीजा है कि वह चीजों की पीक्स तक पहुंचे. वह कहते हैं 'म्यूनिसिपल स्कूलिंग से लेकर आफ दिल्ली के स्कूल से मेरी शुरुआती एजूकेशन हुई. हालांकि पढ़ाई के प्रति मेरा जुनून ही था कि 21 साल से भी कम उम्र में मैंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में लेक्चरर की पोस्ट पर अपाइंटमेंट पाया. इतना ही नहीं जर्मनी व जापान सहित अन्य कई कंट्रीज की यूनिवर्सिटीज से न केवल पोस्ट डॉक्टोरल ट्रेनिंग की बल्कि डिस्टिंट अवार्ड से सम्मानित भी हुआ.'

संस्कारों का नतीजा

प्रो. बख्शी बताते हैं ' ये फैमिली से मिले संस्कारों का ही नतीजा है कि न सिर्फ मैं बल्कि आज उनके भाई-बहन भी ऊंची पोस्ट्स पर कार्यरत हैं. मूल रूप से दिल्ली निवासी मेरे फादर जीएस्लाल जी दिल्ली यूनिवर्सिटी के ही एक कॉलेज में सेक्शन ऑफिसर थे. इस समय घर की फाइनेंशियल हालत बहुत अच्छी नहीं थी. ऐसे में पब्लिक स्कूल में पढ़ना सपने जैसा था. यही कारण था कि शुरुआती पढ़ाई म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के स्कूल से की.'

तोड़े कई record

शुरू से ही मेरिटोरियस रहे प्रो. बख्शी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़े. बीएससी और फिर केमेस्ट्री में एमएससी दिल्ली यूनिवर्सिटी से किया. एमएससी में टॉप किया और इसके बाद इसी यूनिवर्सिटी में केवल 21 साल की उम्र में लेक्चरर बनकर एक नया रिकॉर्ड बनाया. डीयू में इससे कम उम्र में लेक्चरर बनने वाला कोई दूसरा व्यक्ति उस समय तक नहीं था.

महज इत्तेफाक नहीं

बकौल प्रो. बख्शी, 'यूपीआरटीओयू का चांसलर बनना मेरे लिए महज इत्तेफाक नहीं. दरअसल दिल्ली यूनिवर्सिटी सहित अन्य इंस्टीट्यूशंस में अपने हार्ड वर्क और रिजल्ट डिलीवरी के लिए मैं काफी फेमस था. पुडुचेरी गवर्नमेंट के साथ अपने लंबे चौड़े पाले के लिए काफी पेरशान करें, सक्सेस उसी को मिलती है जो टास्क का सही चूज करता है. हार्ड वर्क करने वाले व्यक्ति को प्रो. बख्शी खुद बहुत पसंद करते हैं.

...तभी आता है काम

प्रो. बख्शी अपनी सक्सेस के पीछे पैरेंट्स और गुरुजनों के आशीर्वाद का बड़ा रोल मानते हैं. हालांकि उनका यह भी कहना है कि आशीर्वाद तभी काम करता है जब आप टास्क मैनेजमेंट के साथ अपने लक्ष्य को पाने के लिए कड़ी मेहनत करें, सक्सेस उसी को मिलती है जो टास्क का सही चूज करता है. हार्ड वर्क करने वाले व्यक्ति को प्रो. बख्शी खुद बहुत पसंद करते हैं.

ये है aim

इंडिया की एजूकेशन क्वालिटी को लेकर प्रो. बख्शी काफी दुखी हैं. वह कहते हैं 'मेरे वश में जितना है, उतना मैं अपने देश में शिक्षा के स्तर को सुधारने के प्रयास करूंगा. जापान में नोबेल लारिएट्स के साथ काम करने का मौका मिला तब पता चला कि उनका एजूकेशन स्टैंडर्ड कितना अपर लेवल का है. उसी वजह तय कर लिया कि देश में एजूकेशन क्वालिटी को सुधारने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा.'

ajit.shukla@inext.co.in

मुक्त शिक्षा का आयाम बढ़ रहा



2043 विद्यार्थियों को प्रदान की गईं विभिन्न उपाधियां

लखनऊ, 5 सितंबर (संवाद सूत्र): इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का चौबीसवां दीक्षांत समारोह सोमवार को आयोजित हुआ। इग्नू मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित मुख्य कार्यक्रम को टेलीकांफ्रेंसिंग के जरिए विश्वविद्यालय के 58 क्षेत्रीय केंद्रों से जोड़ा गया। लखनऊ में दीक्षांत समारोह का आयोजन लखनऊ क्रिश्चियन डिग्री कॉलेज में हुआ। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके बख्शी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

इग्नू के अलग अलग पाठ्यक्रमों में पंजीकरण कराने वाले जिन अभ्यर्थियों ने लखनऊ केंद्र से डिग्री लेने का विकल्प चुना था, उन्हें सोमवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में डिग्री प्रदान की गई। लखनऊ केंद्र की सोमा मंडल (एमबीएडीएफएम) और एकता जायसवाल (पीजीडीएचआरएम) को दिल्ली में हुए कार्यक्रम में गोल्ड मेडल दिया गया। लखनऊ केंद्र के 2043 विद्यार्थियों ने स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा व प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों की उपाधि प्रदान की गई। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अमित चतुर्वेदी ने मुक्त शिक्षा की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो.एके बख्शी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। क्षेत्रनिदेशक डॉ. अश्वनी कुमार ने आमंत्रित अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

LUCKNOW, WEDNESDAY MAY 16, 2012; PAGES 12+4

the pioneer

www.dailypioneer.com

Bakshi appointed Advisory Board member for CBSE-i

PIONEER NEWS SERVICE ■ ALLAHABAD

The Vice-Chancellor, UP Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU), Allahabad, Prof AK Bakshi, has been appointed as the member of the Advisory Board for the Central Board of Secondary Education (CBSE)'s international curriculum widely known as CBSE- i. The curriculum which was launched abroad in 2010 is based on the international pattern of teaching and has been designed to help the students grow and learn in the international perspective.

Twenty- five international CBSE schools situated in UAE, Oman, Saudi Arabia, Singapore, Malaysia and Japan are currently teaching on this international curriculum. The key features of CBSE -i curriculum were learner and learning-centric inquiry and skill-based curriculum catering to individual learning styles with focus on experiential learning, analysis and discovery approach and on real world experiences. It provided an opportunity for extended learning and helped in developing perspective with emphasis on research orientation and social empowerment.

The existing curriculum in CBSE is based on the National Curriculum Framework-2005 catering to the needs of the Indian populace. The international curriculum while keeping all significant components of the NCF as its base provides a more learner-friendly, stress-free and skill-based approach. The curriculum de-emphasises on learning by rote and promoted thinking skills, analytical skills and communication skills to develop right and objective perspective facilitating independent judgment.

The programme will also give the students a direct entry to any international university. Currently, any student who wanted to go abroad after class XII in India either needed to do International Baccalaureate (IB) or the International General Certificate of Secondary Education (IGCSE). But the CBSE-i degree is a direct entry ticket to those aspiring to join international universities. As a next step there was a proposal to introduce CBSE-i in about 100 schools affiliated to CBSE in India from the academic session, 2013. Prof Bakhshi is also the part of the team developing study material in chemistry for classes XI and XII for this international curriculum. This material which would be in the form of e-books is being uploaded on the CBSE -i portal. The highlights of this study material are features such as learning outcomes, lesson plan matrix, cross-curricular links, teacher notes, objectives to achieve through activities, mind map, crossword puzzles, common misconceptions, mnemonics, worksheets and rubrics of assessment for learning. Prof Bakshi said that this curriculum would change the face of education in India which was long overdue.

He said that our traditional method of teaching through lectures or chalk and talk method failed to satisfy the curiosity of our learners. He said that the students had many questions related to almost all the topics they learnt and they wanted to get into how, what, why, where, when like questions on each topic. The paucity of time, diverse subjects and themes in, old curriculum, busy life styles of parents and enormous information on each topic did not let that happen which was most required.

This programme would help in satisfying their curiosity and hence help in nurturing innovation and creativity among them, he said.

स्वण पदक पाकर गदगद हुए प्रा. जनक

इलाहाबाद (एसएनबी)। उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विवि में सोमवार को उप्र शासन के उच्चशिक्षा मंत्री डा. राकेश त्रिपाठी व कुलपति प्रो. एके बख्शी ने पटना के कुलपति प्रो. जनक पाण्डे को राजर्षि टण्डन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। यह कार्यक्रम विवि परिसर फाफामऊ में आयोजित किया गया था।

राजर्षि टण्डन शिक्षक सम्मान-2011 के मुख्य अतिथि उच्चशिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रो. पाण्डे का सम्मान वे एक विद्यार्थी के रूप में कर रहे हैं। श्री पाण्डे अंतराष्ट्रीय ख्याति के विद्वान हैं और उनके उल्लेखनीय कार्यों के कारण इविवि के मनोविज्ञान विभाग की ख्याति दूर-दूर तक है। इस मौके पर श्री त्रिपाठी ने राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय को भी प्रदेश सरकार की तरफ से सहयोग देने का आश्वासन दिया।

बिहार केन्द्रीय विवि पटना के कुलपति श्री पाण्डे ने कहा कि शिक्षण कार्य में संवेदनशीलता बहुत जरूरी है। आज हर शिक्षक को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि समाज के विकास के लिए वह क्या योगदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण शिक्षा इस समय बहुत उपयोगी है। इस पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए।

कुलपति प्रो. ऐके बक्शी ने कहा कि शिक्षक भूमिका आज दिन-प्रतिदिन बदलती जा रही है। इस ज्ञान युग में शिक्षकों को खुद अप-टू-डेट रखना पड़ेगा। अच्छा शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता है व शिक्षक सम्मा राष्ट्र का सम्मान है। उच्चशिक्षा मंत्री के सलाहकार डा. चन्द्र विजय चतुर्वेदी ने कहा कि शिक्षकों के सम्मान से देश को एक नयी दिशा मिलेगी। श्री पाण्डे को सम्मानित होते देख पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। डा. एमएन सिंह, डा. टीएन दुबे, प्रो. एसपी गुप्त, डा. हरीश चन्द्र जायसवाल, डा. एके सिंह, प्रो. फुरकान कमर सहित अन्य उपस्थित रहे।



इलाहाबाद: पटना के कुलपति प्रो. जनक पाण्डेय किये गये सम्मानित।

▶ उच्चशिक्षा मंत्री व राजर्षि टण्डन के कुलपति ने किया सम्मानित

hindustan

PROF BAKSHI TAKES OVER AS NEW UPRTOU V-C



■ Prof Ashok Kumar Bakshi

HT Correspondent
■ allahabad.htdesk@hindustantimes.com

ALLAHABAD: Noted scientist and expert in the field of physical chemistry, Prof Ashok Kumar Bakshi took over as the new vice-chancellor of the Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University on Wednesday. Former head of chemistry department, Delhi University, since May 2010, Prof Bakshi took charge from Prof Nageshwar Rao, who completed three-year tenure as V-C recently.

Talking to mediapersons after taking charge, Prof Bakshi said attaining quality in all the activities of the varsity would be his top priority. "Technology has come to play a vital role in education, especially in distance learning.

So we would also be improving and developing our e-learning resources in the coming days so as to allow more and more people to get higher education with no compromise on quality of education or study materials," he said.

30 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद
॥सरस्वती नःसुभगा मयस्करत्॥

THE TIMES OF INDIA

Use modern techniques in edu: Guv

TIMES NEWS NETWORK

Allahabad: The sixth convocation of UP Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) was held in the convocation ground of university at Phaphamau on Wednesday. Governor and Chancellor of the University BL Joshi presided over the convocation. The convocation address was delivered by chief guest Padma Shri Prof Harsh K Gupta, member, National Disaster Management Authority.

In his address Governor stressed that in the age of in-

SIXTH UPRTOU CONVOCATION

formation technology, the importance of online education is increasing day-by-day. In this field distance education plays a vital role.

In the field of higher education new modern techniques should be used as much as possible, he said, adding that there is need to instill moral and ethical in students. The need of the hour is to introduce courses based on ancient traditions and the scientific attitude of the students should be sustained.

Joshi further stated that higher education is not meant







KUDOS: A view of degree holders (top left); students who secured medals(bottom left); and Nivedita Singh being felicitated by governor BL Joshi during the sixth convocation of UP Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) held on the convocation ground of UPRTOU of Phaphamau on Wednesday

ma but purpose of education is to enlighten the youth so that they can serve the nation. Chief guest Prof Gupta said India has the third largest system of education in the world, next only to US and China with 500 universi-

country. Prof Gupta said only 12 per cent of the population, in the age group of 18 to 23 years go for higher education while the global average is 22 per cent. He said open and distance education was introduced to primarily meet the aspirations of younger

virtual an academic institution. "We are also going to establish e-learning centre of the university. We are trying to give a new scientific and technical shape to the university," V-C said.

About 12,000 students were awarded degrees and PG diploma at the convocation. Besides, 17 students were felicitated with gold medals.

The Chancellor Gold Medal was given to Nivedita Singh of Ballia for scoring the highest marks among all undergraduate and postgraduate students.

UPRTOU vice-chancellor Prof AK Bakhshi presented the annual report of the university.

He apprised the Chancellor about the development of the university including UPRTOU preparing to become to generation.

अमृत प्रभात

तकनीकी ज्ञान से ही राष्ट्र का विकास : राज्यपाल

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विवि का छठा दीक्षांत समारोह

(कार्यालय संवाददाता)

इलाहाबाद, 29 फरवरी। राज्यपाल बीएल जोशी ने कहा कि उच्च शिक्षा एवं तकनीकी ज्ञान से ही समाज व राष्ट्र का विकास संभव है। इस उद्देश्य की पूर्ति दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी की जा सकती है। राज्यपाल श्री जोशी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के छठे दीक्षान्त समारोह में बोल रहे थे। श्री जोशी ने कहा कि राज्य और राष्ट्र की प्रगति के उच्च शिखर पर पहुंचने में तकनीकी शिक्षा, दूरवर्ती एवं सतत्‌शिक्षा जैसे तीन स्तंभ हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी उच्च शिक्षा को दी जा सकती है। राज्यपाल श्री जोशी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के छठे दीक्षान्त समारोह में बोल रहे थे। श्री जोशी ने कहा कि राज्य और राष्ट्र की प्रगति के उच्च शिखर पर पहुंचने में तकनीकी शिक्षा, दूरवर्ती एवं सतत्‌शिक्षा जैसे तीन स्तंभ हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी उच्च शिक्षा को दी जा सकती है। राज्यपाल श्री जोशी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के छठे दीक्षान्त समारोह में बोल रहे थे। श्री जोशी ने कहा कि राज्य और राष्ट्र की प्रगति के उच्च शिखर पर पहुंचने में तकनीकी शिक्षा, दूरवर्ती एवं सतत्‌शिक्षा जैसे तीन स्तंभ हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी उच्च शिक्षा को दी जा सकती है। राज्यपाल श्री जोशी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के छठे दीक्षान्त समारोह में बोल रहे थे। श्री जोशी ने कहा कि राज्य और राष्ट्र की प्रगति के उच्च शिखर पर पहुंचने में तकनीकी शिक्षा, दूरवर्ती एवं सतत्‌शिक्षा जैसे तीन स्तंभ हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी उच्च शिक्षा को दी जा सकती है।



विविध विषयों एवं पाठ्यविधेयक प्राप्ति प्रदान करने वालों के शोध अवश्य नहीं है, बल्कि ऐसी युवा शक्ति को उजागर है जो राजकारक एवं प्रयुक्त नवीन समाज और देश के प्रति समर्पित हो। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि पश्चमी एवं दक्षिण प्रादेश प्रशिक्षण के सदस्य प्रोफेसर एम के पुरा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलैन और दौन के बाद भारत तीसरे स्थान पर है। भरतपुर में लगभग 020

...शेष पृष्ठ 2 पर

राष्ट्रीय सहारा

प्रो. बख्शी ने किया 'अन्वेषा' का विमोचन



इलाहाबाद : 'अन्वेषा' का विमोचन करते प्रो.एके बख्शी और अन्य। फोटो : एसएनबी

इलाहाबाद (एसएनबी)। जगत तारन महिला महाविद्यालय में मंगलवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एके बख्शी ने शोध पत्रिका 'अन्वेषा' का विमोचन किया।

▶ शिक्षा के क्षेत्र में काफी सुधार हुआ : प्रो. बख्शी

विमोचन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रो.बख्शी ने सुझाव, संवाद एवं तकनीक के माध्यम से उच्च शिक्षा में गुणवत्ता का विकास विषय पर बोलते हुए कहा कि संचार के आधुनिक माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है। जरूरत है इसको सही तरीके से छात्र-छात्राओं को समझाने की। अध्यक्षता करते हुए डीन सोशैलो प्रो.एलआर सिंह ने शोध पत्रिका अन्वेषा के मौलिक पक्ष की प्रसंसा की। कालेज की प्राचार्या एवं पत्रिका की मुख्य संपादक डा.कमला दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया और पत्रिका के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डा.सुषमा श्रीवास्तव ने एवं डा.विनीता अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर अन्वेषा पत्रिका की एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य प्रो.एपत्नी शर्मा, प्रो.मनमोहन कृष्ण, प्रो.सत्य नारायण, डा.कजल दवे, प्रो.राम किशोर शास्त्री, डा.जीमिल श्रीवास्तव, डा.अमिता सेन गुप्ता, डा.राजेन्द्र त्रिपाठी सहित कई शिक्षक व विद्यिकाएं मौजूद रहीं।

THE INDIAN EXPRESS
ESDAY WEDNESDAY 4 JANUARY 2012

BHUBANESWAR







(Clockwise from Top) Prime Minister Manmohan Singh, Governor M C Bhandare, Chief Minister Naveen Patnaik and Union ministers Vilasrao Deshmukh and Ashwani Kumar at the inauguration of 99th Indian Science Congress on KIIT University campus in Bhubaneswar on Tuesday. Naveen delivering his speech. Founder of KIIT and KISS Achyuta Samanta receiving Jawaharlal Nehru Award from Singh and the Prime Minister felicitating Chandra Pradhan, a tribal of Koraput district | Express Photo/Shamim

राष्ट्रीय सहारा

दूरस्थ शिक्षा उपयोगी



कार्यशाला को संबोधित करते न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय।

इलाहाबाद (एसएनबी)। आज के समय में दूरस्थ शिक्षा की उपयोगता बढ़ती जा रही है। इसकी आवश्यकता अब लोगों की समझ में आने लगी है। जिस तरह से दूरस्थ शिक्षा की महत्ता बढ़ती जा रही है उसी तरह इसकी गुणवत्ता को बनाए रखने की जिम्मेदारी सम्बन्धकों की है।

▶ मुविवि में गोरखपुर केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला में न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने व्यक्त किया विचार

न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने यह बातें बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन के मुक्त विश्वविद्यालय की आयोजित गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयकों की कार्यशाला के दौरान कही। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा ऐसा माध्यम है जो बीच में शिक्षा छोड़ चुके लोगों के लिए एक नई राह दिखाता है। श्री मालवीय ने कहा कि समाज का कल्याण करने में जिन लोगों की रुचि है वे दूरस्थ शिक्षा माध्यम से सीधेक कार्यक्रमों को और उन्नयन हो रही है। उन्होंने आशा जताई कि विश्वविद्यालय को सब से अपने पहले केंद्र को आगे बढ़ाए जिससे यहां से निकले विद्यार्थियों का स्तर ऊंचा हो सके। अध्यक्षता करते हुए पुलिस के कुलपति प्रो.एके बख्शी ने कहा कि देश में दूरस्थ शिक्षा लोगों की पहली पसंद बनती जा रही है। आने वाले वर्ष में समन्वयकों और क्षेत्रीय केन्द्रों को मजबूत करने की दिशा में कई नये परिवर्तन किए जा रहे हैं। गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक प्रो.जयप्रकाश ने बताया कि इस क्षेत्र के अन्तर्गत 14 जिलों में 65 अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से मुक्तवाणी बीएड की दूरस्थ शिक्षा प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम के अन्त वर्ती में डा.पीपी दूबे, तापस बनर्जी, डा.अरुणेंद्र चंदन, डा.एस कुमार, डा.जीके द्विवेदी व डा.देवेश रंजन त्रिपाठी ने समन्वयकों को आगामी सत्र से किए जा रहे परिवर्तनों तथा नई योजनाओं की जानकारी दी। कुलपतिकर को लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र से संबंधित समन्वयकों की कार्यशैला मुख्य 10:30 बजे आयोजित की गयी है।

the pioneer

LUCKNOW, THURSDAY DECEMBER 8, 2011; PAGES 12+4

www.dailypioneer.com

Kalam honours UPRTOU V-C

PIONEER NEWS SERVICE ■ ALLAHABAD



Professor AK Bakshi, Vice-Chancellor of UP Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU), has been honoured with the 'Capital Foundation Award', by former President of India Dr APJ Abdul Kalam. He was awarded for his contribution in the field of education at a ceremony held in New Delhi recently.

Prof Bakshi is the only Vice-Chancellor of an Indian university to have received this prestigious award.

Besides Prof Bakhshi, Union ministers Kapil Sibal, Salman Khurshid and other dignitaries were honoured in the award ceremony.

Prof Bakshi has been the recipient of several awards and academic honours, including Fellowship of the IUPAC, Distinguished Teacher Award, Chemical Research Society of India (CRSI) Medal; Fellowship of the National Academy of Sciences (FNASc), JSPS Fellowship and DAAD Fellowship.

Presently, he is a member of the editorial board of Indian Journal of Chemistry (Section A). He has also been the member of the editorial board of Journal of Scientific and Industrial Research published by the CSIR and also the chief-editor of UGC-sponsored journal Chemistry Education Review. Prof Bakhshi's research interests include theoretical polymer chemistry with special reference to electrically conducting polymers and biopolymers. Besides, he has the distinction of being one of the first persons from the universities in India to have been selected as the member scientist of the Third Indian Research Expedition to Antarctica in 1984.

ALLAHABAD, THURSDAY, MARCH 1, 2012

THE INQUILAB

قوموں کی حیات اُن کے تخیل پہ ہے موقوف (اقبال)







آن لائن تعلیم وقت کی اہم ضرورت: گورنر

گورنر بی ایل جوشی کو ڈگری پیش کرتے ہوئے وائس چانسلر سے کے شتی۔

طلبہ سے ڈگری لینے کے بعد خوشی کا اظہار کیا۔

گورنر کے ہاتھوں ڈگریاں پاکر طلباء کی خوشی کا ٹھکانہ نہ رہا

راجرشی ٹنڈن اوپن یونیورسٹی کے چھٹے جلسہ تقسیم اسناد میں ۱۷ طلباء وطالبات کو طلائی تمغے، ۱۲ مضامین میں پہلی بار دی گئی پی ایچ ڈی کی ڈگری



جاگرن نیوز نیٹ ورک

इलाहाबाद, मंगलवार, 7 अगस्त, 2012

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

www.jansandeshtimes.com

शिक्षा के सहारे पा सकते हैं मंजिल : बख्शी

दूरस्थ शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम में जवानों को दी गई मुक्त विवि के कोर्सों की जानकारी

इलाहाबाद। शिक्षा के सहारे ऊंची से ऊंची मंजिल हासिल की जा सकती है। यह बात यूपीआरटीयू के कुलपति प्रोफेसर एके बख्शी ने विश्वविद्यालय की तरफ से सोमवार को रैपिड एक्शन फोर्स मुख्यालय में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही।

श्री बख्शी ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय जवानों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मददगार होगा। उन्होंने कहा कि जवान पढ़ाई के बीच में सेवा में आते हैं। उनके लिए उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए विवि एक वरदान होगा।

उन्होंने आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय आरएएफ के जवानों एवं उनके परिवार वालों के लिए बेहतर शिक्षा प्रबंधन करेगा। आरएफ



कार्यक्रम में सहभागिता करते रैपिड एक्शन फोर्स के जवान

कमाण्डेन्ट एसपी सिंह ने कहा कि आरएएफ कार्मिकों को मुक्त विश्वविद्यालय से अपनी आवश्यकतानुसार पसंद के कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत सेकेण्ड कमाण्डेन्ट एनएस शेखावत ने किया। जागरूकता कार्यक्रम के संयोजक निदेशक शिक्षा प्रोफेसर एसपी गुप्ता ने विवि के शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। संचालन आरएएफ की तनुश्री सिंहा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डिप्टी कमाण्डेंट अरुण झा ने किया।

इलाहाबाद जागरण

मुक्त विश्वविद्यालय की पीएचडी मान्य

करियर

बेतार अंडे लाने के बाद छात्र-खबरचियों के सामने विषय चयन की समस्या आ जाती है। इस तय विश्वविद्यालयों के मन में डेरिवेटिव को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। विश्वविद्यालयों की इस समस्या से निपटने के लिए दैनिक जागरण ने मार्गदर्शन का आयोजन किया है। इसके तहत विश्वविद्यालयों को डेरिवेटिव संबंधी जानकारी दी जाती है। इस जानकारी के उन्हें अपने डेरिवेटिव संबंधी निर्णय लेने में बहुत मदद मिलती है। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के बिजनेस एप्लीमेन्टेशन के अधिकारी प्रोफेसर डॉ. प्रवेश त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय का मार्ग दर्शन किया।

डॉ. प्रवेश त्रिपाठी

समाचार : चन्दा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने पीएचडी किया जा सकेगा है। क्या मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा दी गई पीएचडी डिग्री भी मान्य है।

समाधान : बृहस्पतिवार को इलाहाबाद में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पीएचडी फिर से प्रारंभ हो गई है। इसमें प्रवेश परीक्षा के जरिए प्रवेश होगा। इसके लिए कुलपति से मार्ग मिलने लगेंगे। पीएचडी के बारे में पूरी जानकारी पाने आने पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट इग्नूमुक्त.एजुकेशन.डॉट पुरोषोत्तमटैंडनयूपी.एचडी डॉट इन पर उपलब्ध कर दी जाएगी। समन्वय पत्र के जरिए भी जानकारी दी जाएगी।

समाचार : मैंने इसी साल 44 परसेंट अंकों के साथ बीएड में 12वीं पास की है। पीएचडी की जानकारी दें।

मोहम्मद जावेदआलम, फतेहगंज

- पहले आप बीएससी पास करें और फिर उसके बाद मैरिट पर आधारित के क्रम में आपका डेरिवेटिव चयन संभव है।

समाचार : आपकी रैंक से 60 परसेंट अंकों के साथ पास की है। पीजीसेट की तैयारी के बारे में मार्गदर्शन करें।

अनिल श्रीवास्तव, सीतापुर

- आप एमए या एमएससी/बीएड के परीक्षाओं का समय दे रहे हैं। पीजीसेट के लिए फीस जमा कर रहे हैं। ध्यान दिलाने के लिए धन्यवाद। पीजीसेट के बारे में जानकारी दें।

समाधान : पीजीसेट के लिए पूरा विश्वविद्यालय के एमएससी बेस से पढ़ाई करें। प्रवेश के बाद ही पीजीसेट की जानकारी दी जाएगी।

अजय कुमार चावक, भोजीपुरा

- मैंने बीएड के लिए पूरा विश्वविद्यालय के एमएससी बेस से पढ़ाई करें। प्रवेश के बाद ही में विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पीजीसेट के बारे में जानकारी दी जाएगी।

मनीष श्रीवास्तव, बरेली

- आप एमए की अन्तिम वर्ष की पढ़ाई पूरी करें फिर बीएड के बारे में सोचें। अभी ध्यान देना जरूरी नहीं है।

समाधान : 70 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास किया है। मैंने भी बीएससी करने के बारे में जानकारी करें।

अनामिका सक्सेना, फतेहगंज पश्चिमी

- बीएड करने के लिए प्रवेश परीक्षा में कितने अंक लाने होंगे। प्रवेश के बाद कब एमएससी करें।

समाधान : एमएससी में पचास प्रतिशत अंक लाने होंगे। प्रवेश के बाद ही एमएससी करें।

आलोक पांडेय, फतेहगंज पश्चिमी

- बीएड करने के लिए प्रवेश परीक्षा में कितने अंक लाने होंगे। प्रवेश के बाद ही एमएससी करें।

समाधान : एमएससी में पचास प्रतिशत अंक लाने होंगे। प्रवेश के बाद ही एमएससी करें।

अंग्रेजी से न घबराएं



समस्याओं का समाधान इलाहाबाद के जानकार विशेषज्ञ ही करेंगे। विश्वविद्यालय की समस्या का समाधान इलाहाबाद के जानकार विशेषज्ञ ही करेंगे। विश्वविद्यालय की समस्या का समाधान के लिए निर्धारित अवधि के अन्दर समस्या पर ही अपनी राय व्यक्त करें।

आज दीपेश तिवारी

दीपेश जागरण द्वारा विश्वविद्यालयों के परिसरों का हल करने वाले पोर्टल हैं। इसमें आप विश्वविद्यालय से पास करने वाले हैं। विश्वविद्यालय से पास करने वाले हैं। विश्वविद्यालय से पास करने वाले हैं।

समाधान : मुक्त विश्वविद्यालय से एमएससी करने हैं।

अमलेन्दु त्रिपाठी, सिंह प्रतापगढ़

- मेरा कार्यालय अधि इंट्रिक्स के विश्वविद्यालय मुक्त विश्वविद्यालयों के पास कोर्स करें।

समाधान : मुक्त विश्वविद्यालय से पीजीसेट के बारे में जानकारी दें।

आशुतोष, इलाहाबाद

- आप अपने नजदीकी अध्ययन केंद्र से प्रवेश ले सकते हैं। एक डिग्री के साथ एक डिप्लोमा भी किया जा सकता है।

समाधान : मुक्त विश्वविद्यालय से एमएससी करने हैं। एक डिग्री के साथ एक डिप्लोमा भी किया जा सकता है।

विवेक कौशवाहे, फिरोजाबाद

- बीएड कर सकते हैं, बीएड की भी प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश के लिए प्रवेशांक अंक भी जानकारी करें।

समाधान : 85 परसेंट अंकों के साथ एमएससी पास की है। आईआईटी या पीसीईटीएस में प्रवेश के बारे में मार्गदर्शन करें।

अनिल कौशिक, इलाहाबाद

- आप पहले से अंकों में ? पहले बारहवीं की पढ़ाई पूरी करें फिर बीएड के बारे में सोचें। अपना ध्यान फोकस करें। आपका भविष्य तिलिये।

समाधान : 70 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास किया है। मैंने भी बीएससी करने के बारे में जानकारी करें।

अनामिका त्रिपाठी, कौड़ा प्रतापगढ़

- हां कर सकते हैं। उसके बाद एमएससी करें तो अच्छा रहेगा।

समाधान : बीएड की डिग्री नहीं है। बीएड के बारे में जानकारी दें।

आशुतोष सक्सेना, सिरसाकुरी भोजीपुरा

- बीएड करने के लिए प्रवेश परीक्षा में कितने अंक लाने होंगे। प्रवेश के बाद कब एमएससी करें।

समाधान : एमएससी में पचास प्रतिशत अंक लाने होंगे। प्रवेश के बाद ही एमएससी करें।

आशुतोष सक्सेना, सिरसाकुरी भोजीपुरा

- बीएड करने के लिए प्रवेश परीक्षा में कितने अंक लाने होंगे। प्रवेश के बाद कब एमएससी करें।

समाधान : एमएससी में पचास प्रतिशत अंक लाने होंगे। प्रवेश के बाद ही एमएससी करें।

राष्ट्रीय सहारा

www.samayalive.com

राष्ट्रीयता • वर्तव्य • समर्पण

लखनऊ • शुक्रवार • 15 जून • 2012

सपनों को पूरा करने में दूरस्थ शिक्षा सक्षम : प्रो. सिंह

इलाहाबाद (एसएनबी)। आज के दौर में दूरस्थ शिक्षा महत्वपूर्ण विकल्प है। दूरस्थ शिक्षा विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम है। परिवर्तन विकास

▶ राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला

▶ जिज्ञासा पुस्तिका व दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम संचालन पुस्तिका का विमोचन

ही पूरी है, बस्कर केवल आत्मावेदन करने की है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एके सिंह ने यह बातें बृहस्पतिवार को उप राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से संबंधित केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। प्रो.सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में कुछ खामियां हैं। लेकिन ये खामियां ऐसी नहीं हैं जिन्हें दूर न किया जा सके। इस कार्य को मुक्त विश्वविद्यालय अपने समन्वयकों के माध्यम से कर सकता है। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए तैयार कराये गये प्रश्नोत्तरी पर आधारित पुस्तिका जिज्ञासा और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम संचालन पुस्तिका का प्रो.सिंह ने विमोचन किया।



इलाहाबाद : पुस्तिका का विमोचन करते अतिथि । फोटो : एसएनबी

सुविधाओं में इजाफा किया जाएगा। प्रो.एसी गुप्ता ने कार्यशाला के विषय पर प्रकाश डाला। इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डा.हरीश चंद्र जायसवाल ने क्षेत्रीय केन्द्र की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला संयोजक डा.पीपी दूबे ने अतिथियों का स्वागत किया। डा.एके सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पायनियर

पूर्व राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित हुए यूपीआरटीओयू के कुलपति

पत्रकिया समाचार सेवा। इलाहाबाद

शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए के सिंह को बृहस्पतिवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा मैरिटोरियस फाउंडेशन सम्मान प्रदान किया गया है।

नई दिल्ली में हुआ समारोह, मैरिटोरियस फाउंडेशन सम्मान मिला

पूर्वोत्तरी के कुलपति को यह सम्मान गत दिनों मैरिटोरियस सोसाइटी की ओर से नई दिल्ली में आयोजित समारोह में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा प्रदान किया गया है। सम्मान स्वरूप उन्हें सम्मानित किया गया है।



पूर्वोत्तरी के कुलपति को यह सम्मान गत दिनों मैरिटोरियस सोसाइटी की ओर से नई दिल्ली में आयोजित समारोह में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा प्रदान किया गया है।

प्रोफेसर एके सिंह मेमोरियल सहायक, डी. एच एल गोएल पेडल, प्रोफेसर आर पी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय को पिछले दो वर्षों से पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में चुना गया है। डॉ. गोएल ने बताया कि विश्वविद्यालय में पहले प्रोफेसर ए के सक्सेना पूर्वोत्तरी के कुलपति को सम्मानित किया गया था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को पहले एनएएसी की टीम ने ए ग्रेड से सम्मानित किया था। इसके बाद ही प्रो. ए के सिंह को यूपीआरटीओयू के कुलपति पद पर नियुक्त किया गया था।

हिन्दुस्तान

तरक्की को साहित्य नया नजरिया

www.livehindustan.com

दूरस्थ शिक्षा से छात्रों को जोड़ने पर होगा जोर

इलाहाबाद | वरिष्ठ संवाददाता



प्रो. अशोक कुमार बक्शी

कार्यभार संभाला

- राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के नवनियुक्त कुलपति ने लिया चार्ज
- कहा- मुक्त विवि को देश का नम्बर वन विवि बनाएंगे

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. अशोक कुमार बक्शी ने कुलपति का पदभार ग्रहण कर लिया। चार्ज लेने के बाद पत्रकारों से संक्षिप्त वार्ता में प्रो. बक्शी ने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। मुक्त विश्वविद्यालय को देश का नम्बर वन विश्वविद्यालय बनाएंगे।

मई 2010 से दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. बक्शी ने कहा कि आज के समय में शिक्षा विशेषतौर से दूरस्थ शिक्षा में तकनीक की अहम भूमिका है। प्रयास होगा की आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर विश्वविद्यालय के ई-रिसोर्स को बेहतर किया जाए।

पूरे विश्व में 22 वर्ष के युवाओं का उच्च शिक्षण संस्थानों में पंजीकरण अनुपात 23 फीसदी को तुलना में भारत में यह महज 10 फीसदी है। कोशिश होगी की अधिक से अधिक छात्रों तक उच्च शिक्षा को पहुंचाया जाए। 1984 से 86 तक जर्मनी की प्रतिष्ठित डैड फेलोशिप पाने वाले प्रो. बक्शी दिल्ली विवि से ही 1971 में बीएससी, 1973 में एमएससी और 1982 में पीएचडी किया। प्रो. बक्शी दिल्ली विवि में इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफलांग लर्निंग और सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन डायर एजुकेशन के निदेशक समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।

the pioneer

LUCKNOW, SATURDAY JUNE 9, 2012; PAGES 16 ₹3

www.dailypioneer.com



A K Bakshi presenting a memento to the Nehru Gram Bharati University V-C in Allahabad

Pioneer

जनसंदेश टाइम्स

'लोगों को जोड़ती है दूरस्थ शिक्षा'



कार्यशाला को संबोधित करते मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के गोरखपुर क्षेत्र के अध्ययन केन्द्रों की कार्यशाला जुधवार को रौशनाबाद स्थित चाकघाट में आयोजित हुई। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा छोड़े चुके लोगों को नई राह दिखाता है। समाज कल्याण में लगे लोग दूरस्थ शिक्षा की ओर उन्मुख हो रहे हैं। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि देश में दूरस्थ शिक्षा लोगों की पहली पसन्द बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय ई-लर्निंग व ई-कन्टेन्ट का है, जिससे तकनीकी शिक्षा और आसान होगी। कार्यशाला के संयोजक डा. ओम जी गुप्ता ने अतिथियों का अभिनन्दन करते हुए मुख्य अतिथि का स्वागत किया। प्रयागराज ज्ञान कुलपति प्रो.एके सिंह ने किया। कार्यशाला में डा. पीपी दूबे, तापस बनर्जी, परीक्षा नियंत्रक डा. आरपीएस यादव आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा

www.samayalive.com

राष्ट्रीयता • कर्तव्य • समर्पण

देहरादून • वाराणसी से प्रकाशित

लखनऊ • शुक्रवार • 15 जून • 2012

दूरस्थ शिक्षा के लिए उम्र का कोई बंधन नहीं : प्रो. तिवारी

इलाहाबाद (एसएनबी)। दूरस्थ शिक्षा पद्धति ज्ञान आधारित शिक्षा पद्धति है। ज्ञान ऐसी है जिसे कोई भी बाधा नहीं रोक सकती। इसलिए इस

▶ राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की कार्यशाला

पद्धति में प्रवेश के लिए उम्र का कोई बंधन नहीं है।

इसके पूर्व कुलपति प्रो.एपी तिवारी ने यह बातें बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर में आयोजित लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयकों की कार्यशाला के दौरान बतौर मुख्य अतिथि कहीं। प्रो.तिवारी ने कहा कि व्यक्ति किसी भी उम्र में ज्ञानार्जन कर सकता है। लोगों में दूरस्थ शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करके अधिक से अधिक लोगों में दूरस्थ शिक्षा प्रदान की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता काफी बढ़ जाएगी। अध्यक्षता करते हुए मुक्तिवि के कुलपति प्रो.एके बख्शी ने कहा कि आज सबसे बड़ी विडंबना है कि 20 करोड़ की आबादी वाले राज्य में अंतरिक्ष एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय में नामांकित 55 हजार छात्रों की संख्या बहुत कम है। प्रो.बख्शी ने कहा कि अब समय आ गया है कि हमें समय के साथ बदलना होगा। ऐसे कार्यक्रम जिनकी वर्तमान समय में कोई उपयोगिता नहीं है उन्हें बंद किया जाना चाहिए। और ऐसे कार्यक्रमों को प्रारंभ किया जाना चाहिए जिसका स्कोप बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मुक्तिवि की साख कायम करने के लिए गुणवत्ता के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक प्रो.एसके पाण्डेय ने क्षेत्रीय केन्द्र की कार्यप्रणाली के बारे में अवगत कराया। कार्यशाला संयोजक प्रो.एसपी गुप्ता ने कार्यशाला की विस्तार से जानकारी दी। धन्यवाद डा.एके सिंह ने ज्ञापित किया।



इलाहाबाद : कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो.एके बख्शी । फोटो : एसएनबी

राजर्षि टण्डन मुक्त विवि की परीक्षाएं कल से

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 16 जून से प्रारंभ होंगी। परीक्षा में 52 हजार परीक्षार्थी शामिल हो होंगे। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर ली गई है। मुविवि की 16 जून से होने वाली परीक्षा के लिए प्रदेश में 91 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। परीक्षा 27 जुलाई तक चलेगी। परीक्षाएं दो पालियों सुबह सात से दस बजे तक और दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगी। सभी परीक्षा केन्द्रों पर उड़न दस्ते एवं पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। इलाहाबाद में ईश्वर शरण डिग्री कालेज और दिव्याभा गर्ल्स डिग्री कालेज को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। मुविवि के कुलपति प्रो.एके बख्शी ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा कार्यक्रम तथा प्रवेश पत्र भेज दिए गए हैं। जिला प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि परीक्षा के दौरान केन्द्रों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

दैनिक जागरण

विशेष रुप से संग्रहणीय पढ़ा जाने वाला अखबार

वर्ष 41 अंक 214
पृष्ठ 16+4=22
इलाहाबाद, वाराणसी
16 जून 2012
लागत संस्करण
मूल्य ₹ 3.50

अब प्रवेश कभी भी, कहीं भी

अमरीश शुक्ल, इलाहाबाद

उच्च शिक्षा में दाखिले के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने अनोखी पहल की है। इच्छुक छात्र मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किसी भी पाठ्यक्रम में साल में कभी भी प्रवेश ले सकेंगे। यानी प्रवेश प्रक्रिया बारहों महीने चलेगी।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अभी दो सत्रों जुलाई जनवरी में प्रवेश दिया जाता है। दोनों सत्रों में से किसी एक में प्रवेश के लिए अमूमन एक से दो माह तक का समय दिया जाता है। इसके लिए विश्वविद्यालय समाचारपत्रों में सूचना भी देता है। कई बार प्रवेश की अंतिम तिथि आगे बढ़ानी पड़ती है, फिर भी सैकड़ों छात्र प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। इसको देखते हुए विश्वविद्यालय ने साल में किसी भी महीने में प्रवेश के लिए आने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश देने की व्यवस्था की है।

नई व्यवस्था के मुताबिक 16 फरवरी से 15 सितंबर के बीच यदि कोई छात्र किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश चाहता है, तो उससे फार्म भरा लिया जाएगा और उसी दिन छात्र के पते पर अध्ययन सामग्री भेज दी जाएगी। अध्ययन सामग्री के साथ अधिन्यास व एकेडमिक कैलेंडर भी होगा। हालांकि, उसका नामांकन जुलाई के सत्र में होगा। इसके अलावा यदि कोई विद्यार्थी 16 सितंबर से 15 फरवरी के बीच अध्ययन केंद्र पर प्रवेश के लिए किसी तिथि में संपर्क करता है तो उससे भी फार्म भरा लिया जाएगा और अध्ययन सामग्री दे दी जाएगी। बाद में उसका नामांकन जनवरी सत्र में कर दिया जाएगा। यह व्यवस्था विश्वविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्सेज में लागू होगी। हालांकि, विवि जिन पाठ्यक्रमों में लिखित परीक्षा के आधार पर प्रवेश लेता है, उनमें यह नियम लागू नहीं होगा। जैसे बीएड में एक सत्र में ही प्रवेश दिया जाता है और एमबीए में दो सत्रों में प्रवेश दिया जाता है। इन दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश की व्यवस्था पूर्ववत ही रहेगी। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा उन गरीब विद्यार्थियों को होगा, जिनका फीस की वजह से एक साल बर्बाद हो जाता है। ऐसे छात्र अब जब फीस हो तभी पढ़ाई शुरू कर सकते हैं।

सहूलियत

- उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि में साल भर होंगे दाखिले

विशेष दैनिक जागरण

यह क्रांतिकारी बदलाव है। प्रवेश प्रक्रिया को और लचीला और आसान बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रवेश कहीं भी और कभी भी के कंसेप्ट पर काम चल रहा है। इस शैक्षिक सत्र से यह व्यवस्था प्रदेश के सभी अध्ययन केंद्रों पर लागू होगी। साल में कभी भी प्रवेश ले सकेंगे।

-प्रो. एके बख्शी
कुलपति, उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विवि

॥सरस्वती नःसुभगा मयस्करत्॥

अमर उजाला

न्यूज डायरी

प्रो. बख्शी स्टैंडिंग कमेटी में शामिल

इलाहाबाद। देश भर में पोस्ट ग्रेजुएट स्तर के कोर्स के लिए ई-कंटेंट तैयार करने के लिए यूजीसी की ओर से गठित स्टैंडिंग कमेटी में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके बख्शी को शामिल किया गया है। ई-कंटेंट यूजीसी के मॉडल सिलेबस पर आधारित होगा। प्रो. बख्शी ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं एवं नेट की तैयारी कर रहे छात्रों को इस कंटेंट से लाभ होगा।

Simultaneously published from Allahabad, Agra, Bareilly, Dehradun, Gorakhpur, Jamshedpur, Kanpur, Lucknow, Meerut, Patna, Ranchi and Varanasi

i next

हर दिन एक नई शुरुआत

Jagran
A JAGRAN INITIATIVE

inside

Tuesday, 27 September, 2011
Pages : 20, Price 3.00 Invitation Price : 1.00

शिष्य के हाथों गुरु का सम्मान

UPRTOU में organise हुआ सम्मान समारोह

i next reporter

ALLAHABAD (26 Sept): 'ये संयोग ही है कि आज मुझे अपने स्टूडेंट्स के हाथों टीचर्स सम्मान मिला है. ये पल मेरे लिए अनमोल है.' ये बातें बिहार सेंट्रल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. जनक पाण्डेय ने कहीं. वे मंडे को उप्र राजर्षि टंडन ओपेन यूनिवर्सिटी में टीचर्स सम्मान प्रोग्राम में बोल रहे थे. इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के साइकोलॉजी डिपार्टमेंट के एक्स हेड प्रो. पाण्डेय को उनके स्टूडेंट रह चुके हायर एजुकेशन मिनिस्टर डॉ. राकेशधर त्रिपाठी ने राजर्षि टंडन गोल्ड मेडल से सम्मानित किया.

'बनाए रखनी होगी परंपरा'

यूपीआरटीओयू के नए वाइस चांसलर प्रो. एके बख्शी द्वारा शुरू की गई इस पहल में हिमाचल प्रदेश सेंट्रल यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. फुकरॉन कमर का भी नाम रहा. हालांकि वे मंडे को प्रोग्राम में शामिल नहीं हो सके. प्रो. बख्शी ने टीचर्स के सम्मान की परंपरा को कायम रखने का संदेश देते हुए सभी से टीचर्स के प्रति पहले जैसे भाव रखने का रिक्वेस्ट किया.

'अभी बहुत कुछ है करना'

यूनिवर्सिटी को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शामिल करने के साथ इसके डेवलपमेंट के लिए कई प्रयास किए गए हैं. अभी बहुत कुछ करना है. यूनिवर्सिटी के डेवलमेंट का आश्वासन देते हुए डॉ. राकेशधर ने ये बातें कहीं. इस दौरान चन्द्रविजय चतुर्वेदी व रजिस्ट्रार प्रो. एके सिंह सहित अन्य टीचिंग एंड नॉन टीचिंग स्टाफ मौजूद रहा.



यूपीआरटीओयू में जब टीचर्स को सम्मान मिला तो कुछ इस तरह खिल उठे उनके चेहरे.

राष्ट्रीय सहारा

www.samayliye.com

शिक्षा का बाजारीकरण उच्च शिक्षा के विकास में बाधक : प्रो. मिश्र

इलाहाबाद (एसएनबी)। उच्च शिक्षा में विकास की बहुत संभावनाएं है। इसके लिए सबसे पहले हमें शिक्षा के बाजारीकरण को रोकना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में बाजारीकरण से मूल्यों का पतन हो रहा है।

नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.केपी मिश्र ने यह बातें शुक्रवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में आयोजित वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयकों की कार्यशाला में कही। प्रो.मिश्र ने कहा कि समन्वयकों को अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन करना पड़ेगा। तभी उच्च शिक्षा आगे बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रमों के साथ-साथ सलेबस सिस्टम में भी समय के साथ परिवर्तन करना पड़ेगा। अध्यक्षता करते हुए मुविवि के कुलपति प्रो.एके बख्शी ने कहा कि हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती दूरस्थ शिक्षा की विश्वसनीयता को बनाये रखना है। इसके लिए हमें दूरस्थ शिक्षा पद्धति में छात्रों के हित में नये मानदंड स्थापित करने होंगे। उन्होंने कहा कि आईसीटी के इस युग में छात्रों को तकनीकी शिक्षा देने के मामले में विश्वविद्यालय एक आदर्श प्रस्तुत करेगा। अतिथियों का स्वागत कार्यशाला संयोजक डा.एमएन सिंह ने किया।

प्रो.एसपी गुप्ता ने कार्यशाला के विषय में विस्तार से जानकारी दी। वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक प्रो.एएन मौर्य ने क्षेत्रीय केन्द्र की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। डा.एके सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर वाराणसी, चंदौली, संतरविदास नगर, जौनपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र व गाजीपुर के समन्वयक मौजूद रहे। उनके लिए यह कार्यक्रम लाभकारी रहा।



▶ मुविवि में वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला

the pioneer

LUCKNOW, FRIDAY MAY 18, 2012; PAGES 16

www.dailypioneer.com

UPRTOU to strengthen regional centres

PIONEER NEWS SERVICE ■ ALLAHABAD

The UP Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) will strengthen its regional centres in Bareilly, Varanasi, Lucknow, Gorakhpur and Allahabad equipping them with information and communication technology. The regional centres of the open university were backbone of the institution and played a crucial role in its role of providing distance education, Vice-Chancellor Prof AK Bakshi said during the regional coordinators workshop at the university campus, on Thursday.

He said that coordination between the university and its regional centres was the prerequisite for professionally and efficiently providing education to the students in the state. He said that a workshop of all the five regional coordinators will be held in June.

The university officials and the regional coordinators discussed various topics including changes in the examination system and distribution and evaluation of assignments.

It was decided that the regional centres will provide the facility of submission of completed assignments of the students. Evaluation of the assignments will also be done at the regional centres relieving the university of the burden of collecting and evaluating assignments of thousands of students every year.

Convenor Prof SP Gupta said that the workshop was



Workshop being held at UPRTOU campus

जनसंदेश टाइम्स

परख जय की

बीएड कोर्स की लोकप्रियता बढ़ी : सिंह

कार्यशाला

सम्न्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

विभिन्न जिलों के सम्न्वयकों ने लिया भाग

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय एवं भारतीय पुनर्वास (आरसीआई) के संयुक्त तत्वावधान में बीएड (स्पेशल एजुकेशन) व पोस्ट ग्रेजुएट प्रोफेशनल डिप्लोमा (पीजीपीडी) कार्यक्रम के अध्ययन केंद्र समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला कुलपति को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर में आयोजित हुई। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली के सदस्य सचिव डा. जेपी सिंह ने कहा कि बीएड(स्पेशल शिक्षा) कोर्स की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है।

उन्होंने कहा कि विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों की मांग बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि देश के 10 मुक्त विवि को हमने बीएड(स्पेशल एजुकेशन) की पांच-पांच सौ सीटें दी है। प्रतिवर्ष छह से सात हजार विद्यार्थी दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से बीएड(स्पेशल एजुकेशन) करके निकल रहे हैं। वे विद्यार्थी कोर्स पूरा करते-करते नौकरी पा रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर एके बख्शी ने कहा कि मुक्त विवि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से बीएड(स्पेशल एजुकेशन) तथा पीजीपीडी कार्यक्रम संचालित करके सम्मान सेवा का कार्य कर रहा है। कार्यशाला के संयोजक प्रो. एसपी गुप्ता ने कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अतिथियों का स्वागत राजदेव यादव ने व धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. एके सिंह ने किया। कार्यशाला का संचालन विशेष सिंह ने किया। कार्यशाला में इलाहाबाद, वाराणसी, जौनपुर तथा लखनऊ जिलों में विकास अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में कार्यक्रम संचालन संबंधी, प्रवेश संबंधी, शैक्षणिक परामर्श, अधिन्यास मूल्यांकन प्रमोदात्मक कार्य, परीक्षा तथा लेखा संबंधी चर्चा हुई।

NORTHERN INDIA PATRIKA

VOL. 58 NO. 132 MORNING EDITION ALLAHABAD MONDAY, JUNE 4, 2012 PAGES 12

CBSE appoints UPRTOU VC on advisory board

ALLAHABAD: Vice-Chancellor of UP Rajarshi Tandon Open University, Prof AK Bakhshi has been appointed a member of the advisory board of the Central Board of Secondary Education. The board advises CBSE about the school curriculum that is being followed in 25 international schools being run by CBSE.

Detailing on the functioning of the board, the V-C said, "The curriculum which was launched abroad in 2010 is based on the international pattern of teaching and has been designed to help the student grow a dream in the international perspective. Twenty five international CBSE schools in places, including UAE, Oman, Saudi Arabia, Singapore, Malaysia and Japan, are currently teaching in this international curriculum".

The key features of CBSE-I curriculum are learner and learning centric enquiry and skill based curriculum catering to individual learning styles with focus on experiential learning, analysis and discovery approach and on real world experiences, he added.

COUNSELLING CELL OPENED: To streamline the process of counseling, the Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) has created a counseling cell in the administrative block of the university at Phaphamau.

UPRTOU vice-chancellor Prof AK Bakhshi said the cell would ensure that counseling classes are held regularly at the study centres and students are informed well in advance about the announced soon, said Prof Bakhshi. The university had created an assignment cell a few months back. Assistant professor Achhe Lal has been given the

ई-लाइब्रेरी तैयार करेगा मुक्त विवि

इलाहाबाद। छात्रों को ऑनलाइन अध्ययन सामग्री सहित दूर दराज के अध्ययन केन्द्रों की आपस में जोड़ने के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ई-लाइब्रेरी को स्थापना करेगा। इससे छात्रों को विषय से जुड़ी पुस्तकें विवि की ओर से तैयार पोर्टल पर मिल जाएगी।

इलाहाबादमेंशन कम्युनिकेशन टेक्नालॉजी योजना के तहत ई-लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी। कुलपति प्रो. एके बख्शी ने बताया कि ई-लाइब्रेरी के लिए ई-कंटेंट तथा पोर्टल पर अपनी कंटेंट बनाने के लिए बेंच पोर्टल पर अपनाने का प्रयास है। इस योजना को विस्तार देने के लिए अन्य तक विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ सूचना तकनीक के विशेषज्ञों की तीन बैठक हो चुकी है। बैठक में विश्वविद्यालय की पहुंच प्रदेश के सुदूर इलाकों में फैले अध्ययन केन्द्रों तक बनाने के लिए ऑनलाइन सुविधा में तेजी लाने का फैसला किया गया है। प्रो. बख्शी ने बताया कि योजना है कि विवि से जुड़ा हर शिक्षार्थी अध्ययन सामग्री को वेबसाइट से डाउनलोड करके आपसी से अपने को अपडेट रखें।

आईसीटी योजना के तहत ई-कंटेंट भी तैयार करने की पहल

दैनिक जागरण

सुविधा : छात्रों को अब मिलेगी बेहतर सेवा

मुक्त विवि में स्थापित होगा ई-लर्निंग केंद्र



जागरण संवाददाता,इलाहाबाद : छात्रों को बेहतर सुविधाएं और गुणवत्तापरक शिक्षा मुहैया कराने के मकसद से उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रशासन ई-लर्निंग केंद्र की आवश्यकता महसूस कर रहा है। इसकी स्थापना के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है। अनुमति मिलते ही केंद्र की स्थापना का कार्य शुरू हो जाएगा। मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश में पांच रीजनल सेंटर और 400 से अधिक अध्ययन केंद्र हैं। जिसके जरिए 50 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययन कर रहे हैं। छात्रों की बढ़ती संख्या के कारण विवि प्रशासन आने वाला समय अध्ययन केंद्रों का मानता है। चूंकि, मुक्त विवि में फैकेल्टी की व्यवस्था नहीं है, छात्रों को उपलब्ध कराए गए सेलेबस के जरिए स्वतः अध्ययन करना पड़ता है। ऐसे में विवि प्रशासन उन्हें बेहतर सुविधाएं और गुणवत्तापरक शिक्षा मुहैया कराने व पाठ्य सामग्रियों को रुचिकर बनाने के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में ई-लर्निंग केंद्र की स्थापना की योजना है। इस केंद्र में छात्र-छात्राओं को पांच तरह से अध्ययन सामग्रियां उपलब्ध कराई जाएंगी। ई- कंटेंट, जिसमें विज्ञान, वाणिज्य एवं कला वर्ग के विषयों के परंपरागत और व्यवसायिक पाठ्यक्रम शामिल होंगे। ई- लेसंस, जिसमें पाठ्य सामग्रियां चित्रों, आडियो-वीडियो व एनीमेशन के रूप में होंगी। ई-क्विजेज, जिसमें बहुविकल्पीय प्रश्नों का संग्रह होगा। इसमें छात्रों को तीन स्तर पर प्रश्नों को हल करना होगा। प्रश्नों के हल करते समय उसके स्तर में भी वृद्धि होती जाएगी। प्रतिपुष्टि के लिए प्रश्नों के उत्तर भी उसमें होंगे। ई-लेक्चर, जिसमें शिक्षकों के लेक्चर रिकार्ड करके डाले जाएंगे। इसी तरह ई-लैब,जिसमें विज्ञान के प्रयोग की तकनीकि जानकारियां होंगी,साथ ही विशेषज्ञ प्रत्येक विषयों पर ऑनलाइन प्रयोग करते हुए भी दिखाई देंगे। कुलपति प्रो.एके बख्शी का मानना है कि उच्च शिक्षा में बहुत सुधार की जरूरत है। आजादी के बाद से देश में उच्च शिक्षा तक पहुंचने का प्रतिशत 12 है। अन्य देशों में 23 फीसदी लोग हॉयर एजुकेशन करते हैं। प्रो.बख्शी का कहना है कि ई-लर्निंग केंद्र के स्थापित होने पर ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि दूसरे विश्वविद्यालयों एवं कालेजों के छात्र-छात्राएं भी फायदा ले सकें।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित युनाइटेड भारत

रोल मॉडल बनें शिक्षक : प्रो. बख्शी

इलाहाबाद, ०५ सितम्बर। शिक्षक दिवस के दिन सभी शिक्षकों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल बनें। रोल मॉडल होना शिक्षक की सबसे बड़ी खासियत होनी चाहिए।

यह विचार उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर कुलपति प्रो.अशोक कुमार बख्शी ने व्यक्त किया। इसके पूर्व कुलपति कुलपति प्रो. बख्शी ने दीप प्रज्जवलन कर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किया। शैक्षिक परिसर में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में प्रो.बख्शी ने कहा कि शिक्षण व्यवस्था में रचनात्मकता को बहुत महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के समय में टीचिंग सिस्टम में क्रिएटीविटी और इनोवेशन को इनकरेज किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में टीचिंग और रिसर्च दोनों महत्वपूर्ण है लेकिन टीचिंग को ज्यादा महत्व मिलना चाहिए। एक अच्छा शिक्षक ही भविष्य में एक अच्छे टीचर्स और रिसर्चर्स को इन्ट्रोडयूस करता है। उन्होंने समय की महत्ता को शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी महत्ता बताया। कहा कि जिन्दगी में अगर सफल होना है तो समय की कद्र करना बहुत जरूरी है। प्रो. बख्शी ने कहा कि हर किसी की लाइफ दूसरे के लिए लेसन हो सकती है। उनमें से अच्छे विचारों को आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्ण का जीवन हम सभी के लिए अनुकरणीय है। इस अवसर पर डॉ.एस.पी.गुप्ता, डॉ.एम.एन.सिंह, डॉ.ओम जी गुप्ता, डॉ.टी.एन.दुबे, तापस बनर्जी, डॉ.इति तिवारी, डॉ. नागेन्द्र यादव, डॉ.देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ. हरीशंकर द्विवेदी, डॉ. हरीश चन्द्र जायसवाल, डॉ.अतुल कुमार मिश्र आदि ने विचार व्यक्त किये। स्वागत भाषण तथा शिक्षक दिवस के बारे में बताया। समारोह का संचालन डॉ.रूचि बाजपेयी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ.ए.के. सिंह ने दिया।

इसी क्रम में महिला सेवा सदन डिग्री कालेज में शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम किये। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ.शीला यादव ने छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि ज्ञान बटता है बस इसे बटोरने वाला हाथ चाहिए। सभी टीचर बच्चों में अपना प्रतिरूप देखना चाहता है। इस अवसर पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दीपशिखा, भावना, आंचल, प्रियंवदा, प्रियंका, रोशनी ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन बीए अंतिम वर्ष की छात्रा आरती ने किया। इस अवसर पर कालेज की शिक्षिकाएं डॉ.नुपुर सारण, डॉ.रूबी नन्दन, डॉ. पार्वती सिंह, डॉ.इच्छा नायर समेत बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।



शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्बोधित करते मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बख्शी। छाया : युनाइटेड भारत

अमर उजाला

राजर्षि टंडन मुक्त विवि का छठा दीक्षांत समारोह । 11951 को उपाधि, 17 शिक्षार्थियों को गोल्ड

मेडल पा खिल उठे मेधावियों के चेहरे

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति बीएल जोशी के हाथों मेडल पाकर मेधावियों के चेहरे खिल उठे। मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत मैदान पर सारे पात्र पंडाल में उपाधि पाने के बाद शिक्षार्थियों की खुशी का ठिकाना नहीं था। उपाधि पाने वालों में बड़ी संख्या में अधिक उम्र वाले और महिला शिक्षार्थी शामिल थीं। इस दौरान 17 शिक्षार्थियों को चेहरे मेडल प्रदान किया गया। दीक्षांत मैदान पर सारे पात्र पंडाल में कुलाधिपति बीएल जोशी, कुलपति प्रो. एके बख्शी और कुल अतिथि राष्ट्रीय आचार प्रबंधन प्राधिकरण के प्रो. हर्ष के गुप्ता के नेतृत्व में दीक्षांत शोभायात्रा के सहारे पर सभी उपाधि पाने वालों ने खुद होकर अभिवादन किया। समारोह में कुलाधिपति ने स्नातक, पाठ्यक्रम, पीएचडी, एलबिल सहित डिप्लोमा कोर्स के कुल 11951 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की। इसमें बीए के 1034, बीमीए के 1192, बीएलआईएस के 1320, बीएड के 426, बीएड मॉडल के 413, बीबीए के 103, एमए के 2020, एमएलआईएस के 793, एमबीए के 146,एमबीएसडी के 203, एमबीए के 103,एमबीए के 22, एमएसडी के 55,पीजीडीपीए के 391, पीजीडीएसडी के 379, पूर्वीएमएस के 2013,पीएचडी के 47, एमबीएस के 33 और अन्य विषयों के 993 शिक्षार्थी शामिल थे।

हार न मानें: प्रो. गुप्ता

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उपाधि में उपाधि पाने वालों के बड़े सपने देखने और उन्हें पूरे करने का आवाहन करने वाले कुलपति प्रो. एके बख्शी ने बताया कि ये हर दिन अपना प्रतिरूप प्राधिकरण के सदस्य प्रो. हर्ष के गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि जीवन अच्छे सपने देखने और उन्हें पूरा करने का संकल्प लेने से हम दौरान अनेक परेशानियां आएंगी। गुप्ताओं को हर परेशानियों को सामने हुए अपनी मंजिल तक पहुंचना होगा। जाने-माने पूर्वज शिक्षाओं और दूसरी अंतर्वेदीय अभियान दल के प्रमुख प्रो. गुप्ता ने अपने दो अंतर्वेदीय अभियान के दौरान आई कठिनाइयों की जानकारी दी और बताया कि किस विपरीत परिस्थिति में उनके दल ने अपने देश का स्टेशन हम पूर्वज क्षेत्र में बनाया था। इसी संकल्प के साथ हर भारत वासी को आगे बढ़ना चाहिए। कहा कि उच्च शिक्षा में हमारी प्रगति पीछे 12 फीसदी है जबकि अन्य देशों में यह 22 फीसदी के लगभग है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश के राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बीएल जोशी ने सूचना तकनीक का उपयोग कर शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कारने का आवाहन पूर्वजों से किया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा एवं तकनीकी क्षेत्र में ही सबसे एक राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने मुक्त विवि की ओर से दूरस्थ शिक्षा केंद्रकर के लिए अपनाई जा रही और लाइन शिक्षा को साधन की। उपाधि विदाल कार्यक्रम का संचालन डॉ. एसपी जायसवाल ने किया। कुलपति प्रो. एके बख्शी ने विश्वविद्यालय के विकास पात्र की चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ. एसीसीएस, डॉ. बीएन सिंह, डॉ. एसएन सिंह, प्रो. एसपी गुप्ता ने किया।







47 को पीएचडी उपाधि

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 12 विषयों के 47 शिक्षार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। इस दौरान 17 पेचवी शिक्षार्थियों को स्वयं पात्र प्रदान किया गया। चेहरे मेडल पाने वालों में सर्वाधिक शिक्षा से अधिक उम्र वाले शिक्षक शिक्षा संस्था से चेहरे रहे। इसके पीएचडी के पूर्व, कंप्यूटर में डिप्लोमा कोर्स, शिक्षालय स्तर में ज्ञान प्रदान होगी, एमएसडी से लोक मुख्य, स्नातक वर्ष में रसीदा विश्वकर्मा, हेम चंद्रिका, अजिनेंद्र कुमार सिंह, निवेदिता सिंह, भवीन कुमार सिंह शामिल हैं। एमएसडी स्वर्ण पदक में अंश प्रकाश पुत्र स्मृति पदक शिवजी बीमाजल, जोहरा आदम स्मृति स्वर्ण पदक जोहरा बीमाजल, बैलासाल जेवेंटिस स्वर्ण पदक रूपा चतुर्वेदी, अजिन-मीन पाठकवर्ग स्वर्ण पदक हेम चंद्रिका, चेरज एवं शामिल हैं।



बुंदेलखण्ड, पश्चिमी यूपी में होगा विस्तार

इलाहाबाद। प्रदेश में उच्च तक पांच क्षेत्रीय केन्द्रों और 450 अध्ययन केन्द्रों के जरिए कुल 95 शैक्षिक कार्यक्रमों का संचालन कर रहे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि का विस्तार अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखण्ड क्षेत्र में होगा। इस लक्ष्य विवि का लखनऊ, वाराणसी, इलाहाबाद, बीएल और गोरखपुर में क्षेत्रीय केन्द्र पांच सत्ता हैं। कुलपति ने यह घोषणा समारोह के दौरान की।



बलिया की निवेदिता को कुलाधिपति मेडल

इलाहाबाद। बलिया के अध्ययन केन्द्र से जुड़ी निवेदिता सिंह ने बीएल की परीक्षा में 84.73 फीसदी अंक पाकर पूरे विश्वविद्यालय में स्नातक-पाठ्यक्रम परीक्षा में सर्वोच्च अंक शामिल किया है। वर्ष 2000 में दिया के निदान के बाद खाना शिक्षा के संस्थान से अध्ययन कर रही निवेदिता इस साल लखनऊ में एमबीए कर रही है। यह आदेशपर बनना चाहती है।

www.dailynewsactivist.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़ एक्टिविस्ट
शब्द शब्द संघर्ष

ई -लर्निंग से होगी पीजी की पढ़ाई : प्रो. बख्शी

डेली न्यूज़ नेटवर्क:

इलाहाबाद। पीजी कोर्सेज के लिए यूजीसी के माडल सिलेबस पर आधारित ई-लर्निंग मैटीरियल तैयार किया जा रहा है। इसके लिए केन्द्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया है। यह प्रोजेक्ट नेशनल मिशन आन एजुकेशन थ्रू आईसीटी का हिस्सा है। उप्र. राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. एके बख्शी इस कमेटी में शामिल है।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं एवं नेट की तैयारी कर छात्रों को इस कंटेंट से काफी लाभ पहुंचेगा। पीजी लेबल पर 77 विषयों का ई-कंटेंट तैयार किया जायेगा। प्रथम चरण के अभी 35 विषयों का चयन किया है। कमेटी ने ई-कंटेंट तैयार करने की प्रक्रिया आरंभ कर दिया है। इसके लिए सबसे पहले सब्जेक्ट कोआर्डिनेटर का चुनाव किया जा रहा है। यूजीसी ने अपनी वेबसाइट के जरिये विवि एवं शिक्षण संस्थानों में तैनात वरिष्ठ शिक्षकों से इसके लिए आवेदन मांगा है। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 28 अप्रैल निर्धारित की गयी है। चयनित शिक्षकों में से ही सब्जेक्ट कोआर्डिनेटर चुना जायेगा। जिनकी देखरेख में अलग- अलग विषयों का ई-लर्निंग मैटीरियल तैयार होगा। इसमें विभिन्न विषयों के पेपर विशेषज्ञ भी शामिल होंगे।

प्रो. बख्शी ने बताया कि पीजी लेबल पर ई- कंटेंट तैयार करने का यह पहला प्रोजेक्ट है। ई- कंटेंट में केवल थ्योरी ही नहीं होगी बल्कि एनीमेशन,ई-लेक्चर, वीडियों के जरिये भी स्टूडेंटस अपने विषय को बेहतर ढ़ग से समझ सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के इस दौर में छात्रों को क्लासरूम टीचिंग के साथ-साथ ई- लर्निंग मैटेरियल मुहैया कराना भी बहुत जरूरी है। यह मैटेरियल पोर्टल पर भी उपलब्ध होंगे। छात्रों को विजुअल और एनीमेशन के माध्यम से भी काफी कुछ बताया जायेगा। ई-चैप्टर, ई-क्विज, ई लैब और ई-लेक्चर इस प्रोजेक्ट का खास हिस्सा होंगे। प्रो. बख्शी ने बताया कि यह पोर्टल ई-पीजी पाठशाला के नाम से जाना जायेगा। चुने गये 35 विषयों में एंथ्रोपोलोजी, बायोकेमेस्ट्री, बायोटेक्नालाजी, बाटनी, केमेस्ट्री, कामर्स, कम्प्यूटर साइंस, कम्प्यूटेशनल साइंस, कम्प्यूटेशनल सोशल साइंस, अर्थ साइंसेज, इकनामिक्स, एजुकेशन, इंग्लिश, एनवायरमेंटल सांइसेज, फूड टेक्नालाजी, फोरेंसिक साइंस, जियोग्राफी, हिन्दी, इतिहास, कानून, लाइब्रेरी इन इनफारमेशन सांइस, लिंग्विस्टिक, मैनेजमेंट, मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म, मैथमेटिक्स, माइक्रोबायोलाजी, फिलास्फी, फिजिक्स, पालिटिकल साइंस, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, साइकालाजी, सोशलवर्क, सोशियोलाजी, स्टेटिसटिक्स एवं जुलोजी आदि विषय शामिल है।

the pioneer
LUCKNOW, FRIDAY JUNE 8, 2012
www.dailypioneer.com

UPRTOU to strengthen distant mode of education

ALLAHABAD (PNS): The UP Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) will help in increasing student centric facilities at its study centres across the state for strengthening distant mode of education, Vice-Chancellor Prof AK Bakshi said at a meeting of the study centre coordinators held at Phaphamau campus of the university, on Thursday. The coordinators could play a crucial role in enhancing credibility of the distant education. The university will help in its turn by strengthening facilities at the centers, he stated.

The meeting was attended by the study centre coordinators in Allahabad region. The distant mode of education served the educational needs of a large number of young students, he pointed. The open university strived to establish itself as an ideal institution in playing its role as a disseminator of education in distant mode, Prof Bakshi added.

A quiz booklet 'Jigyasa and a distant education programme manual was unveiled by chief guest of the programme Prof AK Singh, Vice-Chancellor of Allahabad University. Coordinator of Allahabad regional office of the university, Prof Harish Chandra Jaiswal detailed working of the regional office. Other officials of the university informed the coordinators about various aspects and new changes brought about in admission, assignments and counselling. The meeting of Varanasi regional office centre coordinators will be held on Friday.

TRIBUTES TO BE PAID TO MANTO: Famous story writer Saadat Hasan Manto will be paid literary tributes at a two-day function titled Manto Ekagra to be hosted by the Mahatma Gandhi International Hindi University (Wardha) and Hindustani Academy (Allahabad), on June 9-10. The birth centenary programmes dedicated to Manto started earlier on May 11 last.

The two-day programme will be held at the Hindustani Academy and the extension centre of the MGIHU. The four sessions of the programme will be addressed by well-known Hindi litterateurs and academics including Dr Namwar Singh, Ravindra Kalia, Vibhuti Narayan Rai, Vice-Chancellor of MGIHU, Mamta Kalia, Nigahar Azim, Bharat Bhardwaj, Abid Suhail, Shakil Siddiqi, Akhilesh, Tariq Chatari, Pawan Karan, Doodhnath Singh and AA Fatmi.

The programme will be inaugurated at Hindustani Academy auditorium, on June 9, at 6 pm. The literary sessions will be held at MGIHU extension centre auditorium, from 10 am.

दैनिक जागरण

प्रो.बक्शी राजर्षि टंडन मुक्त विवि के नए कुलपति

लखनऊ, जागरण ब्यूरो : राज्यपाल बीएल जोशी ने प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों में नए कुलपति नियुक्त किए हैं। दिल्ली विवि के रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो.एके बक्शी को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि इलाहाबाद, राजस्थान विवि जयपुर के प्राणिविज्ञान विभाग के प्रो.अशोक कुमार को छत्रपति शाहूजी महाराज विवि कानपुर और लखनऊ विवि के संस्कृत विभाग के प्राचार्य प्रो.बिंदा प्रसाद मिश्र को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी का कुलपति नियुक्त किया गया है। सभी कुलपतियों का कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष के लिए होगा। प्रो.एके बक्शी की पोस्ट डॉक्टोरल ट्रेनिंग जर्मनी और जापान के क्योटो विवि में हुई है। उन्होंने 150 से ज्यादा शोधपत्रों का संपादन व सह-संपादन किया है। उनकी कई किताबें भी प्रकाशित हो चुकी है। शिक्षा के क्षेत्र में उन्हें कई अवार्ड मिल चुके है। उन्हें दोहरे स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

और करेंगे दूरस्थ शिक्षा का विस्तार

इलाहाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के नए कुलपति नियुक्त किए गए प्रो. एके बख्शी ने बताया कि उनका प्रयास होगा कि मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षा का विस्तार दूर गांव तक किया जाए। इसके जरिए हर उस व्यक्ति को मुक्त शिक्षा मुहैया करवाई जाए, जो शैक्षिक संस्थानों की दूरी या किसी अन्य कारण से उच्च शिक्षा नहीं ग्रहण कर पा रहा है। उन्होंने बताया कि यह मुक्त विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण कर क्वालिटी से कोई कम्प्रोमाइज नहीं कर रहे हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय में केमेस्ट्री के हेड एवं फिजिकल केमेस्ट्री के जाने-माने वैज्ञानिक प्रो. बख्शी को कुलपति पद का दायित्व मिलने की जानकारी आज शाम को हुई। 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का एक बेहतर और सशक्त विकल्प है। देश में उच्च शिक्षा के लिए जितने विश्वविद्यालयों की आवश्यकता है, उतने विवि खोल पाना तत्काल संभव नहीं है इसलिए मुक्त विश्वविद्यालय के जरिए ही ज्यादा से ज्यादा लोगों को उच्च शिक्षा मुहैया करवाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों में यह विश्वास पैदा करेंगे कि मुक्त विवि की शिक्षा किसी भी मायने में विश्वविद्यालयों की परंपरागत शिक्षा से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय से कार्यमुक्त होते ही वह इलाहाबाद आकर नई जिम्मेदारी को संभालेंगे।

प्रो. बख्शी का परिचय

- 2000 में विशिष्ट शिक्षक का पुरस्कार मिला
- शोध में उत्कृष्टतीय योगदान के लिए 2000 में कैमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया से मेडल मिला
- अप्रैल 1999 से दिसंबर 2001 तक इंडियन जर्नल ऑफ केमेस्ट्री के एडीटोरियल बोर्ड के सदस्य रहे
- यूजीसी प्रायोजित जर्नल केमेस्ट्री एजुकेशन रिव्यू के चीफ एडिटर
- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस के इलेक्टेड फेलो। पॉलीमर और बायोपॉलीमर रिसर्च के क्षेत्र में उत्कृष्टतीय योगदान किया
- जापान सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस से मिली फैलोशिप के तहत गई से अगस्त 1995 जापान में रहे
- केमिकल और मेटेरियल साइंस के क्षेत्र में बेस्ट पेपर के लिए 1993 में एवार्ड मिला
- 1989 में यूजीसी की ओर से फैकिर अवार्ड मिला

पांचवें वीसी होंगे प्रो. बख्शी

प्रो. एके बख्शी मुक्त विवि के पांचवें कुलपति होंगे। 1999 में स्थापित इस विवि के पहले कुलपति प्रो. एके सान्याल थे। उनके बाद बीएचयू के प्रो. डीपी सिंह यहां के कुलपति बने। प्रो. सिंह के बाद यह जिम्मेदारी बीएचयू के ही साख्यिकी के प्रो. केदारनाथ सिंह यादव को मिली। सात अगस्त 08 को प्रो. नागेश्वर राव ने वीसी की जिम्मेदारी संभाली थी।

प्रो.बख्शी राजर्षि टंडन मुविवि के नए कुलपति



लखनऊ। सोमवार को राज्यपाल बी एल जोशी ने प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों के कुलपति नियुक्त किए हैं। राजर्षि पीडी टंडन मुक्त विवि इलाहाबाद का कुलपति प्रोफेसर ए के बख्शी को नियुक्त किया गया है। प्रोफेसर बख्शी दिल्ली विवि के रसायन विभाग के अध्यक्ष थे। कानपुर के छत्रपति शाहूजी महाराज विवि के कुलपति डॉ.अशोक कुमार बनाए गए हैं। प्रोफेसर बिंदा प्रसाद मिश्रा को संपूर्णानंद संस्कृत विवि वाराणसी का कुलपति बनाया गया है। वसं देखें पेज 4 भी

THE TIMES OF INDIA

UPRTOU introduces biometric attendance for employees

Allahabad: The Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) has introduced biometric machines for recording attendance of the employees. The machines, which have been installed at different places in the university, were inaugurated by the vice-chancellor Prof A K Bakhshi.

The attendance machines have been installed at administrative, academic and Chhatra Kalyan Bhawan (Regional Centre) of the university. Prof Bakhshi said these machines will lead to punctuality and improve efficiency of university staff. On the first day, the university teachers and staff were excited to register attendance on the biometric machines. Prof Bakhshi added that the university will soon introduce online facilities for students. A survey is being conducted for the purpose and feedback from the students is being sought. IT experts have been roped in for suggesting further improvement in facilities to the students. the V-C said. TNN

अमर उजाला

मुक्त विवि में सेल्फ असेसमेंट पद्धति पर जोर

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अगले कुछ महीनों में तकनीकी स्तर पर बड़े बदलाव दिखें तो हैरान होने की जरूरत नहीं। विवि के नए कुलपति प्रो. एके बख्शी ने बुधवार को कार्यभार संभालने के बाद बातचीत में साफ कहा कि तकनीकी विकास उनकी प्राथमिकता है। विवि में सेल्फ असेसमेंट प्रणाली लागू करने के साथ कई नई तकनीक का इस्तेमाल करेंगे। कहा कि वह मुक्त विवि के प्रति लोगों की सोच बदलना चाहते हैं और इसे माडर्न ओपेन यूनिवर्सिटी बनाने की चाह रखते हैं। **अमर उजाला** से बातचीत में प्रो. बख्शी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा को लोकप्रिय बनाने के लिए इसकी क्वालिटी इम्प्रूव की जानी चाहिए। इसके लिए चर्चुअल क्लासेस की शुरुआत होगी। इसके जरिए छात्र खुद अपना मूल्यांकन कर सकते हैं। विवि की वेबसाइट पर पाठ्यसामग्री भी डाली जाएगी ताकि छात्रों को अधिक से अधिक जानने, सीखने का मौका मिले। वेबसाइट पर ही छात्रों को प्रश्नबैंक उपलब्ध कराए जाएंगे जिसके माध्यम से छात्र खुद का आंकलन कर सकें। इस प्रणाली के लागू होने पर छात्रों को कक्षाओं में शिक्षकों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा।



प्रो. एके बख्शी

शुरू करेंगे पीएचडी कार्यक्रम

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. एके बख्शी विवि के पीएचडी कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि यूजीसी और दूरस्थ शिक्षा परिषद सेविचार करने के बाद मंत्रालय से आने वाली अड़चन को दूर करने की पहल करेंगे।

दैनिक जागरण
विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दूरस्थ शिक्षा परिषद कराएगा पुस्तकालय का निर्माण

- कुलपति ने किया केंद्रीय पुस्तकालय भवन का शिलान्यास

इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि फाफामऊ के शैक्षणिक परिसर में निर्मित होने वाले केंद्रीय पुस्तकालय भवन का शिलान्यास शुक्रवार को कुलपति प्रो. एके बख्शी ने किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन हुआ और कुलपति ने, नींव का पहला पत्थर रखा। इस दो मंजिला पुस्तकालय भवन का निर्माण दूरस्थ शिक्षा परिषद, नई दिल्ली की ओर से मिले अनुदान से कराया जा रहा है जबकि कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम, कौशांबी इकाई, इलाहाबाद है। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एके सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. टीएन दुबे, प्रो. एसपी गुप्ता, डॉ. एमएन सिंह, डॉ. पीपी दुबे, डॉ. ओमजी गुप्ता और विवि के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

परामर्श कक्षाएं प्रारंभ

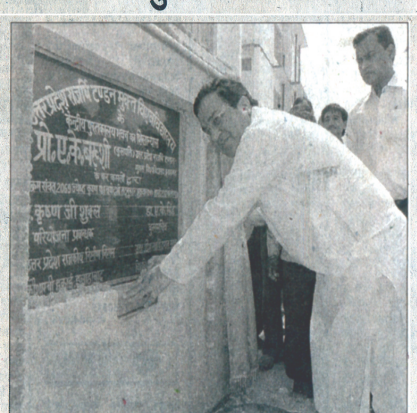

पुस्तकालय भवन का शिलान्यास करते कुलपति प्रो. एके बख्शी।

हिन्दुस्तान
तरक्की यहां चाहिए नया नजरिया

राज्यपाल ने तीन कुलपति नियुक्त किए

राज्य मुख्यालय। राज्यपाल बी.एल.जोशी ने सोमवार को प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों के कुलपति नियुक्त किए हैं। कानपुर के छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.अशोक कुमार बनाए गए हैं। डॉ.अशोक कुमार राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के जूलॉजी विभाग में प्रोफेसर थे। राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का कुलपति प्रोफेसर ए.के.बख्शी को नियुक्त किया गया है। प्रोफेसर बख्शी दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विभाग में विभागाध्यक्ष थे।

इसी तरह प्रोफेसर बिंदा प्रसाद मिश्रा को संपूर्णानंद संस्कृत विवि वाराणसी का कुलपति बनाया गया है। प्रोफेसर मिश्रा लखनऊ विवि के ओरिएंटल संस्कृत विभाग के प्रोफेसर थे। विसं

30 वां राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद
॥सरस्वती नःसुभगा मयस्करत्॥

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़ एक्टिविस्ट

मुविवि : नये कुलपति ने संभाला कार्यभार

इलाहाबाद (डीएनए)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रो. एके बख्शी ने बुधवार को पदभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करना उनकी प्राथमिकता होगी। गुणवत्तापरक शिक्षा पर उनका पूरा जोर होगा। छात्रों को समय से प्रवेश एवं इसके बाद सही समय पर स्टडी मैटीरियल मिल सके। इसके लिए वे गंभीरता से प्रयास करेंगे। उन्होंने तीव्र गति से बढ़ रहे मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों से वादा किया कि आगामी समय में ई-लर्निंग पर उनका पूरा जोर होगा। जिससे अधिक से अधिक छात्रों को विश्वविद्यालय का अंग बनाया जा सके। उन्होंने तकनीकी विकास पर भी जोर देते हुए कहा कि तकनीकी संसाधनों से विश्वविद्यालय को लैस किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का विकास इस तरह से किया जायेगा। जिससे छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में अधिक से अधिक संख्या में सफल हो सकें। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के इस अहम केन्द्र में शैक्षिक गतिविधियों से कोई भी समझौता बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। प्रो. बख्शी दिल्ली विश्वविद्यालय में देश के सबसे बड़े विभाग रसायन विभाग के डीन रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि मूल रूप से दिल्ली के ही रहने वाले हैं। उनकी शिक्षा दीक्षा भी दिल्ली में ही हुयी है। उन्होंने 21 वर्ष की ही उम्र में शिक्षण कार्य शुरू कर दिया था। डबल गोल्ड मेडलिस्ट प्रो. बख्शी जर्मनी की डैड फेलोशिप पा चुके हैं। वे पांच-छह वर्ष तक चंडीगढ़ में भी शिक्षण सेवा दे चुके हैं। वे शंकर लाल चेयर आफ कैमेस्ट्री के लिए भी कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा वे विदेशों में भी रासायन विज्ञान के क्षेत्र में कार्य कर चुके हैं। उनके पदभार ग्रहण करते समय कुलसचिव डा. एके सिंह, वित्त अधिकारी तापस बनर्जी, परीक्षा नियंत्रक डा. आरपीएस यादव, डा. टीएन दूबे, डा. हरीशचन्द्र जायसवाल, डा. एसपी गुप्ता, डा. एमएन सिंह, डा. बीएन सिंह, डा. पीपी दुबे, डा. ओजी राम एवं पीआरओ प्रभात मिश्र मौजूद रहे।



गुणवत्तापरक शिक्षा ही लक्ष्य : प्रो. बख्शी

SUNDAY TIMES
OPINDIA

Preparations in full swing for UPRTOU's convocation

Governor To Grace The Function On February 29

TIMES NEWS NETWORK

Allahabad: Preparations are in full swing at the convocation ground of the Academic Complex of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) which would hold its sixth convocation on February 29. The governor and Chancellor of the University B L Joshi will preside over the function while the convocation address would be delivered by chief guest Prof Harsh K Gupta, member, National Disaster Management Authority, Government of India.

Giving details of the preparations on Saturday, vice-chancellor of UPRTOU Prof A K Bakshi said that around 12,000 students, who have passed their examination in December 2010 or June 2011, would be awarded degrees and PG diplomas at the convocation. Besides, 17 brilliant students would also be felicitated with gold medals. Students from the remote places of the state are expected to take part in the convocation.

He further said that the Chancellor's Gold Medal has been bagged by BCA student Nivedita Singh of Ballia. She has scored the highest marks amongst all undergraduate and postgraduate students. Other recipients of the University Gold Medal, from Post Graduate courses, include Anamika Pandey of MA Economics, Niraj Rani of MA Social Work, Ranjan Sen Gupta of MCom, Dilip Kumar Maurya of MCA, Gyan Prakash Saini of MA Hindi and Narendra Kumar MSc Bio-Chemistry. Similarly, for under-graduate courses, those who would be given Gold Medal include Ranjeeta Visawakarma from BLIS, Hena Fatima of BA, Akhilesh Kumar of BCom, Nivedita Singh from BCA and Dharmendra Kumar Mishra from BEd.

Five Donor Gold Medals will be given to the students in the convocation. The recipients include Shivani Srivastava who would be given Babu Om Prakash Gupta Memorial Gold Medal, Jyoti Srivastava of BEd to be given Johra Ahmad Mirja Memorial Gold Medal, Rupa Chaturvedi of MBA who would awarded with Sri Kailashpat Nevetia Gold Medal, and Late Anil-Meena Chakravarti Memorial Gold Medal would be awarded to Hena Fatma (BA) and Niraj Rani (MA) Social Work.

राष्ट्रीय सहारा
www.samaylive.com

बीएड (विशिष्ट शिक्षा) में नौकरी की बेहतर संभावना : डा. सिंह



केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला

एक नजर

प्रो. बख्शी ऑडिट एवाइजरी बोर्ड के सदस्य बने

इलाहाबाद : उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. एके बख्शी को उप्र स्टेट ऑडिट एडवाइजरी बोर्ड का दो वर्ष के लिए सदस्य नामित किया गया है। प्रो. बख्शी लेखा परीक्षा संबंधी मामलों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव देंगे।



प्रो. एके बख्शी।

दैनिक जागरण
विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

अब कभी भी ले सकेंगे मुविवि में प्रवेश

- प्रवेश लेते ही मिलेगी पदवर नामधी और आईटेल होंगे एसाइनमेंट

इलाहाबाद : छात्रों की जरूरतों के अनुरूप उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय ने अपने प्रवेश प्रक्रिया में महत्वपूर्ण परिवर्तन करने का निर्णय लिया है। अब आप कभी भी मुक्त विवि में प्रवेश ले सकते हैं। जुलाई शुरुआ विवि के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आयाम जुड़ने की पूरी उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि अभी तक विश्वविद्यालय में सात में से दो सत्रों में प्रवेश लिया जा सकता है। दिसंबर और जून सत्र। कार्यालय में जून सत्र की प्रवेश परीक्षा चल रही है। 20 मार्च प्रवेश की अंतिम तारीख है। लेकिन अब विश्वविद्यालय ने एक ऐसा प्रस्ताव तैयार किया है जब कोई भी छात्र किसी भी दिन आकर एडमीशन ले सकेगा। अलावा पीजी या अन्य विश्वविद्यालयों के साथ उसे जाने में देरी। इसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि कभी कभी छात्र कुछ विशेष समय खाली रहता है और वह उस समय इस्तेल होना चाहता है पर उस समय प्रवेश की सुविधा नहीं होती। बाद में वह काम में कम्य प्रवेश के लिए समय नहीं निकाल पाता। ऐसे में पहले का उसका हजार पए नहीं हो पाता। ऐसे छात्र जिस विवि को चाहेंगे, एडमीशन ले सकेंगे और उन्हें उसी दिन पढ़ाए जाने वाले सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अनुसार ही असाइनमेंट दिए जाएंगे। इससे छात्रों को फायदा होगा कि, मुक्त विवि का मुल उद्देश्य भी पूरा होगा। उल्लेखनीय है कि विवि को सबसे ज्यादा नुकसान अनुपस्थित छात्रों के कारण होता है। दिसंबर में जून सत्र के परीक्षा में 12 प्रतिशत से अधिक छात्रों ने अनुपस्थित रहकर परीक्षा छोड़ दी थी। इसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि कभी कभी छात्र कुछ विशेष समय खाली रहता है और वह उस समय इस्तेल होना चाहता है पर उस समय प्रवेश की सुविधा नहीं होती। बाद में वह काम में कम्य प्रवेश के लिए समय नहीं निकाल पाता। ऐसे में पहले का उसका हजार पए नहीं हो पाता। ऐसे छात्र जिस विवि को चाहेंगे, एडमीशन ले सकेंगे और उन्हें उसी दिन पढ़ाए जाने वाले सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अनुसार ही असाइनमेंट दिए जाएंगे। एसाइनमेंट भी पहले का हजार पए नहीं हो पाता। ऐसे छात्र जिस विवि को चाहेंगे, एडमीशन ले सकेंगे और उन्हें उसी दिन पढ़ाए जाने वाले सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अनुसार ही असाइनमेंट दिए जाएंगे। एसाइनमेंट भी

निवेदिता सिंह को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के छठे दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल और कुलाधिपति बीएल जोशी करेंगे। 29 फरवरी को होने वाले दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य प्रथमश्री डॉ. हर्ष के गुप्ता होंगे। दीक्षांत समारोह में 17 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिया जाएगा। इलाहाबाद स्वर्ण पदक से प्रतिभा देवी निवेदिता सिंह को सम्मानित किया जाएगा।

मुक्त विवि के कुलसचिव डॉ. एके बख्शी ने बताया कि दीक्षांत समारोह की समस्त तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। प्रदेश भर के लगभग एक हजार से अधिक छात्रों ने इसमें भाग लेने के लिए रुद्र एक्सीलेंस कर लिया है। इलाहाबाद व सुल्तान विहार, जौनपुर सहित, गोरखपुर व अम्बेडकर नगर विद्यालय केन्द्रों के छात्रों ने इसके लिए सबसे अधिक आवेदन किए हैं। इसके अलावा इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय दिल्ली, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस विश्वविद्यालय कोलकाता, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, इग्नू नई दिल्ली, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, कृषि विश्वविद्यालय नैनी, इलाहाबाद, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, हेमवती नन्दन बहुगुणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर, गढ़वाल, उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय ऋषिकेश, उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार

अमर उजाला

अब मुक्त विवि में पूरे साल दाखिला

दीक्षांत समारोह 29 को, निवेदिता को कुलाधिपति स्वर्ण पदक

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए अब कोई आखिरी तारीख नहीं होगी। पूरे साल दाखिला लिया जा सकेगा। कुलपति प्रो. एके बख्शी ने शनिवार को प्रेसवार्ता में बताया कि इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया है। शासन से इसे मंजूरी मिलने की भी उम्मीद है। 15 सितंबर से शुरू होने वाले नए सत्र से व्यवस्था लागू कर दी जाएगी।

प्रो. बख्शी ने बताया कि विश्वविद्यालय का छठा दीक्षांत समारोह 29 फरवरी को दिन में 11 बजे फाफामऊ परिसर में आयोजित होगा। राज्यपाल बीएल जोशी सामरोह की अध्यक्षता करेंगे। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पदमश्री प्रोफेसर हर्ष के. गुप्ता मुख्य अतिथि होंगे। समारोह में 12



हजार छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की जाएगी। 17 को स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। सत्र दिसंबर 2010 तथा जून 2011 में सभी पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक पाने वाली बीसीए की निवेदिता सिंह को कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। बलिया की निवेदिता ने 84.73 फीसदी अंक प्राप्त किए हैं। 12 विषयों में 47 छात्र-छात्राओं को पीएचडी की उपाधि दी जाएगी।

स्नातकोत्तर वर्ग मानविकी में अनामिका पांडेय, समाज विज्ञान में नीरज रानी, प्रबंधन अध्ययन में रंजन सेन गुप्ता, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान में दिलीप कुमार मौर्य, शिक्षा में ज्ञान प्रकाश सैनी और विज्ञान में नरेंद्र कुमार को स्वर्ण दिया जाएगा। स्नातक वर्ग मानविकी में रजीता विश्वकर्मा, समाज विज्ञान में हेना फातमा, प्रबंधन अध्ययन में अखिलेश सिंह कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान में निवेदिता सिंह तथा शिक्षा विद्या में धर्मेंद्र कुमार मिश्र को स्वर्ण पदक से नवाजा जाएगा। दानदाता वर्ग में शिवानी श्रीवास्तव को बाबू ओम प्रकाश गुप्त, ज्योति श्रीवास्तव को जोहरा अहमद मिर्जा, रूपा चतुर्वेदी को कैलाशपति नेवेटिया, हेना फातमा को स्व. अनिल-मीना चक्रवर्ती स्नातक तथा नीरज रानी को परास्नातक का स्वर्ण प्रदान किया जाएगा। प्रो. बख्शी ने बताया कि दीक्षांत समारोह के लिए एक हजार छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया है।

दैनिक जागरण

'जिज्ञासा' से शांत होगी जिज्ञासा

- जिज्ञासा में मुक्त विवि संबंधित उठ सकने वाले सवालों के हैं जवाब

वरिष्ठ संवाददाता, इलाहाबाद : छात्रों में असीमित जिज्ञासाएं होती हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति से जुड़ने के पूर्व कई तरह के संशय छात्रों के मन को उद्वेलित करते रहते हैं। इन्हीं जिज्ञासाओं और संशयों को दूर करने के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने 'जिज्ञासा' नाम की एक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया है। इस पत्रिका का ध्येय वाक्य है, आपके प्रश्न, हमारे उत्तर। इस पत्रिका के प्रकाशन का उद्देश्य विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के लिए परामर्श देना है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने अभी इस पत्रिका को निश्शुल्क रखा है। इसे विश्वविद्यालय कैंपस से लिया जा सकता है। विवि इस पत्रिका को समय-समय पर और अपडेट करेगा। इसे कुछ मामूली चार्ज के साथ प्रवेश के बाद मिलने वाली अध्ययन सामग्री के ही साथ देने पर विचार चल रहा है।

इस पुस्तिका में मुक्त विश्वविद्यालय से संबंधित जितने भी सवाल उठ सकते हैं, के जवाब हैं। जिज्ञासा में विवि प्रशासन, पुस्तकालय, कम्प्यूटर सेंटर, प्राध्यापक वर्ग, प्रवेशा आदि के बारे में जानकारी दी गई है। इसके अलावा विश्वविद्यालय का परिचय, मान्यता, प्रवेश से संबंधित जिज्ञासाएं, पाठ्यसामग्री संबंधित जिज्ञासाएं, अधिन्यास संबंधित जिज्ञासाएं, परामर्श सत्र, क्रेडिट, परीक्षा, परियोजना कार्य, सेवा स्थापना, विवि परिसर आदि के बारे में उठ सकने वाले सवालों के जवाब हैं।

समर कैंप में बच्चों ने किया धमाल

इलाहाबाद : उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की ओर से कोरल वलय में आयोजित समर कैंप के अंतिम दिन बच्चों ने खूब धमाल मचाया। पेंटिंग, फिल्मी गीतों पर सामूहिक नृत्य, गायन आदि की मोहक प्रस्तुति कर उन्होंने हर किसी का दिल जीत लिया। अध्यक्षता कर रहे मंडल रेल प्रबंधक हरींद्र राव ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों का उत्साहवर्धन होने के साथ उनकी प्रतिभा में निखार आता है। यह ऐसा आयोजन है जो बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। संगठन की अध्यक्ष विमला राव के निर्देशन में एक माह तक बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन हुआ। इसमें बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए उन्हें तरह-तरह का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि आगे भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में सारे बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान एके मिश्र, पीके ओझा, राजीव किशोर, अनिल द्विवेदी, जय सिंह, सुधीर, क्षमा मिश्रा, योगिता सिंह, रोमस गोयल, रुचि ओझा, राखी द्विवेदी, चंचला प्रसाद, सीमा कुलश्रेष्ठ, अंजली, कंचन, सुधा, नूतन, गीता आदि मौजूद थीं।

MISSION ADD-MISSION

Open University से भी मिल सकती है मनचाही मंजिल

ajit.shukla@inext.co.in

इंटरमीडिएट पास स्टूडेंट्स के लिए अब्बल ऑप्शन के साथ ओपेन यूनिवर्सिटीज का भी रास्ता खुला हुआ है. वे इन यूनिवर्सिटीज के कोर्सेज में एडमिशन लेकर अपना कॉरियर संवार सकते हैं. इसके अलावा डीम्ड यूनिवर्सिटी भी उनके लिए बेहतर ऑप्शन बन सकते हैं. पैरेंट्स अपने बच्चों की रुचि के मुताबिक कोर्स में एडमिशन दिला सकते हैं. आई नेक्स्ट, मिशन एडमिशन की तीसरी पेशकश के तू कुछ ऐसी ही यूनिवर्सिटीज व इंस्टीट्यूशंस को इंट्रोड्यूज कर रहा है, जो बच्चों के लिए विकल्प बन सकते हैं.

'आने वाला time open universities का होगा'

वह समय दूर नहीं जब लोग कंवेंशनल यूनिवर्सिटी के बजाए ओपेन यूनिवर्सिटीज से पढ़ाई करना पसंद करेंगे. जिस तरह से इन यूनिवर्सिटीज का प्रसार हो रहा है और लोगों की जरूरतें पूरी हो रही हैं. कम से कम उसको देखकर तो ऐसा ही लगता है. उस स्थिति में अन्य देशों की तरह ही इंडिया का भी ग्रिप इनोवेटिव टीचिंग मेथड्स हो सकेगा. ऐसा होने पर एजुकेशन का यह सपना पूरा हो सकेगा, जिसे अब से लगभग 31 साल पहले देखा गया था. दरअसल, ऑफिस से अधिक लोग पढ़ाई कर सकें, इस मंशा से पहली बार डिस्टेंस एजुकेशन की शुरुआत सीवीएएई की ओर से 1979 में ओपेन स्कूल खोलकर की गई.

फिर ICDEO से हुई शुरुआत

कदम आगे बढ़ाया गया और ठ. साल बाद ही लोगों को डायर एजुकेशन देने के लिए इंदिरा गांधी नेशनल ओपेन यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई. फिर एक के बाद एक करके कई ओपेन यूनिवर्सिटीज की स्थापित किया गया. 1999 में ड.ड. वार्षपि ठंडन ओपेन यूनिवर्सिटी की स्थापना ी गई, जो इन दिनों लगभग साढ़े चार सौ स्टडी रिंटर के थ्रू पूरे स्टेट में फैल कर लोगों को ्लूकेशन प्रोवाइड कर रहा है.

ानी होगी Knowledge society

ात को आगे बढ़ाना और लोगों को शिक्षित करना ' सो विदेशों की तरह नॉलेज सोसाइटी बनाने ा कन्सेप्ट लेकर चलना होगा. यानी देश का र नागरिक निश्चित हो और वह देश के ्यावसमेंट में अपना योगदान दे सके. ये सपना ए हो सकता है ओपेन यूनिवर्सिटी के थ्रू. बस स्थल है तो इन यूनिवर्सिटीज में क्वालिटी बेस्ड ्लूकेशन देने की, जिसकी शुरुआत हो चुकी '. अब ओपेन यूनिवर्सिटीज के डिग्री को भी पॉटिंट मिलने लगी हैं. लोगों के मन में इन ुनिवर्सिटीज की डिग्री को लेकर बैठा कन्फ्यूजन ूर हो गया है. यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने अच्छा ्थान हासिल कर ये सिद्ध कर दिया है कि यहां



से भी अब क्वालिटी केज एजुकेशन मिलने लगी है.

होगी नए improvement

यूपीआरटीओपेन में भी स्टूडेंट्स को और भी क्वालिटी केज एजुकेशन मिल सके, इसके लिए नए सिरे से तैयारी की गई. सेशन 2012-13 में कई सारे बदलाव देखने को मिलेंगे. कंटेंट्स एजुकेशन के तहत जब आंखों एक्सिपर्ट पाठों का केंद्रा अपनाया जाएगा. पीयर एक्सपीरेंस पढ़ाने के थ्रू स्टूडेंट्स को स्टडी मैटेरियल उनके घर तक पहुंचाया जाएगा. इसके अलावा ग्राम ट्रेडाम एग्जाम कराए जाएं और रिजल्ट भी निर्धारित समय से डिक्लेयर हो. इसके लिए नए सेशन से एकेडमिक कलेन्डर जारी किया जाए. पूरी कोशिश होगी कि आने वाले एक दो सालों में यूपीआरटीओपेन्ड विश्वसनीयता और गुणवत्ता और भी बेहतर हो जाए.

प्रो. एके बख्शी
वाइस चांसलर यूपीआरटीओपेन्ड.



Bachelor Programmes

B.A. (General) Duration: 3 years Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 2600 per year	B.Sc (Major) Duration: 3 years Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 4550 per year
B.A. (Major) Duration: 3 years Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 2650 per year	B.Sc (Job Oriented) Duration: 3 years Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 4600 per year
B.A. (Job Oriented) Duration: 3 years Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 2700 per year	B.S.W Duration: 3 years Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 3500 per year
B.A. (Tourism) Duration: 3 years Medium: Hindi/Engl'sh Seat: no limt Fee: ₹ 2600 per year	BBA Duration: 3 years Medium: English Seat: no limt Fee: ₹ 7200
B.Com Duration: 3 years Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 2600 per year	BCA Duration: 3 years Medium: English Seat: no limt Fee: ₹ 9400
B.Sc (General) Duration: 3 years Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 4550 per year	

Diploma Programmes

Applied Statistics & Computers Duration: 1 year Medium: English Seat: no limt Fee: ₹ 3100

Diploma Programmes

Health Education & Nutrition Duration: 1 year Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 2600	
Toursim Studies Duration: 1 year Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 3400	
Rural Development Duration: 1 year Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 3400	
Dietetics & Nutrition Duration: 1 year Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 4400	
Early Childhood Care & Education Duration: 1 year Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 2600	
Fashion Designing Duration: 1 year Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 4400	
Textile Designing Duration: 1 year Medium: Hindi/English Seat: no limt Fee: ₹ 4400	
Photography Designing Duration: 1 year Medium: English Seat: no limt Fee: ₹ 3400	
Home Arts Duration: 1 year Medium: English Seat: no limt Fee: ₹ 3400	
Indian Heritage Duration: 1 year Medium: Hindi Seat: no limt Fee: ₹ 2600	
Sanskrit Duration: 1 year Medium: Hindi Seat: no limt Fee: ₹ 2600	

Pg 6 | i next Allahabad, 26 February 2012

अब tension नहीं

- uprtou में जब जाओ admission पाओ का funda
- vc का दावा, university में जल्द शुरू होगी ठ facility

i next reporter

ALLAHABAD (25 Feb): एडमिशन के लिए न तो अब कोई लंबा इंतजार करना पड़ेगा, न ही इसके लिए टेंशन लाना पड़ेगा. चाहत एडमिशन चाहे के थ्रू 12 पहले कैंटीन्यू होगा. जी हां हम बात कर रहे हैं उ.प्र. राजर्षि टंडन ओपेन यूनिवर्सिटी की. जल्द ही यहां एडमिशन कंटीन्यू का फंडा चलने जा रहा है. यानी चाहत जो एक बच्ची ने पीजी में यूनिवर्सिटी में थ्रू ही होने वाले इस फैसलेली का थ्रू एडमिशन लिया.

चाहत चांसलर के मुताबिक पहले की तरह एक साल में दो सेशन ना होना, लेकिन एडमिशन की कोई लास्ट डेट नहीं होगी. इस यूनिट का एडमिशन फार्म सेशन में चलता जाएगा, जो 15 सितम्बर तक एडमिशन ले लेता है. उसके बाद 15 फरवरी तक एडमिशन लेने के बाद पहले यूनिट का एडमिशन सेकंड सेशन में चला जाएगा. ये इसी क्रम में चलते रहेगा. इस प्रकार यूनिट कार्ड्स भी यूनिवर्सिटी को ज्यादा देने नहीं पड़ेंगे और पढ़ाई का सिलसिला भी टूट जाएगा.

साथ पढ़ाई होते जाती

यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन ने स्टूडेंट्स के लिए ये फैसिलिटी इसलिए शुरू की है, ताकि उनकी एडमिशन के लिए होने वाला काफी भटके. ये कार्ड भी एडमिशन के साथ मिलेगी. फैसिलिटी लेकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं. बता दें कि एडमिनिस्ट्रेशन ने डिसाइड किया है कि स्टूडेंट्स को एडमिशन के दौरान ही उनके कोर्स से रिलेटेड यूज का थ्रू स्टडी मैटेरियल प्रोवाइड कर दिया जाए.



प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी देते प्रो. एके बख्शी.

hindustan

12,000 STUDENTS TO GET DEGREES IN UPRTOU CONVOCATION ON FEBRUARY 29



UPRTOU VC Prof AK Bakshi addressing media persons.

i next

इंतजार हुआ खत्म

- uprtou का 6th convocation 29 feb. को, तैयारी पूरी
- 12 thousand students को मिलेगी degree

i next reporter

ALLAHABAD (25 Feb): यानी वो घड़ी पूरी होने के बस चंद घंटे बचे हैं. जिनका स्टूडेंट्स को ना जाने कब से इंतजार था. इस घड़ी के लिए उन्होंने ना जाने कितने पापड़ बेले. यूनिवर्सिटी के कई कंवेंशन भी हुए. लेकिन स्टूडेंट्स को कंवेंशन का इंतजार ही रहा. अब ये इंतजार खत्म होने जा रहा है. यूपी टेक्निकल यूनिवर्सिटी के 29 फरवरी को होने जा रहे कंवेंशन के लिए यूपिसिटी एडमिनिस्ट्रेशन ने तमाम तैयारी पूरी कर ली है. यह जानकारी गुरु गहांस कॉलेज प्रो. एके बख्शी ने पीटाई की प्रेस कांफ्रेंस में दी.

chancellor award

कंवेंशन में डॉ. गणेश प्रसाद हनुमंतपुर ऑफ टेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी को चांसलर गोल्ड मेडल अवार्ड के लिए चुना गया है. रिपोर्ट्स दिखाए 2010 और थ्रू 2011 सेशन में 64.73 फीसदी मार्क्स के साथ पूरी यूनिवर्सिटी में फर्स्ट पोजिशन पर हैं. इसके अलावा कंवेंशन में 17 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल और 12 स्टूडेंट्स को सिल्वर मेडल को चीफगेस्ट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा.

governor करेंगे अध्यक्षता

प्रो. बख्शी ने बताया कि यूपिसिटी के चांसलर व यूट्र के गवर्नर चीफगेस्ट होंगे. यूपिसिटी के सभी कंवेंशन की अध्यक्षता यानि और स्टूडेंट्स को मेडल के साथ हिंदी प्रमुख करेंगे. प्रोफेसर में यहीं चांस होता रहेगा. वेलकम डिस्कशन वीसीपाई. डीरेक्टर एकेडमिक प्रो. एके के थ्रू धन्यवाद ज्ञापन देंगे.

युनाइटेड भारत

दूरस्थ शिक्षा के छात्रों से रूबरू हुए कुलपति

इलाहाबाद,५ फरवरी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रोफेसर ए के बख्शी शुक्रवार को विवि के मुख्य परिसर में छात्रों से रूबरू हुए। उन्होंने छात्रों से मुक्त विवि के बारे में बताया कि उनकी आवेदन पत्र कहां जमा करना है और आवेदन की समयसीमा क्या है। कुलपति प्रो. बख्शी ने छात्रों को बताया कि विश्वविद्यालय में क्वालिटी बेस्ड एजुकेशन देने की, जिसकी शुरुआत हो चुकी है। अब ओपेन यूनिवर्सिटीज के डिग्री को भी पॉटिंट मिलने लगी हैं. लोगों के मन में इन यूनिवर्सिटीज की डिग्री को लेकर बैठा कन्फ्यूजन दूर हो गया है. यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने अच्छा स्थान हासिल कर ये सिद्ध कर दिया है कि पहले विवि स्तरीय स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन पत्र भरने की तारीख 15 फरवरी थी। कुलपति प्रो. बख्शी ने छात्रों को बताया कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए छात्रों को स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों के लिए 15 सितम्बर तक और परास्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों के लिए 15 फरवरी तक का समय दिया जाता है। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. एके सिंह, प्रो. एसके सिंह, प्रो. एसके राय, प्रो. एसके सिंह, प्रो. एसके राय, प्रो. एसके सिंह, प्रो. एसके राय